

HRA का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

मं० 14]

नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 4, 1981 (चैत्र 14, 1903)

No. 14] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 4, 1981 (CHAITRA 14, 1903)

इस भाग में शिक्स पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

भाग 111--खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उक्च म्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

केन्द्रीय सतर्कता प्रायोग नई दिल्ली, विनांक 25 फरवरी 1981

मं० 10 ग्रार० सी० टी०-4—केन्द्रीय सतर्कना ग्रायुक्त एतद्वारा श्री एस० बी० नरुला, सहायक ग्रिभयन्ता (विद्युत) केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को 9-2-81 (पूर्वाह्न) मे केन्द्रीय सतर्कता आयोग में स्थानापन्न रूप से सहायक तकनीकी परीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 मार्च, 1981

सं० 10 ग्रार०मी०टी०-2-केन्द्रीयं सतर्कता ग्रायुक्त एतद्द्वारा श्री कृष्ण लाल ग्राहूजा, इस ग्रायोग के स्थाई सहायक को स्थानापन्न रूप से दिनांक 28-2-81 से 27-5-81 तक या ग्राग्रिम ग्रादेश तक, जो भी पहले हो, श्रनुभाग ग्राधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 2 के-ग्रार०सी०टी०-10—केन्द्रीय सतर्कता श्रायुक्त एतद्दाराश्री पी० एन० भाटिया, डेस्क श्रीधकारी, कार्मिक एवम् प्रणासनिक सुधार विभाग, को केन्द्रीय सतर्कता श्रायोग में 1-6 GI/81 दिनांक 28-2-1981 (श्रपराह्म) से श्रमले श्रादेश तक स्थानापन्न रूप से श्रपना निजी सचिव नियुक्त करते हैं। कृष्ण लाल मल्होत्रा श्रवर सचिव हुते केन्द्रीय सतर्कता श्रायुक्त

> गृह मंत्रालय प्रशासनिक सुधार विभाग केन्द्रीय अन्वेषण च्यूरो नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च, 1981

मं० ए०-19036/2/77-प्रशासन-5—निवर्तन की ग्रायु प्राप्त कर लेने पर, श्री ग्रो० वेनुगोपाल, पुलिस उप-ग्राधीक्षक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो ने दिनांक 28-2-1981 के ग्रपराह्म से पुलिस उप-ग्राधीक्षक के पद का कार्यभार त्याग दिया।

दिनांक 16 मार्च, 1981

सं० ग्रार०-55/65-प्रणासन-5—प्रतिनियुवित पर वरिष्ट सतर्कता ग्रधिकारी के रूप में नियुक्षित हो जाने पर, श्री

(4467)

म्रार० गणपतिम्रप्यन, पुलिस उप-म्रधीक्षक, केन्द्रीय भन्वेषण क्यूरो की सेवाएं दिनांक 9-3-81 (भपराह्म) से भारत हैवी इलैक्ट्रीकल्स लि०, तिकविरापक्ली की सौपी जाती हैं।

की० ला० ग्रोवर प्रणासनिक ग्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरी

महानिवेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली 110001, दिनांक 28 फरवरी, 1981

सं० एफ-2/43/80-ईस्ट-I (सी० आर० पी० एफ०)— राष्ट्रपति, समूह केन्द्र-II, ग्रजमेर, केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस कल के कमान्डेट श्री धार० एस० नोटियाल को ग्रग्रिम धादेश तक 67वीं वाहिनी, के० रि० पु० वल का कमांडेंट अपने कार्यभार के ग्रतिरिक्त नियक्त करते हैं।

सं० एफ०-2/43/80-ईस्ट-I(सी० म्रार० पी० एफ०)— राष्ट्रपति, समूह केन्द्र, नागपुर, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के कमांडेंट श्री एन० शमणुद्दीन को ग्रिग्रम मादेश तक 64वीं वाहिनी, के० रि० पु०बल का कमांडेंट ग्रपने कार्यभार के ग्रतिरिक्त नियुक्त करते हैं।

सं० एक०-2/43/80-ईस्ट-I(सी०म्रार०पी०एफ०)—राह्द-पति, समूह केन्द्र, भुवनेश्वर, केन्द्रीय रिजर्ष पुलिस बल के कमांडट श्री ए० के० बन्छोपाध्याय को भग्निम धादेश तक 66 वीं वाहिनी, के० रि०पु० बल का कमांडेंट ग्रपने कार्यभार के भ्रतिरिक्त नियुक्त करते हैं।

विनांक 9 मार्च, 1981

सं० भ्रो० दो-1527/81-स्थापना—राष्ट्रपतिजी, जा० कृष्ण कुमार बापराव ढेमरे को भ्रस्थाई रूप से भ्रागामी भ्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० श्रो० ग्रेज-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमांडर) के पद पर दिनांक 28-2-81 के भ्रपराष्ट्र से, डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर, नियुक्त करते हैं।

दिनांफ 10 मार्च, 1981

सं० ग्रो० दो०-1445/79-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्य पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) ज्योत्सना विवेदी को 2-3-1981 के पूर्वाह्म से केवल तीन माह के लिए ग्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें से जो भी पहले हो उस तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्थ पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा ग्रधिकारी के पद पर तदर्थ एप से नियुक्त किया है।

सं० डी०-I-1/80-स्थापना—क्रिगेडियर पी० एन० खण्डरी ने पूर्वनियुक्ति की श्रवधि समाप्ति पर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में उपनिदेशक (ट्रेनिंग) महानिदेशालय, के० रि० पु० बल के पद का कार्यभार दिनांक 16-2-81 पूर्वाह्न से त्याग दिया।

दूसरा

राष्ट्रपति, श्री एम० एल० वाधवा, महाराष्ट्र संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा श्रीधकारी को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में उनकी प्रतिनियुक्ति पर उपबहानिरीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री बाधवा ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के उपनिवेशक (ट्रेनिंग), महानिदेशालय, के० रि० पु० बल के पद का कार्य-भार दिनाक 16-2-81 पूर्वाह्म से सम्भाला।

दिनांक 12 मार्च, 1981

सं० एफ०न्2/13/80-स्थापना—-राष्ट्रपति जी, केन्द्रीय रिजर्ब पुलिस बल के निम्नलिखित चिकित्सा प्रधिकारियों को जनरल डपूटी ग्राफिसर ग्रेड-I (सहायक कर्माडेंट) के पद पर दिनाक 26-2-1981 से स्थाई रूप से नियुक्त करते हैं।

- 1. डा० मतैन्जय गुप्ता
- 2. डा० पी० पास्डा
- 3. डा० डी० एन० कर
- 4. डा० टी० के० रोय
- 5. डा० ग्रार० के० प्रधान
- 6. डा० बी० एन० माचार्य
- 7. डा० के० मोहापाझ
- 8. डा० झार० के० नेगी
- 9. डा० कुल भूषण
- 10. डा० बी० सी० साह
- 11. डा०ए० के० दास
- 12. डा० सत्यनारायण पदनायक
- 13. डा० झार० के० मोहन्ती
- 14. डा० जी० सी० मोहन्ती
- 15. डा० पी० सी० विसवाल
- 16. डा० एस० एन० जयप्रकाश

ए० के० सूरी सहायक निदेशक (स्थापना)

महानिदेशक का कार्यालय केन्द्रीय मीद्योगिक मुरक्षा बल नईदिल्ली,दिनांक 12 माच, 1981

सं० ई०-31016/1/80-कार्मिक—तदर्थ नियुक्ति की प्रविध समाप्त होने पर श्री जनकराज सर्मा ने 21 फरवरी, 1981 के पूर्वाह्म से महानिदेशक का कार्यालय/के०ग्रो०मु० ब० नई दिल्ली के प्रनुभाग प्रधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-31016/1/80-कार्मिक—महानिदेशक/के०धी०सु० ब०, जनकराज गर्मा, सहायक को, 3 मार्च, 1981 के धपराह्म से महानिदेशक/के० धाँ० सु० बल, नई दिल्ली के कार्यालय में स्थानापन्न रूप से धनुभाग प्रधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं। श्री गर्मा ने उसी तारी ख से उक्त पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं ० ई ०-38013/3/9/80-कार्मिक—देवली को स्थानान्सरित होने पर, श्री जी० एस० ढिल्लों ने 7 फरवरीं, 1981 के अपराष्ट्र से के० भी० सु० ब० यूनिट बी०सी०सी०एल० कारिया के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/12/80-कार्मिक—नीमव से स्था-नान्तरित होने पर श्री रघुनाथ सिंह ने 11 फरवरी, 1981 के पूर्वीक्ष से के० घी० सु० द० यूनिट एच० ई० सो० रांची के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

महानिदेशकः

भारत के महापंजीकार का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1981

सं० 10/29/80-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, नई दिल्ली में भारत के महापंजीकार के कार्यालय के निम्निक्षित अन्वेषकों को उसी कार्यालय में 19 फरवरी, 1981 के पूर्वाह्म सं, एक वर्ष की अविध के लिए या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाए, जो भी अविध पहले हो, प्रतिनिधिक्षित पर सहायक निदेशक (आंकड़े संसाधन) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

क० सं० अधिकारी का नाम

- ा. श्री घो० पी० घाहुजा
- 2. श्री के० बी० रोहतगी
- 3. श्री एस० श्रार० गर्ग
- 4. श्री पी० एन० बनेजा
- 2. उपरोक्त अधिकारियों का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।
- 3. उपरोक्त व्यक्तियों की इस कार्यालय में सहायक निदेशक (मांकड़े संसाधन) के पद पर प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति वित्त मंत्रालय के समय-समय पर यथा संशोधित कार्यालय जापन सं० एफ० 10(24)-ई०III (बी०)/60 तारीख 4 मई, 1961 में निर्धारित णती के मधीन होगी।

सं 0 11/2/80-प्रणा०-1---राष्ट्रपति, बिहार सिविल संवा के प्रशिकारी श्री मोहन लाल को बिहार, पटना में जनगणना कार्य निदेशालय में तारीख 16 फरवरी, 1981 के प्रविह्न से एक वर्ष की प्रविध के लिए या जब तक पद नियमित प्राधार पर भरा जाए, जो भी पहले हो, तदर्थ ग्राधार पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा उप-निदेशक जन-गणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्रो लाल का मुख्यालय पुरिचया में होगा।

दिनांक 16 मार्च 1981

सं० 10/53/79-प्रशा०-1—संघ लोक सेवा ध्रायोग की सिफारिश पर राप्ट्रपति, योजना मंत्रालय के सांक्ष्यिकीय विभाग में कम्प्यूटर सेंटर में सहायक निवेशक के पद पर तदर्थ तौर पर कार्यरत श्री एन० कें० रावल को नई दिल्लों में भारत के महापंजीकार के कार्यालय में तारीख 9 मार्थ, 1981 के पूर्वाह्म सं श्रमले श्रादेशों तक श्रस्थायी रूप सं नियमित शाधार पर सहायक निदेशक (श्रांकड़े संसाधन) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री रावल का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

पीर प्रानाभ भारत के महापंजीकार

वित्त मंद्रालय

बैक नोट मुद्रणालय भ्राधिक कार्य विभाग

देवास, दिनांक 1 मार्च, 1981

सं० बो०एन०पी०/सी०/5/80—प्रचोहस्ताक्षर कर्ता श्री एन० ग्रार० जयरामन, स्थामी कनिष्ठ पर्यवेक्षक (स्टूडियो) को रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 (समूह 'ख' राज्पित्रत) के वेतनमान में दिनांक 26-7-1980 से तकनीकी ग्रधिकारी के रूप में स्थनापन्न रूप से नियुक्त करते हैं। वह उस तिथि को कथित पद पर तदर्थ ग्राधार पर कार्यरत थे।

केन्द्रीय चर्म प्रनुसन्धान संस्थान, ग्राडयार, में मुद्रण ग्रिधि-कारी 'ख' के रूप में चयन हो जाने के बाद श्री एन० श्रार० जयरामन्, तकनोकी श्रिधकारो (मुद्रण श्रीर मुद्रणपट निर्माण) इस संस्थान से दिनांक 21-8-1980 को श्रपराह्म में कार्य-मुक्त किए गए।

दिनांक 13 मार्च, 1981

फा० सं० बो०एन०पी०/सी०/5/81—इस कार्यालय की अधिस्थना कमांक बी०एन०पी०/सी०/5/80 दिनांक 4-12-1980 के अनुक्रम में श्री ए० डां० देशपाण्डे की तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवं प्लेट निर्माण) के पद पर तदर्थ आधार पर की गई निय्क्ति की अवधि उन्हीं शर्तों पर दि० 28-2-81 से आगामी तीन माह के लिए या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो बढ़ाई जाती है।

जे० सी० गुलाठी **इत**ेउप महाप्रबन्धक

महालेखाकार का कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 6 मार्च 1981

सं० प्रणा०-1/8/132/80-8!/464--श्री पि० गोपाला गुप्ता लेखा अधिकारी, महालेखाकार कार्यालय श्रांध्र प्रदेश II सेवा से निवृत्त हुए दि० 28-2-1981 पूर्वाह्म ।

> एन० सुकुमारन, वरिष्ट उप महालेखाकार (प्र०)

तिरुवन्तपुरम, दिनां ह मार्च 1981

सं० स्थापना/हाउदारं / 6/10/3—कार्यालय महालेखाकार, 'केरल'के लेखा अधिकारों श्रार पें० यु० माणी अधिवींपता के कारण 28 फरवरीं, 1981 श्रपराह्म को सेवानिवत्त हो गये।

> ह**् ग्रपठनीय** महालेखाकार

रक्षा मंत्रालय

क्री० जीठि श्रो० एक० मुख्यालय

सिविल सेवा

कलकत्ता-700069, दिनांक 4 मार्च 1981

सं० 7/81/ए/ई०~1 (एन्जी०)—डा० जी० ग्रों० एफ० महोदय, श्रं दिलाप कुमार मित्र (तदर्थ) महायक स्टाफ श्रफ्तपर को, तारीख 2-2-81 से ग्रागामा ग्रादेण न होने तक वर्तमान रिक्ति में, स्थानापन्न सहायक स्टाफ अफसर के पद पर, वरिष्ठता पर बिना प्रभावी हुए प्रोधन करते हैं।

श्रो मित्र श्रपना प्रोज्ञित को तारी**ख** से आगामी दो वर्षों तक परखाविध पर रहेंगे।

ग्राडनेंस फैक्टरी बोर्ड

दिनांक 10 मार्च, 1981

सं० 5/81/ए०/ई०-1 (एन्जा०) — डों०जों०प्रो०एफ० महो-दय, श्रो एम० बों० चक्रवर्ती स्थानापन्न सहायक फोरमेंन (मौलिक एवं अस्थायी चार्चमन ग्रेड-II) (तकर्नकी) गन एण्ड गौल फैक्टरी कानपुर को सहायक स्टाफ श्रफसर (ग्रुप 'बो' राजपलित) के पद पर दिनांक 16-2-81 (पूर्वाह्म) से नियुक्त करते हैं तथा श्राडनेंस फैक्टरी बोडे, कलकत्ता में तैनात करते हैं।

दिनांक 11 मार्च 1981

सं० 6/81/ए०/ई०1 (एन्जी०) — डी०जी० ग्रो०एफ० महोदय शिषिंग एण्ड ट्रांसपोर्ट मंत्रालय नई दिरसी में सी० एस० एस० कैंडर के श्री पी० के० दास, स्थायी सहायक को सहायक स्टाफ श्रफसर (ग्रुप 'बी राजपितत) के पद पर दिनांक 23-2-81 (पूर्वाह्म) से नियुक्त करते हैं तथा श्रार्डनेंस फैक्टरी बोर्ड, कलकत्ता में तैनात करते हैं।

> डी० पी० चक्रवर्ती ए० डी० जी० ग्रो०एफ/प्रणासन, कृते महानिदशक, श्रार्डतेंन्स फैक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च 1981 आयात तथा निर्यात व्यापार नियंद्रण (स्थापना)

सं० 6/353/56-प्रशा० (राज०)/1698—-सेवा निवृत्ति की ग्राय होने पर, श्री के० एम० ग्रार० मेनन, उप-मुख्य निमंत्र ह, आयान-निर्यात, एनाकुलम को 31 जनवरी. 1981 के दौपहर बाद से सरकारी सेवा से निष्कृत हाने की अनुमति दी गई है।

> ए० एन० कौस उप-मुख्य नियंत्रक, भ्रासात-निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, श्रासात-निर्यात

(वाणिज्य विभाग)

कण्डला मुक्त व्यापार क्षेत्र प्रणासन

गांधीधाम (कच्छ), दिनांक 7 फरवरी 1981

सं एफ ० टी ० जेंड ० | प्रशासन | 7 | 2 | 79-80 | 1126 — दिकास प्रायुक्त कण्डला मुक्त व्यापार क्षेत्र गांधिश्राम कच्छ के केन्द्रीय उत्पादक शुरुक, वस्वई के स्थापन प्रधीक्षक श्री गोंकुलगांधी को सुरक्षा ग्रिधि हारी कण्डला सुक्त व्यापार क्षेत्र गांधीश्राम जिस हा वेतनमान ६० 840-40-1000-ई० बी ०-40-1200 है प्रतिनियुक्ति के विक्त मंत्रालय के कार्याक्षय ज्ञापन क० 10(24) | 60-E-III, दि० 4-5-1961 के प्राधार पर जैसा कि समय-समय पर संशोधन हुआ है दि० 2-2-1981 के मुबह से नियुक्त करते हैं।

निरंजन सिंह, विकास प्रायुक्त, कण्डला मुक्त व्यापार क्षेत्र

उद्योग मंत्रालय

श्रीद्योगिक विकास विभाग

विंकास ग्रंग्युक्त (लघु उद्योग) का कार्यीलय नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च 1981

सं० 12/540/66-प्रशासन (राज०) — राष्ट्रपतिजी, विकास
प्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली के श्री
सी० सी० राय, सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (सामान्य प्रशासन
विभाग) को दिनांक 3 मार्च, 1981 (पूर्वाह्म) से श्रगले
ग्रादेशों तक उसी कार्यालय में उप निदेशक (सामान्य प्रशासन
विभाग) के पद पर नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र पाल गृप्त उप निदंशक (प्रशा०)

इस्पात श्रीर खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता 70006, दिनांक 1981

सं० 12451बी०/ए०-19012(3-एम० जी०-)/80-19वी०-डा० (कु०) ममता गौतम को सहायक रसायत्रज्ञ के हप में, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 ६० प्रतिमाह न्यूनतम वेतन पर 650-30-740-35-800-द० रो०-35 880-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० के वेतनमःन में, स्थानापन्न क्षमता में, ग्रागामी ग्रादेण होने तक 24_{-} 5-1980 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा स्हा है।

वी० एस० कृष्णस्वामी, भहानिदेणक

श्राकाणवाणी महानिदेशालय (सिविल निर्माण स्कंध)

नई दिल्ली, दिनांक 10 मार्च, 1981

मं० ए०-12011/2/80-सी० डब्ल्यू०-1—महानिदेणक, आकाणवाणी, नई दिल्ली श्री ग्रार० सी० दास, श्रनुभाग ग्रिधकारी (सिविल) को पदौन्नति पर, उसी प्रभाग में स्थापन क्षमता में रुपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- के वेतनमान में 29-11-80 (ग्रपराह्न) से सिविल निर्माण स्कंध, श्राकाश-वाणी, लखनऊ में सहायक इंजीनियर (सिविल) के स्प में नियुक्त करते हैं।

2. श्री घार० सी० दास की नियुक्ति उनकी पहले ही जारी किए गए पदोक्षति के ग्रादेश संख्या ए०-32014/1/80-सी० डब्ल्यू०-1, दिनांक 25-7-1980 में दी गई शर्तों के श्रनुसार होगी।

ए० ई० के० मुदालियर, म्रितिरक्त मुख्य इंजीनियर (सिविल) के इंजीनियरी म्रिधिकारी कृते महानिदेशक

कृषि मंत्रालय

(कृषि ग्रीर सहकारिता विभाग) विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 मार्च 1981

सं० मि० 3-48/79-स्था०(1)— सर्वश्री एस० एल० धीर, के० श्रार० विज, श्रीर श्रो० पी० भसीन की श्रधीक्षक (ग्रंड अथम) के पद पर तदर्थ नियुक्ति 1-3-81 के श्रागे 31-8-81 तक या पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो बनी रही।

कृष्ण कुमार शर्मा, निदेशक प्रशासन।

भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 3 फरवरी 1981

सं. 5/1/80-स्थापना II/540--नियंत्रक, भाभा परमाणु भ्रतुमधान केन्द्र निम्नलिखित अधिकारियों को, तदर्थ रूप मे उनके नाम के सामने श्रंकित समयावधि के लिए स्थानापन्न सहायक कार्मिक श्रधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

सहाय है कामिक आधिकार	ा क पद पर ।नग	गुक्स करत ह।
क्र० नाम तथा	स्थानापन्न रूप	समयावधि
पदनाम	में निय ुक्ति	
सर्वश्री		
1. एस० ग्रार० पिंगे,	सहायक कार्मिक	23-10-80
एस० जी० सी०	श्रधिकारी	से
		20-12-80
		भ्रपराह्य तक
2. बी० एम० नाइक,	सहायक कार्मिक	10-11-80
एस > जी० सी०	ग्रधि कारी	से
		12-12-80
		ग्रपराह्म तक
3. जे० वी० नाइक, सहायक	सहायक कार्मिक	10-11-80
		से
		12-12-80
		भ्रपराह्न तक
4. ए० के० कात्रे, सहायक	सहायक कार्मिक	10-11-80
	भ्रधिकारी	से
		26-12-80
		श्रपराह्न तक
5. पी० टी० बोरकर, सहायक	सहायक कार्मिक	24-11-80
	श्र धिकारी	से
		24-12-80
		भ्रपराह्म तक
 वी०पी० कुलकर्णी, महायाः 	सहायक कार्मिक	17-11-80
	भ्रधिकारी	से
		30-1-81
		ग्रपराह्म तक

दिनांच 3 मार्च 1981

सं० 5/1/80-स्था० I/957— नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान के निम्नलिखित अधिकारियों की, तदर्थ रूप से उनके नाम के सामने अंकित समयाविध के लिए स्थानागन्न सुरक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

ক ০	नाम तथा पद- नाम	स्थानापन्न रूप में नियुक्ति	समयावधि
1	2	3	4
	गो ो ० सेतुमाधवन, सहा सुरक्षा ग्रक्षिकारी	यंक सुरक्षा ग्रधिकारी	3-11-80 सं 31-12-80 तक 6-1-81 सं 13-2-81

1	2	3	4
	र०णियले, सहा- क्षा ग्रधिकारी .	सुरक्षा ग्रधिकारी	3-12-80 से 17-1-81 तक

कु०एच०बी०विजयकर, उपस्थापना भ्रधिकारी

बम्बई, दिनांक 23 फरवरी 1981

सं ०पी ०ए ०/73 (II)/80-म्रार ०-4— निदेणक, भाभा पर-माणु प्रनुसंधान केन्द्र डा० पी ० के ० दास को निवासी चिकित्सा अधिकारी पद पर, भाभा मनुसंधान केन्द्र के श्रायु-विज्ञान प्रभाग में 6 फरवरी, 1981 पूर्वीह्न से श्रिप्रम स्रादेशों तक श्रस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

> ए० शान्ताकुमारा मैनोन उप स्थापना श्रधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग नरौरा परमाणु विश्वत परियोजना बुलन्दशहर, दिनांक 14 मार्च 1981

म'० न०प०वि०प०/प्रशा०/100(8)/81/एस०/2995-नरौरा परमाणु विधुत परियोजना के मुख्य परियोजना ग्रभियन्ता, ग्रस्थाई सहायक सुरक्षा प्रधिकारी श्री विजय पाल सिंह
को नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना मे दिनांक 5-3-1981 से
4-3-1982 तक एक वर्ष की श्रमधि के लिए ६० 650-30-74035-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में तदर्थ श्राधार
पर, स्थानापन्न रूप में, भूमि प्रबंध श्रधिकारी के पद पर
नियुक्त करते हैं।

के० बी० सेतुमाधवन वरिष्ठ प्रशासन ग्रधिकारी

दिनांक 3 मार्च, 1981

सं० न० प०वि०प०/प्रशा०/26(1)/80-एस०/2940--नरीरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना ग्रिभियन्ता, श्री के० बी० दयालन तथा के० मुन्दरराजन, पर्यवेक्षकों को ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-88040-1000-द०रो०-40-1200/- के वेतनमान में, नरीरा
परमाणु विद्युत परियोजना में स्थानापन रूप में दिनांक 1
ग्रगस्त, 1980 के पूर्वाह्न से ग्रग्रिम श्रादेशों तक के लिए
वैज्ञानिक श्रिधकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के पद पर
नियक्त करते हैं।

श्र० दे० भाटिया, प्रणासन श्रधिकारी

ऋय श्रौर भंडार निदेशालय बम्बई, दिनांकः 11 मार्च 1981

सं ० डी ०पी ०एस ० /डी ०-41/प्रशासन / 5081-- निदेशक, ऋय ग्रौर भंडार निदेशालय, परमाणु ऊर्जा विभाग को श्रीधर लक्ष्मण दातें, सहायक भंडार ग्रिधकारी, भंडार एकक (ऋम ग्रौर भंडार निदेशालय) तारापुर परमाणु बिजली केन्द्र के 7 फरवरी, 1981 को हुए दुखद निधन की घाषणा करते हुए ग्रत्यंत दुख हो रहा है।

> के० बी० जोसफ, प्रशासन ग्रिधकारी

मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना

कलपक्रम, दिनांक 17 फरवरी, 1981

सं० एम० ए० पीपी/3(1348)/81-भर्ती—श्री ग्रार० सुन्नह्र्-मण्यन, जो भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में ग्राशुलिपिक के पद पर मौलिक रूप से तथा परमाणु खनिज प्रभाग (हैदरा-बाद) में सहायक कार्मिक ग्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से निपुक्त हैं, का ग्रंतरण परमाणु खनिज प्रभाग से होने पर, उन्हें 20 जनवरी, 1981 के पूर्वाह्न से ग्रगले ग्रावेश तक के लिए इस परियोजना में स्थानापन्न रूप से कार्मिक ग्रधिकारी नियुक्त किया जाता है।

> ग्रार० पी० हरन, प्रशासनिक ग्रधिकारी इते मुख्य परियोजना ग्रभियन्ता

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद, दिनांक 9 मार्च 1981

सं० प० ख०प्र०-3/1/75-प्रणासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतव्हारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी सहायक एवं स्थानापन्न हिन्दी अनुवादक श्री सोमनाथ सबदेव की उसी प्रभाग में जनवरी 1, 1981 के पूर्वाह्व से लेकर श्रगले श्रादेश होने तक स्थानापन्न ऋष से सहायक कार्मिक श्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

सं ० प० ख ० प्र० - 1/38/78-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग, के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के वैज्ञानिक सहायक 'ग' श्री श्रार० एल ० नरसिम्हा राव को उसी प्रभाग में 28 फरवरी, 1981 के पूर्वाह्व से लेकर श्रगले श्रादेश होने तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अमियंता ग्रेड 'एस बी' नियुक्त करते हैं।

दिनांक 11 मार्च, 1981

सं० प० ख० प्र०-1/6/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्दारा श्री जिशगु दत्त गाम्यामीको उसी प्रभाग में फरवरी 13, 1981 के पूर्वाल्ल से लेकर अगले आदेश होने तक स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

> एम० एस० राव, वरिष्ठ प्रणासन एवं लेखा श्रधिकारी

महानिरीक्षक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च 1981

सं० ए० 35018/6/79-ई०-I—इस कार्यालय की दिनांक 13 नवस्वर, 1981 की समसंख्यक ग्रिधसूचना के कम में राष्ट्रपति ने श्री एम० एल० भनोट, भारतीय पुलिस सेवा (यू० टी०-1957) की नागर विमानन विभाग के नागर विमानन सुरक्षा संगठन में उपनिदेशक (६० 2000-2500 तथा ६० 200/- प्र० मा० विशेष बेतन) के पद पर प्रतिनियुक्ति की श्रवधि 18-10-80 के बाद दो वर्ष के लिए भीर भागे जारी रखने की स्वी ति प्रदान की है।

सं० ए०-19011/80/80-ई०-І—नागर विमानन विभाग के, श्री कविराज सिंह, विमान सुरक्षा श्रधिकारी ने निवर्तन ग्रायु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप सरकारी सेवा मे निवृत्त हाने पर दिनांक 28 फरवरी, 1981 (ग्रपराह्न) से भ्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

मं०ए०-32013/1/81-ई०-।—राष्ट्रपति ने नागर विमान नन विभाग के श्री बी० एन० कपूर, निदेशक वैमानिक निरीक्षण को उसी विभाग में दिनांक 4-3-1981 से 12-7-1981 तक प्रथवा नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जी भी पहले हो, नदर्थ भ्राधार पर उप महानिदे-णक के पद पर नियुक्त किया है।

> सुधाकर गुप्त उप निदेशक प्रशासन

समाहर्ता केन्द्रीय उत्पादन गुरुक नागपुर, दिनांक 12 मार्च, 1981

सं० 2/81 - प्रहमदाबाद समाहर्ता क्षेत्र के प्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुरुक श्रेणी "ख" श्री एन० एच० मासंद्र की भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, नई दिल्ली के श्रादेश क्रमांक 153/80, मिसिल संख्या ए०-22012/8/80-एडी०-II दिनांक 1-11-1980 द्वारा सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुरुक के पद पर पदोक्षति तथा नागपुर समाहर्ता क्षेत्र में तैनात के फलस्वक्ष्प श्री एन०एच० मासंद ने सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुरुक प्रभाग, चन्द्रपुर (जो नागपुर से कार्यान्वित हो रहा है) के

कार्यालय को दिनांक 20 जनवरी, 1981 के पूर्वाह्न से कार्यभार संभाल लिया ।

सं० 3/81—उसके बाद, उनके स्थानान्तरण के फलस्वरूप श्री एन ० एच ० मासंद जो पहल सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद गुरुर प्रभाग, चन्द्रपुर (जा नागपुर से कार्यान्वित हो रहा है) के पद पर तैनात थे, ने श्री श्रार ० जी ० बेले जिन हा स्थानान्तरण हुआ है को कार्यभार मुक्त कर सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पादन गुल्क प्रभाग-1, नागपुर के कार्यालय का दिनांक 27 जनवरी, 1981 के पूर्वाह्र से कार्यभार संभाल लिया।

मं ० 4/81-- नहले सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुस्क प्रभाग-1, नागपुर के पद पर तैनात श्री धार० जी० वेले ने स्थानान्तरण पर दिनांक 27 जनवरी, 1981 के श्रपराह्म में सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग-II, नागपुर के कार्यालय का श्री जे० टी० डोंगरे को कार्यभार मुक्त कर, कार्यभार संभाल लिया।

> के० शंकररामण समाहर्ता

मब्रई समाहर्तालय

मदुरई, दिनांक 13 मार्च, 1981

मं ० VIII/17/55/76-एलजी—1-10-1976 से 30-09 1980 के प्रविध के दौरान केन्द्रीय उत्पादन शुरूक श्रौर लवण ग्रिधिनियम, 1944 श्रौर उसके श्रंतर्गत बने नियमों के ग्रंथीन दोशी ठहराए गए व्यक्तियों का विवरण।

ऋ ० सं ०	दोषी ठहराए गए व्यक्ति का नाम स्रोर पता	ग्रपराध एवं दोष सिद्धि का का विवरण
1	2	3
	सर्वश्री	
	सुब्बय्या नायक्कर, तिरुपरंकुन्ड्रम, मदुरई।	35 बंडल दियासलाइयों पर रु० 416.50 का शुल्क प्रप- वंचन। प्रपर प्रथम श्रेणी न्यायाधीण,
2.	मनोहर पाण्डियन , चोक्कलिंगनगर, मदुरई,	मदुर्श की सीसी सं० 308/76 ता० 27-1-77 केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रीर लवण श्रिधिनियम, 1944 की धारा 9(I)(बी)(II) श्रीर (I)(बीबी)(II) के श्रंतर्गत न्या-यालय दरख्वास्त किए जाने तक का कारावास श्रीर रु० रु० 300/- जुर्माना दो किंग्सों में।

1	2	3	1	2	3
3.	पी० भ्रब्दुल खादर, श्रात्मज पिच्चे मुहम्मद, एल० 5 सं० 19/75, वेलवरज कोट्टै	भाण्डागार में 11724 कि ० ग्रा० तम्बाक की कमी (मुल्क ग्राप्रदत्त) क० 35.172/- का गुल्क ग्राप्रवचन। उप मंडलीय जुडिशियल न्या-याधीश, दिछीगल की सी मी० मं० 554/77 ता० 31-5-77 केन्द्रीय उत्पादन मुल्क ग्रौर लवण ग्राधिनियम 1944 की धारा 9(I)(बीबी)(II) के		पी० एम० पिच्चैं, मोहिद्दीन, रावुनुर, एल० 5 सं० 539/64 एलंगकुरिच्ची	4066 कि० ग्रा० सम्बाक् की कमी क० 12,198/- का श्रुक्त ग्रपवंचन। प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट तिरुच्चीरीपल्ली की सीसी० सं० 738/77 ता० 8-5-78। केन्द्रीय उत्पादन शुरूक ग्रीर लवण ग्रिश्विनियम 1944 की धारा (9)I (बीबी) (II) के ग्रंतर्गत क० 500/- जुर्माना। 17,829 कि० ग्रा० सम्बाक्
		श्रंतर्गत न्यायालय दरखास्त किए जाने तक का कारावास भीर रु० 1000/- जुर्माना।	g.	ए ० मुहस्मद मुस्तफा, श्रात्मज श्रब्बास रावृत्तर एलंगाकुरु च्ची	की कमी⊷रु० 53,484/- का गुल्क ग्रपयंचन। प्रथम श्रेणी न्यायिक
4.	एस० एम० सुर्लमान रावृक्षर, एल० 5 सं० 10/72, पुदुक्कोट्टै	7361 कि० ग्रा० गुल्क ग्रप्रदस्त तम्बाक् की कमी ६० 21,901 का गुल्क ग्रपयंचन। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, पुदुक्काट्टै की सीसी मं० 389/ 77 ता० 18-7-77. नियम 144 के ग्रंतर्गत			मजिस्ट्रेट, तिफिच्चिरापल्ली की सीसी ० सं० 551/77 ता ० 4-5-78 केन्द्रीय उत्पादन शुल्क और लवण अधिनियम, 1944 की धारा 9(I)(बीबी)(II) के ग्रंतर्गन २० 500/- जुर्माना।
		क० 300/- नियम 223 के श्रेत्गैत रु० 300/- कुल रु० 600/-		क्री०के०पी०मुह्म्मदः हनीफ, लंगक्रुरुच्ची	14,676 कि ० ग्रा०तम्बाक् की कमी६० 44,028/- का शुल्क ग्रपवंचन। प्रथमश्रेणीन्यायिकमजिस्ट्रेट,
5	एम० के० राजू, ग्रास्मज मरियदास पिहलै एल० 5 सं० 2/75, श्रीरंगम, तिरुच्चिरापल्ली।	तम्बाक् पर णुल्क अपक्चन क् 7055.60 प्रथम श्रेणी न्यायक मजिस्ट्रेट, तिरुच्चिरा- पत्न्ती की सीसी० सं० 554/77 ता० 30-9-77। केन्द्रीय उत्पाद णुल्क ग्रौर		•	तिरुच्चिरापल्ली की सीसी ० सं ० 555/77 ता ० 8-5-78 केन्द्रीय उत्पादन ग्रुस्क और लवण अधिनियम, 1944 की धारा 9(I)(बीबी)(II) के ग्रतर्गत रु० 500/- जुर्माना।
		लवण श्रिधिनियम, 1944 की धारा $9ig(Iig)ig(बीबीig)ig(IIig)$ के श्रंतर्गत रु० $300/$ - जुर्माना।		ए ० खादर हुसै न, 3/71, वोरियूर, तिहच् ची ।	5388 कि ० ग्रा० तम्बाकू की कमी-६० 16,242/- का मुल्क भ्रपवंचन। प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट
	एम० श्रब्दुल मजीद एन० 5 सं० 1/74, पृदुककोट्टैं।	5108 कि० ग्रा० तम्बाक् की कमी ६० 15,324/- का गुल्क ग्रपबंचन। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पुद्ककोट्ट की सीसी० सं० 881/77 ता० 3-2-78 केन्ट्रीय उत्पादन गुल्क ग्रीर			त्रियम श्रेणा न्यायिक माजस्ट्रट तिमचिंच की सीसी । सं ० 5 4 7 / 77 ता । 8-5-78 । केन्द्रीय उत्पादम मुल्क और लवण ग्रिश्चिनियम, 1944 की धारा 9(I)(बीबी)(II) के श्रंतर्गत रु । 374/- जुर्मामा
-u		लवण श्रधिनियम, 1944 की धारा 9(I)(बीबी) (II) के धन्तर्गत २० 600/- जुर्माना।		टी ०पी ० श्रार ०सी ० कन्नन, एल ० 5 सं ० 23/73,	8912 कि ० ग्रा०तम्बाकू की कमी—२० 20,834/13 पैसे गुल्क ग्रपवंचन।

1	2	3	1 2	3
		प्रथम श्रेणी न्यायिक मजि- स्ट्रेट, तिरुष्णी की सीसी ० सं ० 494/76 ता ० '8-5-78। केन्द्रीय उत्पादन गुल्क श्रौर लवण श्रधिनियम, 1944 की धारा 9(I)(बीबी)(II) के श्रांतर्गत ६० 500/- जुर्माना।	16. एस० कालीदास, श्रण्णामलै माचिस, कोविजपट्टी	लवण ग्रिधिनियम, 1944 की धारा 9(J)(बोबी)(II) के श्रंतर्गत ६० 250/- जुर्माना। जाली बैंडरोल चिपकाए गए 323 ग्रोस मैंचिसों का श्रिधि-ग्रहण ६० 1,388.90 का शुल्क ग्रंपवंचन।
12.	के ० सेक मुहम्मद. ग्रा ० एस ० ई ० खादर ग्रली रावुत्तर, एत ० 5 सं ० 56/73, लालगुड़ी, तिरुच्चि जिला	4711 कि ० ग्रा ० तम्बाकू की कमी - रुं ० 14.133 शुस्क ग्रप-वंचन। प्रथम श्रेणी न्यायिक मिलस्ट्रेट तिरुच्ची की सीसी ० सं ० 550/77 ता ० 8-5-78 केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रौर लवण श्रिधिनियम, 1944 की धारा 9(I)(बीबी)(II) के भ्रंतर्गत रुं ० 500/- जुर्माना।	17. श्रीमतो कमलम, कमलम मेंच वर्क्स, कोविलपट्टि	उप मंडलीय जुडिशियल मजि- स्ट्रेट, को विलपट्टिको सी०सी० सं० 454/77 ता० 29-6-78 कालीबास पर रु० 400/- जुर्माना। श्रीमती कमलम पर रु० 400/- जुर्माना श्रीर एक साल की सख्त कारावास (प्रपोल करने पर कारावास के बदले रु० 200/- जुर्माना श्रदा करने का
13.	एस ०ई ० खादर भ्रली राजुलर, एल ० 5 मं ० 6 4 / 7 3, ग्रा ० इस्माहल मीरों रावुत्तर लालगुड़ी।	60,291 कि प्रा० शुरूक अप्रदत्त तम्बाक् की कभी ठ० 1,95,945.75 का शुरूक अप- वंचन। प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट, तिरुच्ची की केन्द्रीय उत्पादन शुरूक और लवण श्रधि- नियम, 1944 की धारा 9(I) (बीबी)(II) के श्रंतर्गत ६० 1000/- जुर्माना और छः महीनों का सख्त कारावास।	18. एस० ई० खादरम्रल रावुत्तर, लालगुड़ी	संगोधन)। 12,865 कि जा तम्बाक् की कभी ६० 38,595। गुल्क प्रपवंचन। प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट, तिरुच्नी की सीसी० सं० 646/ 77 ता० 17-5-78। केन्द्रीय उत्पादन गुल्क और लवण प्रधिनियम, 1944 की धारा 9(I)(बीबी)(II) के प्रतंगत ६० 500/- जुर्माना।
	पी० ई० एस० मुत्तलीफ म्रा० सैयद रावृक्तर, चिन्तामणिपटि्ट, कुलिस्तले	5177 कि० ग्रा० तम्बाकू की कमी रु० 15,531,- का गुल्क अपवंचन। प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट तिरुच्ची की सीसी० सं० 553/77 ता० 8-5-78। केन्द्रीय उत्पादन गुल्क श्रौर लवण ग्रिधिनियम, 1944 की धारा 9 (1) (बीबी) (II) के श्रंतर्गत रु० 500/- जुर्माना।	19. ए ० मुहम्मद मीरा , पनस्ट्टी	15 बंडल तम्बाक् का श्रभि- ग्रहण रु० 1,268/- मुल्क ग्रप- वंचन। उप मंडलीय न्यायिक मिजस्ट्रेट विंडीगल की सी०सी० सं० 62/ 78 ता० 27-7-78। केन्द्रीय उत्पादन मुल्क और लवण अधिनियम, 1944 की धारा 9 (I) (बीबी) (II) के ग्रन्तर्गत रु० 300/- जुर्माना।
15.	एस० एस० नूरदीन, एस० 5 सं० 98/74, वेलवरकोट्टे	13,273 कि० ग्रा० तम्बाकू की कमी-ह० 39,819/- का ग्रुत्क ग्रपवंचन। उप मण्डलीय न्यायिक मजि- स्ट्रेट, ढिंडोगल की सी०मी० सं० 21/78 ता० 9-6-78। केन्द्रीय उत्पादन शुल्क भीर	20. खादर हुसैन, एल० 5 सं० 48/7 बोरियूर, तिरु च् ची	3462 कि० ग्रा० तम्बाकू की

श्रायोग के उम्मीदवार, ता० 16-2-81 के पूर्वाह्न से श्रगले

1	2	3	1	2	3
21. 哎 ₹	~ तं० ए० मुहम्मद ग्रहीम, न्तामणिपट्टी	केन्द्रीय उत्पाद मुल्क भौर लवण अधिनियम, 1944 की धारा 9(I)(बीबी)(II) के ग्रंतर्गत रु० 500,- जुर्माना। 4171 कि० ग्रा० तम्बाकू की कमी रु० 14,826/- मुल्क ग्रपयंचन। प्रथम श्रेणीन्यायिक मजिस्ट्रेट, तिरुच्ची की सी०सी० सं० 125, 78 ता० 17-10-78 केन्द्रीय जत्पादन मुल्क भौर लवण भ्रधिनियम, 1944 की धारा		(1) सेवदीपटिट, मैंच वर्कस, शिवकाशी (2) के० माडसामी* (3) पी० गणेशन)* भागीवार*	मुख्य न्यायिक मिजस्ट्रेट, तिहिन्नि की सी०सी०सं० 85/78 ता० 1-2-79। केन्द्रीय उत्पादन शुल्क और लवण श्रिधिनियम, 1944 की धारा 9(I)(बीबी(II) के श्रंतर्गत रु० 500/- जुर्माना। नकली बैंडरोल चिपकाए गए 66 ग्रोस, 6 दर्जम श्रीर एक बाक्स मैंचिसों का श्रिभग्रहण मुख्य न्यायिक मिजस्ट्रेट, रामनाथपुरम स्थान देवकोट्टै की सी०सी० मं० 260/78
ग्र	ं एम० ची० एस० ब्रुल वहाब, न्तामणिपट्टी	9(I) (बीबी) (II) के ग्रंतर्गत रु० 500/- जुर्माना। 3207 कि० ग्रा० तस्वाकू की कमी रु० 9,621/- शुल्क ग्रपबंचन प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट, तिरुच्धी की सी०सी० सं० 184/ 78 ता० 17-10-78 केन्द्रीय उत्पादन शुल्क ग्रौर लवण श्रिधनियम, 1944 की धारा 9(I) (बीबी) (II) के ग्रंतर्गत रु० 500/- जुर्माना।			ता० 14-2-79 ए० 1 फैक्टरी रु० 600/- ए० 2 रु० 6000/- ए 3 रु० 6000/- श्रीर न्यायालय बरखास्त किए जाने तक का कारावास भारतीय वण्ड संहिता की धारा 259 श्रीर 260 एवं केन्द्रीय उत्पादन मुल्क श्रीर लवण श्रधिनियम 1944 की धारा 9(I)(बीबी)(II) के अंतर्गत
िंग (1 (2	तियप्पा मैच इंडस्ट्रीज विकाशी १) पी० लक्षमणन १) पी० कन्नबिरान ३) पी० कृष्णमूर्ति	शुल्क अप्रयक्त 1000 बंडल मैचिसों का अभिग्रहण। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, देव- कोट्टै की ती०सी० सं० 321/ 77 ए० 1 पर रु० 500/- तथा ए० 2 और ए० 3 पर रु० 1000/- जुर्मीना ।	27.	पाण्डियराजन, दिंडीगल, एल ० 5 सं० 55/64	4740 कि॰ग्रा॰ सम्बाक् की कमी रु॰ 14,220/- शल्क प्रपतंचन उप मंडलीय न्यायिक मिजस्ट्रेट, दिन्नीगल की ता॰ 23-8-79 में न्यायालय बर- खास्त किए जाने तक का कारावास ग्रीर रु॰ 300/-
एर	प्त० मृहम्मद मुस्तफा, नंगाकुरिच्ली फच्चि	15,618 किं ग्रा० शुल्क श्रप्रदत्त सम्बाकू की कमी— रु० 46,854/- शुल्क श्रपबंचन। प्रथम श्रेणी न्यायिक मिजस्ट्रेट, तिरुच्चि की सी०सी० सं० 552/ 77 ता० 8-5-78 केन्द्रीय उत्पादन शुरुक श्रौर	28.	करुप्पय्या, 3/39 तेनी रोड, बोडीनायकनूर, (लाइसेंसी) श्रार० मारिमत्तु, पवर एजेंट	जुर्माना। 8873 कि॰ ग्रा॰ गुल्क अप्रदत्त तम्बाक् की कमी ६० 26,629/- गुल्क अपवंचन। उप मंडलीय न्यायिक मिजस्ट्रेट, उसिलम्पट्टि हरेक पर ६० 500/- जुर्माना।
		लवण अधिनियम, 1944 की धारा 9(I)(बीबी)(II) के श्रंतर्गत २०500/- जुर्माना।			श्चार० जयरामन, समाहर्ता
ए र एल	० एस० म्रब्दुल रहीम ४० 5 सं० 2/70, गंगाकुरि ण् यी गरिन्न	23,001 कि० ग्रा० तम्बाक् की कमी ६० 75,000/- शुल्क श्रपवंचन।		मब्रास-1, दिनांव ं० 1/81श्री रमण ^द	त्रह्मापना त 21 फरवरी 1981 वन्द्र दनेरिया को संघ लोक सेवा

श्रादेश तक, श्रस्थाई रूप से सीमाशुल्क धर में सीधी भर्ती श्रप्रैसर (विशेषक) नियुक्त किया जाता है। वे दो साल तक परखाधीन काल में रहेंगे।

> ए० सी० सल्दाना, सीमाशल्क समाहर्ता

केन्द्रीय जल स्रौर विद्युत स्रनुसंधान शाला पुणे, दिनांक 9 मार्च 1981

नं० 608/18/81-प्रशासन—संघ लोक सेवा भ्रायोग, नई दिल्ली, से लिए गए चयन के कारण निर्देशक, केन्द्रीय जल श्रीर विद्युत श्रनुसन्धान शाला, खड़कवासला, पुणे-411024 कुमारी पद्मजा मनोहर वांदिवडेकर को सहायक श्रनुसंघान श्रिधकारी (इंजीनियरी दूरसंचार) के पद पर ६पए 650/- प्रतिमाह वेतनमान ६पए 650 30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 पर दिनांक 13 फरवरी, 1981 के पूर्वाह्म से नियुक्त करते हैं।

कुमारी बांदिवडेंकर के लिए 13 फरवरी, 1981 से दो साल परवीक्षाविध होगी।

> एम० श्रार० गिडवानी, प्रशासन श्रधिकारी कृते निदेशक।

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी लॉ बोर्ड

कम्पिनयों के रिजस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर वेण्णिला ट्रांसपोर्टस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में। मद्रास, दिनांक 28 फरवरी, 1981

सं० 3727/860(5)/81—कम्पनी श्रधिनियम, 1956की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि वेण्णला ट्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम प्राज रिजस्टर से काट दिया गया है ग्रौर उक्त कम्पनी विष-टित हो गयी है।

कम्पनी म्रधिनियम 1956 भौर सारूना फिल्मस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 28 फरवरी, 1981

सं० 4605/560(5)/81—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि सारूणा फिल्मस प्राईवेट लिमिटेड का का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया श्रीर उक्त कम्पनी विधटित हो गयी है।

कम्पनी उन्नधिनियम, 1956 श्रीर कारमर्डे ट्रांसपोर्ट श्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

मद्रास, दिनांक 28 फरवरी, 1981

सं० 5157/560(5)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सुचना दी जाती है कि कारमडें ट्रांसपोर्टस प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

एच० बनर्जी, कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार, तमिलनाड । प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- I बंबई

बंबई, दिनांक 11 मार्च 1981

निर्देश सं० ए० श्रार० III/ए० पी० 360/80---81--श्रतः मुझे मुबाकर वर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं प्लाट नं 1 (पार्ट) सी टी एस नै । 1018, 1018/1 से 6 एस नं 2033 एन एए एस । नं 217 है जो कुर्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में ग्रौर पूर्ण क्य से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय बांदरा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 । 1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 11-7-1980 विलेख नं एस । 249/78

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री प्रभाकर रामचंद्र फड़के

(भन्तरक)

(2) श्रीमति प्रतिभा प्रभाकर फडके

(ग्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करके धूबॉक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वोंगे।

स्मब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रनुसूची जैसा कि विलेख संख्या 1249/78/बांदरा जाइन्ट उपरजिस्ट्रार 4 श्रधिकारी द्वारा दिनांक 11-7-80 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> सुधाकर वर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर घायुक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-III, बम्बई

ता**रीख**: 11-3-1981 ।

प्रकप माई० टी० एन० एस०-

स्रायकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-I, बंबई बम्बई, दिनांक 13 मार्च 1982

निर्देश मं० ए० ग्रार०-1/4428/1/80--81----ग्रतः मुझे, मुधाकर वर्मा

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 79 सी एस० नं० 17/10 एस० नं० 1160 (पार्ट) है तथा जो माटंगा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुमुखी

में श्रौर पूर्ण क्य से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय बंबई में रिजस्ट्रिकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 1-7-1980 विलेख नं० बंबई/1332/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रिधिक है ग्रौर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित चरेश्य में उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिकि नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रेन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निक्निलिखत व्यक्तियां, ग्रथीतः---

- (1) प्रतापराय निवंकलाल मेहता (एच० यु० एफ०)
- (2) तोलाराम रेलुमल गंगारामानी

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स लक्ष्मीबेन बाबुभाय गाला (2)

(ग्रन्तरिती)

- (3) अनुसूची के अनुसार
 - 1. कमिश्नर आफ पोलीस
 - 2 मि. पी. आर. गावंड
 - 3. डा. पी. आर. गावंड
 - 4. मि. एस. कं. अय्यर
 - 5 मि बी पी पंडित
 - 6. मि. व्ही. आर. काले
 - 7. मि.व्ही. जी. केतकर
 - 8. श्रीमती मंगला वामन केतकर

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है) ।

की यह सूचना बारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के ग्रबंत के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूबना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त ग्रन्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अग्नि-नियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्य होगा,जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 1332/80/बंबई उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 1-7-1980 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> सुधाकर वर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I बस्ब**र्ध**

दिनांक: 13-2-1981 ।

प्ररूप आई. टी. एव. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज श्रमुतसर

श्रमृतसर, विनांक 6 मार्च 1981

निदेश सं० एएसम्रार/80-81/465—श्रतः मुझे, श्रानन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित आजार मृख्य 25,000/-रः से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो श्रमृतसर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रजनाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1808 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई 1980

को पूर्वो कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूरय, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उत्कर्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्कर अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री लाभ चन्द, इकबाल चन्द पुत्र ग्रमीर चन्द वासी मुख भीलीवाल तहसील ग्रजनाला

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री पाल सिंह, हरभजन सिंह, उपार सिंह, दिलबाग सिंह लक्खा सिंह, जगीर सिंह, कशमीर सिंह, पुत्र दलीप सिंह, वासी चक मिसरी खां तहसील श्रजनाला। (अन्तरिती)
- (3) कोई किराएदार

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

(4) और काई

(वह व्यक्ति, जनके बारे में श्रश्नोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 80 कनाल 3 मरले चक मिसरी खां में जैसा कि सेल डीड नं० 2688 दिनांक 24-7-1980 में रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी ग्रजनाला के कार्यालय में दर्ज है।

> म्रानन्द सिंह सक्षम मधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, 3-बन्दरपुरी टोलर होड, अमतसर

ता**रीख** : 6-3-1981 ।

प्ररूप आह^र.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्भन रेंज ग्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 6 मार्च 1981

निदेश सं० एएस प्रार/80/81-466---श्रतः मुझे, श्रानन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी भूमि है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजस्ट्री कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गुरदासपुर में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई 1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यवास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल के पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वोदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय वा किसी भन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातु:--

- (1) श्रीमित वीना विधा रधबीर बहादुर वगैरह वासी कक्षेर कलां ग्रज नई दिल्ली
- (2) श्री मिक्न बन्धु पुत्र निहाल चन्द वासी कक्षेर कलां नहसील गुरदासपुर ।

(भ्रन्तरिती)

(3) काई किराएदार

(बहु व्यक्ति जिसके ग्रधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) और कोई । (वह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पछीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि 39 कनाल 9 मरले कलेर कला में जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी गुरदासपुर के सेड जीड नं० 3137 दिनांक 2-7-1980 में दर्ज है ।

> ग्रानंद सिंह सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 3-चन्दरप्री टोलर रोड, अमृतसर

तारीख: 6-3-1981।

प्रकप आई० टी० एन० एस०--

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 6 मार्च, 1981

निदेश सं० एएसम्रार/80-81/467—म्प्रतः मझे, म्रानन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

मीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में भ्रौर दूर्ण रूप में विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिचारी के कार्यालय गुरदासपुर में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम (1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई, 1980

को प्वांक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का अचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) ग्रन्तरण मे हुई किसी भ्राय की बाबत, धन्त ग्रिधिनियम के भ्राधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः प्रव, उक्त प्रविनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात !--- (1) श्रो कुलकीप सिंह पुत्र बलवन्त सिंह वासी गांव गुराला तिहसील गुरदासपुर

(शन्तरक)

- (2) श्रो ह्भजन सिंह, करम सिंह, जगतार सिंह पुत्र गरदियाल सिंह वासी गांव घुराला, तहसील गुरदासपुर ।
- (3) कोई किराएदार

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) श्रीरकोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है। कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदाँ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनुसूची

भूमि 46 कनाल 1 मरला घुराला गांत्र में जैसा कि सेल जीड नं० 3251 दिनांक 8-7-1980 रजिस्ट्री कर्त्ता प्रधिकारी गुरदासपुर के कार्यालय में दर्ज है।

> ग्रानन्द सिंह सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 3-चन्दरप्री टोलर रोड, अमृतसर

तारीख : 6-3-1981।

प्ररूप आर्दा. टी. एन. एस.--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के सधीन मुचना

मारत सरकार

सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्ज रेंज, ग्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 6 मार्च 1981

निदेश मं० एएसग्रार/ 80+81/468--- ग्रतः मुझे ग्रानन्द सिंह

आयकर प्रवितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की बारा 269-या के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाबर सम्पत्ति, जिसका जिल्त बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद प्रनुस्ची में घौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा प्रधिकारी के कार्यालय गरदास-पुर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जुलाई, 1980।

को पूर्वोक्त संस्पित के उनिन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रस्तिरत की वर्ड है और मुझे यह विश्वास करने का करण है कि यवापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित ना जार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का परब्रह प्रतिक्रत से प्रक्षिक है और अन्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया नया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्छ अन्तरण सिक्ति में बास्तिकक रूप से प्रियत नहीं किया गया है।

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या वण्य धास्तियों की, जिम्हें भारतीय धायकर घडिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या घनकर बडि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उत्तरिती द्वारी प्रकट महीं किया बया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के किए;

अतः, अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269 में के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269 को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अधीतः :--- (1) श्री कुन्दन सिंह पुन्न मियां सिंह, वासी चूहड़ चक, नजदीक नौशहरा मज्जा सिंह, तहसील गुरदास-पुर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जोगिन्दर सिंह, नशान सिंह, वलविन्दर सिंह पुत्र सवर्ण सिंह, वासी चूहड़ चक, नजदीक नोणहरा मज्जा सिंह, तहसील गुरदासपुर ।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि सं० 2 में और किराएदार यदि कोई हो। (वह ध्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) श्रौर कोई ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जनता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके प्रशंकत सम्मत्ति के अर्जन के क्षिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समात्ति के श्राजैन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयं होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 18 कनाल 9 मरले चूहड़ चक में जैसाकि सेल जीड नं० 3295 दिनांक 9-7-1980 ग्राफ रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिधकारी के कार्यालय में वर्ज है ।

> ग्रानन्द सिंह सक्षम ग्रिधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, 3-चन्दरपुरी टेक्षर रोड, अमृतसर

तारीख: 6-3-1981।

मोहर:

3---6GI/81

प्रकष आई.टी.एम.एस.+----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेज, ममतसर

श्रमृतसर, दिनांक 6 मार्च 1981

निदेश सं० एत्सम्रार् $_{l}$ 80-81 $_{l}$ 469---म्रतः मुझे, श्रानन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एक मकान है तथा जो ग्रमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जुलाई 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रथमान प्रतिफल से, ऐसे श्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातु:-- (1) श्री धनईया लाल पुत्र केशो राम वासी कटड़ा भाई सन्त खिंह, गली दलालां, धमतसर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार पुत्र श्रात्मा राम श्रीर श्रीमित कविता रानी उर्फ कृष्णा कुमारी पत्नी श्री विजय कुमार वासी कटड़ा सनत सिंह, गंभी दलालां, श्रमृत-सर।

(श्रन्सरिती)

(3) जैसा कि सं० नं० भीर किरायेदार भीर कोई (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ग्रौर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर काक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास ति वित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उनत निभिनियम, को नध्याय 20 के में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

एक घर मं० 60/10-4, गसी दलालां, कटड़ा भाई सन्त सिंह जैसा कि रिजस्ट्री नं० 1274 दिनांक 22-7-80 रिजस्ट्री अधिकारी ग्रमृतसर में दर्ज है।

श्रानन्द सिंह सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज

3-चन्दरपूरी टेलर रोड, अमृतसर

तारीख: 6-3-1981

प्ररूप वार्ड. टी. एन्. एस.----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत संरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरिश्लण) धर्जन रेंज, ध्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 6 मार्च 1981

निदेश सं॰ एएसग्रार/80-81/470--श्रतः मुझे. ग्रानन्द सिंह

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वसस करने का कारण है कि स्थावर मंपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसको सं० एक जायदाद है तथा जो अमृतसर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रुप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजि-स्ट्रीरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रथमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके प्रथमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल, निम्नलिक्ति उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (कः) अन्तरण सं हुई िकसी आय को नामत उथंत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या कन्य आसियां का, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियं . 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियं . 1922 कर अधिनियं , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा औ लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण के, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारों (1) के अधीन, निम्निशिवास व्यक्तियों, अधीस :--

(1) श्री परमजीत सिंह (नाबालिक) पुत्र चनन सिंह वासी माल मण्डी, मृह्ल्ला नानकसर, तरन तानर, श्रमुलसर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राम प्रशाद पुत्र राम चन्द नजदीक नया टैलीफून एक्सचेंज, श्रमृतसर

(ब्रन्तरिती)

(2) जैसा कि सं० 2 श्रीर कोई किरायेदार (वह व्यक्ति, जिसके श्रिष्टमोग में सम्पत्ति है)।

(4) श्रौरकोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्य सम्परित के अर्थन के निष् कर्मवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर संपरित में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बास जिस्हित में किए जो सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमृत्यी

1/2 हिस्सा घर नं० 30-सी रानी का बाग प्रमृतसर जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1205/1, दिनांक 4-7-80 रजिस्ट्रीकर्ता प्रक्षिकारी प्रमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

आनन्द सिंह्
सक्षम म्रिधिकारी
सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)
म्रजन रेंज,
3-चन्द्यरपुरी टेलर रोड, अमृतसर

तारीख: 6-3-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, <mark>ग्रमृतस</mark>र

प्रमृतसर, दिनांक 6 मार्च 1981

निदेश सं० एएसभार/80-81/471---- ग्रतः मुझे, मानन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इत के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाज़ार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० एक मकान है तथा जो अमृतसर में स्थत है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल भिम्नलिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त निध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (बा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्मलिष्टित व्यक्तियों, अर्थात् हि—

(1) श्री जसविन्दर सिंह (नाबालिक) पुत्र चनन सिंह वासी माल मण्डी, मृहल्ला नानकसर, तरनतारन जिला ग्रम्ससर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री राम प्रणाद पुत्र श्री राम चन्द वासी नया दैलीफान एक्सचेंज, ग्रमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि संख्या नं० 2 में किरायेदार और काई (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभाग में सम्पत्ति है)

(4) भीर कोई

(यह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वनुसूची

1/2 हिस्सा घर नं० 30-सी रानी का बाग, श्रमृतसर जैसा कि रजिस्ट्री नं० 1024/1 दिनांक 4-7-1980 रजिस्टरी श्रिकारी श्रमृतसर में दर्ज हैं।

> ग्नानन्द सिंह सक्षम ग्रधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज

3-चन्दरप्री टेलर रोड, अमृतसर

तारीख: 6-3-1981 ।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

अग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भ्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 6 मार्च 1981

निदेश सं० एएसम्रार/80-81/464---म्रतः मुझे, मानन्द सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रजनाला में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जुलाई, 1980

का पूर्वाक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अबं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अधृति :--- (1) श्री लाभ चन्द इकबाल चन्द पुत्र ग्रमीचन्द वासी मुध भीलावाल तहसील भ्रजनाला।

(ग्रन्तरक)

(2) पाल सिंह, हरभजन सिंह, ग्रपार सिंह, दिलबाग सिंह लक्खा सिंह, जगीर सिंह, कणभीर सिंह, पुत्र दलीप सिंह वासी गांव पार्क मिसरी खां, तसील ग्रजनाला

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में भ्रीर किराएदार यदि काई हो।

(वह व्यक्ति, जिस के ग्रिधिभाग में सम्पत्ति है)।

(4) स्रीरकोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारो करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रावार।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् सिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन<u>ु</u>स्**ची**

भूमि 80 कनाल 3 मरले चक मिसरी खां में जैसा कि रिजिस्ट्री हर्ता अधिकारी अजनाला सेल डीड नं० 2689 विनांक 24-7-1980 में दर्ज है।

> स्रानन्द सिंह सक्षम स्रिष्ठकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, 3-क्वेंटरपूरी टेंबर रोड, अमृतसर

तारीख: 6-3-1981।

माहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) यर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 23 फरवरी, 1981

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 5 है, तथा जो केनिनगस्टन राड, बेगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाधद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 21-7-1980

को पूर्वोक्त संपरित के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (का) अन्तरण से हुई किसी अभ की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के तिए; और/या
- (थ) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंधा था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपारिस (1) के अधीन निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमित मिल्लीसेंट खेन्डोलिन प्रतिनिधि है इसकी पी० ए० हीलडर श्री लांबोजी दादाबाई सं० 5, केनिन्गस्टन् रोड, बेंगलूर ।

(म्रन्तरक)

- (2)(1) टी॰ पी॰ मितयांस (2) श्रीमित टी॰ पी॰ बी॰ मितयांस सं 5, केनिन्गसस्टन रोड, बेंगलूर (श्रन्तरिती)
- (3) ग्रन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सूचना जारी करके पृद्धा कर सम्परित के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्क्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरण: -- इसमें प्रयूक्त शक्तों और पर्वों की, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुस्ची

(दस्तावेज सं० 1406/80-81 ता० 21-7-80)

त्रिमैसिस है जिसका सं० 5, केनिन्गस्टन् रोड में बेंगलूर।

738.02 स्क्वेयर मीटरस् है। जिसमें बिल्डिंग ग्यारेज
श्रीर श्राकट हाउन भी है। चकबन्दी है।

उ० में ---एम० ई० एस० प्रापरटी
द० में --- 20' रोड ग्रीर प्राईवेट प्रापरटी
पू० में ---एम०ई०एस० प्रापरटी
प० में ----केतिनगस्टन रोड

श्रार० तोताली सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

तारीख: 23-2-1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रिवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर भायुक्त (निशक्षण)

श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 मार्च 1981

निर्देश मं० सीम्रार 62/27698/80-81/एमीक्यू बी--- म्रतः मुझं, श्रार० तोतान्नी

श्रायकर ग्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

भीर जिसकी सं० 41 श्रीर 41 ए है तथा जो बसप्पा रोड, शांतीनगर, बेंगलूर-27 में स्थित है (श्रीर इस से उपाधड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता का कार्यालय जयनगर, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-7-1980

क) पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक क्ष्य में किथा नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्नरण से हुई किसी याग की वाबत उक्त ग्रीध-नियम के ग्रीधन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त प्रश्विनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में,उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री टी॰ कंदास्वामी मं॰ 4/10, बोम्मनहल्ली बंगलूर-68।

(भ्रन्तरक)

(2) (1) श्री म्रलीखुर रहमान (2) श्री तनफीखुर रहमान दोनों म्रप्राप्त प्रतिनिधि है उनकी माता श्रीमित फरोंत ह्यात् सं० 8, II कास, लक्ष्मी रोड शांतीनगर, बेंगलूर-28।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के **धर्ज**न के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

(स्वातवेज सं० 2248/80-81 ता० 31-7-1980) संपत्ति है जिसका सं० 41 मौर 41-ए, बसन्पा रोड में डिविजन, सं० 62, शांतीनगर, बेंगलूर-27, 372.00 स्ववेयर मीटरस् है। इसमें बिल्डिंग, ग्राउन्ड फ्लोर, ग्यारेज, पारटीका, फर्स्ट फ्लोर, सिट ग्राउट, ग्रौर सेकेन्ड फ्लोर हैं।

चकबन्दी है।

उ० में---बसप्पा फास रोड द० में---श्री रंगनाथ श्राचार के संपत्ति

पू० में---प्राईवेट प्रापरटी

प० में--श्री रंगनाथ प्राचाम के संपत्ति

मार० तोताती सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बेंगलूर

सारीख: 3-3-1981 ।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 23 फरवरी 1981

निर्देश मं० सीम्रार 62/27751/80-81/एमीक्यूबी— भ्रतः मुझे, श्रार० तोतान्नी

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० 6/23/1 है तथा जो नया कास रोड के० ग्रार० कांपोन्ड चामराजपेट, बेंगलूर-18 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय बसवनगुडी बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन सा० 2-7-1980

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित शाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कर से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अगस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. उन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः-- (1) शकुन्तला बाई सं० 6/8 नवा कास IV मेन चामराजपेटे, बेंगलूर-18।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमित पी० एन० निरन्जनी श्री बी० डी० नर-सिंहन् के पुत्री सं० 6/1 नवा कास मेन चमराजपेटे, बेंगलूर-18।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, आ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अवसची

(दस्तावेज सं० 1216/80-81 ता० 2-7-1981) खाली जगह है जिसका सं० 6/23/1 नवा क्रांस में के० ग्रार० कांपोन्ड चामराजपेटे बेंगलूर-18 (301स्क्वेयर मीटर्स)

चकवंदी है:---

पू० में--सैट सं० 6/22 का विभाग

प० में ---ग्राजाद नगर

उ० में---IV मेन राड

द॰ में - रौट सं॰ 6/23

भ्रार० तोताती सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 23-2-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1.961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, बंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 23 फरवरी 1981

निर्वेश सं० सी०ग्रार०|62|27554|80-81|एसीक्यूबी----श्रतः मुझे, ग्रार० तीतात्री

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

गौर जिसकी सं० 243, है, तथा जो बिन्नमंगला लेग्नाउट, इन्दीरा नगर बेंगलूर-38 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाधद्ध प्रमुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर, बेंगलूर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख 31-7-1980

को पूर्वीक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह³ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-4—601/81

(1) (1) क 11 राजशेखरवोडेयर (2) शशीराजवाडेयर सं० 387, वेस्ट प्राफ कार्ड रोड, राजाजीनगर वेंगलुर-10 ।

(भन्तरक)

(2) एस० सैयद हुसैन, सं० 18, कन्नीन्गांम रीड सिविल स्टेशन, बेंगलूर-52।

(भ्रन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पृवां कत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किए व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों हो
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिविस में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्यी

(दस्तावेज सं० 172/80-81 तारीख 31-7-1980) सैट जिसका सं० है 243, बिन्नमंगला ले प्राउट में इन्दीरानगर,बेंगलूर-38, (701.11 स्क्वेयर मीटरस है।) चकवंदी है।

पू॰ में—80' रोड प॰ में—सैट सं॰ 232 उ॰ में—40' रोड, द॰ में—सैट सं॰ 242 ।

> ग्रार० तोताती, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगसुर

तारीख: 23-2-1981

प्ररूप आहें.टीं.एन.एस..------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवनाः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 मार्च 1981

निर्देश सं० पानीपत/18/80—81—ग्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 636 पर मकान है तथा जो माडल टाउन, पानीमत सें स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पानीपत में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1:90% (190% का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई, 1:980

करे प्वांक्त संपत्ति के उपित बाजार मृत्य सैं काम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ यह विस्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल सो, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिसता से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच एसे क्यतरण के लिए तब पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिए तब पाया गया प्रति-रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभित्रियम के अभीतः कर कने के अन्तरक के वासित्वामें कमी करने या उससे कचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनिमय की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अथित्:—

- (1) श्री लक्ष्मन दास गुलवानी पुत्र श्री ठाकुर दस गुलवानी, मकान नं० 96, नई कालानी, गुड़गांव (ग्रन्तरक)
- (2) श्री के॰ सी॰ नागपाल पुत्र श्री हिमत राय नाग-पाल, निवासी 232-1 श्रार॰, माडल टाउन, पानी-पत।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मृतित के अर्जन के लिए कार्यकाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों केत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास विचित्त में किए जा सकेंगे।

सम्बद्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हाँ।

ब्दुसूची

सम्पत्ति मकान जो कि प्लाट नं० 636 पर बना हुमा है तथा माइल टाउन पानीपत में स्थित है । जिसका विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय में रिजस्ट्री संख्या 2329 दिनांक 10-7-1980 में दिया गया है ।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 23-2-81

प्ररूप आई. श्री. इन . एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज रोहतक रोहतक, दिनांक 12 मार्च 1981

निर्देश सं० करनाल/25/80-81---- प्रतः मुझे गा० सि० गोपाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवाद् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० प्लाट नं० 483 है तथा जो माडल टाउन, करनाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ग रूग से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जुलाई, 1980

का पूर्वा क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा कि संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एति किली आप या किसी धन या अन्य अमेरितयों को जिन्हों भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात्:——

(1) नेजर रव्यार सिंह पुत श्री सरजन सिंह निवासी-मंगोलपुरी, त० व जि० करनाल

(अन्तरक)

(2) श्री सत घातम प्रकाश, घ्रानिल कुमार, रमेश कुमार सर्वपुत्र श्री भूषण लाल 355, चार चमन, करनाल (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ।
- (स) इस आपना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्तोकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ सकत अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

सम्पति प्लाट नं० 483 माङल टाउन करनाल में स्थित है जिसका ग्रिधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय करनाल में रिजस्ट्री संख्या 2117 दिनांक 2-7-1980 पर दिया है।

> गौ० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, रोह्रतक

तारीख: 12-3-1981

प्रारूप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

पायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज रोहतक

रोहतक दिनांक 25 फरवरी, 1981

निर्देश सं० श्रम्बाला/19/80—81—श्रतः मुझे गी० सि० गोपाल,

आयकर मिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रिविनयम' कहा गया है), की धारा 269—ख के भिथान सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्पए से भिधक है

भौर जिसकी सं० मकान नं० 160 (ए० एम० सी०-230 बी—IX), भाइल टाउन श्रम्बाला नगर है तथा जो अम्बाला शहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय अम्बाला में, रजिस्ट्रीकर्रा श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक श्रगस्त, 1980 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से धिक है और अन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे सम्तरण के लिए तय पाया गया यतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अम्तरक लिखित में शस्तर्वक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भग्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भावितियम के भवीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के सिए; श्री ग/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर पिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिंधनियम, या धन-कर पिंधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घम्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंत: अब, उक्त धिनियम की धारा 269-व के बनुसरण में, में, उक्त धिशियम की धारा 269-व की उक्षारा (1) के अधीन, निस्तिविधित व्यक्तियों, अर्थात् ।—— (1) श्री मुकन्द लाल सहगल पुत्र श्री परमानन्द सहगल ई-51 मोती नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बलबीर सिंह पुत्र श्री हरीचन्द निवासी गौंव डा० मुस्तफाबाद, त०—जगाधरी ग्रब मकान नं० माडल टाउन, ग्रम्बाला शहर।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी चरके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

खबत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंस 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जी भी ध्रविध बाद में समाप्त होती ही के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस यूवना के राजस्त्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, भक्षोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधितियम के अध्याय 20-क में परिचाबित है, वही अर्थ होगा, जो उस सध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

सम्पत्ति मकान नं० 160 (ए० एम० सी०-230-वी-IX) भाउर टाउन ग्रम्बाला ग्रहर में स्थित है तथा जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय ग्रम्बाला में, रजिस्ट्री संख्या 1635 दिनांक 12-8-1980 में दिया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज रोहतक

तारीख: 25-2-1981।

प्ररूपु नाहाँ. टी. एन्., एस्.,----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज रोहतक

रोहतक दिनांक 28 फरवरी, 1981

निर्देश सं० भ्रम्बाला/73/80-81--श्रतः मुझे गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं मकान नं 2799—डब्ल्यू०-2(266-बी-III) दा मंजिल है तथा जी श्रम्बाला नगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रम्बाला में, रिजस्ट्री-करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख, सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उख्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की स्पधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थातः :-- (1) श्रीमति जिमला देवी मौगिया पत्नी श्री हरीश चन्दर मौगिया मार्फत महालक्ष्मी मेटल वन्सं, जगाधरी,

(भ्रन्तरक)

(2) (1) कृष्ण लाल बतरा, (2) श्री मदन लाल बतरा पुत्र श्री हरनाम दास, मकान नं० 2799, वार्ड 2, सेवा समिति गली, श्रम्बाला शहर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यध्विकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, की अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ द्वीगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

मन्स्ची

सम्पति दो मंजिला मकान नं० 2779 वार्ड नं० 2, (266-बी-III) श्रम्बाला नगर में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय श्रम्बाला में रिजस्ट्री संख्या 3016 दिनांक 25-9-1980 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 28-2-1981

प्ररूप आई.टी.एम.एस. ~~~~~

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (भिरीक्षण)

भ्रजन रेंज, रीहतक

रोहतक दिनांक 12 मार्च, 1981

निदेश सं० बल्लभगढ़/38/80-81—ग्नतः सुन्नं गो० सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पारचात 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रि. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 134 ब्लाक ई, क्षेत्र 1166 वर्ग गज है तथा सेक्टर 11 फरीदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रगस्त,

को पृषांक्त संपरित के उचित बाजार मृज्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यास्तित्र में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; आर्थिर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुभरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) त्रक्तक हुन्क्रिसिंग कार्कोरेन, एम-33 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली, कार्यालय 105, श्रंगद भवन, 71, नई विल्ली।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री सुरेन्द्र कुमार लाम्बा एवम् नरेन्द्र कुमार लाम्बा पुत्र श्री सेवा राम लाम्बा, निवासी एस-46, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिस्ली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी क्यांक्त वृतारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्प्रित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वच्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पर्यो का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिशाधित हैं, वहीं वर्ध होगा वो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।।

अनुसुची

सम्पत्ति प्लाट नं० 134 ब्लाक ई, क्षेत्रलफल 1166.6 कर्म गज, सेक्टर-11, फरीदाबाद में स्मित है और जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कामिक्य बरस्तमगढ़ में रजिस्ट्री संख्या 6251 दिनांक 27-8-1980 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, रीहतक

तारीखाः 12-3-1981

मीहर:

प्ररूप आई ० टी० एम्० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक दिनाक 6 मार्च 1981

निर्देश सं० जगाधरी/25/80-81---ग्रतः मुझे गा० सि० पेपाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० भूमि 25 बीधा 2 बिस्वा है तथा जो गढ़ी मृत्डी में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जगा-धरी में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख जुलाई, 80

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल के, पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) को से अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकत उद्देष्य से उच्क अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के हिल्ए; बीर/ग
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

वत: वस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) (1) श्रीमित सोमा देवी पुत्री श्री कृष्णचन्द पत्नी श्री वेद प्रकाश निवासी गांव कम्बोपुरा, त० व जिला, करनाल ।

(ग्रन्तरक)

- (2) (1) लक्षमन दास सपुक्ष नानुमल
 - (2) कमला रानी पत्नी लख्मन दास
 - (3) जय गीपाल पुत्र तिलक राज
 - (4) तरसीम चत्द पुत्र बाबू राम निवासी-नरवाणा, जि०-जीव
 - (5) राज कुमार सपुत्र मामचन्द, निवासी जगाधरी
 - (6) यगपाल रभेश कुमार सर्घ पुत्र श्री णिव नारा-यण, जगाधरी
 - (7) बाल किशन सपुत्र रचनीर लिलता देवी पत्नी श्री राम किशन पुष्पा देवी पत्नी शुलभूषण सन्तरा देवी पत्नी श्रशोक कुमार निवासी, जगाधरी

(अन्त रिती)

को गह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकरें।

स्वर्धिकर्णुः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

बनसर्ची

सम्पत्ति भूमि 20 बीघे 2 बिस्वे है जगाधरी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण संख्या 2592 दिनांक 24-7-1980 पर दिया है।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

ता**रीख** 6-3-1981 मोहरः

प्रकप आई • ही • एन • एस •----

आयकर **अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** घारा **26क (1) के अधीन** म्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक दिनांक 6 मार्च 1981

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन समम शामिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25.000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 495, थाउँ-31, राम नगर है तथा जी रोहतक में स्थित है (और इससे उपावस अनुसूची में और पूर्ण रूप से बाजित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रोहतक में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

(1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980 को पूर्वोक्त मन्यति के उचित बाजार मृह्य से कम के वृश्यमान प्रतिक्रल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रल से पन्तह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल. निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त प्रतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किवत नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; क्षौर/या
- (आ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रश्चिमियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रवः, उद्भतः श्रवितियम की धारा 269-ग के श्रनु-करण में, में, उद्भतः श्रवितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रवीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत् :---- (1) श्री रोशन लाल पुत्र श्री देवी सहारी निवासी मकान नं० 495/डबस्यु 31, राम नगर, रोहतक (वैश्रर कालेज कैम्पस के पीछे)।

(श्रन्तरक)

(2) श्री वेद प्रकाश पुत्र श्री राम रतन मार्फत फर्म हरनाम दास भदनगोपाल, ग्रनाज मण्डी, रोहतक (ग्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रचाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी जम्म व्यक्ति द्वारा, अन्नोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गर्थों और पदों का, जो उन्त अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 495, वार्ड नं० 31, राम नगर (काठ-मन्डी के निकट) वैश्य कालेज कैम्पस के पीछे, रोहतक में स्थित है जिलका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय रोहतक में रजिस्ट्री संख्या 2071 तिथि 22-7-1980 पर दिया है।

> गो० सि० गीपाल सभम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, रोहतक

तारी**ज** 6-3-1981 । मोहर:

अरूप धाई० डी० एन० एस०∺

भागकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 मार्च 1981

निर्देश सं० सिरसा/27/80-81---- श्रतः मुक्षे, गो० सि०

आयकर मिश्वनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'इक्त मिश्विनियम' कहा नया है), की धारा 269-ख के मिश्वनि सक्षम प्रिधिकारी की, यह विश्वसस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- क० से अधिक है

थौर जिसकी सं० मकान नं० 3713 गली बावरी वाली, सिरसा है तथा जो सिरमा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिरसा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जलाई, 1980

(1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1980 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रशिक्तल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रम्तियम के भ्रमीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भौर/मा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तिकों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर भ्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठिनियम, या धन-कर भ्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनाथ भन्नरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुक्किश के लिए;

भता भव, उक्त भविनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्त भविनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1) के भवीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अवर्ति:— 5—6GI/81 (1) श्री राम कुमार जेठमल निवासी गली वावरी वाली, सिरसा

(भ्रन्तरक)

(2) सर्वश्री बनवारी लाल रारेश्वर दास सबपुत्र श्री गनपत राम निवासी मकान नं० 3717, गली बावरी बाली, सिरसा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मन के लिए कार्सवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर
 मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को
 भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त
 स्पिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन को तारीख में 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी धन्य न्यक्ति द्वारा, ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्योकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्धों ग्रीर पदों का, जो उनत श्रविनियस, के महनाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, वो उन प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 3717, गली बानरी वाली, सिरसा में है जिसका प्रधिक निवरण रजिस्बन्नेकर्ता के कार्यालय सिरसा में रजिस्ट्री संख्या 3229 दिनांक 14-7-1980 पर दिया है ।

> गो० सि० गोपास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, रोह्नतक

तारीख: 6-3-1981

प्ररूप भाई० टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा, 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्रण)

भ्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 मार्च 1981

निर्देश सं० हिसार/13/80—81—ग्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ईन्डस्ट्रायल प्लाट नं० 11, क्षे० 108/180 व० फुट है तथा जो ईन्डस्ट्रायल डवलपमेंट कालोनी, हिसार में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूचीह में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हिसार में, रजिट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जुलाई, 1980

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) धम्सरण से हुई किसी भाय की बाबत, जनत ग्रधि-नियम के अधीन कर देने के सन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के स्निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ग्रम्य धास्तियों को जिम्हें भारतीय धाय-कर धिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के लिए;

अंतः सब, उक्त धिक्तियम की धारा 269-ग के समुसरण में, में, एक्त धिक्तियम की धारा 269-ग की उपवारा (1) के अधीन निक्निसिखल व्यक्तियों अर्थात्ः——

- (1) श्री शिव कुमार पुत्र श्री चन्दर निवासी मोहल्ला जयन्ती प्रसाद, हिसार मार्फत एलाइड ट्रैंडर्स, हिसार । (ग्रन्तरक)
- (2) फर्म टेक्नोक्रेटस एन्टरप्राइज, 11, ईन्डस्ट्रायल डबलप-मेंट कालोनी, हिसार ।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना बारों करके पूर्वोस्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई मी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी म्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविष्ठ, जो भी ग्रविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सक्ते।

स्पन्तीकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पदों का, को उक्त मिन-नियम, के अध्याय 20क में परिभावित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस भड़याय में विया गया है।

ग्रनुसूची

सम्पत्ति प्लाट नं० 11, ईन्डसट्रायल डवलपमेंट कालोन, हिसार में स्थित है जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्या-लय हिसार में रजिस्ट्री संख्या 1915 तिथि 17-7-1980 पर दिया है ।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, रोहतक

तारीख: 6-3-1981

प्ररूप बाह् . टी. एन. एस.-----

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, रोहतक रोहतक, विनांक 6 मार्च, 1981

निर्देश सं० हिसार/9/80-81—ग्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० मकान नं० 22/IV खजान्ची बाजार है तथा जो हिसार में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हिसार में ,रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, र्तारीख जुलाई, 80

को पूर्वोंकत सम्मिति के उचित बाजार मूल्य के कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- विक कप से किथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त लिधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) श्री विभिन्न कुमार, देविन्दर कुमार मार्फत सुन्वर लाल सराफ, गांघी चौक हिसार।

(ग्रन्तरिती)

- (2) (1) श्री जय करण पुत्र मय सुख गांव-रावलवाब, त० हिसार
- (2) श्रीमित किताबो देवी पुत्री श्री हीरा सिंह गांव पायल त० व जिला भिवानी

(भ्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विम की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँका, जो उत्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 22/ खजान्त्री बाजार, हिसार में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ती के कार्याक्षय हिसार में रजिस्ट्री संख्या 1816 दिनांक 10-7-80 पर दिया है।

गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज रोहतक

तारीख: 6-3-1981।

प्ररूप आई. टी. एन. एस . -------

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 6 मार्च 1981

निर्देश सं० बल्लभगढ़/25/80—81—ग्रदः मुझे गो० सि० गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 32, डी० एक० एफ० ईन्डस्ट्रीयल इस्टेट नं० 1, मेवला महाराजपुर, क्षेत्रफल 1533 वर्गगज हैतथा जो मेवला महाराजपुर में स्थित है (भौर इससे उपाबब श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधि-कारी के कार्यालय, बल्लभगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 80 में

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक का अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/बा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया सविधा के लिए;

अतः अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) को अधीन गिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) श्री धर्म सह पुत्र श्री कतन सिंह ए-2/1140 सफवरजंग एनक्लेब, नई विल्ली।

(मन्तरक)

(2) फंर्म गुप्ता कन्शद्रे नेशन कं०, जी-32, दीपाली, नई चिल्ली (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कर सम्पृतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वाना के रोजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पेर स्वान की तामिस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधाहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा स्कॉने।

स्पंध्वीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्पी

सम्पत्ति प्लाट नं० 32 जो डी०एल०एफ० ईन्डस्ट्रीयल इस्टेट नं० 1 मेवला महाराजपुर में स्थित है (क्षे० 1533 वर्ग गज) जिसका श्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बल्लभ-गढ़ रजिस्ट्री संख्या 5231 दिनांक 24-7-1980 पर दिया है।

> गी० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 6-3-1981

मीहर:

प्रकप माई॰ टी॰ एंन॰ एस॰----

शायकर ममिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 268-च (1) के शभीन सूचना

भारत सरकार

कार्येलिय, सहार्यक धायकर बायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, रोहतक,

रोहतक, दिनांक 6 मार्च 1981

निर्देश सं० बल्लभगढ़/24/80---81---म्रतः मुझे, गो० सि० गोपाल,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से प्रधिक है, और जिसकी संब प्लाट नंव 36-एल, ब्लाक -1, क्षेव 606 वव गव है तथा जो डीव्एलव्एफव ईन्डस्ट्रायल ईस्टेट नंव 1, फरीदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजन है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय बल्लभगहु, में, रिजस्ट्रीकरण, ग्रिधिनियम, 190 (1908 का 16) के ग्रिधन तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित वृश्य से उक्त ग्रन्तरंण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत जनत मिल्लियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिय; औप/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आहितयों की, जिन्हें भारतीय धायकर धिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के, अनुसूरणं में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) के अभीन निम्नितिस्त व्यक्तियों सृथित्ः-- (1) जसविन्दर सिंह पुत्र श्री धर्म सिंह 2-ए, 140 सफदरजंग एनक्सेव, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) फर्म गुप्ता कन्शट्रक्शन कम्पनी, दीपाली नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कपता हं।

उक्त संस्पिति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्स्वंधी व्यक्तियों ५२ सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंब ह किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास किस्ति में किये जा सकेंगे।

स्पच्छोकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदो का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट नं० 36, एल ब्लाक क्षे० 606 व० गज डी०एल०एफ० ईन्डस्ट्रायल ईस्टेट नं० 1, फरीदाबद में स्थित है जिसका ग्रधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बल्लभ-गढ़ में रजिस्ट्रीकरण संख्या 5230 दिनांक 2-7-1980 पर दिया है ।

> गो० सि० गोपाल सक्षम प्राधिकयरी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, रोहतक

तारीख : 6 मार्च, 1981

प्ररूप भाई • टी • एन • एस •----

भायकर धिविषम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अओन सुवनः

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, पूना

पूना 411004, दिनांक 25 फरवरी 1981

निर्देश सं० ए 5/एस० धार० ठाने/जैले 80/507/80-81-धतः मुझे, ऐ० सी० चन्द्रा

आयकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'छक्त प्रधिनियम' कहा बया है), को घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रक्षिक है

भौर जिसकी स० नं० 24 हिस्सा नं० 1, 2, 4, 5, 6, 7, 8, 9 है तथा जो मौजे थावेर, ठाने में थित है (भौर इससे उपा- बद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दुय्यम निबंधंक ठाने में, रजिस्ट्री- करण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 31-7-1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिसत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (प्रम्तरकों) भीर प्रन्तिरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तरिक रूप से क्षित नहीं किया गया है :---

- (क) अभ्तरण से हुई किशी आय की बाबत एक्त अधिनियम के धर्भीत कर देने के अभ्तरक के दायिक में धर्मी करने या जनते बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किया थाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आजकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

खतः अव, उका अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) (1) श्री गोपाल गोविन्द जोशी
 - (2) मंगाला गोपाल जोशी,
 - (3) दिलीप गोपाल जोली जर्वे बाडी, रघुकुल, गोखले रोड, ठाने

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दशरथ काशीराम माली मनसुखलाल बिल्डिंग, ठाने पोखरन रोड नं० 1, ठाने

(भ्रन्तरिती)

क्षी यह पूर्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति हे प्रजैन के लिए। कार्यवादिया करता है।

उक्त सम्मति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की प्रविध या नत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किमो व्यक्ति वारा;
- (ख) इस सूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह किसी अन्य क्यंक्ति द्वारा, ग्रधीउन्ताक्षरी के पाम लिखित में किए वा मर्शने ।

श्वकटीकर गः---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जी उपत धर्षिनियम, के अध्याय 20-क में परिकाषित हैं, बही वर्ष होगा, जो उस धन्याय में विया गया है

श्रनुमूची

प्रापर्टी जो एस० नं० 24, हिस्सा नं० 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, मोजे यावेर ता० ठाने, जि०ठाने में स्थित है।
(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख ऋं० 525 जो 31-7-1980 को दुय्यम निबंधक ठाने के वम्फतर में लिखा है।)।

ऐ० सी० चंद्रा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 25-2-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 फरवरी, 1981

निवेश सं० राज/सहा० म्रा० म्रर्जन/874—म्रतः मुझे, एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

ग्रीन जिस्की सं प्लाट नं ए०-6 है तथा जो जयपुर स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 7 जुलाई, 1980

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य के कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक स्प से किश्त नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे घचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिखत व्यक्तियों अर्थातुः--

(1) मैसस श्री लक्ष्मी ट्रेडर्स लिमिटेड द्वारा डायरेक्टर श्री विनय कुमार पोहार, रिजस्टर्ड भ्राफिस पोदार-पार्क, स्टेष्यूसर्किल, जयपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स पीदार मिल्स लिमिटेड, पोवार चैम्बर सैयद श्रब्दुल्ला ब्रेल्वी रोड, बम्बई फोर्ट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाँकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

प्लाट न० ए०-6, 34460 वर्ग गज भय तामिरात, पोदार पार्क, स्टेच्यू सिंकल, जयपुर जो उप पंजीयिक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1534 दिनांक 7 जुलाई, 80 पर टंजीबड़ विकथ पत्र में श्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एस० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 10 फरवरी, 1981

प्ररूप आई.दी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 12 मार्च, 1981

निदेश सं० राज०/सहां०ग्रा० ग्रर्जन/873—ग्रतः मुझे, एम० एल० चोहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

भीर जिसकी मं० ए०-22 है तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रोर इससे उत्पाबद्ध श्रृतुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ना श्रिध धारी के कार्यालय, जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 7-7-1980

को पूर्वोधन संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विद्वास करने का कारण है कि यथाएकों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक मूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूनिधा के लिए;

क्षतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नसिखित व्यक्तियों अर्थातः--

- (1) श्री मानताल खैतान पुत्र श्री जमनादास जी खैतान, नि॰ ए-22, बजाजा नगर, जयपुर। (धन्तरक)
- (2) श्रीमती विमला देवी पिल हुकुम चन्द नि० 13 विग मनीकार स्ट्रीट चिमलपुट तिमलनाडु (मद्रास) हाल निवासी सी०-172 बजाज नगर, जयपुर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्स सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृषां कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया हैं।

प्रनुसुची

एक भ्रावण्ड संख्या ए०-22, बजाजा नगर, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1524 दिनांक 7 जुलाट्ट, 80 पर पंजिबद्ध विकय पन्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान. सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज जयपुर

विनांश: 12-3-1981

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज जयपुर जयपुर, दिनांक 4 मार्च 1981

निदेश सं० राज०/सहा०म्रा०म्रजैन/880—म्प्रतः मुझे एम० एल० चौहान

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं गैरेज व खुली जमीन है तथा जो जयपुर में स्थित है (भीद इससे उगावद ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जयपुर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन विनांक 30-7-80

को पूर्वास्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिकाल के लिए अल्टिन की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वास्त संपरित का उचित बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे, स्थ्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उसत अन्तरण प्रतिखित में वास्तविक स्थ से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने का उससे सभमें में सुविधा के लिए; कीर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविस्तरों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भन्या किया जाना जातिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उपत किंपिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः :-6—60-1/81

(1) श्रीमती मुणीला देवी पत्नि श्री ग्रोंकारनाथ एवं राजेण कुमार पुत्र श्री ग्रोंकारनाथ ेएस-291, ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली।

(ग्रन्सरकः)

(2) श्री कृष्ण चन्द्र पालीबाल पृत्न मुकमलाल पाली-वाल, बी-206 राजेन्द्र मार्ग, वापूनगर, जयपुर (अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध स्क में सम्मान होती हो, के भीतर पृत्रांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन को भीकर उपत स्थावर संपरित में हित- बक्क जिस्सी अन्य व्यक्ति त्यारा अभोहस्ताकारी के पास जिस्कित में किए जा सकारी।

स्परविकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम को अध्याय 20-का में परिभाषित हु⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया **ह**ै।

नगुत्तुची

प्लाट नं बी०-165 गांधी नगर रोख, बापू नगर, जयपुर की जमीन एवं उस पर बने हुए गैरेज सहित जी उप पंजीयिक जयपुर द्वारा कम संख्या 1682 दिनांक 30-7-8० पर पंजिबद्ध विकाय पत्न में क्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज⁵ जयपुर

दिनांक: 4-3-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष्ण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 12 मार्च 1981

निदेश सं० राज०/सहा० मा० मर्जन/881—श्रतः मुझे एम० एल० चौहान

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट श्राफ लैण्ड है तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वित्त है) रजिस्ट्री हर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय जयपुर में रिजिस्ट्री हरण श्रिष्ठितियम 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन दिनांक 20-10-1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रियंजन के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रात्त्रित से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक मान से इ अत नहीं किया गया है: --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्री रमेश कुमार श्ररोड़ा पुत्र श्री वीवान उलफत राय टौंक फाटक, जयपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री डालमचन्द पुत्र श्री जयधन्द दुगड़ द्वारा दुगड़ मैडिकल स्टोर चौड़ारास्ता, जयपुर। (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पृत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्दीकरणः "-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट आफ लैण्ड जिसमें एक आवासीय यूनिट बनी हुई है जो नी-23 जनना कालोगी जयपुर में स्थित है और उन पंजियक जयपुर द्वारा कम संख्या 2800 दिनांक 28-10-80 पर पंजिबद विकय पन्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> एम० एल० चौहान सक्षम प्राप्तिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रिजैन रेंज, जयपुर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

दिनांक: 12-3-1981

त्रस्य बादौ. टी. एम्. एस्. —-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज्ला, नई दल्ली नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1981

भीर जिसकी सं० 8 है तथा जो बीं एल एफ कर्मासयल कम्मलैक्स-II नई विस्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908'(1908 का 16) के अभीन, दिनांक जुलाई, 80 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाइ प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भ्रधिन नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के स्निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय धाम-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग कं अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुसिचित स्मिक्तयों, अधृति के-- (1) श्री एस० पाल नन्दा, सतीश नन्दा, रिव नन्दा श्रजीत नन्दा एण्ड राजेश नन्दा पुल श्री० एच० आर० नन्दा जी० 12, एन० डी० एस० ई० पार्ट-नई दिल्ली-49 ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती वेयका पत्नि लेट श्री एस० श्री० नन्दा श्रीमती कमलेश पत्नि श्री राज पाल सेठी एण्ड श्रीमती कैलाश पत्नि एस० के० सेठी 32/4 हन्मान रोड, नई विल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजेंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त सम्पति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की लारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति उदारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितब के किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा ग्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्दीचरणो --इसमें प्रयुक्त शन्वों भीर पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो छस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृषो

शाप 8, 512.10 वर्ग फीट, डी० एल० एफ० कर्माशल कम्पलैक्स-II,ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।

> भ्रार∘ॣ्री० एस० म्रग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज-र्., नई दिल्ली

दिनांक: 3-3-1981

प्ररूप आई.टी.एम.एस.-----

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 क्या 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक जायकर अझ्युक्त (निरक्षिण) ऋर्णन रेंज-I, नई'विस्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1981

निवेश सं० म्राई०ए ०सी०/एक्यू-1/एस० म्रार०-III/7-80/ 638—म्रतः मुझे, म्रार० बी० एल० म्रायाल

आयक्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'डक्क अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 10, तथा जो लेडी हार्डिंग नई विस्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रक्षिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, विनांक जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के जीवत बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण विखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री कंवर सैन साहनी पुन्न श्री श्रार० बी० बालमुकुन्द साहनी एण्ड श्रदर्स निवासी केयर ग्राफ बी०-425 न्यू फ्रोण्ड्स कालोनी नई दिल्ली वाया श्री प्रेम कुमार साहनी।

(भन्तरक)

(2) झैंसर्स सागर इन्टर प्राइसिश प्राठ क्लि॰, 10 शहीद भगत सिंह मार्ग हाई दिल्ली वाया श्री वी॰ एस० ग्रानन्द ।

(म्रन्तरिती)

- (3) प्रापर्टी नं ० 10 लड़ी हार्डिंग रोड, नई दिल्सी के किरायेषारों की 'लिस्ट: किरायेषारों की नाम:—
 - (1) कनारा वैंक
 - (2) ए० बार० विग भौर श्रोंकार नाथ
 - (3) भ्रो० पी० पास्ती
 - (4) श्री बुजपति
 - (5) केवल कुष्ण वटेरा
 - (6) श्री बटालिया राम
 - (7) श्री बटालिया राम
 - (8) श्री श्रोम प्रकाश सहानी
 - (9) श्री रोशम लाल सभरवाल
 - (10) श्री जितिमद्र गुप्ता

(वह व्यक्ति जिनके प्रिक्षभोग में सभ्यति है) ।

को <mark>यह सूच</mark>ना जारी करके पृवर्षिक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, औ उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

पापर्टी नं० 10 लेडी हार्डिंग रोड (शहीद भगत सिहं मार्ग), नई दिल्ली।

> भ्रार० बी० एल० श्रप्रवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक: 3-3-1981

प्रसप प्राई० टी० एन० एस०--

श्रापकर श्रिष्टिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा थ्र69-म (1) के मनीन सुचता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्तण) भ्रर्जन रेंज-^I, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1981

निदेश सं० प्राई०ए०सी०/एक्यू०-1/एस० प्रार०-111/7-80/812—श्रतः मुझे, ग्रार० बी० एल० प्रप्रवाल आपकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26% ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्वादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- द० से अभिक है

भौर जिसकी सं॰ एच॰ एस॰ 27 है तथा जो कैलाश कालोनी नई दिल्ली में स्थित (भौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भन्नीन दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के विवत बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गर्त है पौर मुझे यह विश्वदास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रशिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रान्तरितियों) के बीच ऐसे प्रश्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से किया गड़ी किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आहा की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रक्षिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपस श्राधिनियम, या धन-कर श्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकृट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छित्राने में सुविधा के सिए।

ग्रतः अवः उत्तर अग्निसिम की धारा 269-ग के धनुतरण में, मैं बुंख्यत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थाव् :---

- (1) श्री दुर्गा दास भरोरा और कंवल लाल भरोरा एच० एस०-27 कैंसाश कालोनी, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री नरेन्द्र कुमार गुप्ता एण्ड झोम प्रकाश [गृप्ता निवासी एन०-99 ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्थन के निए कार्यवाहिसी करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में को है भी आक्षेप ।---

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की वारी कसे 45 विस क्री अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामी कसे 30 दिन की धविधि, जी भी धविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वों का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रवोहस्वाक्षरी के पास खिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्दिक्करका:--इसमें प्रयुक्त गन्दों और पदों का, जो आकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं मर्च होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

इवल स्टोरी हाउस नं० एच० एस०-27 कैलाश कालोनी नई दिल्ली ने 167 वर्ग मीटर में स्थिल है।

> भ्रार० बी० एल० भ्रग्नवाल, सक्षम प्रांधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज-I, दिल्ली

दिनांक: 3-3-1981

प्ररूप धाई-टी-एन-एस---

आयकर विविवयन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के समीन सुचना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जम रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च, 1981

7-80/815---- झतः मुझे, म्रार० बी० एल० म्रयवाल क्षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त मिनियम' बहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को बद्ध विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार न्**रूप 25,000/- ४० से प्रधिक है** भ्रौर जिसकी सं० 203 (2 फ्लोर) डी० एन० एफ० हाउस, फण्ट पोरशन) है तथा जो एफ-40, कनाट प्लेस, मई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक को पूर्वोक्त सम्पत्ति के **प्रतित बाजा**र मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए भ•नरित की गई है और मुक्षे *बढ़ विश्*वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके बुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बुश्यमान व्रतिकास का पत्प्रह प्रतिशत सम्बक् है सीर धन्तरक धीर श्रम्तरिती (श्रम्छरितियों) के बीच ऐसे (ग्रन्तरकों) बारतरण के लिए तय पाया प्रया प्रतिकल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त यन्तरम मिकित में मास्तविक रूप से कवित नहीं किया क्या है। ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या चससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जार या किसी बन या बन्य आस्तियों को, जिण्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त बिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के शिए;

श्रदा अत्र, उक्त धिविनयम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, इक्न श्रविनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—-

- (1) डी॰ एन॰ एफ॰ यूनाइटेड लिमिटेड 21-22, नरिन्द्रा प्लेस पार्लियामेंट स्ट्रीट, मई विल्ली। (धन्तरक)
- (2) श्री स्रोम प्रकाश गुप्ता पुत्र श्री रतन लाल श्रीमती गायत्री गुप्ता पत्नि श्री जे एल गुप्ता एन ०-99, ग्रेटर कैशाल-I, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

तो यह सूबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्हासम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ।----

- (क) इस सूजना के राज्यत में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समान्त होती हो, के धीलर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के श्रीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हि्तबढ़ किसी सन्य व्यक्ति द्वारा, स्थोहस्टाशरी के पास लिखित में किये जा सकेंगें।

स्वष्टी सरग :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदीं का, जो 'सक्त ग्रिश्चित्यम' के प्रव्याय 20-क में परिचाबित हैं, वहीं अर्थ होता जो उस प्रव्याय में दिया गया है।

समुसूची

पोर्शन नं० 203 (सैकेण्ड फ्लोर) डी० एस० एफ० हाउस (फण्ट पोर्शन) एफ०-40 कनाट प्लैस, नई दिल्ली (एरिया 493.50 वर्ग फीट)।

> न्नार० बी० एल० मधनाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त, (निरीक्षण), भर्जन रॅज-I, नई दिस्ली

दिनांक: 3-3-1981

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई विल्ली,

नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च, 1981

निदेश सं० माई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० म्रार०-II/ 7-80/854----मत: मुझे, म्रार० बी० एल० श्रमवाल

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० 15-ए० है तथा जो फ्रेण्डस कालोनी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है (रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जुलाई, 1980

को प्वांकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वांकत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्वेश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने वाउससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्थिभ के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूतरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री नुभाष चन्द्र साहनी, सरीन कुमार साहनी ग्रीर ग्रार० एल० साहनी, निवासी ए.●-42, फ्रेण्ड्स कालोनी, नर्ड दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

- (2) (1) श्री बाई० एस० मनचन्दा 3682 मोरी गेट, देहली
 - (2) ब्रह्म श्ररनेजा, एच०-21 महारानी बाग नई विल्ली

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, षही अर्थ होगा, जो उस क्ष्याय में विया गया हैं।

मभु सूची

प्रापर्टी नं 15-ए फेण्ड्स कालोनी, नई दिल्ली।

ग्रार० बी० एल० श्रग्रवाल ात्रन प्रतिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली।

दिनांक: 3-3-1981⁷

प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च, 1981

निवेश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्यू०-।/एस० ग्रार०-III/78/802—ग्रतः मुझे, ग्रार० बी० एल० ग्रज्जवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उजिन्ह बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं ग्रार०-499 है तथा जो न्यू राजिस्न्दर नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है),रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक ज्लाई, 1980

को पृवांकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रिष्पल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वांकत संपरित की उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्र्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण दिल्लित में वास्तरिक रूप से किएंत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की जाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-न के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि—

- (1) श्रीमती रामों देवी तलकार $\hat{\xi}$, 129, ग्रेटर कैलाश पार्ट- I^{I} , नई दिल्ली,। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमधी आणा बाखरू परिन श्री मूलचन्द बाखरू श्री ग्रमर बाखरू श्री सुरेण बाखरू, श्री रिव बाखरू सब पुत्र श्री मूल चन्द बाखरू ग्रार०-449-न्यू राजेन्द्र नणर, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विम की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 36 विम की अविध, जो भी वचित शव में सवाद होती हो, के भीतर प्राप्त व्यक्ति व्यक्ति में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क) इस सूचन के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधिहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पटों का, जो उनस अभिनियम के अध्याय 20-के में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुस्की

प्रापर्टी नं० ग्रार०-499, न्यू० राजिन्दर नगर, नई दिल्ली

श्चार० बी० एल० अग्नवाल संक्षेम श्रक्षिकारी सहायक श्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-Ⅰ, दिल्ली।

दिनोक: 3-3-1981

प्रस्म कार्च. टी. एन. एस.--

माय्कर मिपिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

काय् लिय, सहायक वायकर बायकत (निरीक्षण)

ब्रर्जन रेंज-।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च, 1981

निवेस संव माईव्एवसीव/एकप्व-I/एसव मारव-III/7-80/ 801--- मतः मुझे, मारव बीव एलव मग्रवाल,

नावकर निधिविष्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उन्त अधिनियम' कहा पया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संव एमव-127 है तथा जो ग्रेटर कैलाण-II नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची श्रौर पूर्ण रूप से बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 1980 का पूर्वायत संपत्ति के उचित बाजार स्ल्य से कम के दस्यमान

1908 (1908 का 16) क अधान दिनाक जुलाई, 1980 का पूर्वायत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी काय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आप मा किसी भन या आस्तियों का, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धर्न- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए:

कतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलीवत व्यक्तियों अधीतः--

7-6 GI/81

(1) कर्नल रोहतास सिंह देसवाल, ए०-1/9 माडल टाउन, देहली-9 ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती अनुराधा अग्रवाल, ई०-482, ग्रेटर कैलाश -II, नई दिस्ली।

(भ्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी वाक्षेप. ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (हां) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकारी।

स्थळीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उत अध्याय में विस्

अनुसूची

प्लाट नं० 127 • 300 वर्ग गज, ग्रेटर कैशाश-II, नई दिल्ली।

> ग्रार० बी० एल० ग्रग्नवाल सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-I, दिल्ली।

दिनांक: 3-3-1981

प्रकप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

पायकर प्रचिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के स्रचीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्श)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1981

निदेण सं० ग्राई०ए०सी०/एक्यू०-ा/एस० ग्रार०-III, 7-80/ 800--अत: मुझे, श्रार्० बी० एल० श्रग्नवाल, मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातु 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रजीत सजन प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका **एचि**त बाजार मृहय 25,000/- रुपये से ग्नीर जिसको मं० एम०-273 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्लो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधक अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्लो में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जुलाई, 1980 को पुर्शेक्ट सन्तरित के अवित बाजार मृत्य से कम के बश्यमान प्रतिकास के लिए अम्मरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथानुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्रथ. उसके दुश्यभान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिशत से भक्षिक है भीर भन्तरक (बन्तरकों) भीर बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पात्रा गया प्रतिकल, निम्नलिखिल उद्देश्य से उन्त धन्तरण निवित में वास्तविक का मे कवित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी धाय की बाबन उक्त अधिनियम के प्रश्नीत कर देते के प्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में पुष्णिक। के सिए; घीर/या
- (ख) ऐतो जिसी ताय या किसा धन या प्रन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या बन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में स्थिक्षा के लिए;

भतः अन, उन्त धिवनियम की धारा 269-म के धनुसरण में, में, उन्त धिवनियम की धारा 269-म की उन्हारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमती उर्वेशी पत्नि श्री राकेश जैन निवासी ई०-482, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली-48। (श्रन्तरक)
- (2) मास्टर कुलभूषण लूण्ड वाया ने बुरल गाडियन एण्ड मदर श्रीमती ईश्वर लूण्ड पत्नि श्री वासदेव लूण्ड केयर श्राफ श्री एस० वी० नन्दा, ई०-478, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के धर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धान्नेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाणन भी नारीख से 45 दिन की धवधि, या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दिन की धवधि. जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूचीनत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भ्रमोहस्थाकारी के
 पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्सीकरण: --इसमें प्रयक्त शक्यों और पदों का, जो उनत भिक्षितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्य होगा जो उन भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रापर्टी नं० एम०-273 ग्रेटर कैलाण-II, नई दिल्ली-48, प्लाट एरिया-400 वर्ग गज।

न्नार० बी० एल० म्रग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज-I, नई दिल्ली।

दिनांक: 3-3-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1981

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-III/एस० ग्रार०-/ 7-80/797---श्रतः मुझे, ग्रार० बी० एल० श्रग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो रेवन्यु ईस्टेट श्राफ गांव विजयासन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1980 का 16) के श्रधीन ,दिनांक जुलाई, 1980

का पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने वा कारण हो कि अध्यक्तिन्त संपर्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उब्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिकक रूप से कथिश नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थातः— (1) श्री महा राम पुत्र श्री नन्द लाल श्री श्रोम प्रकाश पुत्र श्री भगत सिंह, विनसी गांव विजयासन

(भ्रन्तरक)

(2) मसर्स वेहली टावर्स एण्ड ईस्टेट्स प्रा० लि० 115 अन्सल भवन 16 कस्तूरना गांधी मार्ग, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की घ्रविध, जो भी घ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छक्त झिछ-नियम के झब्याय 20-क में परिभाषित है, . वही झर्व होगा जो उस श्रद्याय में दिया . गया है।

प्रनुसूची

कृषि भूमि 17 बीधा 11 विस्वास रेक्टेगेंल नं० 85 खसरा नं० 26 रेक्टेगेंल नं० 86, खसरा नं० 4 ईस्ट 567 ईस्ट 14 एण्ड 15 वेस्ट रेवन्यू ईस्टेट आफ गांव विजवासन।

> ग्रार० बी० एल० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली।

दिनांक: 3 मार्च 1981

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस. -----

अस्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-I

नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च, 1981

निर्देश सं० म्राई० ए० सी० /ए क्यू०-ा/एस० म्रार०-111/7-80/787---- मतः मुझे, म्रार० बी० एल. म्रायाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी क्ये यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० बब्स्यू० 153 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावद धनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिमियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमाम प्रतिफल का पन्नाह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबद, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एंसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (11) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री ए० के० राब, सी०-162, डिफेंस कालोनी नई दिल्ली-24।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती काश्विमी देवी भगत, श्रीमती शकुन्तला भगत,श्रीमती सुमन भगत, श्री संजय भगत, ई०-246, ग्रेटर कैकाश-1, वई दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वो कर सम्प्रतित को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध को कोई भी जाक्षेप:---

- (कं) इस सुचना के राजपन में प्रकासत की तारीख से 45 विन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) अस्य स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 वित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसम्ब किसी अन्य समित दुशास अधोहस्ताकरी के पास निस्ति किए जा सकेंगे।

स्यक्ष्मीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याम 20-क में प्रटिआप्रियत हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याम में विमा गया है।

बनुसुकी

करूयू-153 ग्रेटर भैनाग-11 तई विस्ती-48 प्लाट ग्राफ लैण्ड एथिया 404 वर्ष गज ।

> मार**ः कीः** एल**ः प्रश्नवाल** स**क्षम** प्राधिकारी सहायक ग्राय**कर श्रायुक्त** (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 3-3-1981

त्रकप आइ. टी. एम. एस . ------

आयकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म(1) के संधीन सूचनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I,

नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च, 1981

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० श्रार०-III/7-80/718—ग्रतः मुझे, ग्रार० बी० एल० श्रम्भास बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा

इसक परचार जिक्त अभिनियम कहा गया है), को धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ई०-56 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-J, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विज्त है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जुलाई, 80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्शित का उचित बाजार मूस्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरित (अन्तरित्यां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिननिलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए का, छिपाने में सुविधा के किए:

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नजिखित व्यक्तियों अर्थात्ः-- (1) श्रीमती ग्रेस मे यवेल सर्वाम् बी०-4/44 मफदर-जंग इन्क्लेव, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मान सिंह पुत्र एस० भ्रवतार सिंह, 8/28 वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 बिन को अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पर्शित में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्टकेक्ट्णः -- इसमें प्रयुक्त मध्यों और पर्योका, जो उकत अधिनियमं, के सध्यायं 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

प्रापर्टी नं० 563 ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली।

न्नार० बी० एल० झग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) भजन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिमांक: 3-3-1981

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

भायकर ग्रिजिनयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जम रेंज-I, दिल्ली नई विल्ली, दिनांक 12 मार्च 1981

निवेश सं० धाई०ए०सी०/एक्यू०-I/एस० धार०-III/7-80/783—धतः मुझे, धार० बी० एल० अग्रवाल बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचिन बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

धौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव कापसहेड़ा, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से कथित नहीं किया गया है है

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिर्ध-नियम के भधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या छससे बचने में सुविधा के लिए; ंभीर/या
- (का) ऐसी किसी आप या किसी धन या घन्य प्रास्तियों को जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम वा धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मता, मब, उक्त प्रधितियम की धारा 269-न के बनुसरण में, में, उक्त अधितियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, तिम्निक्षित क्यक्तियों, प्रचौत :---

- (1) श्री नारायण सिंह पुत्र श्री राम किशन, निवासी गांव कापसखेड़ा, तहसील महरौली, नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) मैसर्स पोद्दार कन्सट्रक्शन कं प्रा० लि०, एफ-3, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली वाया श्री भोम प्रकाश।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के तम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तस्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 विन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी अथेकित द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पड्डीकरण:-- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के भड़्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस भड़्याय में विया गया है।

प्रमुसुषी

कृषि भूमि 4 बीघा, 16 बिस्वास, खसरा मं० 696/1 (3-12) 696/2 (1-4) गांव कापसहेखा, तहसील महरौली, नई बिल्ली।

भ्रार० बी० एल० अग्रजाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनोक: 12-3-1981

प्ररूप आह्र . टी . एन . एस . -----

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च, 1981

निदेश सं श्राई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० ग्रार०-III/7-80/782—ग्रतः मुझे, श्रार० बी० एल० ग्रग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

यौर जिसकी सं० कृषि भूमि है सथा जो गांव कापसहेड़ा महरौली नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जुलाई, 1980 का पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह श्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिनानं में स्विधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों अर्थातु:--

(1) श्री नारायण सिंह, पुत्र राम किशन, निवासी गांव कापसहेड्रा, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स पोद्दार कन्सट्रक्शन्स कं० प्रा० लि०, एफ०-3, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली वाया म्रोम प्रकाश

(मन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अमुस्ची

कृषि भूमि 4 बीधा 16 बिस्वास खसरा नं० 697, गांव कापसहेडा, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> भार० बी० एल० भग्नयाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-I, नई दिल्ली

विमांक :13-3-1981

प्ररूप गाई शिक एक एस क्रिक एस क्रिक प्रायकर ग्रायकर ग

मारत सरकार

कार्यात्रप, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली-2नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च, 1981

निदेश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०-ा/एस० भ्रार०-III/ ७-८०/ 781----- प्रतः मुझे, श्रार० बी० एल० ग्राग्रवाल म्रायकर प्रथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उका अधिनियम' जहा गया है), की धारा 269-ख ह ग्राीन संज्ञम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने ा कररण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रिधिक हैं ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव कापसहेड़ा, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपा-बद्ध प्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जुलाई, 1980 को द्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यनात प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित याजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफन का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रस्तरह (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य अ उक्त अन्तरम निखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिभा का लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अस या अस्य आस्तिनों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृत्रिधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलि्बित व्यक्तियों, स्थितः-- (1) भी नारायन सिंह पुता राम किशन, निवासी गांव कापसहेड़ा, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स पोद्दार कन्सट्रवशन कं प्रा० लि० एफ-3 कैलाश कालोनी, नद्दै विल्ली वाया श्री शोम प्रकाश

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओव:---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सें 45 दिन की अविधिया सल्सम्बन्धी व्यक्तियाँ कर स्वान की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्य व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षणी के प्रस सिविद में किए जा सकीने.

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो शक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

भनुसूची

कृषि भूमि 4 बीघा 16 बिस्वास खासरा नं० 695 गांव कापसहेका, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

> ग्रार० बी० एल० भ्रग्नवाल सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली

दिनांक: 13-3-1981

प्ररूप आहें. टी. एन. एस ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-J, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च, 1981

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० श्रार०-III/7-80/785—-प्रतः मुझे, ग्रार० बी० एल० श्रग्नवाल आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रत. से अधिक है ⁴

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव कापसहेड़ा नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण एवं से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्या-लय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तबिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिभ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे अवने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ए.—
8—6GI/81

(1) श्री सरी रामू छर्फ सरिया पुत्र श्री सोहन लाल निजासी गांव कापसहेज़ा, नई दिल्ली

(श्रन्तरक)

(2) मैसर्प पोद्दार कन्सट्रवणन कं प्रा० लि० वाया श्रोम प्रकाण निवासी एफ-3, कैलाण कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यचाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध , जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 4 बीघा 16 बिस्वास खसपा नं० 858 गांव कापसहेड़ा, नई दिल्ली ।

> भ्रार० बी० एल० **श्रप्रवा**ल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (नि**रीक्षण)** ग्रर्जन रेंज-^J, नई दिल्ली

दिनांक: 12-3-1981

प्रारूप आहे. टी. एन. ऐस. ----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का .43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली-2

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च, 1981

निवेश सं० ग्राई० ए० सी०-/एक्यू०-I/एस० ग्रार०-III/ 7-80/ 649---प्रतः मुझे, ग्रार० बी० एल० भ्रग्नवाल

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव किया भूमि है तथा जो गांव विजवासन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण का से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रंभीन, विनांक जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित नाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उणित नाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य क्षास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयुक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सजिधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, म^त, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों कथीतः :--- (1) श्री प्यारे लाल पुत्र श्री मोलर

(मन्तरक)

(2) मैसर्न देहली टावर्स एण्ड इस्टेट्स प्रा० लि० 115, श्रन्सल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्ते सम्पंति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ प्र सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उच्चत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अ**न्स्**ची

कृषि भूमि 5 बीघा 11 बिस्वास गांव बिजवासन, नई दिल्ली।

> भ्रार० बी० ऐल० श्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज-I, दिल्ली

विनांक: 12-3-1981

प्ररूप बार्ड . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सक्षायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, नई दिल्लो

दिल्लो, 12 मार्च, 1981

निदेश सं० आई ए०सः०/एध्यू० ।/एस आर/।।।/680-678—अप: मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विष्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बोजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक ही

ग्रीर िसका सं० कृषि भूमि है तथा जो गांस मतमेरे, दिल्लो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिस्ट्रोकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली; भारतीय रिजस्ट्रोकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जून, 1980

करे पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उरयमान प्रित्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्त यह विश्वास करने द्या कारण है कि यथापुर्वोक्त गंणील का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्ती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थातः--

- (1) सर्वेश्वा रामजुन्त, राम सिंह भौर फूल सिंह पुत नथवा निवासी गांव छतरपुर, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- (2) मैंसर्स भ्रन्सरा हार्जीनग एण्ड इस्टेट्स प्राइवेट लि० 115, भ्रन्सल भवन, 16 कस्तूरबा गांधा मार्च, नई दिल्ली ।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्कित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

कृषि भूमि 6 बीघा 1 बिस्वाम गांव सत्तबेरी, नई दिल्ली ।

> स्रार० की ० एस० अग्रयाल सक्षम ऋधिकारी सहायक ग्रायकर आयुध्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, नई विस्सी

तारींख: 12-3-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज- , नई दिल्ली-2

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च, 1981

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-ा/एस० श्रार०-III/7-80/ 831---अतः मुझे, आर० बी० एस० श्रग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे ध्समें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जा गांव सतबड़ी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जलाई, 1980

कर पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पादा गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त विभ-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री किशन पुक्ष श्री जय सिंह, 1654-ए, गाबिंद पुरी कालका जी, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) मैसर्स श्रन्सल हाउसिंग एण्ड ईस्टेट प्रा० लि०, 115, श्रन्सल भवन 16 कस्तूबरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्पर्काकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

कृषि भूमि जिसका योग 7 बीघा और 4 बिस्वा खसरा नं० 535 (4-16), 536 (2-08) जा कि गांव सत-बड़ी में स्थित है।

> भ्रार० बी० एल० भ्रग्रावाल सक्षम प्रधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली

दिनांक : 13-3-1981

प्रकप भाई० टी० एन०एस०---

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण),

ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली-2

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च, 1981

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्य०-I/एस० श्रार०-III/7-80/832—शतः मुझे, श्रार० बी० एल० अग्रवाल आयकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत श्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अश्रीन सक्षम श्रीधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रीधिक है

भौर जिसकी सं० कृषि मूमि है तथा जो गांव सत्तबड़ी, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपावद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल क लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्निलिखन उद्देश्य से उसन अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण ये हुई किसी आय को वाबत, उक्त प्रिष्ट-नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व मं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या ग्रम्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिमाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपचारा (1) के गुधीन्, निम्नुसिन्ति, व्यक्तिस्यों, अभृति ६—

- (1) श्री दया किशन पुत्र श्री राम पत गांव मिटारो (ग्रन्तरक)
- (2) मैसर्स अन्सल हाउसिहग एण्ड इस्टेट प्रा० लि० 115, अन्सल भवन 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की भ्रवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनां की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितब द्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्सीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के ग्रष्टयाय 20क में परिभाषित है, वहीं ग्रथ होगा जो उन श्रष्टयाय में दिया गया है।

प्रनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 बीघा भीर 15 बिस्वा खसरा नं० 538 (4-16) जो कि गांव सप्तबड़ी में स्थित है।

> म्रार० बी० एल० म्रग्नवाल सक्षम म्रधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-I, दिल्ली

दिनांक: 13-3-1981

प्ररूप आर्ध. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-I, दिल्ली-2

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च, 1981

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० श्रार०-111/6~ 80/677---श्रतः मुझे, श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो, गांव सत्तबेरी नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिसांक जून, 1980

का पूर्वों कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिया के लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) सर्वश्री रामचन्द्र राम सिंह ग्रीर फूल सिंह पुष्त श्री नथवा निवासी गांव छतर पुर नई दिस्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) मैसमें श्रन्सल हाउसिंग एण्ड इस्टेट प्रा० लि० 115 श्रन्सल भवन 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

भा यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मंत्रित में हित्बबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पछि करण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्सूची

कृषि भूमि 4 बीघा 16 बिस्वा खसरा नं० 673
 (4-16) गांव सत्तवेरी, नई दिल्ली।

न्नार० बी० एस० श्रप्रवाल सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-I, दिल्ली।

दिनांक: 12-3-81

प्रकेष बाह . टी. एमे. ऐस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, दिल्ली-2

नई धिल्ली, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं अाई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० न्नार०-111/7-80/ 643--श्रतः मुझे, श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० एषि भूमि है तथा जा गांत्र कापोसेष्ठा में स्थित है (श्रौर इससे ज्याबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक ज्याई, 1980

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उच्च देय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अबं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्षित व्यक्तियों, अधीत् :-- (1) श्री जगराम, रामकुमाप, रोहतास, सिंह राम, गुलतान, बिम्बम्बर श्रीर ६ूसरे गांव कापोसेड़ा, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) पोहार कन्सट्रक्शन्स प्रा० लि०, एफ-3, कैलाश कालानी, नई दिल्ली, श्री श्री० पी० पोहार के बार्या

(ग्रन्तरिती)

को गहुः सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गदा हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 9 बीघा भीर 19 बिस्वा खपरा नं∘ 763/2(2-4), 765/1 (2-19), 766 (4-16), गांव कापीसेड़ा में स्थित है।

> भार० बी० एल० अग्रवाल संक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्नायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, दिल्ली।

दिनीक: 13-3-1981

प्ररूप आई• टी• एव• एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भावकर भावकत (निरीकन)

प्रर्जन रेंज-I, दिल्ली-2

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च, 1981

निदेश सं० भ्राई० ए० सी० /एनयू०-I/एस० भ्रार०/- त्रा / 784--- प्रतः मुझे, श्रार० बी० एल० भ्रप्रवाल आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ज. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जा गांव कापसहेड़ा नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ग रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली, में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक ज्लाई, 1980

को पूर्वोक्त संपस्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास कारणे का कारण है कि यथापवाकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्ति) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक कृष में किथत नहीं किया गया है:---

- (क्षः) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के, अनुसरणं में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन निस्ति विकास व्यक्तियों सूर्धात्ः--

- (1) श्री सरी राम उर्फ सरिया पुत्र सोहनलास मिवासी गांव कापसहेड़ा सहसील महरौली, नई दिस्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) मैसर्स पोद्दार कन्स्ट्रक्शन्स क० प्रा० लि० वाया ग्रांग प्रकार निवासी एफ-3, कैलाश कालोनी नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है. यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया प्रया है।

भनुसूची

कृषि भूमि 8 बीघा 7 बिस्वास खसरा नं० 846/2 (3-11), 847 (4-16) गांव कापसहेष्ठा, नई दिल्ली।

> म्रार० बी० एल० प्रग्नवाल सक्षम प्रधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन, रेंज-1 दिल्ली-2

दिनांक: 12-3-1981

प्रकृष आई॰ टी॰ एन॰ प्रत॰-----

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की मारा 269-च (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्थन रेंज-1, दिल्ली-2

एच ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली-220002 नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च, 1981

निदेश सं० श्राई० ए०सी०/एक्यू०-1/एस०श्रार०-III/7-80/644—श्रतः मुझे, श्रार० वी० एल० अग्रवाल आयकर प्रधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छित्त वाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव कापासेड़ा दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावद धनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकर श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रष्टीन, दिनांक जुलाई, 1980

- (क) अन्तरण से हुई किसा आव की बाबत. उक्त पश्चिमियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के पायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ब) ऐसो किसो आध या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें सारतीत आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिस्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (11) के अधीन निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :——
9—6GI/81

(1) श्री जगराम, राम कुमार, रहितास, सिंह राम, सुल-तान, विसम्बर श्रीर दूसरे निर्वास गांव कापसिखा नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) श्री पौद्धार कन्सस्ट्रकशन क० ति० एफ०-3 कैलाश कलोनी नई दिल्ली श्री भ्रो०पी० पोहार के द्वारा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

इन्त सम्बक्ति के धर्मन के संबंध में कोई भी प्रार्थेप 1---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की प्रविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा; या
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समात्त में दित्तवर किसी श्रम्थ स्थक्ति द्वारा श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीवरवा---इसमें प्रयुक्त शब्दों मोर पर्यो का, जो उक्त मधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याप में दिया गया है।

प्रनृ सूची

कृषि भिम जिसका क्षेत्रफल 9 विघा और 7 विस्वा खसरा नं० 848(4-16), 849/, (1-3), 853/2(3-8) गांव कापासे**ड़ा नई दि**स्ली ।

श्रार० बी० एल० प्रग्नवाल सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रिजंन ∤रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-।

तारी**ब**्री 3-3-1981 मोहरः

प्ररूप आर्थ. टी. एन. एस. →

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज ^I, दिल्ली-2

एच ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली-220002

नई दिल्ली-220002, दिनांक 13 मार्च 1981

निर्देश सं० भ्राई०ए०एस०/एक्यू/I/एस०म्रार०/7-80/719—श्रतः मुझे, श्रार०बी०एस० ध्रग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/~ रा में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 6-की० दिलीय तल है तथा जो एल० एफ० ग्रेटर कैलाश-II नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रामिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकर ग्रामिनयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रामीन, तारीच जुलाई, 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या कर्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अस, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, माँ, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपयास (1) के अधीग, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् ध---

- (1) श्री डा० किशन चन्द महता फैमली द्रस्ट 44-ग्रोश्यिन न्यू फलौर हुर्मेयने रोड कोलाडा बस्बई। (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती प्रेम लता सोनी पत्नी श्री श्रोम प्रकाल सोनी (2) णानिन्द्रर कुमार सोनी पु० श्री श्रोम प्रकाण सोनी III-एच०/14 लाजपत नगर नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह शुक्रना कारी करके शुक्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोपः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों मर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस आक्षमा के पाजपत्र में प्रकाशन की तारीखासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्वध्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अन्त्वी

प्लेट न० 6-की खितीय तल, डी॰एल॰ एफ॰ कमशियल बिल्डिंग ग्रेटर कैलाश-11 नई दिल्ली 48।

> श्रार०की०एल० भ्रग्नवाल सक्षम श्रीक्षकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 13-3-81

प्रारूप आई० ठी० एन० एस०-----

आयकर प्रधितिकम। 1961 (1961 का 43) की

घारा 269-म (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक प्रायकर प्रायुक्त (मिरीक्रण)

मर्जन रेंज , दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, विनांक 13 मार्च, 1981

निर्देश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्य-1/एम०एम'०ग्राई०/ 7-80/ 829-प्रतः मुझे, म्रार० बी० एल० म्रम्याल, प्रायकर ग्रंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनिया' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्प 25,000/- घरपे से अधिक हैं: ग्रीर जिसकी कृषि भूमि, है तथा जो गांव सतवदी में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्द्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1980। को पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित ब∷ार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान अतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) प्रीट प्रस्तरितो (प्रस्तरितियों) के बीच रेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उनत श्रग्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर दें। के अन्तरह के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या जिसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रव, उवतः प्रधिनियम को धारा 269-ग के धनु-सरण में, में, उवतः प्रधिनियम को आरा 269-व की उपवार्ष (1) के प्रधीन, निमानिधित अ्यक्तिओं. ग्रयदि:---

- (1) श्री किशम नाल पु० श्री जय सिंह निवासी 1654-ए गोविन्य पुरी, कालका जी नई विस्ली। (धन्तरक)
- (2) मैसर्स भनसल हाउसिंग एण्ड स्टेटरस (पी) लि॰ 115 भनसल भवन 16 कस्तूरका गोधी मार्ग नई दिल्ली।

(प्रग्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पुत्राँक्त सम्मिति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तस्तंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासीख से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति झारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में क्षिए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त मध्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के प्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा, जो उस प्रष्टाय में दिया गया है।

भनुसूची

कृषि भूमि जिसका योगे 6 विषा भीर 12 विस्वा स्वसरा नं 515/2 (1-04), 530/2 (2-08) भीर 534(3-00) जो कि गांव सतबड़ी में स्थित है।

> श्चार**ं बी०एल० श्वप्रवाल** संक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्चायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-¹, दिल्ली, नई विल्ली-।

तारीक : 13-3-81

प्ररूप वार्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 13 मार्च, 1981

निर्देश सं० श्राई०ए०सी०/एक्यू०/I/एस०एम०श्राई०/7-80/830—-श्रतः मुझे, श्रार०बी०एल० श्रग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव सतबड़ी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में पूर्व रूप से व्यणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख जुलाई, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्था अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थातु :---

- (1) श्री किशन लाल पु० श्री जय सिंह निवासी-1654-ए० गोविन्द पुरी कालका जी नई दिल्ली। (भन्तरक)
 - (2) मैंसर्स भ्रनसल हाउसिंग एण्ड स्टेट लि० 115 भ्रनसल भवन 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग नई दिल्ली (भ्रन्तरिती)

को यह तुषना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ज) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वव्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं जुर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका योग 7 विषा और 4 बिस्ना खसरा नं० 531(4-16) भीर 536(2-08) जो कि गांव सत-बड़ी में स्थित है।

म्रार० बी०एल० श्रप्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 13-3-1981

प्ररूप आई. टी. एन. एत.----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज- , दिल्ली-2

नई विल्ली-220002, विनांक 12 मार्च 1981

निर्देश सं० म्राई०ए०सी०/एक्यू०-1/एस०म्रार०-111/7-80/ 650---म्रतः मुझे, म्रार०बी०एल० म्रग्नवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गांव बिजवासन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप में विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन , तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वांकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान अरिएफिल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उभित भाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिक का निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक स्रथ से किथा गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आयु की वावत उक्त वर्षि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या कन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन- कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, खिपाने में सुनिधा के लिए:

अक्त: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, औं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों सुर्थात् ह---- (1) श्री हुक्स चन्द, श्री इन्द्रं सिंह ग्रीर श्री हरपाल सिंह पुत्र श्री शियो चन्द ।

(ग्रन्सरक)

(2) मैसर्स देहली टाबरस् एण्ड इस्टेटस प्रा०लि० 115 ग्रनसल भवन 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग नई दिल्ली।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय भें दिया गया हैं।

अनुसूची

कृषि भूमि 4 विघा 19 विस्थास खसरा नं० 181 गांव विजयासन।

> श्रार०बी०एल० झग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर झायुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 12-3-81

प्रकार वादि कीक एकक ए देश------

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961को 48) कोरा की 269-व (1) के प्रजीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्णन रेंज-1, दिल्ली-2

नई बिल्ली-220002, दिनांक 12 मार्च 1981

निर्देश सं० प्राई०ए०सी०/ए०क्यू-I/एस० प्रार०-III/7-80/651—प्रतः मुझे, प्रार०बी०एल० प्रग्नवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 48) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 260-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित वाजार मृष्य 25,000/- र॰ से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० खसरा नं० 181 कृषि भूमि है तथा जो गांव विजवासन में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिंग्स्ट्रकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 80 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है बोर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यवापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है बोर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यवापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकृत का पश्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) बौर अन्तरिती (श्रम्वरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिष्ठियम के अधीन करं देने के प्रस्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रन्य प्रस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रक्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया अपना चाहिए या फियाने में सुविधा के खिए;

अतः अब एक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की एक्सरा (1) के अधीन निम्नलिकिन व्यक्तियों, अवीत :--- (1) श्री जगलाल, श्री प्यारेलाल पुत्र श्री मोलर निवासी गांव विजयासन

(अन्तरक)

(2) मैसर्स वेहली टानरस् एण्ड इस्टेटस् प्रा० लि० 115 श्रन्सल भवन 16 कस्तुरबा गांधी मार्ग नई विस्ली।

(म्रन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मिति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षीप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविध या तस्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के बीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, घडोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त जब्दों भीर पदों का, जो खक्त ग्रिशिनयम के ग्रष्ट्याय 20का में परिकाधित है, बही गर्च होगा, जो उस अध्याय में विकासका है।

अनुसूची

कृषि भूमि 5 बीघा खसरा नं० 181 बिजवासन।

श्रार०बी०एल० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, विल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 12-3-81

प्ररूप मार्च० टी० एन० एस.०---

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भावृक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज II, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 16 मार्च 1981

निर्देश सं० म्राई०ए०सी०/ए०क्यू-I/एस०म्रार०-I/7-80/6773——मतः मुझे, श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके प्रश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधिन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उजित बाजार मूख्य 25,000/- क० से प्रीक्षक है

ग्रौर जिसकी सं० 77 एफ है तथा जो कमला नगर देहली में स्थित है ग्रौर इससे उपाधक ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16), के ग्राधीन, दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्विकत संगति के उचित बाजार मूल्य से क्य के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वाम करि का कारण है कि यथापूर्विकत संगति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का मन्त्रह अतिशत से प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रिष्ठ-नियम के **प्रधीन** कर देने के प्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अग्रिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त प्रश्चितियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, सक्त प्रश्चितियम की धारा 269-व की उपघारा (1) के अधीन, गिम्नौलिकात व्यक्तिसर्थों, अर्थातः :---

(1) श्री नरेश कुमार सुपुत श्री सुन्दर लाल श्रट।रनी सुन्दर लाल को निवासी 77 एफ कमला नगर देहली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ध्रजेय कपूर सुपुत्र श्री बलवन्त राय कपूर निवासी 77-एफ कमला नगर देहली। (ग्रन्तरिती)

को यह **भूषमा** जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवा**हियां करता** है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखारे 45 दिन की श्रवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर श्र्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उचन स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास 'निवित में किए जा संकैंगे।

स्पष्टीश्ररण: इसमें प्रमुक्त सन्दों भीर पदों का, जो 'उक्त श्रितीकन', के जान्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा, भी उस श्रुष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 बिना बंदा बिस्डिण नं० 6269 प्लाप्ट नं० 77-एफ कमला नगर बेहसी क्षेत्रफल 166.7 वर्ग गज।

> श्रार०बी०एल० अग्रवाल सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

ता**रीख** 16-3-81 मोहर:

प्ररूप आई'.टी.एन.एस.------

आपकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज- , दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 16 मार्च 1981 निर्देश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्यू-II/एस०न्नार-I/7-80/ 6774--शत: सुझे, श्रार०बी०एल० श्रग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 77-एफ० है तथा जी कमला नगर देहली में स्थित है) ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन निम्नृतिहित् व्युक्तित्यों, अर्थात् :— (1) श्री नरेश कुमार सुपुत श्री सुन्दर लाल गटारनी सुन्दर लाल की निवासी 77 एक कमला नगर देहली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री म्रनिल कपूर मौर म्रजेय कपूर सुपुत श्री बलवन्त राय कपूर निवासी 77-एफ कमला नगर देहली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनिश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत ध्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया ग्या है।

मनुष्यी

1/3 बिना बंटा हिस्सा विल्डिंग नं० 6269 प्लाट नं० 77-एक कमला नगर बेहली क्षेत्रफल 1667 वर्ग गज।

> श्चार०बी०एल० श्रग्नबाल सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 16-3-81

प्रकृष बाई॰ ही॰ एन॰ एत॰---

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की बारा 269-च (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज II, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 16 मार्च 1981

निर्देश सं० प्राई०ए०सी०/एक्यू-II/एस०प्रार०-I/7-80/ 6720—-प्रतः सुझे, प्रार०बी०एल० प्रप्रवाल,

न्नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की न्नारा 269-ख के भ्रमीत सक्षम प्राप्तिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- व० से ग्रम्थिक है

श्रौर जिसकी सं० 17 खजुर वाली विल्डिंग है तथा जो चान्दनी चौक देहली में स्थित है) श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्या-लय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अक्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (प्रत्नरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वामनिकक रूप से कथिन नहीं किया गया है: →

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आयु मा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

कतः अब, उकत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण बें, मंं, उकत अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक्कित व्यक्तियों अधितः----10---6 GI/81 (1) श्री महाबीर प्रशाद जैपुरिया चैटीटेवल ट्रस्ट जनपथ नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री किशन चन्द जैन सुपुत्र श्री बुध सिंह जैन श्रीर श्री श्रनीक कुमार जैन सुपुत्र श्री किशन चन्द जैन निवासी 21/27 शक्ती नगर देहली। [(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्स्म्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पट्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनमुची

प्राईवेट नं० 17 खिजुर वाली विल्डिंग चांदनी चौक देहली क्षेत्रफल 1678 वर्ग गज।

> श्रार०बी०एल० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज -II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 16-3-81

प्ररूप धाई० टी• एन०एस•----

जावेकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के जधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज- ,दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002,दिनांक 16 मार्च, 1981

निर्देश सं० भ्राई०ए०सी०/एक्यू-II/एस०भ्रार०-II/7-80/

3619—-प्रतः मुझे, प्रार०बी०एल० श्रग्रवाल,

बाक्कर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-सं के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/ रह० से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० जमीन गांव होलम्बी है तथा जो खुद देहली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उनके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कृप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या अससे बचने में सृविधा का लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में म⁴, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः-- (1) श्री अलवन्त सिंह सुपुत श्री मान चन्द निवासी गांव होल्मजी खुर्द देहली।

(भन्तरक)

(2) श्री मनमोहन सिंह और ग्रन्य निवासी वी-1/17 ग्रंगीर बिहार फेज-II देहली ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वांक्स सम्बद्धिः को कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन से सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप:---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोड़ है. 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितमवृश्व किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिवास में किए जा तकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सक्यों और पर्यों का, को सक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क भें परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उत अध्याय में दिशा गया हैं।

बन्स्चीं

43 वीघा 6 विस्वा जमीम रेकट नं • 24 कीला नं • 15/2(2-0) रकट नं • 25 कीला नं • 12 (4-10), №1(4-10), बी (2-10) 17/2(1-12), 18(4-10), 19(4-10), 20/2(4-1), 22(4-16), 23(4-10), 27(0-1), रकट नं • 28 कीला नं • 2/1(4-0) गांव होल्मबी खुर्द देहली।

> भार० बी० एल० भग्नवाल संक्षम भाधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज II, दिल्ली, नई विल्ली-2।

तारीच : 16-3-81

मुरूप ब्राइ. टी. एन. एस.-----

कामकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के श्रीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, विस्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 16 मार्च 1981

निर्वेश सं० भाई०ए०सी०/एन्सू-II/एम०ग्रार०-I/7-80 6722----श्रतः सुझे, भार० बी०एल० भग्रवाल,

नायकतः अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/- रह. से अधिक है

मोर जिसकी सं 0 18 सजुर बाली विल्डिंग है तथा जो चान्दनी कौंक देहली में स्थित है (मौर इससे उपाबस अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जलाई, 1980

को बुकांक्रत संपरित के उधित काजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जीर मुफो यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए'से दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्मसिचित उद्देश्य से उन्त जन्तरण निचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन्दें किसी आय की वायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिये; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग्ने हार्थ अन्तिएसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का क्या जिल्हा काना आहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

बतः सव, उक्त अधिनिवम, की धारा 269-ग के अनुसरण बं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (३) के अधीन मिम्नलिबित व्यक्तियों अर्थात्:—— (1) श्री महाभीर प्रशाद जैपुरिया भौरीटेवल ट्रस्ट 52 जनपथ नई देहली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती खन्ना पन्नी श्री तिलक राज खन्ना निवासी ए-2/27 किमन नगर, देहली। (ग्रन्तरिली)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां फ्रस्ता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन को भीतर समत स्थावर संपत्ति में हित-व्याप किसी अन्य व्यक्ति वृत्रारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

प्राईबेट तं० 18 (दुकान नं० 18 का हिस्सा) खजुर बाली बिल्डिंग बांदनी चौक म्यूनिसिपल नं० 1663 प्राईबेट नं० 13 के पीछ क्षेत्रफल 16.78 वर्ग मीटर।

> म्रार० बी० एल० श्रप्रवाल सक्षम प्राधिकारी सह्रायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-11, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 16-3-81

प्ररूप भाई । टी । एन । एस ।---

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन पूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 17 मार्च 1981

निर्देश सं० भ्राई०ए०सी०/एक्यू-I/एस०भ्रार०-III/7-80/ 3598—म्प्रतः मुझे, भ्रार०बी०एल० भ्रम्रवाल, **आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे** इसमें इसके पत्रचात् 'जनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को,यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० 10 आन रोड नं० 12 है तथा जो पंजाबी बाग नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1980 को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके धृश्यमान प्रतिफल से, दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत श्रविक है भीर अस्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरितो (ग्रन्तरितियों)के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठित्यम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, भव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त प्रिविनयम की धारा 269-घ की उपवारा (1) के मधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थांत:— (1) श्री सुनिल कुमार गुप्ता पु॰ श्री रिवन्दर नाथ गुप्ता डी०-15 मण्डल टाउन दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मदन लाल पु० श्री किरपा राम सी०-141 कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्तिके प्रजेन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस मूजना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख म 45 दिन को अवधि या तत्संधंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीत से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वता के राजनेव में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितवब किसी प्रत्य व्यक्ति क्षारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाक्त सरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत अधि-नियम के ग्रध्याय 20-क मे परिभाषित है बहो सर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

बिना बंटा हुम्रा 1/4 भाग प्लाट नं० 10 रोड नं० 12 जिसका क्षेत्रफल 561-66 वर्ग गज है तथा जो कि पंजाबी बाग में स्थित है ।

> आर०बी०एल० ग्रग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-II, विल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 17-3-81

प्ररूप आई. दी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज II, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 16 मार्च, 1981

निर्देश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्यू-11/एस०ग्रार०-/7-80/6721—ग्रत: मुझे, ग्रार०बी०एल० ग्राग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं और

भौर जिसकी सं० 17 खजुर वाली बिल्डिंग है तथा जो चांदनी चौक देहली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु ∷—— (1) श्री महावीर प्रशाद जैपुरिया चैरीटेबल ट्रस्ट 52 जनपथ नई देहली।

(श्रन्सरक)

(2) श्री जगन लाल जैन सुपुत्र श्री हरगु लाल जैन (2) पुरुशोत्तम कुमार जैन सुपुत्र श्री जगन लाल जैन निवासी म० न० 1305 गली गुलीयान दरीबा कलां देहली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्मिक्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 - क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राईवेट नं० 17 (दुकान नं. 17 का हिस्सा) खजुर वाली बिल्डिंग चांदनी चौक मयुन्सपल नं० 1664 प्राईवेट नं० 12 के पीछे क्षेत्रफल 16-78 वर्ग मीटर।

> श्रार०बी०एल० श्रप्रवाल सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारी**ख** 16-3-81 मोहर: प्ररूप आई ० टी० एन० एस० --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज ${f I}^I$, दिल्ली-2

नई दिल्त 220002, दिनांक 17 मार्च, 1981

निर्देश सं श्राई०ए०सी०/एक्यू-II/एस०ग्रार०-II/7-80 3606—म्प्रतः मुझे, स्नार०बी० एल० स्नग्रवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है और और जिसकी सं० जे०-4/21, रजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (शौर इससे उपाबद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन,

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान इतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

सारीख जुलाई, 1980

- (क) अन्तरण से हुंई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसन्दण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:-- (1) श्री श्रासा सिंह बेटा श्री सुचेत सिंह निवासी सी/616 न्यू फेंडस कलोनी।

(म्रन्तरक)

(2) श्री प्रलाह्य सिंह पु०श्री सरुप सिंह निवासी जे-4/21, रजौरी गार्डन, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पत स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मरित में हित-बत्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

म्बद्धीक हो: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

प्रापर्टी नं० जे-4/21 रजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

ग्नार०बी०एल० ग्रग्नवाल सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारी**य:** 17-3-81

मोहरः

प्रकृष आई॰ टी॰ एन॰ एस॰------सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के ग्रंघीन सूचना

भारत यरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-2

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च, 1981

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० आर०-1/7-80/ 3612---यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

धायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उन्तित वाजार मूल्य 25,000/-चपक से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सी-1/9, जनकपुरी है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्णरूप से विणत है रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जलाई 1980

को प्योक्त सम्पत्ति के उश्वित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उश्वित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है ग्रीर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बाह्यविक रूप से किया नहीं किया गया है: —

- (क) धन्तरत से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त धिविनयम, के ध्रधीन कर देने के घन्टरक के दाभित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः भ्रमः, उश्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उश्त प्रश्निनियम की धारा 269०ण की अपधारा (1) के भधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री केपटन एम० एस० बुधवर बेटा श्री बी० एस० बुधवर निवासी 14-पूर्वी मार्ग, वसन्त विहार, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) श्री वाई० डब्स्यू० कशयप बोस, लेट श्री मूल राज निवासी सी-1/9, जनकपुरी, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जाले करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी आयोपः--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की ारीक से
 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियो पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि,
 को भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के
 भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
 ग्राहा;
- (च) इस स्वता के राजपल में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
 में हितवड़ किसी मन्य व्यक्ति हारा, मभोहस्तावारी के पास लिखित में किये जा सकेंग।

स्पध्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त गाव्यों और पदों का, को उक्त जाजि-नियम के झड़्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं आयें होगा जो उस आक्ष्याय में दिया गया है।

धन्यूची

प्रोगर्टी नं० सी-1/9, जनकपुरी, नई दिल्ली जिसका क्षेत्र-फल 351 वर्गे मीटर है।

> धार० बी० एल० ग्रग्नवाल सक्षम ग्रिधकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1 ।

तारीख: 17-3-1981

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-2

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1981

निर्देण सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० प्रार०-ा/-7-80/6711—प्रतः मुझे प्रार० बी० एल० प्रप्रवाल प्रायक्रर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिप्रीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक हैं और जिसकी सं० ए-1/2 राना प्रनाप बाग है तथा जो दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन, तारीख ज्लाई, 1980

को पूर्थोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाम गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक कथ से कथिन नहीं किया गया है:—-

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किमी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, श्रवं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयांतु !--

- (1) श्रीमती कौणल्या देवी पत्नी लेट एस० कुन्दन लाल निवासी ए/193, गुजरालावान टाऊन, दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती इन्दा देवी पत्नी श्री हुकम चन्द गुप्ता श्रीर श्रीमती श्रोमिला गुप्ता पत्नी श्री सुरेश चन्द गुप्ता निवासी ए-1/2 राणा प्रताप बाग, दिह्ली।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टोकरण]:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रीध-नियम के भ्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्टवाय में विया गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं ० ए-1/2, राणा प्रताप बाग, दिल्ली

ग्रार० बी० एल० ग्रग्नवाल सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 1,7-3-81

प्रकप अहर्ष हो। एतः एसः

भायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-2

नई दिल्ली-2, दिनांक 17 मार्च 1981

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू/-2/एस० प्रार्०-1/7-80/-6209--- मतः मुझे भार० बी० एल० मग्रवाल भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-अ के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित काजार मुख्य 25,000/-**स्प**ए से भाषिक है ग्रौर जिसकी सं० 1682-83 है तथा जो कूचा जतमाल दरीका कलान में स्थित है (ग्रीर इससे उमाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिस्ली में भारतीय रजिस्द्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल ने लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भक्षिक है भौर ग्रम्तरक (भ्रग्तरकों) ग्रीर ग्रम्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अभ्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति**फल निम्नलिखि**त उद्देश्य से उका प्रन्तरण निकाि में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) मन्तरण ने हुई किसी भाय की बाबत उक्त मधि-नियम, से अधीन घर देने के मन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी भन या मन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भिक्षित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिक्षित्यम, या भनकर भिक्षित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे भन्तरिती द्वारा भकट नहीं किया नश था या किया जाना वाहिए था खियाने में मुजिका के लिए;

भतः धव, उक्त प्रक्षिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के खडीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवीतः— 11—6GI/81 (1) मैमसं सीशी सम हरी राम जैवससं 1658, दरिबा कलान, दिल्ली, पार्टेनर जी० पी॰ गुप्ता

(ग्रन्तरक)

(.2) श्री बनारसी लाल बेटा जग्गू मल निवासी 1170, छत्ता मदन गोपाल, दिस्ली (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी अध्यक्षे पूर्वोचत सम्पति के अर्जन के लिए सर्स्वाहिसां स्वतता है।

उन्त समाति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी माखेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की भवित्र या तस्त्रं की व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविष्ठ, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वींकन व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की सारीख से 4.8 किन के भीतर उकत स्थानर कमास्ति में हिताबा किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, कमोत्करताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकर्माः -- - इतमें त्रयुक्त शब्दों और वर्दों हा, जो उक्त सिध-नियम के प्रध्याय 20 ह में परिचाणित है, बही अर्थ होगा, मो उस अध्याय में दिया नया है।

अगराजी

प्रोवर्टी नं० 1682-83, कूचा जतमल, दरिया कलान, दिस्ती।

ग्रार० बी० एन० ग्रग्नवाल सकाम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 17-3-81

प्रकप धाईं । ही । एन । एस ---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के श्रवीन सुक्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज-]], न**ई दिल्ली-**2 नई दिल्ली-2, दिनांक 17 मार्च, 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सी० /एक्यु०/-2/एन० श्रार-2/7-80/3599---श्रतः मुझे श्रार० बी० एल० श्रप्रवाल आयकर श्रिवियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्रीविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति नियका उचित वाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रिक है

मोर जिसकी सं० 10 रोड नं० 12 है तथा जो पंजाबी बाग देहनी में स्थित है (भीर इससे उपाबस अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्याक्य दिस्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नई दिल्ली तारीख जुलाई 1980

को पूर्वोक्त संगति के उचित बाजार मूल्य ते कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पण्डह प्रतिगत से पिछक है पौर प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) घौर प्रस्तरिती (ग्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिकत निम्तरितियां उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिक खन से कि तथा रहीं किया गया है:——

- (क) प्रशारण से हुई किसी आप की बाबत उक्त प्रश्नि-नियम के अधीन कर देने के प्रकारक के वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; पौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या फिसी घन या पाण्य धास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर घिषिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिषिनयम, या घन-कर घिषिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में विकास के लिए;

अतः, सवः, उत्तत प्रक्षिनियम की खारा 26 क्रन के **धनुसरण में,** में, उत्तत प्रक्षिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, **अर्थात्:—**— श्री रवीन्त्र नाथ गुप्ता मुपुत्र श्री केशव चन्द गुप्ता निवासी डी-15, माडल टाउन देहली

(ब्रन्तरक)

(2) श्री प्राण नाथ सुपुत्र श्री किया राम सी-141 कीर्सी नगर नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के धर्जन के निए कार्यवाहियां करता है।

उपत सम्पत्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सर्वाध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, खो भी सर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी मध्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदीं का, जो उक्त धिविनयम के ध्रम्याय 20-क में परिमाचित हैं, वही धर्म होगा, जो उस ध्रम्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

बिना बटां 1/4 हिस्सा प्लाट नं० 10 रोड नं० 12 पंजाबी बाग दिल्ली क्षेत्रफल 561.66वर्ग गज।

> ग्रार० बी० एल० भ्रम्याल सक्षम ग्रिधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई विल्ली-1

तारीच : 17-3-81

प्रकप धाई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-2

दिल्ली-2, नई दिनांक 16 मार्च, 1981

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/-2/एस० मार०-1/-7-80/6740—म्रतः मुझे भार० बी० एस० प्रम्रवाल भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- क्पए से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 40 ब्लाक-ए० है तथा जो बजीर पुर वेहली में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याक्षय देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनिय, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्पत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमाम प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (श्रन्तरकों भीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिक नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिका में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीक्याया
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी वन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिविनयम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिविनयम, या धन-कर ग्रिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती ग्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में मुविधा के लिए।

मतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुखरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत :---

- (1) श्रीमती सुख राम दास सलूजा सुपुत्र श्री लछमया दास निवासी भार-850 नयू राजेन्द्र नगर देहली (भ्रन्तरक)
- (2) श्री गीरीस कुकरेजा भीर भ्रन्य निवासी सी-118 भ्रमोक विहार, नई दिल्ली

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दी करण:---इसमें प्रयुक्त जब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के श्रष्टयाय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

श्रमुस्पी

9/10 हिस्सा प्लाट नं० 40 ब्लाक नं० ए० बजीर पुर इंडस्ट्रियल एरिया बजीरपुर देहली

> श्रार० बी० एस० अग्रवास सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली ।

तारीख: 16-3-81

प्रकथ वार्च. दी. एम्. एवं.-----

कायुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

काम्सिय, सहामक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-II, दिल्ली

दिल्ली-2, दिनांक 17 मार्थ, 1981

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० ग्रार०-I/ 7-80/6742—-प्रतः मसे, घार०बी० एल० श्रामाल,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वत करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० ई-38 रेजीडेन्स कालोनी है तथा जो राजौरी गार्डन नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाधद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीक्तां श्रधिकारी के कार्यालय दिहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई 1980

को पूर्वों कर संपत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दूरवमान प्रतिपत्ति के लिए अन्तरित की गई हैं और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स संपत्ति का अचित बाजार मूल्य उसके दूरवमान प्रतिफल से, ऐसे दूरवमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नौलिखित उद्देष्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तिवक कप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से झुई क्रिसी, आय की बाबत उक्त औध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में अभी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात :--

- (1) श्रीः राजेन्द्र सिंह् ध्रीर भन्य एफ-125, राजौरी गार्डन, नई विहसी (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती विमला कुमारी पत्नी श्री गंगा वीशन ग्रौर ग्रन्य, निवासी ई-38, राजौरी गार्डन, नई देहली (श्रम्सरिती)

को यह सूचना चारी करके प्वॉवत सम्पर्तित के अर्थन के लिए कार्यमास्त्रिको करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारिक्ष से 4.5 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतए उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य स्पिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या हैं।

ननुत्त्वी

मकान प्लाट नं ० ई-38, राजौरी गार्डन, नई दिहली

श्रार०बी०एल० श्रप्रवाल सक्षम ध्रधिकारी सहायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-]I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 17-3-81

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-भ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक **पायकर प्रायुक्त** (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-2

दिल्ली-2, दिनांक 17 मार्च 1981

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एनयू०-II/एस० ग्रार०-1/7-80/6753— अतः मुझे, आर०वी०एन० ग्राप्रधाल, आयकर प्रावित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्ष 25,000/— स्थए से ग्राधिक है

श्रीर जिसकी सं अोबेराय काटेज नं 6 है तथा जी ओबेराय अपार्टमेन्ट, 2 शाम नाथ मार्ग वेहली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय देहली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1980 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल का पश्चह श्रीतशत से श्रीयक है श्रीर श्रन्तरक (अन्तरकों) श्रीर

भन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए

तम पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखिस उद्देश्य से उन्त ध्रम्तरण

जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त भिष्ठित्यम के अधीत कर देने के ग्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर /या
- (ख) ऐसी किन्नी आय या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर भिधिनियम, 1922 (1923 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा के लिए;

अतः अव उन्त अधिनियम को धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मीत् :--- (1) इस्ट इंडिया होटल लिमिटेड रिजस्टर्ड प्राफिस 4 मगो लेन कलकत्ता

(बन्तरक)

(2) श्री कृष्ण लाल ग्रोवर ग्रोबेरीय काटेज नं० 6 श्रोबेराय ग्रपार्टमेन्ट, 2 शाम नाथ मार्ग देहली

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पू**र्वोक्त सम्पर्ति के** ग्रजंन के लिए **कार्यवाहियां** करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आजेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनन स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्कोकरण: --इत्रनं प्रपृक्त शब्तों स्रोर पदों का, जी सक्त प्रथिनियम के ग्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही सर्वे होगा, जो उस भन्याय में विया गया है।

पनुसूची

काटेज नं ० 6—सोबेराय श्रपार्टमेन्ट, 2 शाम नाथ मार्ग देहली

> भार० बी० एल० भ्रग्नवाल सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-II, दिल्ली नई दिल्ली-1।

ना**रीख**: 17-3-81

प्ररूप भाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-2

दिल्ली-2, दिनांक 17 मार्च 1981

निर्देश सं० प्राई० ए० सी० एक्यू०- /एस० आर०-/ 7-80/6768—यतः मुझे, श्रार०वी० एल० अग्रवाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं०डी-11/8, माडल टाउन है तथा जो दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख ज्लाई, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन मिमनिलिखित व्यक्तियों स्थीत्:--

(1) श्री हरबन्स लाल सेठी बेटा श्री गुरदीत्ता मल सेठी निवासी 5/24, वेस्ट पढेल नगर

(भन्तरक)

(2) श्री बी०के० चौधरी बेटाश्री एस०के० चौधरी श्रौरकुमारी वर्णन ढोंगरा बेटीश्री जीवन दास ढोंगरा, निवासी श्री-11/8, माइल टाउन, दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्स सम्मृत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारी कसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा है
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिहित में किए जा सकींगे [1]

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवस गया है।

अनुसूची

एक मकान जिसका नं ० डी-11/8, भाउल टाउन है उसका क्षेत्रफल 282 वर्ग गज है।

ग्रार**्षी** ० एल० **ग्रग्नवाल** स्वाम श्रिधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 17-3-1981

प्रारूप बाई • टी • एम • एस •----

आयकर ग्रंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के ग्रंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-[], दिल्ली-2

दिल्ली-2, विनांक 17 मार्च 1981

निर्देश सं० श्राई०ए०सी० एक्यू-II/एस० श्रार०-I/7-80/6746—यतः मुझे, श्रार० बी०एल० श्रयवाल, श्रायकर प्रिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्ता अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अञ्चीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- एपए से प्रिधिक है

और जिसकी सं ० प्लाटनं ० 12 ब्लाक सी ० ए० है तथा जो भाडल टाऊन दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के वृत्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्ति बाजार मूल्य उतके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के फ्लाइ प्रतिगत से बक्षिक है और अन्तरक (मन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के शिए तथा पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिका में वास्त्रविक कप से क्षित नहीं किया गवा है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबल, उक्त धिनियम के अधीन कर देने के धन्तरक क वावित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए और/या;
- (स) ऐसी किसी घाय या किसी घन या जन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय घायकर घिषिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त धिषिनयम, या धन-कर घिषिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए वा, छिपाने में मृथिघा के लिए;

मतः, अव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् (१) मैसमैं विनोद प्राईवेट लिमिटेड 16-रिंग रोड, पी०पी० एस्टेट, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीनती निर्वता कुमारी पत्नी मदन गौपाल विज, 74-जौगन्ती नगर, सुन्दरी कालोनी, इन्दौर (मध्य प्रदेश)

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियो करता हूं।

उपत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राध्वेप :-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की भविष, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताकरी के पास जिखात में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिसरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पर्वो का, जो उनत ग्रिवित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं ० 12, ब्लाक सी ०ए०, माङल टाउन, विल्ली

श्रार ० बी ० एल ० श्रग्रवाल सक्षम श्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली।

ता**रीख: 17-3-80**

प्ररूप माई • टी • एन • एस • -

शायकर वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-श (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक भायकर सायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, दिल्ली-2

दिल्ली-2, दिनांक 17 मार्च, 1981

निर्देश सं० आ० ई०ए० सी०/एक्यु०-2/एस० आर०-2/7-80-3608—अतः मझे आर० बी० एल० अग्रवाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 22 ब्लाक जे-4 है तथा जी राजौरी गाइंन नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ज्लाई 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिवक कम से किथत नहीं किया गया है:——

- (का) जन्तरण से हुई किसी नाव की नावत उक्त निध-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविभा के सिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कव, उकत अधिनियम, की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्रीमती सीता बन्ती बाली पत्नी राम लाल बाली निवासी 37/22, राजौरी गार्जन, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कन्ह्या लाल मेहरा बेटा नानक चन्द्र, निवासी 39/21, शक्ति नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित् के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाशेष्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोचन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस सूचना के राजपूज में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्लारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

वन्त्रची

1 1/2 मंजिल मकान जिसका नं० 22, ब्लाक जी-4 राजौरी गार्डन में है जिसका क्षेत्रफल 172 वर्ग गण है।

> श्चार० बी० एस० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 17-5-81

प्ररूप आर्द्र . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली-2 दिल्ली-2, दिनांक 17 मार्च 1981

निर्देश मं० श्राई० ए० सी०/एक्य०-2/ए ० श्रार०-1/7-80/-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 / रत. से अधिक **है**

भौर जिसकी संवसीव 33, राजौरी गार्डन है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड ग्रन्सुची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिपक्षण को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृव्यक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गण है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) ओ निरंजन कुमार बेटा श्री गुलाब ग्रहवानी, ग्रौर दूसरे निवासी, डी-6/3, बसन्त विहार, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं सर्स नवमाला कंस्ट्रक्शन, जे-164, राजौरी गाउँन, नई दिल्ली ब्राग्रा दुसरे हिस्सेदार ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामिल से 30 विन की अविभि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वही मर्थ होगा जो उस मध्याम में दिया गया 8 ।

प्लाट नं सी०-33, जिसका क्षेत्रफल 1030 वर्ग गज है राजीरी गार्धन, गांव बसाई धारा पर में स्थित है।

> श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल **प्रधिकारी** सक्षम सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 17-3-1981

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्रीक्षण) प्रजीन रेंज-II, दिल्ली-2

दिल्ली-2, दिनांक 17 मार्च 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/2/एस० ग्रार०-1/7-80/-6716---श्रतः मुझे, श्रार० बी० एल० ग्रग्नवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० 16-ए, ब्लाक एस है तथा जो राजौरी गार्डन गांव बसाई धारापुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्लो में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूम्में यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इंद्यमान प्रतिफल से, एसे इंद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वर्ष से उक्त अन्तकरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथा नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, कौ भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को स्थीन, निम्निसिख्त व्यक्तियमें स्थीत है— (1) श्री सीता राम बी० कानीतकार बेटा श्री वीयल जी कानीतकार श्रीर श्रीमती प्रजाकर्ता पत्नी सीता राम कानीतकार, एस-49 राजौरी गाईन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कृपाल सिंह चावला बेटा प्रताप सिंह श्रीर श्रीमती सुरिन्दर कौर चावला परनी एस० तेहल सिंह, सी-4, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को ग्रहसूचना जारी करके पृत्रोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा :
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

अन्स्ची

मकान जो कि प्लाट नं 16-ए, ब्लाक एल जो कि राजौरी गार्डन गांव बसाई धारापुर, दिल्ली स्टेट दिल्ली म जिसका क्षेत्र-फल 568.6 वर्ग गज है।

> श्रार० वी० एल० ग्रग्रवाल सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1।

तारी**ख**ः 1*7-3*-1981

प्ररूप आह". टी. एन. एस.----

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के अधीन सुमृता

भारत सरुकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-2

नई दिल्ली-2, दिनांक 17 मार्च 1981

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यु०/ Π /एस० प्रार० $-\dot{\Pi}$ -7-80/3553—प्रत: मुझे ग्रार०वी० एल० ग्रग्रवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि गांव हैं तथा जो नांगलोई जट, विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, विल्ली 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उव्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

- (1) श्री नन्द लाल गनेरी वाला बेटा राम साहिब सेठ राम दत्त निवासी सरसा, हिसार, पंजाब
 - (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जगदीश प्रसाद ग्रौर राम बाबू ग्रौर दूसरे निवासी हरियाणा दाल मिल, नांगलोई, दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्मरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सुम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सपस्त्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

धनुसूणी

भृमि 3 बीगाज 1 बिसवा जो कि गांव नांगलोई जट, विल्ली में है।

> म्रार० वी० एल० स्रम्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज II, दिल्ली , नई दिल्ली-1

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बुधीन निम्निलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात्:——

तारीख: 17-3-1981

प्ररूप आर्थः टी. एन्. एस. —— आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, स**ष्ट्रा**यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-^{II}, विल्ली-2 नई दिल्ली-2, विनांक 17 मार्च 1981

पद्माप्रणा-2, प्रणानः 17 पाप 1901

निर्देश सं० श्रार्थ० ए० ृसी०/एक्यु०/II/एस० श्रार०-II/7-80---श्रतः मुझे, श्रार० वी०एल० श्रग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 75 ब्लाक जे-5 है तथा जा राजौरी गार्डन नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे रूउपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई 1980

को पूर्वों क्त सम्पति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का प्रवृह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर बेने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा का सिए; बुदि/या
- (अ) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभित् :-- (1) श्री विमला रानी धर्मपत्नी श्री वेद प्रकाश निवासी वी०-2/81 जनकपुरी, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बनारसी लाल सुपुत्र करम चन्य श्रीमती पुष्पा देवी धर्मपत्नी श्री बनारसी लाल निवासी जी-21/1-ए, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेपः---

- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति प्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान प्लाट नं० 75 ब्लाक जे०-5 राजौरी गार्डन नई देहली क्षेत्रफल 160 वर्ग गज

> ग्रार० वी० एल० ग्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 17-3-1981

मोहरः

प्रकप आई०टी०एन०एस०--

भागुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च् (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यावय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-2 नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० श्रार०-1/7-80,6776—श्रतः मुझे, श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 21, ब्लाक 39 है तथा जो शिवत नगर, दिल्ली-7 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द्र हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरित्याँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से किशतु नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूर्यिका के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत् अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधित :--- (1) श्री कन्हैया लाल मेहरा बेटा श्री नानक चन्द मेहरा, निवासी 12504, शक्ति नगर, दिल्ली-7

(ब्रन्तरक)

(2) श्री रमेण कुमार बेटाश्री रिजन्द्र प्रसाद प्रग्नवाल, 2,57, रूप नगर, दिल्ली-7

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित् के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्डिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमुको अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

प्रोपर्टी जो कि प्लाट नं० 21, ब्लाक नं० 39, जिसका म्युनिस्पल नं० 12504, शक्ति नगर में स्थित है।

> श्रार० बी० एल० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज ; दिल्ली, नई दिल्ली-2।

तारीख: 17-3-1981

प्ररूप आई.टी.एन्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-IJ, दिल्ली-2

विल्ली-2, दिनांक 17 मार्च 1981

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० प्लाट नं० 246 राजा गार्डन है तथा जो गांव बसाई धारा पुर दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख जुलाई 1980

को पृत्यों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सुविधा के लिए;

(1) श्री निर्मल गुप्ता पत्नी एस० किशोरी लाल गुप्ता निवासी 246, राजा गार्डन नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी एस० निरन्दर बीर सिंह निवासी डी०ई० 75, टैगोर गार्डन नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनसुची

एक मकान जो कि प्लाटनं० 246, राजौरी गाईन, बसाई धारापुर में स्थित है उसका क्षेत्रफल 166.2/3 वर्ग गज है।

> श्रार० बी० एल० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

तारीख: 17-3-81

प्ररूप जाइ . टी. एन्. एस . -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-2

दिल्ली-2 दिनांक 17 मार्च 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०-II/एस० श्रार०-I/7-80--6738---श्रतः मुझे ग्रार० बी० एल० श्रग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 7-ई/12 ईस्ट पटेल नगर है तथा जो नई देहली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्री रोशन लाल खेर सुपुत लेट श्री नथा मल खेर 26/16 श्रोल्ड राजेन्द्र नगर नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जय प्रकाण गुप्ता सुपुत्र लेट श्री श्रोम प्रकाण निवासी 7-ई/12 ईस्ट पटेल नगर, नई विस्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा तकेंगे।

स्पष्टोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० $7 - \frac{2}{3} / 12$ ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली क्षेत्रफल 200 वर्ग गज।

म्रार० बी० एल० श्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली।

नारीख: 17-3-81

प्ररूप आई.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-11, विल्ली-2

दिल्ली-2, दिनांक 17 मार्च 1981

निर्देश सं श्राई० ए० सी०/एक्यु०/II/एस० श्रार०-JI/7-80/-3575--श्रतः मुझे, श्रार० वी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० जेड़ 3-ए राजौरी गार्श्वन है तथा जो गांव नातार पुर नई देहली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई 1980

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तिसयों अर्थादः --

- (1) श्री सुरिन्धर सिंह (2) गुरचरन सिंह सुपुत श्री अतर सिंह, निवासी जैंड 3-ए राजीरी गार्डन नई देहली (3) हरवंस कौर पत्नी प्रीक्षम सिंह (अन्तरक)
- (2) श्री कमल एम फवीआनी सुपुत्र श्री मोती राम निवासी जे-12/6 राजौरी गार्छन नई देहली । (ग्रन्तरिती)

को गहसूचना जारी करके पृत्रांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० जैड_। 3-ए० राजौरी मार्डन नई देहली क्षेत्रफल 526 वर्गे गज ।

> ग्रार० वी० एल० श्रग्नवाल सक्षम श्रिष्ठकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रजैंन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 17-3-81

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक पायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II. दिल्ली-2

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० आर०1,7-80,6734—मतः मुझे, आर० झी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/वपए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाटनं० 13 रोडनं० 9 है तथा जो पंजाबी बाग गांव बसाई धारा पुर में स्थित है (भौर इससे उपाबद भनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख जुलाई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण ने हुई किसी आय की वाबत, उनत प्रिधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रिविनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिविनियम, या धन-कर प्रिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः, अव, उक्त प्रिविनयम की घारा 269-म के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, प्रशीत :-- - 13--6GI/81

- (1) श्रीमती फूलवती पत्नो श्री राम नरायण, निवासी गांव जेसावर, खोरी डिस्ट्रिक्ट रोहतक (हरियाणा) (श्रन्तरक)
- (2) श्री ओंकार चन्द जैन बेटा श्री महताब राय जैन, वेद प्रकाश जैन, विजय कुमार जैन ग्रौर धर्म पाल जैन बेटे श्री श्रोंकार जैन, निवासी 18/26, पंजाबी बाग, नई दिस्सी

(ग्रन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्वोक्</mark>त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्य<mark>ेवाहिया</mark>ं करता हं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उकत श्रिष्ठ-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रष्ट होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

श्रनुसूची

एक मकान जो कि प्लाट नं० 13, रोड नं० 9, क्लास 'डी', पंजाबी बाग में स्थित है उसका क्षेत्रफल 271.33 वर्ग गज़ है।

> श्रार० बी० एस० श्रग्नघान सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख: 17-3-1981

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन संचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली-2 दिल्ली-2, दिनांक 18 मार्च 1981

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० श्रार०-1_/ 7-80-

25,000/- रत. से अधिक है

6703—प्रतः मुझे, स्रार०बी० एत० स्रग्नवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य

श्रीर जिसकी सं० 13/1381-82 है तथा जो फेजगंज बहाधुर गढ़ रोड, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, ज्लाई, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्व मों कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्लियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती राधा बाई घनश्याम दास ग्राँत सेवा राम निवासी 362, सदर बाजार, दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मानिक जन्द दीप चन्द, णान्ति लाल और मोहन लाल निवासी मकान नं० 12/1381-1382, फीजरोड, बहादूरगढ़ रोड

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथािकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनस्पी

प्रोपर्टी नं० 13/1381-1382 जिसका क्षेत्रफल 135 वर्ग गज है फेजगन्ज बहादुर गढ़ रोड दिल्ली में है।

> अार० बी० एल० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-२, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 18-3-1981

प्रकप आई० ठी० एन० एस०---

प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन पूर्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-2

दिल्ली-2, दिनांक 18 मार्च, 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०-^{III}/एस० श्रार०- /7-80-3576--श्रतः मुझे, श्रार०बी० एस० श्रग्रवाल प्र<mark>ायकर ग्रधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस</mark>में

प्रायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त प्रजितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- छम्प से प्रधिक है

और जिसकी सं० क्वाटर नं० 2 ब्लाक नं० 4-ए तिलक नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1980

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और पूजे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरिज के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरिण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अग्तरण से हुँई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसो आप या किसो धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया अनका वाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-सर्थ में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, बर्धात् :--

- (1) श्री शिव चरण मेहता बेटा श्री तरलीक चन्द मेहता निवासी जे-11/69-ए, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली (ग्रम्तरक)
- (2) श्रीमती भूपसिंह कौर पत्नी एस० ग्रमरजीत सिंह जग्गी क्वाटर नं० 4-ए/2 तिलक नगर नई दिल्ली-110018 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस मूचना ह राजपत्र ने प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पूजना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी प्रश्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, कं ग्रध्याय 20-कमें परिभाषित हैं. बही मर्ब होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्वाटर नं० 2 ब्लाक 4-ए, जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है तिलक नगर में स्थित है।

> श्रार० बी० एल० श्रग्नवाल सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1 ।

तारीच : 18-3-81

प्ररूप भाई• टी॰ एन• एस॰----

आयक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के भंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-2

दिल्ली**, दिनांक** 17 मार्च 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एसयु-II/एस० श्रार०-II/ 7-80/3618— अतः मुझे, श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल आयक्तर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ब के श्रधीन सज़म श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिसकी सं० इधि भूमि गांव है, तथा जो हीलम्बी खुर्द, दिल्ली स्टेट दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ए। अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविधित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से किवत नहीं किया गया है ।——

- (क) घन्तरण सं हुई किसी धाय की बाबत उक्त धाध-नियम, के प्रधीन कर देने के घन्तरक के वामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: बाब, छक्त पश्चिनियम की धारा 269ना के प्रमुखरण में, मैं, उक्त अधिनियम को घारा की 269-म की उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:—

(1) श्री बलवन्त सिंह बेटा श्री माम चन्द निवासी गांव श्रीर पोस्ट श्राफिस होलम्बी खुर्द विल्ली स्टेट दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कृष्ण लालबेटाश्री राम लाल निवासी केग्रर श्राफ रत्ना जवेलरस 2704/16, श्रजमल खान रोड, करोल बाग दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हैं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजनन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे:

स्पन्दीकर ग:---इतमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रिक्षित नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रया होगा, जो उन प्रध्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

कृषि भूमि जो कि 16 बीगा व 14 बिस्वा है गांव होलम्बी खुर्व बिल्ली स्टेट दिल्ली में स्थित है।

> श्रार० बी० एल० ग्रग्नवाल सक्तम ग्रिधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज-11, दिल्ली, नई दिल्ली।

ता**रीख**: 17-3-1981

प्ररूप आई. टो. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-II, दिल्ली-2

नई दिल्ली-2, दिनांक 17 मार्च, 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/II/एस० श्रार०-II/7-80/-3596—अतः मुझे श्रार० बी० एन० श्रग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

डौर जिसकी सं० 7/12, तिलक नगर, है तथा जो नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है (रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्री करण ग्रिधनिय, 1908 (198 का 16) के ग्रधीन तारीख जुलाई 1980

कारे प्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुचने में सूविधा के लिए; अडि/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती कुमारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिस व्यक्तियों, अधितः-- (1) श्री किशोर नाथ ग्रानन्य बेटा रामजी लाल ग्रानन्य निवासी 7/12, तिलक नगर, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रकाश देव सिंह बेटा सुन्दर सोहन सिंह, निवासी बी-44, फतेह नगर, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (स) इ.स.सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-के में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

क्याटर नं० 7/12, सिलक नगर मई दिल्ली जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है।

> म्रार० बी० एल० श्रग्रवाल सक्तम म्रधिकारी सहायक श्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 17-3-81

प्ररूप माध्ः टी. एन्. एस.-

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, दिस्ली-2

नई दिल्ली-2, दिनांक 17 मार्च, 1981

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू/ /एस० म्रार० II/7-80/ 3564—स्रत: मुझे भार० बी० एल० म्रग्रवाल

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० बी० एल० 70, एल० ब्लाक हरी नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्थी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्लीमें भारतीय रजिस्ट्रकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार भून्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अम्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अभ्तरण से हुइं किसी आयु की बाबत, उक्त अपिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और√या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, म⁴. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1) को अधीन, निश्मणिखित व्यक्तियों अर्थात् ≝-- (1) श्री एम० एम० एल० कपूर बेटा श्री कुट्दन लाल कपूर श्रौर श्रीमती कमला कपूर निवासी जे०-38, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वेद प्रकाश और श्री सत्य नारायण बेटा श्री हरी राम, निवासी बी०-118, डी० एस० क्वाटर, भौतिया खास, नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां अरता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भगसूची

प्लाट नं० बी० एल० 70 जो कि एल० बलाक, हरी नगर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 223.88 वर्ग गज है।

> श्रार० बी० एल० श्रगरवाल सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

ना**रीख**ः 1,7-3-81

प्ररूप आईं.टीं.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली-2

दिस्ली-2, दिनांक 17 मार्च 1981

निर्वेण सं० ग्राई० ए० मी०/एक्यु०/2-एस० श्रार०-2/7-80/3551—-ग्रतः स्झे, ग्रार० बी० एन० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० ए-47, न्यू मृजतान नगर, न्यू रोहतक रोड, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुमूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के वार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्था अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की, अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) खा० हरनाम सिंह, पाहवा बेटा एस० भाग सिंह, पाह्वा निवासी 11270, डोरी वालान, न्यू रोहतक रोड करोल बाग, दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) डा॰ परदुमन कुमार बेटा श्री मेहर चन्द निवासी एच-116, नरायण विहार, नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास-तिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिस्यः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

्ताट नं॰ ए/47, न्यू मुलतान नगर, न्यू रोहतक रोड नई दिल्ली में स्थित है।

ग्रार० बी० एल० श्रग्नवाल सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारी**ख** : 17-3-1981

प्ररूप आईं ० टी ० एम ० एम ०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-II, दिस्ली-2

दिल्ली-2, दिनांक 17 मार्च 1981

निर्वोग सं० माई० ए० सी० एक्यू०/II-एस० मार०-II/7-80/-3558—मत: मुझे, मार० बी० एस० मम्मान,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसको सं० प्लाट नं० 2, रोड नं० 55, है तथा जो पंजाबी बाग, गांव मादीपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसृजी में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विववास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का नम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिचित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई जिल्ली जाय की बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (का) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-म को अमुखरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म को उपभारा (1) को अधीन, निम्नसिखिस व्यक्तियों अधीत्:—— (1) योगराज बाली बेटा डा० गैंडा मल बाली निवासी 19, मैंक्टर-11-ए, चन्डीगढ़

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रजीत कुमार गुप्ता बेटाश्री वी० श्रार० गुप्ता, श्रीर श्रीमतो अमा देवी गुप्ता पत्नी श्रार० के० गुप्ता, निवासी बी०-15, लारेन्म रोड, दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रॉक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 विन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूजना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकारो।

स्वव्यक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहां अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वया है।

ग्र**न्**स्ची

एक मकान जो कि प्लाटनं० 2, रोड नं० 55, पंजाबी बाग, मादीपुर, दिल्लो में है जिसका क्षेत्रफल 660. 64 वर्ग गण है।

> श्रार० बी० एल**० श्रग्नवाल** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, दिल्लो/नई दिल्लो-2

तारीख: 17-3-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

भारकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली-2 दिल्ली-2,दिनांक 16 मार्च, 1981

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाटनं० 17, बो-4, है तथा जो राना प्रताप बाग, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रोकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय दिस्सी में भारतीय रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल ते, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे सचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क्त) एसी किसी जाव या किसी धन या अन्य आस्तियों कर्ते, फिन्हें भारतीय आस-कर जीभनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा धन-कर अभिनियम, वा धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती क्लारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अव, उक्त विधितिषयं की धारा 269-ग के, अनुवरण में, में, उक्त अधितियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--14—6GI/81 (1) मैंसर्स मोन्टगोमरो को भ्रापरेटिव गुडस ट्रासपोर्ट सोसाईटी लिमिटेड, रोशन भ्रारा रोड, दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्री चमन लाल बेटा श्री पन्ना लाल जैन भौर दूसरे निवासी 132, वीर नगर, कालोनी, दिल्ली (भ्रन्तरिती)

को यह सुमना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितयद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्वक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्यान में दिया गया है।

अनुसुची

प्ताट नं 17/बां-4, जो कि रेजीडेन्मी,यल कालोना, राना प्रताप बाग में स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 420, वर्ग गज है।

> श्रार्विश्विष्त श्रुप्रवाल सक्षम श्रिधिकारी महायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 16-3-1981

मोहरः

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, विल्ली-2

दिल्ली-2, दिनांक 16 मार्च, 1981

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसका सं० 18, खजूर वालं है तथा जो बिलिंडग चांदनी चौक में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुमृचे में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय दिल में भारतीय रजिस्ट्र करण श्रधिनियम, 1908) (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जुलाई 1980

कां पूर्वाक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्धिश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिध के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि—

(1) श्री महाबीर प्रसाद अयपुरिया चौरीटेबल ट्रस्ट, 52. जनपथ. दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्रोमतो निर्मला खन्ना पत्नी श्रा राम प्रकाश खन्ना, निवास ए-2/27, कृष्ण नगर दिल्ली (ग्रन्तरिर्ता)

को यह स्वना जारी करके पूर्वा कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्योकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, औ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राईवेट नं० 18 खजूर वाली बिल्डिंग, चांदनी चौक जिमका क्षेत्रफल 16-78 वर्ग गज है व म्युनिस्पल नं० 1663 है।

> ग्नार्वित् एल्व श्रम्भाल सक्षम श्रिधकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निर्दक्षण) श्रमेन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

नार्ंखः 16-3-1981

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, दिल्ली-2 दिल्ली-II, दिनांक 16 मार्च 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०-2/एस० श्रार० 1/-7-80/6724—अतः मुझे श्रार० की० एल० श्रयवाल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

ग्रीर जिसके संव दुकान नंव 10 से 13 है तथा जो खजूर वाली बिल्डिंग स्टेट बैंक के पीछे सीव सीव दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबत ग्रनुसुको में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिशिकारों के कार्यालय दिल्लों में रिजस्ट्रीकरण ग्रिशिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिशीन, तारीख जुलाई

का पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्ते) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा ➡ लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अप्तः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सधीन निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

(1) श्रोमती चम्पा देवो जयपुरिया, पत्नी श्री सी० एल० जयपुरिया, निवासी 8, पृथ्वी राज रोड, नई दिल्ल द्वारा उसके ऐटोरनी श्री के० जयपुरिया, बेटाी सी० एल० जयपुरिया

(ग्रन्तरिक)

(2) श्री विनोद कुमार कोचर बेटालेट श्री दुर्गा दास कोचर निवासी 4, मंगल बिल्डिंग भागीरथ पर्लंस दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्क भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताकारी के पास लिक्ति में किए जा सकारी।

स्पष्टीक रणः -इसमें प्रयुक्त राज्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं 10 से 13 जिसका क्षेत्रफल 89.06 वर्ग गज है जो कि खजूर वाली बिल्डिंग स्टेट बैंक के पीछे, चांदनी चौक में स्थित है।

> श्रार० बी० एस० श्रग्नवाल सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-2

तारीख: 16-3-81

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरौक्षण)

म्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-2 दिल्ली-2,दिनांक 16 मार्च, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०-2/एस० आर०-1/7-80/

6715---- प्रतः मुझे ग्रार० बी० एल० श्रग्रवाल

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसका सं० 1 श्रोल्ड रोहतक रोड, नजदीक हुएण गंज, रेलके स्टेगन, दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबत भनुसूची में पूर्ण रूप स विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1981

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भौर भन्तरक (भन्तरकों) भौर अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) एनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिमाने में सिवधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-च की **उपधा**रा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !---

- (1) श्रामती सुन्दर देवी जैन पत्नी परमन्दर चन्द जैन निवासी, डॉ-4, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली (ग्रन्सरक)
- (2) श्री कनकेण कुमार जैन भौर राकेण कुमार जैन बेटा जुगल किशोर जैन 1242/2 जैन भवन, राज महल, दिल्लो

(भ्रन्तरितं:)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।.

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा सं
 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्र्थ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पण्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया जया है।

जनसंची

1/2 हिस्सा, प्रोपर्टी नं० 1, जिसका क्षेत्रफल 803, वर्ग गज, खसरा नं० 411-412, केवट नं० 238, श्रोल्ड रोहतक रोड, नजदीक रेलवे स्टेशन कृष्ण गंज,

भार० बी० एल० सम्रवास सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-II, नई विल्ली।

तारीख: 16-3-1981

मोहरः

प्रका भाई० टी० एन० एस०---

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के प्रश्नीन सूचना

वारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-2

नई दिल्ली-2, दिनांक 16 मार्च 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०-2/एस० आर्०-1/7-80/-6757—श्रतः मुझे आर० वी० एल० अग्रवाल आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा निया है), की घारा 269ख के अधीन सक्षम भाधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका छ कित बाजार मूख्य 25,000/-र॰ से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 9-एफ० है तथा जो कमला नगर दिल्ली में स्थित है(भीर इससे उपाबद श्रनुसूषी में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) (के श्रधीन तारीख जुलाई 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार पूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिकल के लिए अन्तरित की मई है और मुझे बड़ विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमाम प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और अन्तरम (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्वरण लिखित में बास्तविक रूप से विधानहीं किया गया है:——

- (ह) अन्तरण से डुई किसी आध की बाबत, उपत **अधि-**नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्**व में** कमी करने या **उ**सते बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की छपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्चात :--- (1) श्री वेद प्रकाण दिवान बेटा श्री दिवान बेद्री नाथ, निवासी एफ०/9, कमला नगर, दिल्ली ग्रब के-2/10, माडल टाउन, दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती इन्द्रा रानी पत्नी श्री पी० श्रार० गुप्ता निवासी 126-ई, कमला नगर, दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके प्रक्रित सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उपत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षीप !---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सेवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, औ भी सर्विध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किया व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन को तारी करें 45 विन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति धारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

रपव्डीकरण:---इतमें प्रयुक्त शब्दों कोर पदों का, जो उक्त श्रिक्षित्यम के अध्याय 20-क सें परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो छस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्राईवेट फ्लैंट नं० 5, एफ-एफ प्रोपर्टी, नं० 9, ब्लाक एक, म्युमिसपल नं० 6195, वार्ड नं० 12, कमला नगर दिल्ली

> श्रार० बी० एल० श्रग्नवाल सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारी**ख**: 16-3-81

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, दिल्ली-2

नई दिल्ली-2, दिनांक 16 मार्च 1981

निर्देश सं० भाई० ए० सी० एक्यु-2/एस० भार०-1/7-80/-6772--अत: मुझे भार० बी० एल० श्रग्रवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 77 एफ है तथा जो कमला नगर दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1980

करें पूर्वों क्स संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामें में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः —

- (1) श्री नरेण कुमार बेटा श्री सुन्दर लाल ऐटोरनी श्री सुन्दर लाल निवासी 77-एफ० कमला नगर, दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) श्री म्रनिल कपूर बेटा श्री बलवन्त राय कपूर निवासी, 77-एफ०, कमला नगर, दिल्ली (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

1/3 ग्रविभाजित शेयर जो कि बिल्डिंग, जिसका म्युनिसिपल नं० 6269 है जो कि प्लाट नं० 77-एफ०, कमला नगर में है जिसका क्षेत्रफल 166-7 वर्ड गज है।

> भ्रार० बी० एल० भ्रमवाल सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख: 16-3-1981

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-II, दिल्ली-2

दिल्ली-2, दिनांक 16 मार्च 1981

निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/एक्य्/II/एस० श्रार०-I/7-80/-6775—श्रत: मुझे, श्रार० बी० एल० श्रग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० ब्लाक 'ए' है तथा जो भादर्भ नगर गांव भरोला दिल्ली में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबढ़ भनुसूची में पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जुलाई 1980

को पूर्वाक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिक को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल किनिनिलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों मुर्थात् ं--

- (1) श्री गुलशन कुमार वधवा बेटा श्री छुष्ण लाल निवासी 6672, कोठी मेम बारा हिन्धू राव, दिल्ली। (धन्तरक)
- (2) श्री बाल कृष्ण अग्रवाल बेट। श्री गोपी राम श्रग्नवाल ग्रीर श्रीमती ग्रीम पति श्रग्नवाल पत्नी श्री हरी कृष्ण ग्रग्नवाल, निवासी बी-12, महात्मा गांधी रोड, श्रावर्षे नगर, दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाँकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त झब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हु⁴।

अनुसूची

एक प्लाष्ट, जिसका नं० 11, ब्लाक 'ए' जिसका क्षेत्रफल 226 वर्ग गज है भ्रादर्श नगर, गांव भैरोला, दिल्ली में है (बिना बनाये)

> म्रार० बी० एल० मग्रवास सक्षम म्रियकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजंन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1।

तारीख: 16-3-1981

प्ररूप बाहु . दी. एन्. एस.----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

काय लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, दिल्ली-2

दिल्ली-2, दिनांक 16 मार्च 1981

निर्देश सं श्राई० ए० सी०/एक्यू०/-II/एस० म्रार०-I/7-80/ 6760---भतः मुझे, भार०बी० एल० म्रायनाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परेवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

स्नौर जिसकी सं० डी-6/18, है तथा जो राना प्रताप बाग, सब्जी मण्डी, दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रशीन, तारीख जुलाई 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के द्वरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पात्रा गया प्रति-फल विस्तिलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय मा किसी धन या अन्य कास्तिकं को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बुधीन, निम्नुतिवृद्धित व्यक्तियाँ, वृथितः-- (1) श्री सुतील कुमार मनवन्दा बेटा श्री कृष्ण लाल मनचन्दा निवासी डी-6/18, राना प्रताप बाग, संब्जी मण्डी, दिल्ली

(म्रस्तरक)

(2) मैसर्स राजिन्दरा इलैक्ट्रोनिक्स, रोशन आरा रोड, सक्जी मण्डी, दिल्ली

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सञ्मिल्त की अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप.--

- (क) इस त्वाम के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की तामीक से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- सब्ध किसी अन्य व्यक्ति दवापा अधिहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए ता सकती।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहां अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गण ही।

बन्दुची

दो मंजिला मकान जिसका नं० डी-6/18, है जो कि राना प्रताप नाग, सम्जी मंडी में है।

> म्रार० बी० एल० सम्रवास सक्षम मधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज-^{II}, दिल्ली, नई दिल्ली-2 ।

तारीख: 16-3-1981

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज-II, दिल्ली-2

नई दिल्ली-2, दिनांक 17 मार्च, 1981

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यु०/-2/एस० म्रार-1/7-80/-6731—-श्रतः मुझे श्रार०बी० एस० स्रग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० ई-38, रेजीडेनिशयल कालोनी, है तथा जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनु-सूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जुलाई 1980

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे या विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल के 15 पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

(1) श्री राजिन्दर सिंह श्रीर दूसरे निवासी एफ-16, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती बिमला कुमारी पत्नी गंगा बिशन श्रौर दूसरे निवासी ई-38, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृहित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें
 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्सूची

एक रहने का मकान जो कि प्लाट नं० ई-38 पर बना है जिसका क्षेत्रफल 1200 वर्ग गज है राजौरी गार्डन में स्थित है।

> म्रार० बी० एल० श्रग्रवाल सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1 ।

तारीख: 17-3-1981

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चुना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 11 मार्च 1981

निर्देश सं । III 465/ग्रर्जन/80-81—ग्रतः मुझे हृदय नारायण आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० खसरा नम्बर 1142 खाता नम्बर 62 तौजी नम्बर 14850 थाना नम्बर 4 है, तथा जो दुजरा पटना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 7-7-80

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथन नहीं जिया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री दिलीप कुमार वल्द स्व० हरीदीप सिंह निवासी ग्राम बांध मझौआ थाना कोईलवर जिला भोजपुर

(ध्रन्तरक)

(2) श्री हरीहर प्रसाव बल्द श्री जगदम्बी सहाय (स्व०) निवासी ग्राम शेखपुरा प्रत्नालय/जिला बैशाली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्का के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्का की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्सब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया हैं।

अनुसुची

धरारी जमीन का रकबा 2 कट्ठा 10 घूर जो मौजा दुजरा थाना कोतवाली जिला पटना में स्थित है जो पूर्ण रूप से वसिका नम्बर 3136 दिनांक 7-7-80 में वर्णित है तथा जिसका निबंन्ध्रन जिला अवर निबन्धक पथाधिकारी पटना द्वारा की गई है।

> हृ्वय नारायण सक्षम पद्याधिकारी निरीक्षी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, भ्रजेन परिक्षेत्र, बिहार, पटना ।

तारीख: 11-3-81

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन परिक्ष, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 11 मार्च, 1981

निर्देश सं० 3/466/म्रर्जन/80-81—म्रतः म**झे हृदय** नारायण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी तौजी नम्बर 5225, थाना नम्बर 4 सिंकल नम्बर 26 प्लाट नम्बर 864 श्रीर 865 वार्ड नम्बर 33 सर्की नम्बर 245 है, तथा जो दुजर, पटना में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रमुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 17-7-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी ाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिम्ति व्यक्तियों अर्थातु :--

- (1) (1) श्रीमती सरोज देवी जौजे श्री नाथ प्रसाद निवासी पोहबी वेला जिलादरभंगा
 - (2) श्रीमती शिलादेवी जौजे श्री गौतम सिंह निवासी जितरंजन जिला बर्दमान दोनों पुत्री श्री सूरज बिहारी यादव निवासी महल्ला वाकरगंज पटना

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राम नाथ प्रसाद वल्द स्व० बांके बिहारी राय ग्राम व पत्नालय—कोढीया थाना—गरखा जिला शारण

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास िलखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

जमीन का रकवा 5 कट्ठा 2 खूर चाहर दिवारी सहित मौजा दुजरा में है तथा बुढ़ा कालोनी जिला पटना में स्थित है जो पूर्ण रूप से विसका नम्बर 5491 दिनांक 17-7-80 में विश्वित है तथा जिसका निबन्धन जिला भ्रवर नियन्त्रक पदाधिकारी पटना द्वारा की गई है।

> हृदय नारायण सक्षम पदाधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन परिक्षेत्र, बिहार, पटना ।

तारीख: 11-3-81

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहामक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 11 मार्च 1981

निदेश सं 0.111/467/ग्रर्जन-80-81—ग्रत: मुझे, हृदय नारायण

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० तौजी नम्बर 18224 खाता नम्बर 38, खसरा नम्बर 907 है तथा जो राजापुर हसन पटना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रन् सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 18-7-80

का पृथा कि संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृष्ट हैं और मूफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों क्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवृक्ष रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीम निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थातुः-- (1) श्री राज राजेश्वरी प्रसाद सिन्हा वल्द श्री रामता प्रसाद वर्मा साकिन डैंहरी छोन सोन नील कोठी पत्नालय डेहरी ग्रोन सोन जिला रोहतास

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती गायली जौजेश्री ग्ररण कुमार साकिन-चान्दभारी रोड नौरतनपुर पत्नालय केकडवाग पटना

(ग्रन्सरिती)

क्रेयह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यादा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

जमीन का रकबा 3 कट्ठा 16 धूर जो मौजा राजापुर हसन पटना थाना कोतवाली में स्थित है तथा जो पूर्ण रूप से वसिका नम्बर 5537 विनांक 18-7-80 में वर्णित है एवं जिसका पंजीकरण जिला भ्रवर निबन्धक पदाधिकारी पटना द्वारा हुआ है।

> हृदय नारायण सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन परिक्षेत्र, बिहार, पटना ।

तारीख: 11-3-1981

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 14 जनवरी 1981

निर्देश सं० पार० ए० सी०/ग्रर्जन/159/8081- यतः मुझे, ए० एम० खरे

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

भौर जिसकी सं० मकान नं० 91/2 है, जो अभ्यंकर रोड, यतोली, नागपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपुर (डाकुमेंट सं० 1932/80 (पी) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-7-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्र हुप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) श्री एम० भास्करराव नियोगी, थंतोलनी पोस्ट, श्राफिस के पीछे थंतोली, नागपुर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एल०एम० ग्रोगीराक थंतोली पोस्ट ग्राफिस के पीछे, थंतोली, नागपुर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य त्यवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी ।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 91/2 प्लाट नं० 20, शिट नं० 20-ए, सर्कल नं० 12-ए, यार्ड नं० 4, ग्रभ्यंकररोड, थंतोली, नागपुर।

> ए० एम० खरे सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज, नागपुर ।

तारीख: 14-1-81

प्ररूप आई. टी. एन. एस.--

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सष्टायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 14 जनवरी 1981

निर्देश सं० म्रार० ए० सी०/ग्रर्जन/160/80-81—यतः मुझे, ए० एम० खरे

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकीं सं० सर्वे नं० 585, 581 तथा 681 एगड भूमि है तथा जो घटोव त० काटोल में स्थित है (और इसके उपाबद्ध भ्रमुसूची में भौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नागपुर (डाकुमेंट सं० 3852/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-7-80 को

पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (11) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :--

(1) मैंसर्स हंस कॉटन प्राईवेट लिमिटेड, बाम्बे

(भ्रन्तरक)

(2) मैंसर्स माणिकचन्द कपूरचन्द संचेती, श्रकोला बाजार, खामगांव जिला बुलढाना (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 प्रिन की अपिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कां।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सूची

6.81 एकड जमीन जिसका सर्वे नं० 585 तथा 587, मौजा कारोल त० श्राटोल जिलानागपुर

> ए० एम० खरे सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, नागपुर ।

तारीख: 14-1-81

प्रकथ भाई • टी ॰ ११न • एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन नूनना

पारव सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 14 जनवरी 1981

निर्देश सं० प्रार० ए० सी०/म्राजन/161/80-81—यत: मुझे, ए० एम० खरे

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सभाम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका छिचत बाजार मूह्य 25000/- द० से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 23-ए, है तथा जो जनता काटेज के पास चन्द्रपुर, में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चन्द्रपुर (डाकुमेंट सं० 2186/80 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 31-7-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रिक्षिल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कर के का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्यू उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक सुप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायिश्व में कभी करने या उससे बच्चे सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या फिसी बन या प्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त धिधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री पुरुषात्तम गाविन्दराव मुलुकवार जालनगर, चन्द्रपुर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विट्ठलराव नारायणराव बुरावकर वालाजी वार्ड, चम्द्रपुर

(ग्रन्तरिती)

को यह सुजना जारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप।---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकासन की वारी का के 4.8 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर नूचना की वामी से 30 दिन की प्रवित, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन का तारीख से
 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोद्दस्ताकरों के पास
 सिखित में किए जा सकेंगे।

हाब्दोक्तरण:--इपर्ने प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, को उक्त अधिनियम के प्रश्याय 20-क में यथा-परिमाषित है, वही अर्थ होगा, को **घस अध्याय** में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉंट नं० 23-ए सर्वे नं० 3/5, साईबाबा कांग्रापरेटिव हार्ऊसिंग, सोसायटी, लेग्राखट, जनता काटेज के पास, चन्द्रपुर

> ए० एम० खरे सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज, नागपुर।

तारीख: 14-1-81

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भ्रष्ठीन सूचना

भारत सरकार

सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 14 जनवरी 1981

निर्वेश सं० श्रार० ए० सी०/श्रर्जन/162/80-81—यतः मुझे, ए० एम० खरे

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-का के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ ते अधिक है मकान नं० 420 वार्ड नं० 43 जा रेलवे गांडाउन रोड, जयस्तम्भ के पास, रैलीस प्लाट, अमरावती में स्थित है (और उसके उपबाद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमरावती (डाकु; इसं० 2885/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-7-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का जीवत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है थीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निविखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिक रूप से किया नहीं किया नया है।—

- (क) प्रस्तरण से तुई किसी भाग की बाबत, उन्त प्रधिनियम के भ्रष्टीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या प्रत्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या धक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जानाः चाहिए था, खियाने में सुविधा के सिए;

श्रतः भ्रव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के सुभीन निमन्तिल्खित व्यक्तित्यों सुभीतः-- (1) श्री रमेशचन्द्र मगनलाल गागलानी, ताजनापेठ, श्रमरावती

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती लिलाबाई रमेशकुमार ग्रग्नवाल, श्रीमती पुष्पाबाई सुभाषकुमार ग्रग्नवाल दोनों रहने वाले ताजनापेट, ग्रमरावती

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपंत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत अपितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 4: दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रभ्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, जो जक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिचाधित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रष्टमाय में विया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 420, वार्ड नं० 43, रेलवे गोडाउन रोड, जय स्तम्भ के पास, रैलीस प्लाट, श्रमरावती ।

> ए० एम० खरे सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, नागपूर ।

सारीख: 14-1-81

प्रकृप आईं व्ही । एन : एस :----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के समीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजैनर्रेज, नागपुर

नागपुर, विनांक 14 अनवरी 1981

निर्देश सं० भ्रार० ए० सी०/श्रर्जन/163/80-81---यतः मुझे, ए०एम० खरे

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अविनियम' कहा गया है), की घारा 269-क के बाबीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्य 25,000/- वपये ते अबिक है

मौर जिसकी सं० मकान नं० 110 है, जो वार्ड नं० 43, जवाहर गेंट, अमरावती में स्थित है (और उसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमरावती (डाकुमेंट सं० 216/80) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-7-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृत्यमान अधिकाल के लिए सम्तरित की गई है मौर मृत्रे यह विश्वास अपने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान अतिपत्त से, ऐसे वृत्यमान प्रतिपत्त के पन्छ प्रविचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और सम्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्रां प्रतिपत्त तिमनलिखित उद्देश्य से उदन अन्तरण लिखित

में बास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किनो साम की बाबत, उक्त प्रश्नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाविश्व में कमी करने या ससमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय वा किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उपत प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्वे प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए या, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की भारा 269ना के अनुसरण में. में. उक्त प्रश्विनाम की द्वारा 269न्य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयांत :--- (1) श्री विष्णुप्रसाद **छक्की** लाल खरय्या सैक्कर साथ, श्रमरावती

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुगुनी वाई किमतराय इसरानी मोन्दा मार्केट, कवरनगर ग्रमरावती

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त ेसम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां मुक्त करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की भवित्र या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामी ल से 30 दिन की भवित्र, जो भी भवित्र बाद में समाप्त होती हो, के भी तर पूर्वी बत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बक्षोइस्ताक्षरी के पास लिक्कित में किए जा सकेंगे।

स्पाकीकरणः --इसमें प्रयुक्त जन्मी धीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, बही धर्म होना, जो उस धन्माय में दिया यथा है।

अनुसूची

मकान नं० 110, वार्ड नं० 43, जवाहर गेट के पास, ग्रमरावती ।

> ए० एम० खरे सक्षम श्रघिकारी सहायक झायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 14-1-81

माहर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 14 जनवरी 1981

निर्देश सं० श्रार० सी०/ग्रर्जन/164/80न81—यतः मुझे ए०एम० खरे,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं मकान नं 1144, है जो नया बकड़गंज, नागपुर में स्थित है (ग्रीर उसके उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रिक्षकारी के कार्यालय नागपुर (डाकुमेंट सं 3645/81) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 10-7-80

को पूर्वो विस्त संपरित के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-फल निम्निलिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अभ्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अन्तरक कें,दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिक्का के लिए;

भतः सन, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के सन्भरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपधारा (1) के सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सुर्थात् :-- (1) श्री रतनसी करसन पटेल, बगडगंज, नागपुर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नरशी शिवदशाज पटेल, श्रीमती जमनाबेन शिवशाज पटेल, बोनों रहने वाले बगडगंज नागपूर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतार पृषांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पर्दों का, जो जिक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशांतित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

अभूत्वी

50 प्रतिशत ग्रनिष्ठबाइडिंड हिस्सा जिसका मकान नं० 1144, वसे नं० 23, एन० ग्रार० टी० प्लाट नं० 258, नया अगडगंज, नागपुर।

> ए० एम० खरे सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर **प्रा**युक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, नागपुर ।

तारीख: 14-1-81

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजंन रेंज, नागपुर नागपुर, दिनांक 14 जनवरी 1981 निर्देश सं० घ्रार० ए० सी०/घ्रजंन/165/80-81---यतः मृझे ए० एल० खेर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 111, है, जो शिवानी नगर नागपुर स्रौर जिसकी सं० 111, है जो शिवाजी नगर, नागपुर में स्थित है (श्रौर उसके उपाबद्ध सनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नागपुर (डाकु-मेंट सं० 3545/80 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 4-7-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उच्स अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मॅं, मंं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नितिसित व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) श्री की० वाई० कखुरे, एम-68, दर्पन कालोनी, ग्वालियर, (एम० पी०)

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुशील बाफना, 41, ग्रभुवाल मार्ग, नागपुर

(ग्रन्तरिती)

को सह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यक्ता, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय20-क में परि-भाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाटन ० 111, सर्वे नं० 27, सी०टी० एस०नं० 451, वार्डनं० 73, शिवाजी नगर, नागपुर

> ए० एल० खरे सक्षम मधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, नागपुर।

तारीख: 14-1-81

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलोर

बेंगलोर, दिनांक 26 दिसम्बर 1980

निर्वेश सं० 304/80-81—यतः मुझे, आर० थोषाद्रि आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उत्कत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० सी० टी० एस० नम्बर 247-ए (भागांग) है, जो होसपेट रोड, सिसीं, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिसीं, अंडर डाक्युमेंट नम्बर 417/80-81 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-7-1980

को पूर्वोक्त सम्मिरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचमे में सुविधा के लिये; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों अधीत :--

- 1. (1) श्री वेंकटरमण महाबकेण्यर हेगड़े
 - (2) महाबलेश्वर वेंकटरमण हैंगड़े
 - (3) गोपाल वेंकटरमण हेगड़े हुलगोल, तालुक सिसीं

(ग्रन्तरक)

 श्री नागन्ना गेंद्टि का पुत्र श्री बी० रमेश गेंद्टि सहयादि कालोनी, यल्लापुर रोड, सिर्सी, डिस्ट्रिक्ट कारवार

(ब्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्सूची

सिसीं के, होसपेट रोड में स्थित इमारत (जगह सहित) (होटेल भ्राधिवनी) जिसका सी० टी० एस० नम्बर 247-ए (भागांश)

ग्रार० थोथाबि सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, भेंगलोर।

तारीख: 26-12-1980

प्ररूप आई० टी• एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलोर

बेंगलोर, विनांक 26 दिसम्बर, 1980

निर्देश सं० 306/80-81—यतः, मुझे स्नार० थोथाद्वि भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर संपन्ति जिसका उचित बाजार मृन्य 25,000/- रा. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० चलता नम्बर 20 ग्रौर 21 (भागांश) मेट्रिज नम्बर 329 है, जो तेलिगाग्रो, तालुक टिस्वाडि, डिस्ट्रिक्ट गोवा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी कार्यालय इल्हास, गोवा ग्रंडर डाक्युमेंट नम्बर 154/80, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन विनांक 10-7-80

को प्वाेंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विद्वास करने का कारण ही कि यथापृष्यीकत सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियों अधीतः—

- (1) 1 श्री फ्रान्सिस्चो भेवियर सेगियो लुइस
 - (2) श्रीमती अलेलुया ब्लांचे क्रेमिना डिसिल्बा लुइस
 - (3) श्री जोस जो फान्सिस्को ग्रंड्रे सोकारो लुइस
 - (4) कुमार सेबिस्टियो जोस लुइस
 - (5) कुमारी सेलिया मारिया गोरेट्ट रोमाल्डिना लुइस करं**ड**ालेम, गोवा (भ्रन्तरक)
- करंशलेस बीच रिसोर्ट प्राईवेट लिमिटेड पणि द्वारा संचालक
 - (1) श्री नारानदास पोपटलाल कोटेचा,
 - (2) श्री नटवरलाल नारानदास कोटेचा पणिज (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्थव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गोवा डिस्ट्रिक्ट, टिस्वाडि तालूक, तेलिगाम्रो में स्थित 4860 स्क्वेर मीटर खुला जगह जिसका चलता नम्बर है 20 मीर 21 (भागांग) भीर मेट्रिज नम्बर 329।

ग्रार० थोथाद्रि सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, केंगलोर ।

तारीख: 26-12-1980

प्ररूप आर्ड: टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर श्राय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बेंगलोर

बेंगलो र, दिनांक 26 विसम्बर 1980

निर्देश सं० 307/80-81—यतः मझे भार० थोथाद्रि भागकर भिन्नित्तमम्, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार पूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० रेबिन्यू श्राफीस नम्बर 115 है, जो कोलिम, मालूक टिस्वाडि, इल्हास, गोवा में स्थितहै (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय इल्हास गोवा में तारीख 15-7-1980 की

पूर्वोबत सम्पत्ति के उचित्र बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पत्त्रह प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रान्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; गौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अथ्य श्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय ग्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिष्ठिनियम या धन-कर ग्रिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विद्या के लिए;

ग्नत: ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम, भी धारा 269-ग के प्रनृसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) केबिका डा इग्रेजा डे कोर्लिम इल्हास द्वारा
 - (1) प्रेसिडेंट रेवकादर जोस जो रिमरो मस्करनास
 - (2) अभिकर्ता फान्सिस्को झवियर इस्टेला टेफिलको-फर्नाडिस
 - (3) कोषाध्यक्ष: जोस पियडाडे रोग्नीगस, कोर्लिम, इलहास, गोवा

(भन्तरक)

- (2) (1) डाक्टर मारिया एडलेविस उसा
 - (2) डाक्टर बैलन घंटोनियो एरलिच हे सा कोर्लिग, इल्हास, गोवा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के <mark>ग्रजॅन के</mark> लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकागन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन जो तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध
 किसी अस्य स्थावत द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जी उक्त भ्रितियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिमाणित हैं, वही भर्य होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गोता डिस्ट्रिक्ट, टिस्वाडि तालुक कोर्लिम में स्थित 3543.60 स्क्वेर मीटर खुला जगह जिसका नाम है "स्या टियगो पिटाडो" ग्रौर जिसका नम्बर है रैविन्यू ग्राफिस नम्बर 115 है।

> न्नार० थोथाद्रि सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर ।

तारीख: 26-12-1980

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सम्रायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बेंगलोर

बेंगलोर, दिनांक 3 फरवरी, 1981

निर्देश सं० 315/80-81—-यंतः मुझे प्रार० शौथाद्रि बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मेट्रिज नम्बर 272, 273, श्रीर प्लाट नम्बर बी० है, जो वार्ड प्रस्टो, पर्योरिम, मेरेला, विलेज सीकारो वार्डिज गोवा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय मापुसा, गोवा ग्रंडर डाक्यु मेंट नम्बर 634/वोल 149 दिनांक 2-7-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गर्ड है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्दोष्ट से उच्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्था अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए न

अतः अव, जक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (11) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रंटोनियो सिटोन ओस श्रगस्टोनो सोकारो डि सौझा उर्फ श्रंटोनि सोकेटिस डिसौझा (2) श्रीमती मारिया कोन्सिको पातिमरा डे सौझा पर्वोरिम, विलेज सोकारो, बार्डेज, गोवा (श्रन्तरक)
- (1) श्री कैलास चन्दर बजाज
- (2) श्रीमती शकुन्तला कैलास चन्दर बजाज
- (3) कुमारी मधु बजाज
- (4) कुमारी ग्रारति बजाज
- (5) कुमार ग्रमोक बजाज नम्बर 2, पालि हिक बांडा, बम्बई-50

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

मनुसूची

गोवा, बार्डेज, सेलेला गांव, वार्ड ग्रलटो पर्वोरिम में स्थित 1140 स्थवेर मीटर खुला जगह (प्लाट नम्बर में सिर्फ 4/5 हिस्सा) जिसका मेट्रिज नम्बर है 272, 273 और स्लाट नम्बर है वि०।

> श्रार० थोषाब्रि सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलुर ।

तारीख: 3-2-1981

प्ररूप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आरहर प्रतिविषम, 1961 (1961 हा 43) ही धारा 269 च (1) के संधीत पूचना

पारत सरकार

कार्यानम, महायह ब्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 फरवरी 1981

निर्देश सं० सि० म्रार०-62/27704/80-81 एमिक्यू/बी०---यतः मझे, म्रार० थोथाजी,

आयकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिविनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्प्रति जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- य॰ से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं 0 102 है, तथा जी शंकरमठ रोड, शंकरपुरम, बंगलूर-4 में स्थित है (श्रीर इससे उपायक्ष अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, बसवनगुडी बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन, विनांक 4-7-1980

को पूर्वांकत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वांक्त संपरित का उचित बाजार मूल्ध, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रति-फल निम्निलित उन्वेदेय से उक्त अन्तरण कि चित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के समीन कर देने के सम्बर्फ के दायित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविज्ञा के निए; सौर/या
- (ख) ऐसी किसो आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो- जनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

चतः यव, उनत भविनियम की बारा 269-म के मनुसरण में, में, उनत प्रधिनियम की बारा 269-च की उपवारा (1) के भवीत निम्तिविकत व्यक्तियों, अवीत्।——

- (1) श्री ग्रभीनव विद्यातीर्थं महा स्वामीगल श्री शारदा पीठम, श्रीन्गेरी, रेप्नेजंट करते हैं इनके पी० ए० होल्डर श्री पी० बी० सूर्यानारायण शर्मा, श्रीगेरी, विकमंगलूर जिला। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ए० श्रार० विश्वनाथन, सं०-102, शंकर पार्के, शंकरपुरम, बंगलूर-560004। (अन्तरिती)
- (3) ग्रंतरिती (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के प्रजान के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाकीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की धविध, मो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा ग्राधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उपत ग्रविनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अच्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 1268/80-81 ता० 4-7-1980) संपत्ति जिसका सं०-102, तथा जो गंकरपाके, गंकर मठ रोड, गंकरपुरम बंगलूर-4 में स्थित है।

मेजरिंग 690.71 स्क्वेयर मीटर्स तथा इसके ऊपर इमारत है उसमें ग्यारेज, ग्रीन्ड फ्लोर, फस्ट फ्लोर हैं।

चकबन्दी है:---

उ०--में बी० एल० सुबोरायमूर्ती के घर।

द०---में बंगलूर हाईस्कूल।

पू०--में शंकर मठ रोड़।

प०---में शेषाद्री श्रय्यर के घर।

श्रार० थोथाती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक 10 फ रवरी, 1981 मोहर्ः प्रस्प भाई०टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के भधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, बंगलूर

वंगलूर, दिनांक 10 फरवरी 1981

निर्देश सं० सि० भ्रार० 62/27549/80-81/एसिक्यू/बी---यतः मुझे, भ्रार० थोथाद्धी,

मायकर घिषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्यों ने मिधिक है

श्रीर जिनको पं० 8, है, तथा जो कन्नीग्हांम क्रिसेंट रोड, बंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीध कारी के कार्यालय, शिवाजीनगर बंगलूर है रिजस्ट्राकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक 2-7-1980

को प्वंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कृथमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भग्तरण लिखित में वास्तविक कृप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रम्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन था अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः, भव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-थ की उपद्वारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथित:——

(1) मैं ० वि यूनैटेड शिष्पर्स और ट्रेडजर्स लिमिटेड, सं-26, II फ्लोर, कस्तूरबा मार्ग, नई देहली 110001 (अन्तरक) (1) मैं ० टायिम हौस सर्वीसैस लिमिटेड, "टायिम होस", राजाजी सलायी, मब्रास-600001 I (2) में ० न्यू भ्रंबाडी एस्टेट्स प्राईवेट लिमिटेड, ''टायिम हौस'', सं०-28, राजाजी सलायी, मद्रास-600001। (3) में श्रशोक लेलयांड लिमिटेड, एझोर, मद्रास-600057। (4) मे० शार्डलीय इन्डीया लिमिटेड, हुजुर गार्डन्स, सेंबियम, मद्रास-66 श्रीर मे० बीमेतल बेयरिंगस लिमिटेड, हजुर गार्डन्स, सेंबियम, मद्रास-11। (5) में ०एसियन केबल्स कार्पी-रेणन लिमिटेड, 'निर्मेल' XIX फ्लोर, सं ०-241/242, व्याक बेरेक्लमेणन, नारिमन पौपिट, बंबई-400021 (6) मे० ब्राय० बी० पी० लिमिटेड, फोडस फोर्ट. बंबई बिल्डींग्स, चरनजितराव मार्ग, 4000011 (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठ नियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रष्ट होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिवा गया है।

प्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 1113/80-81 ता० 2-7-1980) संपत्ती जिसका सं०-8, तथा जो कन्नींग्हांम किसेंट रोड डिविजन सं०-59, बंगलूर में स्थित है।

चकबन्दी है :--उ०--में प्राइवेट संपत्ती ।
द०--में कन्नींग्हांम किसेंट रोड ।
पू०--में प्राइवेट संपत्ती ।

प०--भें संपत्तो सं०-8/ए।

श्रार० थोथाती सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 10 फरवरी, 1981

मोहर:

17--6 GI/81

प्रकृप आई० टी० एन० एस०--

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

श्रर्णन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 फरवरी 1981

निर्देश सं० सि० झार०-62/27550/80-81/एसिक्यू/बी०-यतः मुझे, झार० थोकाक्षी,

आयकर पिश्वनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त प्रश्विनियम' क्रहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- वं से प्रश्विक है

श्रौर जिस की सं० 8/1 है, तथा जो कन्नीग्हांम क्रीसेंट रोड, बंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्र कर्ता अधिकार के कार्यालय, शिवाजीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्र करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के शर्धीन दिनांक 2-7-1980

को पर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिगत से प्रधिक है भीर यह कि भन्तरक (भन्तरकों) और पन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पन्या गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तरिक कप से कथित नहीं किया वया है:—

- (क) प्रत्यरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भिक्षित्यम के भिष्ठीत कर देने के भ्रत्यरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती कारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था जियाने में सुविधा के लिए;

क्तः चय, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की वारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसियत व्यक्तियों, अर्थाता

 (1) मैं० दि एन्जीनोर्यारग ग्रौर टेक्नीकल सर्वसिस लिभिटेड 'कलास' सं~26/ फ्लोर, कस्तूरवा गोधी मार्ग, नई विख्लो-110001।

(श्रन्तरक)

(2) मैं ॰ टायम हौस सर्वीसेस लिमिटेड 'टायम हौस' सं०-28 राजाजी सलायी मद्रास-6000011 (2) मैं० न्यू घंबाडी एस्टेट्स प्रायिवेट लिमिटेड "टायिम होस" सं-28 राजाजी सलायी मद्रास-600001। (3)मै० प्रशोक लेलयांड लिमिटेड एकोर मद्रास-600057। (4) म० साउलीव इन्डीया लिमिटेड हुजुर गार्डेन्स सेंबियम मद्रास-11 ग्रौर में ० बीमेतल बेयरिंगस लिमिटेड हुजुर गार्डन्स सैंबियम, मद्रास-11। (5) मैं ० एसियन केबल्स कार्पेरिशन लिमिटेड, "निर्मल" XIX क्लोर सं-241/ 242, ज्याक बे रेक्ले मेशन, नारिमन पोयिट, बंबई-400021। (6) मैं० भ्राय० वी० पी० लिमिटेड, फोर्बंस बिल्डींग्स, चरनजितराव मार्ग, फोटं, वंबई-400001। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूचीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोद्दस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'छक्त ब्रधि-नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो छस अध्याय में दिया गया 🚦 ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1115/80-81 ता० 2-7-1980) संपत्ती जिसका सं-8/1, तथा जो कन्नीन्हांम किसेंट रोड, डिविजन सं०-59, बंगलूर में स्थित है।

चकबन्दी है :---

उ०---में प्राधिवेट संपत्ती ।

द०-में कन्नींग्हांम किसेंट रोड़।

पूर्ण में संपत्ती सं ०-8 भीर कन्नी महांम रोह।

प०—में कटचारोड।

श्रार० थोथाती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

विनांक: 10 फरवरी 1981

त्रकप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के संधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 12 फरवरी 1981

निर्देश सं० सि० भ्रार० 62/28075/80-81/ए० सिक्ष्यू/बी---यतः मुझे, श्रार० थोषाती

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-स्पप् से प्रधिक है

स्रौर जिस की सं० 73, है, तथा जो एच० बी० समाजा रोड़, बसवन-गुड़ो, बंगलूर-4 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनु सूर्च में स्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रिज्स्ट्रें कर्ता श्रिधकारी के कायलिय, बसवन-गुड़ा, बंगलूर में रिज्स्ट्रें करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधान ता० 27-8-1980

को पूर्बोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान अतिफल के लिए भन्तिरत की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्बोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐने अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से कियात नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रग्तरक से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के वाधित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या;
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों की जिन्हें भारतीय धाय-कर धिविनयम 1922 (1922 का 11) या उक्त धिविनयम, या धन-कर धिविनयम, या धन-कर धिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः प्रव, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, म, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ब्रिधीन, निम्नलिबिन व्यक्तियों, ग्रेकीतः ---

- (1) श्री ए० बी० जयगौरी प्रसाद, सं~25/3, झाठवां मैंन रोड़, झार० बी० श्राया० कालोनी, III ब्लाक (पूर्व), जयनगर, बंगलूर-11। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री पी० बी० रबींद्रनाथ गुप्ता, सं-19, अपस्टेयर्स, न्यू हायस्कूल रोड़, विश्वेश्वरपुरम, बंगलूर-4। (अन्तरिसी)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घ्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घ्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त सम्बों घोर पदों का, जो उन्त धिन-नियम के प्रध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

(दस्ताबेज सं० 2172/80-81 ता० 27-8-1980) संपत्तो जिसका सं०--73, तथा जो एच० बी० समाजा रोड, बसवनगृडो, बंगलूर-4 में स्थित है।

चकबन्दी है:---

उ०---में एच० बी० समाजा रोड ।

द०---में कान्सर्वन्सी।

पू०--में प्राईवेट संपत्ती ।

प०--में प्राईवेट संपत्तो ।

श्रार० घोषाती सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बंगसूर

दिनांकः े2 फरवरी 1981

प्ररूप आह. टी. एन. एस. -----

आयक<u>र</u> अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष(1) के अभीन सुम्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (नि<u>र</u>क्षिण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 12 फरवरी 1981

निर्देश सं० सी० श्रार० 62/27775/80-81,एसीक्यू/बिः— यतः मुझे, श्रार० तोतार्वः

आयकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पृष्ट्यात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु से अधिक है

ग्रौर जिसको सं० 9/1, 9/2, श्रौर 9/3, है, तथा जो श्रोल्ड सवार लेन, बेंगलूर-9 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ श्रनुसूचः में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्राकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, गांधी नगर में रिजस्ट्राकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 29-7-1981

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण िलखित में वास्तविक क्ष्य से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के मुधीन निम्नलिकित व्यक्तियों मुधीन :--

- (1) श्रो वोर श्रोनिवासमूर्ती सं० 359, I ब्लाक, राजाजी नगर बेंगलूर-10। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रः गञ्बं र ग्रलः
 3/4, लेडं: कर्जन रोड
 सिविल स्टेशन, बेंगलूर-१।
 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

(दस्तावेज सं० 1734/80-81 ता० 29-7-80) घर संपत्ती है जिसकी सं० 9/1, 9/2 श्रीर 9/3 श्रोल्ड सवार लेन बेंगलूर-9

(कारपोरेपन डिविजन मं० 14)

म्रार० तोताती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्ष्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक 12 फरवरी 1981 मोहर:

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 26 फरवरी 1981

निर्देश सं० सी० ग्रार० 62/27794/80-81/एसीव्यू/बी---यतः मुझे, श्रार० तोतार्वः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000 / रत. से अधिक **है**

भ्रौर जिसकी सं० टी०एम० सं० 565-बं भ्रार० एम० सं० 923-बो श्रीर एस सं० 923-बी और डोर सं 17-9-560 है तथा जो अस्तावर गांव, फालनीर वार्ड मंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्रास्ट्रकर्ता ग्रिधिकारः के कार्यालय, मंगलूरसिटी में रिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियमः 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-7-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वाकित संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भागकी बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) भिस रोटा सलडाना विवंगत जे० सी० एक्स, सल्डाना के पूती ''ब्यूली'' वास लेन, मंगलुर-2 (भ्रन्तरक)
- (2) श्रो वी एम० पै० एम० पी० पे के पुत्र एस० एल० मसीयास रोड़ फालनीर, मंगलूर-1 (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हसे 45 विन की अविधियातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनाकी तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की **तारीस से** 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पृष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 516/80-81 ता० 28-7-80) सपत्ती है जिसका टि० एस० सं० 565-बीं, श्रार० एस० स० 923-बी, इसमें एक 'टल्ड का रहने का घर है जिसका डोर स० 17-9-560 श्रस्तावर गांव फालनीर वाड, मंगलूर

चकबंदी है:---ज∘---; टी॰ एम॰ सं° 561 द०में⊸~ "डेन" पू० —में इसी सर्वे सं० का बाकी जगह प०--में टी० एम० सं० 565-ए

> श्रार० तोतात्री सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, बंगलूर

दिनांक: 26 फरवरी 1981

प्ररूप माइं.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण)

मजन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 23 फरवरी 1981

निर्देश सं ० सि ० भार० 62/27551/80-81/ए वियू /वे.०---यतः मुझे, भार० थोथाती,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उन्नित् बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

मौर जिस की सं० 90-91, है, तथा जो सेंट, जान्स चफ़ रोड़, सिविल स्टेशन, बगलूर-5 में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबढ़ अनुसृची में मौर पूर्ण रूप संवर्णित है), रिजस्ट्र कर्ता भ्रधिकार्र के कार्यास्य, शिवाजीनगर बंगलूर में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक 4-7-1980

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरममान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एरममान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण हिस्सित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया ग्या हैं --

- (क) अन्तरण से हुई किसी साय की बाबत, उक्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे मुचने में सूबिधा के लिए; सूद्र/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

नतः नव, उक्त निधिनयम की धारा 269-ग के, नमुसरण में, में, उक्त निधिनयम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के न्धीन निम्नुलिचित व्यक्तियमें सूर्धात् ड=-

- (1) श्रोमती लिल्लो मागरेट, (2) श्री भार० जॉर्ज, दोनों सं०-91 सेंट जॉन्स वर्ष रोड़, ल्कीवयान्ड टाउन, बंगलूर-5 में रहते हैं। (ग्रन्सरफ)
- (2) श्री जाफर शरीफ सं० 20, कोकबन रोड़, बंगलूर-51। (धन्तरिती)
- (3) मेसर्स ल्वेझ भौर कपनी, (2) श्री कन्नानी (3) श्री गोविंवराजू लु (4) श्री एकांबरम (वह व्यक्ति जिसके श्रीधभोग में सम्पत्ति हैं)

को शह सूचना जारी करको पूर्वा कर सम्पृतित को अर्जन को लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पृतितु के अर्थनु के सम्बन्धु में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वृध्विकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा हैं .!!

अन्स्ची

(दस्तावेज सं० 1161/80-81 ता० 4-7-1980) पोर्शन माफ रेसिडेन्सीयल प्रिमीसिस जिसका सं०-90-91, तथा जो सेंट जान्स चर्च रोड़, सिधिल स्टेशन, डिविजन सं०-47 बंगलूर-5 में स्थित है।

> भार० थोथाती सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बंगलूर

विनांक: 23 फरवरी 1981

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजंन रेंज-11 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 जनवरी 1981

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-II/कल/1980---यतः मुझे, के० सिंहा.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं 0 10/1/2 है तथा जो जगन्नाथ सरकार लेन, वाटगंज, 24 परगना में स्थित है (भीर इससे उपावड भनुसूची में भीर, पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता घिष्ठकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० मिलीपुर में, रजिस्ट्रीकरण मिलियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन, विनांक 22-7-80

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रथमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रथमान प्रतिफल से, एसे ख्रथमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल, निम्निचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

(1) श्री गोपाल दास बाजाज

(ग्रन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मी नारायन गुध्त

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पृत्रों क्स सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस् अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मोकाम 10/1/2, जगन्नाच सरकार लेन, पि० एस० वाट गंज 24 परगमा।

> कें सिन्हा सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II 54, रफीग्रहमद किववाई रोड, कलकत्ता-16

विनाक: 28 जनवरी 1981

प्ररूप आई० टी० एम० एस०→

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कामीलय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- Π , कलकत्ता कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 16 फरवरी 1981

निदश सं० 887/एक्यू० ग्रार०-III/80-81 यत:,मुझे, प्राई० वी० एस० जुनेजा श्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा** 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने ना कारण **है** कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रुपये से मधिक श्रौर जिसकी सं० 70, है, तथा जो क्रोड स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है, (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता प्रक्रिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 18-7-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भीर मुझ्यह विज्ञास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का **छ**चित बाजार मूल्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल से । ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (प्रस्तरकों) ग्रीर प्रन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उबत ग्राध-नियम, के ब्राधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या धन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं प्रन्तरिती द्वार। प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त ग्रधिनियम की वैधारा 269-ग के मनु-सरण म, मैं, उर्दत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निस्तिलिखित व्यक्तियों, प्रयत्---

(1) श्री मेधा घोष.

(श्रन्तरकः)

(2) श्री रनेन मुखर्जी

(ग्रन्सरिती)

को यहसूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के द्यर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:----

- (क) इस सूत्रना ह राजान्त्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताकारी के पास लिखित र्मे किए जासकोंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का ठिकानाः— 70, ब्रोड स्ट्रीट, कलकत्ता ।

> ग्राई० वी० एस० जुनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-III 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 16 फरवरी, 1981

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 मार्च 1981

निर्देश सं० 889/एक्यू० आर०-III,/80-81---यतः मुझे, म्नाई० वी० एस० जुनेजा

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिस की सं० 11 है तथा जो कुकड लेन, कल० स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 9-7-80

करे पूर्वा क्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वा कि संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्निसिश्त उब्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक कप से कि थित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (त) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्बास प्रकष्ट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिभाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निचित्ति व्यक्तियों, अधीत्:— 18—6GI/81 (1) श्री क्रजेन्द्र नाथ धर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रनिल कुमार सेन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेवित संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिमां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की बविध, को जी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचका को राज्यका में प्रकाशन की सारीच से 4.5 विक को भीतर उत्कर स्थाधर सम्मति थें हितक्ष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः -- इसमें प्रमुक्त धन्नों नीर पर्वों का, वर्त लेक्ट अधिनियम, के वश्याय 29-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस कश्याय में विधा गया है।

जनसमी

11 ऋकड लेन, कलकत्ता में श्रवस्थित 11 कट्टा 12 छटाक (लगभग) जमीन पर घांशिक एक तल्ला श्रौर घांशिक दो तल्ला मकान जो 9-7-80 तारीख में रिजिस्ट्रार श्राफ एयसुरेन्स का दफ्तर में डीड नं० 4081 अनुसार रिजिस्टर्ड हुआ।

> ग्नाई० वी० एस० जुनेजा सक्तम प्राधिकारी, सहायक त्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण), त्रर्जन रेंज-III 54, रफीग्रहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता-16

विमाक : 10 मार्च 1981

प्रकप भाई» ही० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-थ (1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्याश्रय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रॉज-11, ग्रहमधानाध

महमवाबाद, दिनांक 7 मार्च 1981

निवेश सं० पी० भ्रार० नं० 1081/एक्वी/23-II/80-81---भ्रतः मुझे, एस० सी० सक्सेना,

सायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की प्रारा 269-च के प्रधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- क्पये से ग्रिविक है भौर जिस की सं० एस नं० 40 पैकी श्रीर प्लाट नं० 1, 6, 8, 11, 18, 12 है तथा जो कानाविवासा, बोच में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बोच में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जुलाई, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के कृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह बिक्बास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐमे दृष्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है पौर धन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उदत अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी था। की बाबत उक्त थि: नियम के अधीन कर देने के बन्तरण के दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; धीर/या
- (ब) एंसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1923 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुबिधा के सिए;

अशः, मब, उक्त भविनियम की धारा 269-ग के मनु-सरण में, मैं, उक्त श्रविनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- 1. (1) श्री सरोष दिनषाजी जिनावाला,
 - (2) श्री दिनशाजी फेरडुनजी जिनवाला,
 - (3) श्री सरोष दिनशाजी जिनवाला, सि/रतनजी फेरदुनजी श्रौर उनके पुतान, सिविल लैनस क्रोच।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री गोविंद भाई एफ० मिस्त्री,
 - (2) श्री दीपककुमार गोविन्द भाई मिस्ली,
 - (3) श्री फालश्रुति को-आपरेटिय हाउसिंग सोसायटी। क्रोच।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचनः जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूबॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रंग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही प्रथ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसुची

मिलकत जो कानबीवासा, एस० नं० 40, प्लाट नं० 1, 6, 8, 11, 18, 12, यथाविधी जुलाई मास, 1980 में रजिस्ट्री की गयी है।

एस० सी० सक्सेना, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

दिनांक : 7 मार्च 1981

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 7 मार्च 1981

निदेश नं० पी० ग्रार० नं० 1082/एक्वी-23-II/80-81---ग्रतः मुझे, एस० सी० सक्सेना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिस्का उन्चित बाजार मृत्य 25,000/ रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० नोंघ नं० 2083, वार्ड नं० 6, है तथा जो सूरत में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 5-7-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से क्रुक्ट किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिसिस व्यक्तियों मुर्थात् :-- (1) श्री बाबुभाई मूलचन्द पटेल, वराचा रोड 1, सूरत।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सविता प्रेमजीभाई पटेल, भारखाना चकला, सूरत ।

(घन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्परित के अर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनस्पी

मिलकत जो नोंघ नं० 2083, वार्ड नं० 6 चारखाना चकला, सूरत में स्थित हैं। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीखा 5-7-1980 में रजिस्ट्री की गयी हैं।

> एस० सी० सक्सेना सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-II, महमदाबाद

दिनांक : 7 मार्च 1981

प्रकृष स्माई० टी० एन० वृतं०-----जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

289-व (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, निहासक श्रासकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-II, ग्रहमदाबाद

भ्रह्मकाकाद, विकांक 7 मार्च 1981

निदेश नं० पी० भार० नं० 1083/एक्वी-23-II/80-81---यतः मुझे, एस० सी० सक्सेना, मायकर मधिनियम, 1961 (1961 (निस्ते इतर्ने इतके पक्ष्यात् अवन्त्र प्रश्चितिस्यमं कहा गयाहै), को घारा 269-क के अधीन संज्ञान प्राधिताली को यह विश्वास करने काकारगहै कि स्परार अस्पति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है भौर जिस की सं० भार० एस० नं० 121/1, गांव फुलपाडा, है तथा जो तालुका चीरयासी, सुरत में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध **अनुसूची** में और पूर्ण रूस से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, 1-7-80/5-7-80 को पूर्विक्स सम्मत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के वृश्यमान प्रतिभाग के लिए अन्तरिस की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उंचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफन से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफन का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है पौर धन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छरेश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी भाय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के भंधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रयय प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिधिनियम, या धनकर भिधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आसा नहिए या, फिनाने में सुविधा के लिए।

अतः, सब, उक्त मिविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त मिविनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के मिविन निम्निविक्त स्पक्तिमों, अर्थात् :--

- 1. श्री रामभाई रतनजी,
 - (2) श्री घनजीभाई रतनजी,
 - (3) श्री रतनजी जिवानजी, गांव फुलपाडा, तालुका, चोरयासी, सुरत।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) रमेशभाई देवजीभाई पटेल,
 - (2) श्री रविजिभाई नाराण भाई पटेल, 4, सधना सोसायिटी, वाराछा रोड, सुरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समाति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राधाँप: ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से
 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंसकद्ध
 किसी भन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित
 में किये जा सर्कोंगे।

स्वब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि -नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस भन्याय में दिया गया है।

अभुसूची

मिलकत जो मार. एस० नं० 121/1, फुलपाडा गांव-तालुका कोरायासी, जिला सुरत में स्थित है। जो सुरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 1-7-80 भीर 5-7-1980 में रजिस्ट्री की गयी है।

एस० सी० सक्सेना सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-II, महमदाबाद

दिनांक : 7 मार्च 1981

प्रकप माई० टी० एन० एस०-

आयकर ममिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-अ (1) के भ्रष्टीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 7 मार्च 1981

निदेश नं० पि० ग्रार० नं० 1084/एक्बी-23-II/80-81--यतः मुझे, एस० सी० सक्सेना,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्वास 'उका प्रक्षिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन नभम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने या कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- सपये से प्रधिक है

भीर जिस की संव है लिप-ए, ब्लाक नंव 10, प्लाट नंव 13, 18 हैं। तथा जो उद्याना उद्योग नगर, सूरत में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रिक्षकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जुलाई, 1980

कौ पूर्वोक्त सम्पत्ति के धनित बाजार मृध्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से धिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित धर्मय से धन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से दूई किसी आय की बाबत उक्त ग्रिध-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (य) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या भ्रम्य अवस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में मुविधा के लिए;

मतः; प्रव, उक्त प्रविनियम की घारा 269-म के झनु-सरण में, में, उक्त प्रविनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, प्रयातः:—

- 1. (1) सुरेशचन्द्र बुलाभाई जिरीवाला,
 - (2) नरेशचन्द्र बुलाभाई जारीवाला
 - (3) ग्रगविन कुमार बुलाभाई जारीवाला,
 - (4) माइनर मुकेशचन्द्रा भरतकुमार,

के द्वारा मैसर्स बुलभाई नाथाभाई जारीवाला राणिपुरा, मिथन रोड, सुरत ।

(भ्रन्तरक)

2ः श्रीमती हेमाबेन हेमन्तकुमार हारीपुरा, मिसिदियाशेरी, सुरत ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समात्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूत्रता के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होनो हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर वहीं का, जो उक्त भिन् वियम के ग्रहगाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा,जो उस ग्रहमाय में विया गया है।

प्रनुपूर्वा

मिलकत जो उधाना, उद्योगनगर, सुरत में स्थित है। जो सुरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में जुलाई 1980 महीने में रजिस्ट्री की गयी है।

> एस० सी० सक्सेना सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-II, श्रहमवाबाद

दिनांक: 7 मार्च 1981

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-IJ, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 7 मार्च 1981

निदेश नं० पि० श्रार० नं० 1085|एक्वी|23-|I|/80-81—श्रतः मुझे, एस० सी० सक्सेना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिस की सं० श्रार० एस० नं० 19 ए 1 (पैकी) फैनल प्लाट नं० 137 थी है। तथा जो नवागांव गांव में स्थित हैं (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में घौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीक्सा अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 1908 का 16) के श्रिधीन 30-7-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की वाबत उक्त अधि-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करते या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

- (1) श्रो अमृत भाई घया भाई,
 - (2) श्री घया भाई गिरधर भाई,
 - (3) श्री मोहन भाई गिरधर भाई,
 - (4) श्री बेनसि भाई मोहन भाई, माता वाडी, वाराछा रोड, सुरत ।

(श्रन्तरक)

- (2) श्री हरपाद भाई बाबु भाई जारीवाला,
 - (2) श्रो काकु भाई मावजिभाई पटेल
 - (3) बाबु भाई राविज भाई पटेल, के द्वारा महाकाली मणड वेडेंट सेन्टर, बराध्वा रोड, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उवत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की जवांध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- यद्य किमी जन्म व्यक्ति द्यारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त लब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाषित है. वही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूच

जमीन जो भ्रार० एस० नं० 19/ए/1 (पैकी) फैनल प्लाट नं० 137-बी नवागांव में स्थित हैं। जो सुरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में यथाविधी तारीख 30-7-1980 बिक्री खत नं० 4620, 4621, 4622 और 4623 पर में रजिस्ट्री की गयी हैं।

> एस० सी० सक्सेना सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण भ्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिश्व व्यक्तिस्पों, अधितः--

दिनांक: 7 मार्च 1981

प्ररूप मार्ब टी ० एन० एस •---

भ्रायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269ष (1) के ग्रंधीा मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सम्रायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रह्मदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनांक 9 मार्च 1981

निदेश नं ० पी० श्रार० नं ० 1087/एक्बी/23-II/80-81---यतः मुझे, एस० सी० सक्सेना,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त श्रिधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के प्रधीत सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-क0 से श्रिधिक है

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 175 (भाग) हैं। तथा जो जेत्तलपुर, बरोदा में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध भ्रतुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बरोदा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जुलाई, 1980

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्राधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त श्रन्तरण लिखिन में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबन, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ खास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर खिंचिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (11) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1: श्री नरेन्द्रा देसाई भाई पटेल, कोठी पोल, बरोदा (ग्रन्सरक)
- (1) श्री योगेण जिनाभाई देसाई शान्ति निकेतन सोसायटी, बरोदा
 - (2) शोभा योगेश देसाई, शान्ति निकेतन सोसायटी, बरोदा,
 - (3) जायोती अशोक मेहता और अशोक एन० मेहता, वाड़ी वाड़ी, बरोदा,
 - (4) कलपना विट्ठल भाई चोकसी,
 - (5) सीमा सुबास मेहता,
 - (6) प्रतीमा नारायणदास,
 - (7) हरेश फुलभाई श्रमिन,
 - (8) गीता एन० मेहता और चेरी ग्रमित मेहता,
 - (9) ले निताबेन देसाई भाई पटेल

(भ्रन्तरिती)

को यह पूत्रना जारी करके पूर्वौका चम्पत्तिके धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से
 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 िक्सी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोतस्ताश्वरी के पास
 लिखित ने किए का सकेंगे।

स्यव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त अब्दों और पदों का, जो उक्त प्रक्तिः नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूधी

जमीन जो एस० नं० 175 (भाग) जैत्तलपुर विस्तार में बरोदा सिटी में स्थित है। जो बिकी खत नं० 4595 पर सब रिजस्ट्रार बरोदा के कार्यालय में जुलाई महीने, 1980 में सम्पूर्ण वर्णित पर रिजस्ट्री की गयी है।

> एस० सी० सक्सेना सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 9 मार्च 1981

प्रक्रम काई • टी • एन • एस •--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीर सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 9 मार्च 1981

निदेश नं० पी० म्रार० न० 1088_{l} एक बी $-23 ext{-}M_{l}\,80 ext{-}81 ext{-}$ भ्रत: मुझे, एस० सी० सक्सेना

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अक्षीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० मे अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 112 (पैकी) है। तथा जो प्रताप नगर गांव, सावली तालुका में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, सावली में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीम 9-7-1980

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संगत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निमनिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखन में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उनन अवने में युविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसा किसी प्राप या किसी श्रन या धन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अव, उक्त प्रधिनियम, को धारा 269-ग के प्रनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के मुभीन निम्मुसिवित स्पृतिस्यों, मुर्थात्:—

- (1) श्रो पटेल रजनिकान्त नाना भाई,
- (2) पटेल रमेशभाई नाना भाई, प्रतापपुरा, मावलि तालुका, बेरोडा जिला । (ग्रन्तरक)
- (1) श्रो पटेल नानुभाई लाल दास,
- (2) पटेल कान्ती भाई मगन भाई, प्रतापपुरा, सावली तालुका वरोडा जिला

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोका सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां मुक्क करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप .--

- (क) इप सूचना के राजरत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की स्रविध या तरसम्बन्धी स्थक्तियों पर
 मूचना की तामील से 30 दिन की स्वधि, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में ने किसी स्थक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकड़
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पब्हीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षिनियम, के श्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्य होगा, जो उन श्रष्टान में दिया गया है।

वनुस्ची

जमीन जिसका एस० नं० 112 (भाग), प्रतापनगर गांव में सावित तालुका में स्थित है। जो विकी खाता नं० 433 पर सावित रिजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 8-7-1980 में संपूर्ण वर्णित पर रिजिस्ट्री की गयी है।

> एस० सी० सक्सेना सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I^I, म्रष्टमवाबाद

दिनांक,: 9 मार्च 1981

प्रकप आई॰ टी॰ एत॰ एस॰----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर द्यायकत (निरीक्षण)

श्रर्णन रेंज-II, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 7 मार्च 1981

निदेश नं ० पि० भ्रार० नं ० 1089/एकवी-23-II/80-81----श्रतः मृष्टे एस० सी० सक्सेना

आमकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-च के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

भीर जिस की स॰ भ्रतवा, सी॰ एस॰ न॰ 2561-जमीन है। तथा जो भ्रतवा, सुरत में स्थित है (भीर इससे उपाबद भनुसूर्धः में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 10-7-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, गौर अन्तरित (अन्तरितयों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविद्यल, निम्नलिखन उद्देश्य से उद्देश अन्तरण लिखित में वास्तविक हव से स्थित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसो आय की बाबत एक्त क्षितियम के बाबीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे अचने म सुविधा के लिए; धौर/या
- (ज) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

(1) अरविन्द ललु माई गाह ; सुविधा अपार्टमेन्ट तिमालयावाड, नानपुरा, सुरत ।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रभय वाहिलाल शाह काजिमेदान गोपीपुरा, सुरत।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के ग्रजेंन के लिये लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मार्खेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस यूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'जक्त अधिनियम' के ब्रड्याय 20-क में परिमाधित हैं, वही अयं होगा, जो उस भ्रड्याय में दिया गया है।

मनुसूची

मिलकत जो श्रतवा सि० एस० नं० 2561 में स्थित है। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 10-7-1980 में रजिस्ट्री की गयी है।

> एस० सी० सक्सेना सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायक र आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-^{II}, श्रहमदाबाद

दिनांक: 7 मार्चे 1981

मोहर 🕽

प्ररूप् आहें. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)
प्रजीन रेंज-गा, ग्रहमवाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 9 मार्च 1981

निदेश नं० पि० मार० नं० 1090/एक्वी-23-II/80-81-म्रतः मुझे, एस० सी० सक्सेना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

स्रौर जिस की सं० नोद नं० 2035, बोजाभाई घोरी है तथा जो माहिधारपुरा, सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनूसूची में स्रौर पूर्ण क्य से विगत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 19-7-1980

को पृथोंकत सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या क्रम्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था कियानों से सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिखत अयिक्तयों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती दुर्गाबेन, विधवा करूणागंकर गिर्धलास ग्रीर परवोत्तम करूणगंकर, महिधारपुरा, बोनाभाई गेरी, सूरत ।

(अन्तर्क)

(2) श्री भुपतभाई षामजी भाई पटेल, रामपुरा, मैन रोड, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शस्यों और पर्वों का, जो 'तक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस कथ्याय में दिया गया है।

वम्स्यी

मिलकत जो महिद्यारपुरा, भोजाभाई शेरी, वाड नं० 6, नोद नं० 2035 पर स्थित है। जो सुरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में 19-7-80 में रजिस्ट्री की गयी है।

> एस० सी० मक्सेना सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायूक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-II, श्रहमदाबाद

दिनांक: 9 मार्च 1981

भारत सरकार कार्याचय, सहायक आयकर झायुक्त (निरीक्षण) है शर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाय

ग्रहमदाबाद, दिनांक 12 मार्च 1981

निदेश नं॰ पी॰ म्रार॰ नं॰ 1094/एक्वी-23-II/80-81---म्रतः मुझे, मांगी लाल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ज के प्रधीन समय प्रधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- क्पये से अधिक है

म्रोर जिस की सं० एस० नं० 114, प्लाट नं०, 32 ए श्रीनगर सोसायटो में हैं। तथा जो बरोडा सिटी; स्थित हैं (म्रौर इससे उपाबद धनूसुची में म्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, बरोदा में रजिस्ट्रीकरण ग्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन 1-8-1980

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्तरित की गई है प्रोर मुझे यह विषशाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है पौर अन्तरक (अन्तरकों) प्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तम पाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित उन्हेंय से उना प्रन्तरण लिजित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (का) एसी किसी भाषया किसी धनया भण्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अंतः चर्यः, उत्तर अधिनियमं की बारा 269-व के अनुतरण में, में, प्रक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपमारा (1) के अधीन, निम्ननिवित स्पन्तियों, अवीत:--- (1) श्री सुरेशकुमार राम शरण32-बी, श्रनम्दनगर जेतलपुर रोड,बेरोदा।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती तरिलकाबेन किरिन भाई गांघी, 32-ए, श्रीनगर सोसैयटी, उर्मी कालोनी के पास, बेरोदा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्पत्ति के ग्रजैंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन भीर दो मन्जिलाना मकान जो प्लाट नं० 32-ए, श्रीनगर सोसैयटी में स्थित है। जो बिकी खत नं० 3821 पर सब रिजस्ट्रार बेरोदा के कार्यालय में तारीख 1-7-1980 में संपूर्ण विज्ञ पर रिजस्ट्री की गयी है।

> म्रांगी लास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायूक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II म्रहमदाबाद

विनांक : 12 मार्च 1981

प्ररूप आई' विशेष एन विशेष --

अायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-चु (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाध

श्रहमदाबाद, दिनांक 12 मार्च 1981

निदेश नं ॰ पि॰ म्रार॰ नं ॰ 1093/एक्बी/23-II/80-81--यतः मुझे, मांगी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से अधिक है

स्रोर जिसकी सं श्रार एस वं 280, उधना गांव में हैं तथा जो उधना, सूरत में स्थित हैं (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रन्सुची में स्रोर पूर्ण इन से विगत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 11-7-1980

को पूर्वों क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्युष्य से उन्तर अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुड़ें किसी आयु की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का निए; और√या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मा, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नितिसित व्यक्तिया अर्थात्:—

(1) श्री जयन्तीलाल मगनलाल देसाई, पटेल फलिया उधना, ता०: छोरयासी जिला सूरत ।

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्री रामनलाल मागनलाल देसाई, पोस्टल सोसायटी रोड, उद्यना,
 - 2. श्री थाकोरभाई नत्नूभाई मासूरिया, उधना, मेन रोड, उधना
 - 3. श्री रनछोद्धदास बाबूलदास पटेल, पटेल कोलोनी, उधना,के द्वारा गायक्री को-श्रोप० हार्ऊसिंग सोसायटी, उधना ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याम 20-क में पुरिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया हुँ।

अमुसुची

मिलकत जो ग्रार० एस० नं० 280, 281 उधना गांव में स्थित है। जो सुरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 11-7-1980 में रजिस्ट्री की गयी है।

> मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रयंकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

विनांक: 12 मार्च 1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-11, श्रहमदाबाध

ग्रहमदाबाद, दिनांक 9 मार्च 1981

निदेश नं ० पी० प्राप्त नं ० 1326 एसीक्यू-23-I/80-81---यतः मुझे, एस० सी० सक्सेना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिस की सं टी० पी० एस० नं 4 एफ० पी० नं 102, सब प्लाट नं 3~5 हैं तथा जो एल० जी० अस्पताल के सामने, मणीनगर, श्रह्मदाबाद में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनूसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रद्धमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 15-7-80

का पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः-- (1) श्री राजेन्द्रकुमार रमणीकलाल भज गोविंद की खडकी, सारंगपुर, म्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) दिलीप एपार्टमेन्ट को० ग्रो० हा० सो०, प्रमोटर द्वारा, श्रीमती रमाबेन मनूभाई पटेल, 4-सी, ग्रेंदित्यनगर एपार्टमेंट पुरानी पायलोट डेरी के पाम, कंकरिया ग्रहमधाबाद-8

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

जमीन माप 815 वर्ग गज जिस पर प्लेंथ तक का बांधकाम, जिस का टी॰ पी॰ एस॰ नं॰ 4, एफ॰ पी॰ नं॰ 102, सब प्लाट नं॰ 3-5, जो एल॰ जी॰ ग्रस्पताल के सामने मणीनगर, ग्रहमदाबाद में स्थित हैं। मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी द्वारा विधी रजिस्ट्रेणन बिकी दस्तावेज नं॰ 10370/15-7-80 में दिया गया है।

एस० सी० सक्सेना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-^I, श्रहमदाक्षाद

दिनांक: 9 मार्च 1981

मोहरः

प्रक्प माई० टी० एन० एस०----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक **कायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

भ्रहमदाबाद, दिनांक 9 मार्च 1981

निदेश नं० पी० श्रार० नं० 1327 एसीक्यू-23-1/80-81---यतः मुझे, एस० सी० सक्सेना,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम पाधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-र पए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं एफ लिए नी विष्य 187-2 मैं की सब प्लाट नं ० ७ है तथा जो दुकान नं ० ७ ने शनन चे स्वर, श्राश्रम रोड, श्रहमदाबाद में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद श्रन्सुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद, में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुलाई 80 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उपके दृश्यनान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का नदह प्रतिक्रत ने श्रीधक है घीर श्रम्तरक (भ्रन्तरकों) भीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्च भन्तरण लिखित में श्रस्तिक रूप से कथान नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी भाय की बाबत, **एक्**त श्रीक्षित्रम के श्रधीन कर देने के श्रन्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्तकाभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैसर्स नेप्च्यून भागीषार द्वारा, श्री जसवंतलाल पोपटलाल शाह श्रहमदाबाद । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जयन्तीलाल प्रभूदास जबेरी, एच० यू० एफ० का कर्ता श्री जयंतीलाल प्रभूदास जबेरी, खाडीया, सेवकानी वाडी, श्रहमधाबाद । (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी वन्य क्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो छक्त अधिनियम के अध्याय-20क में परिभाषित है, वही प्रवंहोगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

प्रमुची

दुकान नं० 7 जो नेशनल चेस्बर, श्राश्रम रोड, श्रहमदाबाद में स्थित हैं। जिसका एफ०पी०नं० 187-2पैकी सब प्लाट नं० 7 मिल कत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी द्वारा विधी रजिस्टर्ड विक्री दस्तावेज नं० 10026/9-7-80 में दिया गया है।

> एस० सी० सक्सेना सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रह्मदाबाद

दिनांकः 9 मार्च 1981

प्रकप प्राई० टी॰ एन॰ एत॰---

कायकर खिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यांलय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमवाबाद

भहमदाबाद, दिनांक 9 मार्च 1981

निवेश नं ० पी० भ्रार० नं ० 1328 एसीक्यु-23-I/80-81----श्रतः मुझे, एस० सी० सक्सेना,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारन है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिस की संग्रे सी० एस० नं० 3605 से 3612 सब प्लाट नं० 23613ए 3620 ए हैं। तथा जो भारन गली, रिलीफ रोड, पत्थर कुवां, भ्रहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध भनुस्वी में और पूर्ण रूप से विजत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, भ्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रष्योन जुलाई 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के बृश्यमान प्रति-फल के लिए प्रस्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का खित बाजार मूल्य, छसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे पृश्यमान प्रतिफल का पण्ड्रह प्रतिशत से मधिक है घोर बन्तरक (धन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से छक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (त्रा) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त खितियन के मधीन कर देने के खम्मरक के दायित्व में कमी करने या उसने वजने में सुविधा के लिए: और/या
- (च) ऐसा किसी नाय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को बिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या एक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए

कतः अव। उन्त पश्चितिनम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उनत अधितिनमा की धारा 269-म की खपवारा (1) के अभीन निम्नुसिश्चित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रोमतो कंचनबेन शान्तीलाल नाणावटी "गुंजन" नियोजन नगर के सामने, ग्राम्बावाडी, ग्रह्मदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) भगवतीबेन लष्टमनदास गोकलानी, 11, तिलक नगर मोसायटी, वाडण, ग्रहमदाबाद।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वीकत सम्पनि के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

खबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जा खेप 💝 -

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रद्वोहस्तान्त्ररी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शक्दों और पयों का, जी छक्त अधिनियम के यहवाय 20-क में परिभाषित है, बही अर्च होगा, जो उस अध्याय में किया गया है।

धनु सूची

खुलो जमीन जिसका माप 100 वर्ग मीटर जिसका सी० एस० नं० 3505 से 3612, 3613 ए और 3620 ए सब प्लोट नं० 2 कालुपुर वार्ड-3 जो स्टेट बैंक श्राफ इंन्डिया के पास, श्रारख गली पत्थर कुवा, श्रहनदाबाद में स्थित हैं। मिलकत हैं। मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता श्रक्षिकारो द्वारा विधि रजिस्टर्ड बिक्री दस्तावेज में 10846 दि० 30-7-80 में दिया गया है।

> ए० मी० सक्सेना सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर मागुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-^I, भ्रहमदाबाद

दिनांक : 9 माचे 1981

प्रस्प ग्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

आयां जिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-I, श्रहसदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 9 मार्च 1981

निदेश मं॰ पी० भार० नं० 1329 एसीक्यु-23-I/80-81---यतः मुझे, एस० सी० सक्सेना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 3605 से 3612 तथा सब प्लाट नं 3, 3613ए० & 3620ए० है तथा

न 3, 3613ए० & 3620ए० ह तथा जो प्रारब गली, रिलीफ रोड, पथ्थर कुवा, ग्रहमदाबाद में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जुलाई 80 को पूर्वोंक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी जाय की बाबत उक्त लिध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गंगा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ण के अनुसरण में, मैं, इक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध--

- (1) श्रीमती कंचनबेन शान्तीलाल नानावती, 'गुंजन' नियोजन नगर के सामने, श्रहमदाबाद। (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती लीलाबेन मोहनलाल पटेल ए-6 उमी एपार्टमेन्ट, परिमल रेलवेकासिंग के पास, ऐसीसबीज, ग्रहमदाबाद ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारींच से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिंत- अद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिमाणित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रनुसूची

खुली जमीन जिसका माप 106 वर्गे मीटर जिसका सी० एस० नं० 3605 से 3612, 3613 ए ग्रीर 3620ए सब प्लोट नं० 3 काल पुर वार्ड नं० 3, जो स्टेट बैंक भाफ इण्डिया के पास, ग्रारव गली, पथ्यर-कुवा, ग्रहमदाबाद में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी द्वारा विधि रजिस्ट्रड बिकी दस्सावेज नं० 10866 जुलाई 1980 में दिया गया है।

> एस० सी० सक्सेना सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

विनोक: 9 मार्च 1981

प्ररूप आर्द्र.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 9 मार्च 1981

निर्देश नं०पी० द्यार० नं० 1330/ए० मी० क्यु23-1/80-81 यतः मुझे, एस० सी० सक्सेना,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० नं० 2-6-1 पैकी नारोल मीम की पूर्वाय बाजू है। तथा जो नारोल बटवा रोड, ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रन्भूभी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 14-7-80

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपित्त को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्ष्य से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना चाहिए था छिपान में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--20—6GI/81 (1) श्री भ्रारविंद कुमार एरजीवनदास नारणपुरा, जैन देरासर के पास, भ्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नूरजहान महभंदहनोफ नागोरी, जमालपुर, पंचीपीपली, स्थारवाडा, ग्रहभदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

मकान जिसका सर्वे नं० 2-6-1 जो जमीन माप 975 वर्ग गज खड़ा है, तथा नारोल बढ़ावारोड़, अहमदाबाद में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी द्वारा विधि रजिस्ट्रडें बिकी दस्तावेज नं० 10323/दि० 14-7-80 में दिया गया है।

> एस० सी० सक्सेना सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायक्त (निरीक्षण) क्रर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद

दिनांक: 9 मार्च 1981

प्रकंष धाई• डो• एत० एसं०∸----

प्राय तर अधिनियम, 1961 (1961 का 45) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आंयंक्रर आंयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 9 मा**र्च** 1981

निदेण नं० पी० श्रार० नं० 1331 ए०सी०क्यु०-23-I/80-81--श्रतः भृक्षे, एस० मी० सक्सेना

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), ही धारा 239-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास हरने का हारण है हि स्थावर मन्यति, जिसका उतित बाजार मृत्य 25,000/- र• से अधिक है

ग्रौर जिस की सं० एफ० मी० नं० 187-2, टी० पी० एस० 3, नव प्लोट नं० 76 है। तथा जो दुकान नं० 16 नेशनल चैम्बर ग्राश्रम पैकी ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, प्रह्मदाबाद, में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) ंग ग्रधीन जुलाई-80

हो पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रिश्कल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूरुप, उसके दृश्यपान प्रतिपत्त न, ऐसे दृश्यमान प्रतिपत्त का पम्बह प्रतिशत से प्रांडक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के िए तय पामा गया प्रतिपत्त, निम्तलिया उद्देश्य से उच्त अन्तरक लिखित में बास्तविक क्ष्प से क्विश नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किसी जन्म की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने का उससे अन्तरे में सृविधः के निष्, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय पा किसी धन या अन्य चास्तियों की, जिल्हें भारतीय आवकर पश्चितियम, १४22 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत, उनतः अधिनियमः की भाषा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उनतः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्गतः --- (1) श्री हर्षद गीवाभाई पटेल, मणीनगर चार रास्ता, महमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती राकशमनीबेन जुमरूमल रोचवानी, (2) श्रीमती मोनीकाबेन ग्रर्जुनदास रोचवानी, 1 लोक मान्य तिलक नगर सोसायटी, ग्राश्रम रोड, ग्रहमदाबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पुर्वीक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिएं कार्यवाऽियाँ करता हूं।

वक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुबना के राजात में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधिया तरमध्यत्य अवस्तिओं पर सूचता की आमील से 30 दिन की अवधि जो भी प्रविध काट में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से
 45 दिन के मोनर उन्त स्थावर सम्पंत्र में हित्र के
 किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, बाधारमनाक्षण के पान लिखित में किए जा सकींगे।

स्पर्काकरण--उसारे प्रयुक्त गाव्दीं और पदीं का. जी उन्त अधिनिजन के अध्याय 20-न में परिभाषित हैं. दं गार्चे होगा जो उन अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

नेणतल चेम्बर्स की बुकान नं० 16, श्राश्रम रोड, श्रहमदाबाद जिसका एफ जो० नं० 187-2, टी० जी० एस० 3, सब प्लोट नं० 7-6-1 पैकी, मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी द्वारा विधि रजिस्टर्ड बिक्री दस्तावेज नं० 11812/ जुलाई 1980 में दिया गया है।

> एस० सी० सक्सेना सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भूर्जन रेंज-I श्रहमदाबाद

दिनांक: 9 मार्च 1981

प्रकृष माई॰ टी॰ एत॰ एस॰----

बायकर अधिनियम, 1861 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन मृज्या

पारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

भ्रजंन रेंज-I, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 9 मार्च 1981

निदेण नं पी० भ्रार० नं 1332/ए० सी०वयु-23-I/80-81 ----यतः म्झे, एस० सी० सक्सेना,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके परचा (जिसे अधिनियम कहा गया है, की धारा 209 ख के खड़ान रक्षण प्राधिकारी को, यह निर्वास करने का कारण है कि स्थाबर पंत्रसि जिमका छचित बाजार मुख्य 25,000/- रु. ने अधिक है

भ्रौर जिस की सं० मकान जो अकबरी मंजिल से जानकारी है। तथा जो रामनाथ परा मेईन रोड, राजकोट में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबज्ञ अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 25-7-80

को पूर्वीकत सम्पत्ति के शिवत वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रमारित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का छित्त बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्वह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य है उन्त मन्तरण निन्तिया में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ ं असर धरत की कावत खबत अधि-नियम, के अधीन ार देने के ब्रग्तरक के द्वाधिस्थ में कमी करने या उससे अधीन में सुविका के स्निए। ब्रीर/बा
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, विन्त्रं भारतीय धाय-कर प्रक्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या धन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमाजनार्थ प्रन्तिस्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त विश्वियः की धारा 269-ग के अनु-मरण में, में, छक्त अधिनियन का भारा 269-व की उपसारा (1) के अधीन, जिन्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् ।— (1) श्री हसमतराय फेगुमल, हाथीखाना, राजकोट

(श्रन्तरः⊬)

(2) श्री रसीयाबाई ईमाहीमभाई, रामनाथ परा, राजकोट।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूत्रता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्न सम्मन्ति के अर्जन के संबंध में कोई सं हमकीय।---

- (क) इस यूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीबा स 45 दिन की अवित्र या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की समित में 30 दिन की चवित्र, को भी प्रविध बाव में नमाध्त होती हो, के भी पर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारत.
- (ख) एस पूचना के राजपत्र में प्रकाणन का तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित-बद्ध किसी अन्य क्यकिए द्वारा, अधोहक्ताकरी के पास निवास में किए जा सकेंगे।

अनु सूची

एक मकान जो जमीन माप 400 वर्ग गज पर खड़ा भ्रौर श्रकबरी मंजिल के नाम से जानकारी हैं। जो रामनाथ परा मईन रोड, राजकोट में स्थित हैं। मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत बिकी दस्तावेज रजि० नं० 3714 दि० 28-7-80 में दिया गया है।

> एसँ० सी० सक्सेना सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-I घहमदाबाद

दिनांक: 9 मार्च 1981

मोहरः

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ऋर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाव, विनांक 9 मार्च 1981

निदेश नं० पी० प्रार०नं० 1333/ए०सी०क्यू० 23-1/80-81---यत इ मुझे, एस० सी० सक्सेना,

आयकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से जिधक है

भीर जिसकी सं० न्यू जगनाथ गेरी नं० 30 में है तथा जो जगन्नाथ स्ट्रीट नं० 36 राजकोट में स्थित है (भीर इससे उपाध अभित्सूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-7-80

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्वा) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में सृविभा के लिए;

वतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्रीमती दिवालीक्षेन, नरसी भाई प्रहलाच प्लाट, राजकोट । (ग्रन्सरक)
- (1) श्री पटेल ग्रंबाराम खीमाभाई सवासनी, रोही णाला, मोरबी,
 - (2) पटेल मोहन जीवाभाई भालाडीया, खेंगारडा, तालुका, ध्रोल जिला जामनगर । (धन्तरिती)
- श्री घ्ररिवन्द भाई एन० महुता, राजहंस सोसायटी, रायारोड, राजकोट ।

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधिमोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसुची

एक रहने लायक मकान जो जमीन माप 206-2-0 वर्ग गज पर बड़ा है जो न्यू जगन्नाथ स्ट्रीट नं० 36, राजकोट में स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रिजस्ट्रीकृत विक्री दस्तावेज रिज-स्ट्रेशन नं० 3616 दिनांक 28-7-80 से किया गया है। इसमें दिया है।

> एस० सी० स∓सेना, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

तारीख 9-3-81 मोहरः प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

क्त्यंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-IJ, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 13 मार्च 1981

निदेश सं० पि० श्रार० नं० 1095/एक्सी०-23-Il/80-81 ----यतः मुझे, मांगी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं जमतार सिमा मर्वे नं जा 1343/1 श्रीर 1521/1 है तथा जो मतार, करेंरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय कैरा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 3-7-1980

को पूर्वाक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्या) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न्न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- 1. श्रर्बदा पेपर ग्रीर बोर्ड मिल्स, के द्वारा भागीदारों:
 - (1) मनुभाई वरुलभ जी पोपट
 - (2) मिसिस नर्मबाबेन बल्लभ जी पोपट। हिल बुथ प्लाट नं० 115, रिट्ज रोड, मालाबार हिस्स, बाम्बे। (ग्रन्तरफ)
- मेसर्स कोटावाला इंडस्ट्रीज ।
 के द्वारा भागीवार :
 ईशवरलाल, नाथालाल पटेल,
 3117, कोवावाडा, इसटेट, चार्वड, दिरयापुर,
 प्रहमदाबाद ।
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कागे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन भौर जिसका बान्तकां जो मातार सिम० एस० नं० 1393/1, भौर 1521/1, सब रिजस्ट्रार, करा के कार्यालय में बिक्री खत नं० 943 भौर 944 पर तारीख 3-7-1980 सम्पूर्ण विगम पर रिजस्ट्री की गयी है।

मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II ग्रहमदाबाध

तारीख: 13-3-1981

प्ररूप आर्क्: .टति . एन . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आजुक्त (निप्रीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाव, दिनांक 12 मार्च 1981

निवेश सं० पी० म्नार०नं० 1334 ए०सी०क्यू०-23- /80-81---श्रतः मुझे, मांगी लाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित काजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० लेख नं० 125, प्लाट नं० 4 है तथा जो मनहर प्लाट मंगला रोड, राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रुप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 24-7-1980

को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (उन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किंश्त नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् :-- श्रीमती सावित्री बेन मुलर्जाभाई
 1-बी, नापेन सीम्रा रोड, मुबाई ।

(भ्रन्तरक)

- 2. (1) श्री महेन्द्रकुमार बाबूलाल बगडाई।
 - (2) श्री जयेश कुमार बाबूलाल बगडाई, कन्या छात्रालय के सामने, राजकोट।

(भ्रन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के खिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना क़े राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धकिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बन्स्ची

जमीन जिसका लेख नं० 125 माप 211-7-126 वर्ग गज जो मंगला रोड, मनहर प्लोट, राजकोट में स्थित है। मिलकयत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी द्वारा विधि रजिस्टर्ड विकी दस्तावेज नं० 4558/24-7-80 से दिया गया है।

> मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-¹, महमदाबाद

ता**रीख**ः 12-3-1981

प्ररूप आध्र टी. एन. एस.-----

बायकर मिंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारी 269-म(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

काय लिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ा, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 12 मार्च 1981

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 1335/ए०सी०क्यू०-23-1/80-81--श्रतः मुझे, मांगी लाल,

आयकं र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर संपित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो भिषतनगर, सोसायटी. स्ट्रीट नं० 5, राजकोट में स्थित है (श्री॰ इससे उपाबड़ श्रन्स्ची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 16) के श्रीश्रीन दिनांक जुलाई, 1980

को पूर्विक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण हो कि यक्षाप्वाक्त सपारत का उप्चत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक क्षण से किथत नहीं किए। गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व मी कमी करने या उससे बचने मीं स्विधा के लिए और/या.
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उवन अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—— श्री हलसुखभाई केणवजी भाई, भक्तिनगर, सोसायटी, राजकोट ।

(ब्रन्तरक)

 श्री मानेकलाल भंबालाल गाह, सोनी बाजार, राजकोट।

(भ्रन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए</mark> कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इ.स. सूचना के रोजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्पष्टिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, भ्रो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, यहो अर्थ होंगा जो उस अध्याय में डिक्की गया हुँ।

मन्स्ची

रहने लायक मकान जो जमीन माप 280 वर्ग गज पर खड़ा है तथा जो स्ट्रीट नं० 6 भिक्तनगर सोसायटी, राजकोट में स्थित है । मिलकयत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी द्वारा विधि रजिस्टर्ड बिकी वस्तावेज नं० 2752 जुलाई, 1980 में दिया गया है ।

मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक **भ्रा**यकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज-I, म्रहमदाबाद

तारीख: 12-3-1981

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 13 मार्च, 1981

निदेश सं० पी० श्रार्० नं० 1336/ए०स्२०क्यू०-23-I/80-81—-श्रतः मुझे मांगे लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक है

स्रीर जिसको सं० सो० डा० ई० एफ० पार्ट, है तथा जो श्रोफ रोड, राजकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध स्रमुखी में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधान दिनांक 25-7-80

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में वाम्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

 कुमारे रोहिनः गोपाल मासुरकर, ऐलिस कोट, भोगल लेन, माहाम, मुम्बई-400016

(भ्रन्तरक)

2. भारतोय नवनीत भाई रायठ्ठा, 44, मरवार पटेल सोसायटी, नेहरू रोड, मिलिटरी कैम्प के पास, मान्त कुल, (ईस्ट), मृंबई-400029

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया हैं।

अन्स्ची

एक खुलें जमीन का प्लाट जिसका माप 500 वर्ग गज जो सीं है। जो क्षेत्र बाड राजकोट में स्थित है। मिलिकियत का पूर्ण वर्णन विधि रिजस्टर्ड निकी दस्तावेज नं 4584, दिनांक 25-7-80 में दिया गया है।

मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तार्राख 13-3-1981 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस∙--

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज-र्, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 13 मार्च, 1981

निदेश सं० पी० श्वार० नं० 1337/ए०सी० क्यू०-23-I/80-81—यतः मुझे, मांगी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की वारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास बरने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,009/- वपए से ब्रिक है

भीर जिसकी सं० ए० बी० सी० डी० पार्ट है तथा जो ऑफ रोड, राजकोट में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय राजकोट में रिजस्ट्रीकरण भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भिधीन दिनांक 25-7-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके पृश्यमान प्रतिफल का प्रश्नाह प्रतिकृत स्थित है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे सम्तर्थ के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त सम्तर्थ लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत एक्त प्रश्नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें बारतीय धाव-कर बिधनिवय, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269—व के धनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269—व की छपधारा (1) के अधीन, निम्नपिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— 1—46GI/81 रोहिनी गोताल मासुरकर, ऐलिस कोर्ट, मोगल लेन, माहीम, मुंबई-400016

(ग्रन्तरक)

 श्री जीतेन्द्र प्राणलाल रायठ्ठा 44, सरदार पटेल सोसायटी, नेहरू रोड, मिलिटरी कैंम्प, सान्ताकुज (ईस्ट) मुंबई-400029

(मन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीचत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवद्ध
 किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्यीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छन्त धिनियम के भन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्ष होगा जो उस भन्याय में विया गया है।

प्रमुसूची

एक खुलो जमीन का प्लाट, जिसका माप 500 वर्ग गज जो ए० बो० सो० डो० पार्ट में हैं। जो श्रॉफ रोड, राजकोट में स्थित है। मिलिकत का पूर्ण वर्णन विधि रजिस्टर्ड बिकी दस्तावेज नं० 4583 दिनांक 25-7-1980 में दिया गया है।

मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रहमदाबाद

सारीख: 13-3-81

प्ररूप शाई० टी० एन० : एस०--

आयकर प्रवित्यम, 1961 (1961 का॰43) की घारा 269-भ (1) के प्रधीत सुमना ल

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 13 मार्च 1981

निद्रेश नं० पी० ग्रार०नं० 1338/ए० सी०क्यू०-23-I/80-81—यतः मुझे, मांगी लाल,

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-य० से प्रधिक है,

श्रीर जिसकी सं० एस० नं० 386, एस० जी० नं० 3 तथा 6 है तथा जो रानीप, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुत्ती भों श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यास्य श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1808 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई, 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रिष्ठिक है धीर धन्तरक (धन्तरकों) धीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है :—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, छक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (का) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अस्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के प्रधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, प्रयीत:— मैसर्सः हरगोविक्दरासः सक्किश्वन्द
 द्वाराः श्रो ईन्द्रवहन ग्रमृतलाल तथा दूसरे ऐसिमक्रीण, श्रहमदाबाद ।

(म्रन्तरक)

 मैं सर्स पुनीन सावरमती को०ग्रा० ए० सो० लि० द्वाराः श्रो .महेशकुमार जी०गांधीं नं० 46, सरयादरी फ्लेट्स, स्टेडियम के सामने, ग्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरिती)

को ंयहर सूचना आरीर करके ंपूर्वोक्तरसम्यक्ति के अर्जन के ≻लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मति के प्रजैन के सम्बंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस स्पूचनाः के राजपक्ष में प्रकाशनः की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तिकों परः सूचकाः की संतामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी क्षाविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतरः पूर्वोक्तः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वादा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में अकाशन की तारीखा से 45 श्रीदन के भीतर अक्त स्थावर सम्पति में हितब्र किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अञ्चोहस्ताक्षरी के कासः लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण: अन्दर्स प्रयुक्त शब्दी भीर पदों का, जो खनतः श्रितियम, के श्रष्ट्यावा 20-क में परिभाषितः हैं, वही शर्व होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

अमोनः माम 8710 वर्ग गण ज्लीय तक जिसका एस० जी० नं० 326 एस० नं० 386, जो रानीप ग्रहमदाबाद में स्थित है। मिलकित काः पूर्ण ः वर्ण न रिजस्ट्रोकर्ता प्रधिकारी द्वारा विधि रिजस्टर्ड बिकी दस्तावेज नं० 5232, जुलाई, 80 में दिया गया है।

> मांगी लाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन-रेज-र्-ग्रहमदाबाद

तारीख: 13-3-1981

भ**रूप आई**ंटी त्रुन : एस: . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 10 मार्च 1981

निदेश सं० पी० आर० नं० 1091/एक्वी०/23-II/80-81 श्रतः मुझे, एस० सि० सक्सेना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को; यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यक्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं आर एस नं 73, मजुरा गांव है तथा जो सूरत में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 15-7-1980

को पृवर्षित संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि समापृवर्षित संपरित का उचित बाजार भूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्रिया
- (ख) एसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था छिपाने में स्मृतिभा के जिए;

अतः अ्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष् की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों अर्थात्:--

अभिती गंमाबेन डाह्याभाई, पारवितबेन, कन्चनलाल, सप्रामपुरा, क्षेत्रपाल, माली फालिया, सूरत ।

(भन्तरक)

2. श्री मनहर लाल काशीराम, के द्वारा स्ववेशी को०-प्राप० हार्जासग सोसायटी लिमिटेड 33/1, प्लाट नं० 4, बिहाइंड जेल, कटोद्रा, सूरत ।

(भ्रन्तरिती)

ःको ग्रह सूचनाः जारी करके पूर्वाक्तिः सम्मृत्तिः कोः शर्जनः को हिन्छः ः कार्यकाहियां कारता हुर्।

ं उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप् ⊀——

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूंचांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताबीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भिलकत जो भ्रार० एस० नं० 73, मजुरा में स्थित है। जो सुरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 15-7-80 में रजिस्ट्रो की गयो है।

> एस० सी० स**न्सेना** सक्षम प्राधिकारी सह्ययक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- , श्रहमदाबाद

ा**नीख**: 10-3-1981

प्रारूप बाई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज- , अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 10 मार्च 1981·

निदेश सं० पी० म्रार० नं० 1092/एक्सी०-23-II/80-81— मतः मुझे, एस० सि० सक्सेना,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उषित बाजार मुल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

भौर जिसको सं० नींद नं० 945/बी०-2 ग्रतुगांव माहोलो, है तथा वार्ड नं० 1, नानपुरा, सूरत में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूचो में भीर जो पूण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता भिष्ठकारों के कार्यालय, सूरत में रिजस्ट्रीकरण ग्रिक्षिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक 4-7-1980

को पूर्वोक्त सम्मित् के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिक्तिल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चदेश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा केलिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- वालीबेन, बालाभाई, बानाभाई, पटेल का विधवा, अभवा गांव, तालुका चोरयासी, जिला सुरत । (अन्तरक)
- श्रीमती नर्मदाबेन, नटवरलाल गांधो, श्रतुगरा मोहलो, नानपुरा, सुरत ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

मिलकत जो नोंद न० 945-बी-2, श्रतुगांव, मोहलों, नानपुरा सूरत, में स्थित है। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 4-7-1980 में रजिस्ट्री की गयी है।

> एस० सो० सक्सेना सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-II, भ्रहमदाबाद

तारो**ख** 10-3-81 मोहर: प्रक्य बाइ ्टी. एन्. एस. ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, एरणाकुलम, कीचीन-15

कोचोन-15, विनांक 10 मार्च 1981

निदेश सं० एल० सी०483/80-81—यतः मुझे, बी० मोहनलाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रू. से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्रनुस्चों के अनुसार है तथा जो पुरक्का की में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कालिकट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-7-1980

कर पूर्वो कर संपृत्ति के उण्यत बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल जिम्मिलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किसान में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) निम्नौंस जित श्यम्तियों, अर्थांत :-- डाक्टर नैजिल पादिक रोडिक्स

(अन्तरक)

2. श्रोमतो के० एम० सुबैदा

(ग्रन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित् के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप् <---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकागे।

स्थव्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

11.25 acres of Coffee and Pepper Estate in Sy. No. 754/1B of Purakkadi Desoon vide Doc. No. 1064/80 dated 15-7-80.

बी० मोहनलाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 10-3-1981

ा प्रस्प आई० टो० एन० एस००००

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के संधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

्रधर्जन रेंज, एरपाकुकम, कोचीन-15

कोचीन-15, दिनांक 10 मार्च 1981

निहण सं० एल० सी० 481/80-81---यतः मुझे बी० मोहनलाल,

्यायकर भिनियम, 19.61 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिनियम' कहा गया है), की भारा 269-प्रको भिन्नीत सक्षम भाभिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सम्बद्ध 25,000/- स्पए से अक्षक है

श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो पुरक्काडी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबंध श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कालिकट में रिजस्ट्रीकरम्र ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 15-7-1980 को

पूर्शेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिति कर रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) श्रन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रीविषय के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- : (क्रा) खेसी श्रीकसी आय या किसी अब या धन्या ध्वास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर धिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जीना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्नलिखित स्पन्तियों, अर्थात ---

- 1. श्रीमती एस० मेरी रोड्डिक्स,
- (म्रन्तरक)
- 2. श्रो पी० एस० मणी,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राज्यका में प्रकाशन की तारीख, से
 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की सामील से 30 दिनः की प्रविध, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस पूजना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 विनं के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थावित द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

हरव्होकरण:--इतमें प्रपृत्त शब्दों और पदों का, यो उसत प्रधितियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होता जो उस प्रध्याय में विद्या गया है।

अनुसूचो

22.75 acres of Coffee and Pepper Estate in Sy. No. 754/1A of Purakkadi Villago vide Doc No. 1063/80 dt. 15-7-80.

बी० मोहनलाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 10-3-1981

प्रक्ष झाईं । शे । एन । एस ----

भायकर घिषिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजन रेंज, एरणाकुलम कोर्च.न-15

कोचे न-15, दिनांक 10 मार्च 1981

निद्रेश सं० एल० सी०/480/80-81----यतः मुझे बी० मोहनलाल,

सामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'जनत मधिनियम' कहा गया है), की खारा 269-ख के मधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित जिसका उकित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० श्रनुभूची के श्रनुसार है तथा जो पुक्काडी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कालिकट में विनांक 15-7-1980

को पूर्भोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रितिकल को लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का निम्निलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

वतः भव, वन्त प्रविनियम की बारा 269-म के प्रमुखरण में, में, अन्त प्रविनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के बाधीन निम्नविवित व्यक्तियों अर्थातः—— डाक्टर नैनिल पादिक रोड्किंस।

(ग्रन्तरक)

2. श्रो के० बी० कुम्मन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूच्ता के राजपन भें प्रकाशन की तारी का से क 45 दिन- की -अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमें पर--पूचता की -तामील से 30 दिन की अवधि, को भी -ग्रवधि बात में समाप्त होती हो, के भीतर अपूर्वोकत- : व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति-सारा;
- (खः) इसः सूचना के राजपन में प्रकाशन की खारीकः से 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितन्छ। किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारीः के पास-२ जिखत में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरः :----इसमं प्रमुक्तः शब्दों भौर पदों का, जो उक्त मिन्न-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषितं है, व बही मचे होगा, जो उस मध्याय में विया गया है ।

अमुसुद्धी

11 acres of Coffee and Pepper Estate in Sy. No. 754/1B of Purakkadi Village vide Doc. No. 1065/80 dated 15-7-80.

बी० मोहनलाल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 10-3-81

प्ररूप आर्ड .टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-एरणाकुलम, कोचीत-15

कोचीन-15, दिनांक 10 मार्च 1981

निदेश सं० एल० सी० /487/80-81—यतः मुझे बी० मोहनलाल,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भ्रनुसुची के भ्रनुसार है तथा जो ट्रिच्चूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद भ्रनुसुची में भ्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय ट्रिच्चूर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक 25-7-1980

करे पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गद्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

वतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

1. श्री राज पनंपून्ना

(भ्रन्तरक)

2. श्रो चा अकुण्णि

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
 किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होया, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

धरस ची

28.73 Cents of land with a building in Sy. No. 391/12A/1 of Ollur village vide Doc. No. 3998/80 dt. 25-7-80.

वी० मोहनलाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 10-3-1981

प्रकृष पाई • टी • एन ० एस ०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण)

श्चर्यन रोज, एरणाकुलम

कोचीन-15

कोचीन-15, दिनांक 5 मार्च, 1981

निदेश सं० एल० सी० 484/80-81—यतः मुझे वी० मोहनलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार पूल्य 25,000/-व• से अधिक है

भौर जिसकी सं० ध्रनुसूची के ध्रनुसार है तथा जो एरणाकुलम में स्थित है (ग्रौर इस से उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप मे वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 26-7-1980 की पूर्वोंक्त

सम्पत्ति के जिन्त बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जिन्त बाजार मूह्य, जसके दृश्यमान प्रतिफल का पत्कह प्रतिश्वत से अधिक है और प्रम्तरक (प्रन्तरकों) ग्रीर ग्रम्तरिती (ग्रम्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में जनत ग्रम्तरण निम्निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत छक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वादित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च अन्तरिती कारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अजीत. निस्तिविश्वत अयक्तियों धर्यांत :--- 22--6GI/81

1. श्री के० श्रीधर

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती मोरीन भ्रन्टोणिटो

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष्ठ, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के मीतर छक्त स्वावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण 1--इसमें प्रमुक्त शक्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के मध्याम 20-क में परिभाषित है, वही अयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

4 Cents of land with building in Sy. No. 294/1 of Ernakulam Village vide Doc. No. 2539/80 dated 26-7-80.

व**ि० मोहनलाल** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

ना**रीख:** 5-3-1981

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.------

श्री गुष्युणकी

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

श्रीमती भेरसी बास्टियन

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम कोचीन-15

कोचीन-15, दिनांक 5 मार्च, 1981

निदेश सं० एल० सी०/485/80-81—यतः **मुझे वी०** मोहनलाल

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो दिष्यूर में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विभित्त है) रिजिप्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय दिष्यूर में रिजिप्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 16-7-1980

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अमृसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह--- को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपन के प्रकाशन की शारी है है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्त के कित-स्थान की तामिल से 30 दिन की सबिध, भी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशक की तारीच से 45 दिन के भीतर ज़क्त स्थावर सम्पत्ति में हितसक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्युक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा गया है।

अन्स्ची

8 Cents of land with building in Sy Nos. 796/3, 796/4, 796/5 and 2157/2 of Trichur Village vide Doc. No. 3834/80 dated 16-7-1980.

वी० मोहनलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

ता**रीख**: 5-3-1981

प्रकृष प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 थ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, एरणाकुलम कोचीन-15

कोचीन-15, दिनांक 10 मार्च 1981

निदेश सं० एल० सी०/488/80-81—यत- मुझे, वी०

जायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की चारा 269-ख के श्रधीन सक्तम प्रधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से अधिक है

त्रौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो बेप्पूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय चालप्पुरम, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-7-80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूचोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल कापन्छह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया यया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किश्वत नहीं किया गया हैं——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त ग्रिध-नियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिधिनियम, या श्रन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबः, उक्तअधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्खित व्यक्तियां, अर्थात्:--- 1. वी० मुहम्मत

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती सनियम्मा

(श्रन्तरिती)

को यह सूचमा बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचनां के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी श्वधि बाद में समोप्त हीती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्य कि किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखिय में किएं जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. मा लक्त अधि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषि है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गणा है।

अनुपूची

9/10 right over 8.30 acres of Coconut gardens in Neduvattom village.

वी० मोहनलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 10-3-81

मोहरः

प्ररूप आह्रै.दी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, एरणाकुलम कोषीन-15

कोचीन, दिनांक 12 मार्च 1981

निर्देश सं एल० सी०/486-80-81--यतः मझे, वी० मोहनलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/ रत. से अधिक है

ग्रीर जिसकीं सं० ग्रनुसूची के ग्रनुसार है तथा जो कोचीन में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कोचीन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 14-7-1980

का पूर्वीकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और गुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्प, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का ण्न्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क्र) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात:--

1. श्री के श्रार सदानन्द वेणाय

(मन्तरक)

2. भ्रब्दुल ब्रादर्स

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके प्वार्वित सम्मृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधियातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामिल से 30 विन की अविभि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी कैपास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

214.30 cents of land with a building in Sy. No. 121/1 of Mattancherry Village vide Doc. No. 2317 dated 14-7-80.

मोहनलाल प्राधिकारी सक्षम सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 12-3-1981

प्रकप प्राई॰ डी॰ एन॰ एस॰-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के शबीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्तण)

मर्जन रेंज, एरणाकुलम कोचीन-15

कोचीन- 15, दिनांक 10 मार्च 1981

निदेश सं ं एल ं सी ं /489/80-81---यतः मुझे, वी ः मोहनलाल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके उपवात् 'डक्त प्रतिनियन कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सजन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/-०० से अधिक है

भौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथ। जो तृष्पूणिल्रा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तृष्पूणिलुरा म रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-7-1980

को पूर्वीयत सम्पत्ति के बिना ना नार मूल्य से कान के दृष्य मान्य प्रतिफल के लिए अग्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत से प्रथिक है और अग्तरिक (अग्तरिकों) और अग्तरितों (अग्तरितियों) के बीच ऐसे अग्तरिक के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपस अग्तरिक लिखित में वास्तिक रूप से कवित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अक्षितियम के प्रधीन कर देते के प्रकारक के वायित्व में कमी करने ना इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए का, श्रिपाने में सुविधा के किए;

अतः, अवः इन्त अधिनियम की बारा 269-य के बनुतरण में: में उन्त प्रविनियम की घारा 269-य की उपक्षारा (1) के अधीन निम्मलिक्डि मण्डितमों, अर्थात्:—— 1. पोन्समन

(ज्ञन्तरक)

2. लक्षिमक्कुट्टी ग्रम्मा

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवादियां करता हूं।

उक्त सम्भत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आयोप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन को तारीख से
 45 दिन की अवधि या तस्त्रम्थण्यी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) हस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्वक्तो हरगः—- अतमें प्रयुक्त शक्तों और पर्वाका, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

7½ cents of land with a building in Sy. No. 518/2 of Tiru-Vaskulam village.

वी० मोहनलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीब : 10-3-1981

मोहरः

प्ररूप आई० टी∙ एन॰ एस•----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

काथ्रिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ब्रर्जन रेंज, एरणाकुलम कोचीन-15

कोचीन-15, दिनांक 10 मार्च 1981

निदेश सं० एल० सी० /490/80-81—यतः मुझे, वी० मोहनलाल

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० भ्रनुसूची के भ्रनुसार है तथा जो ट्रिच्चूर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रोकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय ट्रिच्चूर में रिजस्ट्रीकरम ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 31-7-1980

कां पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरवमान प्रतिफल को, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्वों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण किखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधाः के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः भन्न, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को जनसरण मों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः--- 1. श्री राम पणिसकर

(ग्रन्तरक)

2. चन्द्रमनी नायर

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सुम्पृत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस गुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी कंकींध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूचांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्यारा;
- '(ल) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहिस्तांक्षरी के पास लिकित मों किए जा सकांगे।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशायित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया पत्रा हैं।

वनुसूची

3.5 Cents of land with a buliding in Sy. No. 1549/1 of Trichur Village.

वी० मोहनलास सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज, **ए**रणाकुलम

तारीख: 10-3-1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, एरणाकुलम कोच्यीन-15

दिनांक 10 मार्च 1981

निदेश सं० एल० सी० /491/80-81—यतः मुझे, वी० मोहनसास

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रविनियम' कहा गया है) की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रधिक है

भौर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो द्रिष्चूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्षित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ट्रिष्ट्यूर में रजिस्द्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 66) के अधीन 16-8-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रहप्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित म बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त ग्रीध-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आयं या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्राधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में भूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

श्री राम पणिक्कर

(ग्रन्तरक)

2. कुमारी हेमा नायर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की घविष्ठ, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (खा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोतृस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही ध्रर्थं होगा, जो उस ध्राध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

7.899 Cents of land in Sy. No. 1549/1 of Trichur Village

वी० मोहनलाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) **ग्रर्जन** रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 10-3-1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 2694 (1) के धातीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I मद्रास

मद्रास-600006, दिनांक 23 फरवरी 1981

निदेश सं० 30/जुक/80—श्रतः मुझे, टी०ई० एस० ग्रार० लक्षमी नरसिमहन

कायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 का के अधील सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूस्य 25,000/- इ॰ से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 7/209 साट्ट्र राड एलारमपन्ने है जा में स्थित है (श्रीर इससे उपावद में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सत्र रिजस्ट्रार सटट्र जाकुमेंट सं० 1592/80 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रुष्ठीन 9-7-1980

को भूबोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृत्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृत्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितिमों) के बीच ऐसे अन्तरण लिए तय पाया गया ऐसे प्रतिफल, निम्नलिखित छहेग्य से उक्त भन्तरच लिखित में बास्तविन रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त अक्षि-नियन के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने था उससे वचने में सुविधा के निए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर मिलिनियम, 1922 (1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

सुविधा के स्मिए।

अतः अथ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नुलिखित अधिनयमों अधीत हिम्नुलिखित (1) श्री ग्रार० श्रीनिवासन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री टी० ग्रार० जयप्राकरन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की जबकि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकोंगे ।

स्पब्दीकरण। --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो छक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिचाबित हैं, वही अबे होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुतूची

भूमि ग्रीर निर्माण----7/209 सदूर राड रोलायिरम-पन्नै । (डाकुमेंट सं० 1592/80) ।

टी० ई० एस० भ्रार० लक्ष्मी नरसिम्हन सक्षम भ्रधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-I मद्रास

तारीख: 23-2-1981

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 14th March 1981

No. F.6/81-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has appointed Shri Dhiraj Singh, Permanent Senior Stenographer of Delhi High Court as an Officiating Court Master (Shorthand-knowing) in the Registry of the Supreme Court of India, with effect from the forenoon of March 13, 1981, until further orders.

NIKO RAM, Assistant Registrar (Admn.)

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 25th February 1981

No. 10 RCT 4.—The Central Vigilance Commissioner appoints Shri S. B. Narula, Asstt. Engineer (Electl.) of the Central Public Works Department, as Assistant Technical Examiner in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity with effect from 9-2-81 (forenoon), until further orders.

The 16th March 1981

No. 10 RCT 2.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri K. L. Ahuja, a permanent Assistant of this Commission as Section Officer in an officiating capacity with effect from 28-2-1981 to 27-5-1981 or until further orders, whichever is earlier.

No. 2K RCT 10.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri P. N. Bhatia, a Desk Officer in the Department of Personnel & A. R. as his Private Secretary, in an officiating capacity, w.e.f. the afternoon of 28th February, 1981 until further orders.

K. L. MALHOTRA, Under Secy. (Admn.) /or Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & AR)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 12th March 1981

No. A-19036/2/77-Ad.V.—On attaining the age of superannuation, Shri O. Venugopal Dy. Superintendent of Police, CBI relinquished charge of the office of Dy. Supdt. of Police with effect from the afternoon of 28-2-1981.

The 16th March 1981

No. R-55/65/Ad.V.—The services of Shri R. Ganapathiappan, Dy. Supdt. of Police in CBI are placed at the disposal of the Bharat Heavy Electricals Ltd., Tiruchirapalli with effect from 9-3-1981 (Afternoon) for appointment as Sr. Vigilance Officer on deputation.

Q. L. GROVER, Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL OF CRP FORCE

New Delhi-110022, the 28th February 1981

No. F.2/43/80-Fstt,I(CRPF).—The President is pleased to appoint Shri R. S. Notyal, Commandant Group Centre-II, CRPF Ajmer as Commandant 67th Bn, CRPF in addition to his own duties as Commandant Group Centre-II, CRPF Ajmer until further orders.

No. F.2/43/80-Estt(CRPF).—The President is pleased to appoint Shri N. Shamsuddin, Commandant Group Centre Nagpur, CRPF as Commandant, 64th Bn CRPF in addition to his own duties as Commandant Group Centre, Nagpur, CRPF until further orders.

23--6GI/81

No. F,2/43/80-Estt-1(CRPF).—The President is pleased to appoint Shri A. K. Bandyopadhyay, Commandant, Group Centre, CRPF Bhubaneswar as Commandant 66th Bn, CRPF in addition to his own duties as Commandant, Group Centre, CRPF. Bhubaneswar until further orders,

The 9th March 1981

No. O.II-1527/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Krishna Kumar Bapurao Dh'emre as General Duty Officer Grade-II (Dy. S.P/Coy. Comdr) in the C.R.P. Force in a temporary capacity with effect from the afternoon of 28th February 1981 subject to his being Medically fit.

The 10th March 1981

No. O.II-1445/79-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs) Jyotsna Trivedi as Junior Medical Officer (GDO, Gd-II) in the SRPF on ad-hoc basis w.e.f. 2-3-1981 (FN) for a period of three months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. D.I.-1/80-Estt.—Consequent on expiry of his term of re-employment in the CRPF, Brig. P. N. Khandari, relinquished charge of the post of Dy. Director (Trg) Dt. General CRPF on the forenoon of 16th Feb 1981.

H

The President is pleased to appoint on deputation Shri M, L. Wadhwa, an IPS officer of Maharashtra cadre as DIGP in the CRPF

2. Shri Wadhwa took over charge as Dy. Director (Trg) Dtc. General, CRPF on the forenoon of 16-2-81.

The 12th March 1981

No. F.11/13/80-Estt(CRPF).—The President is pleased to appoint the following medical officers of the CRP Force substantively as General Duty Officer Grade-I (Assistant Commandant) with effect from 26/2/81:—

- 1. Dr. Shatanjay Gupta
- 2. Dr. P. Panda
- 3. Dr. D. N. Kar
- 4. Dr. T. K. Roy
- 5. Dr. R. K. Pradhan
- 6. Dr. K. Mohapatra
- 7. Dr. B. N. Acharva
- 8. Dr. R. K. Negi
- 9. Dr. Kul Bhushan
- 10. Dr. B. C. Sahu
- 11. Dr. A. K. Dash
- 12. Dr. Satyanarain Patnaik
- 13. Dr. R. K. Mohanty
- 14. Dr. G. C. Mohanty
- 15. Dr. U. C. Biswal
- 16. Dr. S. N. Jayaprakash

A. K. SURI Assistant Director (Estt)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 12th March 1981

No. E-31016/1/80-PERS.—On expiry of period of ad hoc appointment, Shri J, R. Sharma relinquished the charge of the post of Section Officer in the office of the Director General/CISF, New Delbi with effect from the forenoon of 21st February 1981.

No. E-31016/1/80-PERS.—DG CISF is pleased to appoint Shri J. R. Sharma Assistant, to officiate as Section Officer in the office of DGCISF, New Delhi with effect from the afternoon of 3rd March, 1981, who assumed the charge of the said post with effect from the same date.

No. E-38013(3)/9/80-PERS.—On transfer to Deoli, Shri G. S. Dhillon relinquished the charge of the post of Assut: Comdt. CISF Unit, BCCL Jharia with effect from the afternoon of 7th February 1981.

No. E-38013(3)/12/80-PERS.—On transfer from Necmuch, Shri Raghunath Singh assumed the charge of the Post of Assistant Commandant, CISF Unit, HEC RANCHI with effect from the forenoon of 11th February, 1981.

(Sd) Illegible Director General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 12th March 1981

No. 10/29/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint, on deputation, the under-mentioned Investigators in the office of the Registrar General, India, New Delhi as Assistant Director (Data Processing) in the same office, on a purely temporary and ad hoc basis, for a period of one year, with effect from the forenoon of the 19th February, 1981 or till the posts are filled in, on a regular basis, whichever period is shorter:—

- S. No. Name of the officer
- 1. Shri O. P. Ahuja
- 2. Shri K. B. Rohtagi
- 3. Shri S. R. Gang
- 4. Shri P, N. Baweja
- 2. The headquarters of the above-mentioned officers will be at New Delhi.
- 3. The appointments, on deputation, of the above-mentioned officers to the post of Assistant Director (Data Processing) in this office shall be governed under the terms and conditions of deputation as contained in the Ministry of Finance O.M.F.10(24)F-ITI(B)/60 dated 4-5-1961 as amended from time to time.

No. 11/2/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri Mohan Lal, an officer belonging to Bihar Civil Service, as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Bihar, Patna, by transfer on deputation, on ad hoc basis, for a period of one year, with effect from the forenoon of the 16th February, 1981, or till the post is filled in, on a regular basis, whichever period is shorter.

2. The headquarters of Shri Lal will be at Purnia.

The 16th March 1981

No. 10/53/79-Ad. I.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri N. K. Rawal, Assistant Director ad hoc in the Computor Centre, Department of Statistics, Ministry of Planning, as Assistant Director (Data Processing) in the office of the Registrar General, India New Delhi, on a regular basis, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of the 9th March, 1981, until further orders.

2. The headquarters of Shri Rawal will be at New Delhi.

P. PADMANABHA Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS BANK NOTE PRESS

Dewas, the 1st March 1981

F. No. BNP/C/5/80.—The undersigned is pleased to appoint Shri N. R. Jayaraman, a permanent Junior Supervisor (Studio) as Technical Officer (Printing & Platemaking) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 (Group 'B' Gazetted) in an officiating capacity with effect from 26-7-1980. He was already holding the said post on an ad hoc basis on that date.

Consequent on his selection for appointment to the post of Printing Officer 'B' in Central Leather Research Institute, Adyar, Shri N. R. Jayaraman, Technical Officer (Printing & Platemaking) was relieved of his duties from this organisation with effect from the afternoon of 21-8-1980.

The 13th March 1981

F. No. BNP/C/5/81.—In continuation to this Deptt.'s Notification number BNP/C/5/80 dated 4-12-80, the ad-hoc appointment of Shri A D. Deshpande, as Technical Officer (Printing & Platemaking) in Bank Note Press, Dewas is continued for a further period of three months with effect from 28-2-81 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier on the same terms and conditions.

M. V. CHAR. Deputy General Manager

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 6th March 1981

No. Admn.I/8-132/80-81/464.—Shri P. Gopalagupta, Accounts Officer, Office of the Accountant General-II, Andhra Pradesh, Hyderabad, has retired from service with effect from 28-2-81 AN.

N. SUKUMARAN Sr. Dy, Accountant General (Admn)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA

Trivandrum, the 5th March 1981

No. Estt/Entt/VI/10-3.—Shri P. U. Manl, Accounts Officer of this Office of the Accountant General, Kerala, retired from service on superannuation on the A.N. of 28th February 1981

\$d/- ILLEGIBLE Accountant General

MINISTRY OF DEFENCE DGOF HQRS. CIVIL SERVICE

New Delhi, the 4th March 1981

No. 7/81/A/E-I(NG).—The DGOF is pleased to promote Shri Dilip Kumar Mitra, Assistant Staff Officer (Ad-hoc), as offg Assistant Staff Officer, in an existing vacancy, without effect on seniority from 2-2-81 unit further orders.

Shri Mitra will be on probation for two years from the date of his promotion.

The 10th March 1981

No. 5/81/A/E-1(NG),—The Director General, Ordnance Factories is pleased to appoint Shri S. B. Chakraborty, Offg. Asstt. Foreman (Substt. and Permanent Chargeman Gr. II (T), Gun & Shell Factory, Cossipore as Assistant Staff Officer (Group 'B' Gazetted) with effect from 16-2-81 (F..N) and posted at Ordnance Factory Board, Calcutta.

The 11th March 1981

No. 6/81/A/E-1(NG).—The Director General, Ordnance Pactories is pleased to appoint Shri P. K. Das, Permanent Assistant in the C.S.S. Cadre of the Ministry of Shipping and Transport, New Delhi as Assistant Staff Officer (Group 'B' Gazetted) with effect from 23-2-81 (F.N.) and posted at O.F. Board, Calcutta.

D. P. CHAKRAVARTI.
ADGOF/ADMIN
for Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 11th March 1981 1MPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6/353/56-Admn(G)/1698.—On attaining the age of superannuation, Shri K. M. R. Menon, Deputy Chief Controller of Imports and Exports, Ernakulam has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 31st January, 1981

A. N. KAUL Dy. Chief Controller of Imports and Exports for Chief Controller of Imports and Exports

DEPARTMENT OF COMMERCE KANDLA FREE TRADE ZONE ADMINISTRATION KAFTZ-370230

Gandhidham Kutch, the 7th February 1981

No. FTZ/ADMN/7/2/79-80.—The Development Commissioner, Kandla Free Trade Zone, Gandhidham Kutch, hereby appoints Shri J. V. Gokulgandhi, Superintendent of Central Excise, Bombay as Security Officer, Kandla Free Trade Zone, Gandhidham on deputation in accordance with the Ministry of Finance O.M. No. 10(24)/60-E.III dated the 4th May, 1961 as amended from time to time in the pay scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from the forenoon of 2-2-1981 until further orders.

NIRANJAN SINGH Development Commissioner, Kandla Free Trade Zone

MINISTRY OF INDUSTRY DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 12th March, 1981

No. 12/540/66-A(G).—The President is pleased to appoint Shri C. C. Roy, Asstt. Director (Gr. I) (GAD) in the office of DC(SSI), New Delhi, as Deputy Director (GAD) in the same office with effect from the forenoon of 3rd March, 1981 until further orders.

M. P. GUPTA Dy. Director (Admn)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-100016, the 7th March 1981

No. 1245B/A/19012(3-MG)/80-19B.—Dr. (Miss) Mamta Gautam is appointed as Assistant Chemist in the Geological Survey of India in the Minimum of the pay of Rs. 650/per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 24-9-1980, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY
Director General
Geological Survey of India

DIRECTOR GENERAL, ALL INDIA RADIO (CIVIL CONSTRUCTION WING)

New Delhi, the 10th March 1981

No. A-12011/2/80-CWI.—The Director General, All India Radio, New Delhi is pleased to appoint Shri R. C. Das, Sectional Officer (Civil), on promotion, as Assistant Engineer (C). C.C. Wing, All India Radio, Lucknow, under the same Division in an Officiating capacity in the Pay scale of Rs. 650—30—740—35—810— EB —35—880—40—1000—EB—40—1200/- with effect from 29-11-80 (A.N.)

2. The appointment of Shri R. C. Das is governed by the terms and conditions contained in the order of promotion hearing No. A-32014/1/80-CWT, dated 25-7-1980 already issued to him.

A. E. K. MUDALIAR
Engineer Officer to Addl. CE (Civil)
for Director General

KRISHI MANTRLAYA

(KRISHI AUR SAHAKARITA VIBHAG) VISTAR NIDESHALAYA

New Delhi, the 6th March 1981

No. F.3-48/79-Estt.(I).—The ad-hoc appointment of S/Shri S. L. Dhir, K. R. Vij and O. P. Bhasin in the post of Superintendent (Grade I) is further continued with effect from 1-3-81 to 31-8-81 or till the posts are filled up on regular basis whichever is earlier.

K. K. SHARMA Director Administration

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PEREONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 3rd February 1981

No. Ref. 5/1/80-Estt. II/957.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an ad-hoc basis as Assistant Personnel Officer for the period shown against their names:—

SI. No.	Name and Designation	Appointed to officiate as	Period	
			From	To
	S/Shri			
1, 5	S. R. Pinge, S.G.C.	Asstt. Personnel Officer	23-10-80	20-12-80 A,N,
	3, M. Naik, 5, G, C.	Assit. Personnel Officer	10-11-80	12-12-80 AN
3. J	J. V. Naik, Asstt.	Asstt. Personnel Officer	10-11-80	12-12-80 AN
4. /	A. K. Katre, Asstt.	Asstt. Personnel Officer	10-11-80	26-12-80 AN
5. I	P. T. Borkar, Asstt.	Asstt. Personnel Officer	24-11-80	24-12-80 AN
- •	V. P. Kulkarni, Assistant	Asstt. Personnel Officer	17-11-180	3-01-81 AN

No. Ref. 5/1/80-Estt. II/957 Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an ad-hoc basis as Security Officer for the period shown against their names:—

SI, No.	Name & Designation	Appointed to officiate as	Period	
			From (FN)	To (AN)
1. P.	S/Shri Sethumadhavan stt. Security Offic		3-11-80 6-1-81	31-12-80 13-2-81
	R. Shiwle, Asst. curity Officer	t. . Security Officer	3-12-80	17-1-81

Kum, H. B. VLJAYAKAR, Dy, Establishment Officer

Hombay-400085, the 2nd February 1981

No. PA/73(11)/80-R-IV.—Director, BARC appoints Dr. P. K. Das as Resident Medical Officer in Medical Division of BARC in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 6, 1981 until further orders.

A. SANTHA KUMARA MENON, Deputy Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NARORA ATOMIC POWER PROJECT

NAPP Township, the 14th March 1981

No. NAPP/Adm./100(8)/81/S/2999.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints Shri Vijay Pal Singh, a temporary Assistant Security Officer to officiate as Land Management Officer on adhoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960/- in the Narora Atomic Power Project for a further period of one year from 5-3-191 to 4-3-1982.

K. V. SETHUMADHAVAN Senior Administrative Officer

NAPP Township, the 13th March 1981

No NAPP/Adm/26(1)/80-S/2940.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project appoints S/Shri K. B. Dayalan and K. Sundarajan, Supervisors to officiate as Scientific Officer/Fingineer Grade-SB in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40 1200/- in the Narora Atomic Power Project, with effect from the forenoon of August 1, 1980 until further orders.

A. D. BHATIA Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 11th March 1981

Winder Committee of the Committee of the

No. DPS/D-41/Adm./5081.—The Director, Purchase and Stores regrets to announce the said demise of Shridhar Laxman Date, Assistant Stores Officer, Stores Unit (DPS), Tarapur Atomic Power Station on February 7, 1981.

K. P. JOSEPH Administrative Officer

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603102, the 17th February 1981

No. MAPP/3(1348)/81-Rectt./P.1591.—Consequent on transfer from the Atomic Minerals Division (Hyderabad) Shri R. Subramanian, a permanent Stenographer in Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Personnel Officer in Atomic Minerals Division (Hyderabad) in appointed as Assistant Personnel Officer in officiating capacity in this Project with effect from the forenoon of January 20, 1981 until further orders

R. P. HARAN
Administrative Officer
for Chief Project Engineer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 9th March 1981

No. AMD-3/1/75-Adm.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Som Nath Sachdeva, permanent Assistant and officiating Hindi Translator in the Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Division with effect from 1-1-1981 until further orders.

No. AMD-1/38.78-Adm.—Director. Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri R. L. Narasimha Rao, Scientific Assistant 'C' as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 28, 1981 until further orders.

The 11th March 1981

No. ADM-1/6/80-Rectt.—Director, Atomic Mineral Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Jishnu Dutta Goswami as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of 13th February, 1981 until further orders.

M. S. RAO, Sr. Administrative & Accounts Officer.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 7th March 1981

No. A. 35018/6/79-E.I.—In continuation of this Office Notification of even number dated the 13th Nov. 1979, the President is pleased to sanction the continuation of deputation of Shri M. L. Bhanot, IPS(UT: 1957), as DeputaDirector in the Civil Aviation Security Organisation of the Civil Aviation Department (Rs. 2000-2250 plus Special Payof Rs. 200/- p.m.), for a further period of two years beyond 18-10-80.

The 11th March 1981

No. A.19011/80/80-E.I.—On attaining the age of superannuation, Shri Kavi Raj Singh, Air Safety Officer in the Civil Aviation Department, relinquished charge of his duties on the afternoon of 28th February, 1981.

No. A.32013/1/81-E.I.—The President is pleased to appoint Shri V. N. Kapur, Director, Aeronautical Inspection, Civil Aviation Department to the post of Deputy Director General in the same Department on ad-hoc basis with effect from 4-3-1981 and up to 12-7-81, or till the regular appointment is made, whichever is earlier.

S. GUPTA, Dy. Director of Administration

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Nagpur, the 12th March 1981

No. 2/81.—Consequent upon his promotion as Assistant Collector of Central Excise and posting in Nagpur Collectorate vide Ministry's Order No. 153/80, issued under F. No. A-22012/8/80-Ad.II, dated 1-11-1980. Shri N. H. Masand lately posted as Superintendent of Central Excise, Group 'B' in Ahmedabad Collectorate, has assumed charge of the office of the Assistant Collector, Central Excise Chandrapur (Presently functioning from Nagpu Nagpur) in the forenoon of the 20th January, 1981.

No. 3/81.—Subsequently, on his transfer Shri, M. H. Masand lately posted as Assistant Collector, Central Excise Division, Chandrapur (Presently functioning from Nagpur) has taken over charge of the office of the Assistant Collector, Central Excise. Division-1, Nagpur in the forenoon of the 27th January, 1981 relieving Shri R. J. Beley.

No. 4/81.—Shri R.J. Beley lately posted as Assistant Collector. Central Excise, Division-I, Nagpur has taken over charge of the office of the Assistant Collector, Central Excise, Division-II, Nagpur in the afternoon of 27th January, 1981 relieving Shri J. T. Dongre.

K. SANKARARAMAN, Collector

Madurai, the 13th March, 1981

No. VIII/17/55/76-LG Particulars of persons convicted under the Central Excise & Salt Act, 1944 and the rules made there-under during the period from 1-10-76 to 30-9-80.

SI. No.	Name & address of person convicted.	Details of offence &	conviction
1	2	3	
1. 5	S/Shri Subbiah Naicker,) Duty of evasion of Rs	s, 416/50 on

1. Subbiah Naicker, Tiruparankundram, Madurai,

2. Manahara Panditan, Chockalingamagar, Madurai.

35 bundles of matches. No. 308/76 dt. 27-1-77 of itional First Class Magis-Additional trate, Madurai. Both imprisonment till rising of Court and to pay a fine of Rs. 300/- on 2 counts under Section 9(1)(b)(ii) and (1)(bb)(ii) of the Excise and Salt Act, Contral 1944,

3. P. Abdul Cader, s/o Pitchai Mohamed, L · 5 No. 19/75, Velvarkottai.

Shrotage of 11724 Kg. of tobacco (non-duty paid) in the warehouse-duty evaded Rs. 35,172/-.

C.C. No. 554/77 dt. 31-5-77 of Sub-Divisional Judicial Magistrate, Dindigul.

Imprisonment till rising of Court and Fine Rs. 1000/-, under Section 9(1)(bb)(ii) of the Central Excises and Salt Act, 1944.

4, S. M. Sulaiman Rawther, L. 5 No. 10/72, Pudukottai.

Shortage of non-duty paid tobacco wg. 7361 Kg. -duty involved Rs. 21,901/-. C.C. No. 389/77 dt. 18-7-77 of Chief Judicial Magistrate, Pudu-

kottai.

Fine under Rule 144....Rs. 300/-Fine under Rule 223....Rs, 300/-Total. Rs 600/-

5. M. K. Raju, s/o Mariadoss Pillai, L. 5 No. 2/75, Sri Rengam, , Tiruchirapalli

2

1

Duty evasion on tobacco-Rs. 7055/60 C,C, No. 554/77 dt, 30-9-77 of

3

Judicial First Class Magistrate, Tiruchirapalli. Rs. 300/- under Section Fine

9(1)(bb)(ii) of Contral Excises & Salt Act, 1944.

6. M. Abdul Majeed, L.5 No. 1 /74, Pudukottai

Shortage of 5108 Kg, tobaccoduty evasion Rs. 15,324/-C.C. No. 881/77 dt, 3-2-78 of Chief Judicial Magistrate, Pudukottai. Fine Rs. 600/- under Sec. 9(1)

(bb)(ii) of the Central Excises & Salt Act, 1944.

Rowther. L.5 No. 539/64, Elangakurichi,

7. P. M. Pitchai Mohideen, Shortage of 4066 Kg. tobaccoduty evasion Rs. 12,198/-. C.C. No. 738/77 dated 8-5-78 of Judicial First Class Magistrate, Tiruchirapalli, Fine Rs. 500/- under Section 9(1)(bb)(ii) of C. E. & Salt Act, 1944.

8. A. Mohamed Mustafa, s/o Abbas Rowther, Elangakurichi.

Shortage of 17828 Kg. of tobacco -Duty evasion Rs. 53484/-. C.C. No. 551/77 dt, 4-5-78 of Judicial First Class Magistrate, Trichy. Fine Rs. 500/- under Sec. 9(1) (bb)(ii) of Central Excise & Slat

Act, 1944.

9. O. K. P. Mohamed Hancefa, Elangakurichi

Shortge of 14676 Kg. of tobacco-Duty Evasion Rs. 44,028/-No. 555/77 dt. 8-5-78 of C.C. Judl. First Class Magistrate, Trichy-fine Rs. 500/- under Sec. 9(1)(bb)(ii) of C. E. & Salt Act. 1944.

10. A. Kader Hussain, 3/71, Worlyur, Trichy.

Shortage of 5388 Kg. of Tobacca-Duty evasion Rs. 16 242/-. 547/77 dt. 8-5-78 C.C. No. of Judicial First Class Magistrate. Trichy Fine Rs. 375/- under Sec. 9(1) (bb)(ii) of the Central Excises and Salt Act, 1944.

11, T. P. R. C. Kannan L. 5. No. 23/73, Trichy.

Shortage of 8912 Kg. of tobaccoevaded Rs. 20,834/13. duty C.C. No. 494/76 dt. 8-5-78 of Judical First Class Magistrate, Trichy-Fine Rs. 500 /- under Sec 9(1)(bb)(ii, of the Central Excises & Salt Act,

		3	- <u>-</u>	2	3
					,
	Trichy Dt.	Shortage of 4711 Kg. of tobacco—Duty evaded Rs. 14,133/ C.C. No. 550/77 dt. 8-5-78 of. Judl. I Class Magistrate. Trichy. Fine Rs. 500/- under Sec. 9(1) (bb)(ii) of the C. E. and Salt Act, 1944. Shortage of 60, 291 Kg. of non-	20.	Kader Hussain, L. 5 48/72, Woriyur, Trichy.	Shortage of 3462 Kg. of tobacco duty evaded Rs. 18,813/- C.C. No. 704/77 dt. 17-10-78 of Judl. First Class Magistrate, Trichy-Fine Rs. 500/- under Section 9(1) (bb)(ii) of the Central Excises & Salt Act, 1944.
	L. 5 No. 64/73 S/o Ismail Meeranan Rowther, Lalgudi.	duty paid tobacco, Duty evasion Rs. 1,95,945/75. C.C. No. 549/77 dt 17-5-78- J. F. C. M., Trichy Fine Rs. 1000/- & R. I. for 6 months under Sec. 9(1)(bb)(i) of C. E. & Salt Act, 1944.	21.	S. A. Mohamed Ibrahim, Chinthamani Patti.	Shortage of 4171 Kg. of tobacco, duty evasion Rs. 14,826/- C.C. No. 125/78 dt. 17-10-78 of Judicial First Class Magistrate, Trichy. Fine Rs. 500/- under Section 9(1)(bb)(ii) of the C. Ex., & Salt Act, 1944.
14.	P. E. S. Muthalif., s/o Syed Rowther, Chintamani Patti, Kulithalai.	Shortage of 5177 Kg. of tobaccoduty evaded Rs. 15,531/ C.C. No. 553/77 dt. 8-5-78 of Judicial First Class Magistrate, Trichy. Fine Rs. 500/- under Section 9(1) (bb)(ii) of the Central Excises and Salt Act, 1944.	22.	T. M. V. S. Abdul Wahab, Chinthamanipatti	Shortage of 3207 Kg. of tobacco duty evasion Rs. 9621/- C.C. No. 184/78 dt. 17-10-78 of Judl. First Class Magistrate, Trichy. Fine Rs. 500/- under Sec. 9(1) (b5)(ii) of the C. E. Act.
15.	S. S. Noordeen, L. 5. No 98/74, Velvarkottal	Shortage of 13, 273 Kg tobacco duty evasion Rs. 39.819/- C.C. No. 21/78 dt 9-6-78 of Sub Divisional Judicial Magistrate, Dindigul Fine Rs. 250/- under Section 9(1)(bb)(iii) of Central Excises & Salt Act, 1944.		Palaniappa Match Industries, Sivakasi. (1) P. Lakshmanan (2) P. Kannanbiran (3) P. Krishnamoorthy	Scizure of 1000 bundles of non- duty paid matches. C.C. No. 321/77 of Chief Judicial Magistrate, Devakottai. Fine Rs. 500/- on A. 1 and Rs. Rs. 1000/- each on A2 and 3.
16.	S. Kalidoss, Annanulai Matches, Kovilpatti.	Seizure of 323 gross of matches affixid with counterfeit banderols-duty evaded Rs. 1388/90	24.	S. Mohmed Mustafa, Elangakurlchi	Shortage of non-duty paid tobacco wg. 15618 Kg. duty evasion Rs. 46, 854/
17.	Smt. Kamalam, Kamalam Match works, Kovilpatti	CC. No. 454/77 dt. 29-6-78 of Sub Divisional Judicial Magistrate, Kovilpatti. Fine Rs. 400/- on Kalidoss. R. l. for one year and fine Rs 400 /- on Smt. Kamalam (on appeal imprisonment modified			CC.C. No. 552/77 dt. 8-5-78 of Judicial First Class Magistrate, Trichy. Fine Rs. 500/- under Section 9(1) (bb) (ii) of Central Excises and Salt Act, 1944. Shortage of 23001 Kg. of tobacco,
18.	Lalgudi.	Shortage of 12, 865 Kg. of to-bacco-duty Evasion Rs. 38,595/-C.C. No. 646/77 dt. 17-5-78 of Judicial First Class Magistrate, Trichy. Fine of Rs. 500/- under Section	25.	P. S. Abdul Rahim, 1.5 No. 2/70, Elangakurichi, Trichy.	duty evasion Rs. 75,000/ C.C. No. 85/78 dt 1-2-79 of Chief Judicial Magistrate, Trichy. Fine Rs. 500/- under section 9(1) (bb)(ii) of the Central Excises & Salt Act, 1944.
19.	A. Mohamed Meera, Panruti,	9(1)(bb)(ii) of Central Excises & Salt Act, 1944. Seizure of 15 bundles of to-bacco, duty evaded R.s 1269/C.C. No. 62/78 dt. 27-7-78 of Sub Divisional Judicaial Magistrate, Dindigul Fine Rs. 300/- under Section 9(1) (bb) (ii) of the Central Excises and Slat Act, 1944.		(i) Seventhipatti Match works, Sivakasi i) K. Madasamy ii) P. Ganesan partn	and I box of match boxes

1 2	3
	Under Sec. 259 & 260 of LP.C. and Sec. 9(1) (b)(ii) of the Central Excises & Salt Act, 1944.
27. Pandiarajan Dindigu. L. 5 No. 55/64.	Shortago of 4740—Kg. of tobacco) duty evasion Rs. 14,220/- Convicted to imprisonment till rising of court and fine Rs. 300/- by Sub Divisional Judicial Magistrate. Dindigul on 23-8-79.
28. Karuppiah, 3/39, Theni Road, Bodinayakanur. (licensce)	8873 Kg. of non-duty tobacco—shortage duty evaded Rs. 26, 629. C.C. No. 524/80 dt. 26-5-80 of sub-Divisional Judicial Magistrate, Usilampatti.
R. Marimuthu, Power Agent.	Fine Rs. 50/- each. imposed.
	R. JAYARAMAN Collector

CUSTOMS/ESTABLISHMENT

Madras-1, the 21st February 1981

No. 1/81.—Shri Ramesh Chandra Dhaneria, a Union Public Service Commission candidate is appointed as Direct Recruit Appraiser (Expert) in this Custom House with effect from 16-2-81 forenoon in a temporary capacity and until further orders. He will be on probation for a period of two years.

A. C. SALDANHA, Collector of Customs.

CENTRAL WATER AND POWER RESEARCH STATION

Pune 24, the 9th March 1981

No. 608/181/81-Adm.—Consequent on her Sclection by the Union Public Service Commission, New Delhi, the Director, Central Water and Power Research Station, Khadakwasla, Pune 411 024, hereby appoints Kumari Padmaja Manohar Bandiwdekar to the post of Assistant Research Office (Engineering-Telecommunication) on a pay of Rs. 650/- P.M. in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-

1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 13th February 1981

Kum. Bandiwdekar will be on probation for a period of two years with effect from 13-2-1981.

M. R. GIDWANI, Administrative Officer For Director

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Vennila Transports Private Limited

Madras-600 006, the 28th February 1981

No. 3727/560(5)81.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section(5) of 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Vennila Transports Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Saastha Films Private Limited

Madras-600 006, the 28th February 1981

No. 4605/560(5)81.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Saastha Films Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. Karamadai Transports Private Limited

Madras-600 006, the 28th February 1981

No. 5157/560(5)81.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Karamadai Transports Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is disolved.

(Sd.) ILLEGIBLE
Asst. Registrar of Companies
Tamil Nadu.

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Prabhakar Ramchandra Phadke

(Transferor)

(2) Smt. Pratibha Prabhakar Phadke

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 11th March 1981

Ref. No. A.R.-III/A.P. 360/80-81.—Whereas, I, SUDHAKAR VARMA

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. N. A. S. No. 217, Plot No. 1 (pt.) C. T. .S. No. 1018, 1018/1 to 6, S. No. 203 situated at Kurla

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Bombay on 11-7-1980 Document No. 1249/78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1249/78/Bandra/Bombay and as registered on 11-7-1980 with the Joint Sub-Registrar IV, Bandra, Bombay.

SUDHAKAR VARMA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I, BOMBAY Bombay, the 13th March, 1981

Ref. No. A.R.-I/4428/-1/80-81.--Whereas, I, SUDHAKAR **VARMA**

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 79, C. S. No. 77/10, S. No. 1160 situated at Matunga

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-7-1980 Document No. Bom 1332/80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-

24-6GI/80

- (1) 1. Prataprai Trimbaklal Mehta (H.U.F.)
 - 2. Tolaram Retumal Gangaramani

(Transferor)

- (2) 1. Mrs. Lakshmiben Babubhai Gala
 - 2. Mr. Babubhai Gala
- (Transferee)
- (3) 1. Commissioner of Police
 - 2. Mr. S. K. Iyer
 - 3. Dr. P. R. Gawand
 - 4. Dr. P. R. Gawand
 - 5. Mr. B. P. Pandit
 - 6. Mr. V. R. Kale
 - 7. Mr. G. V. Ketkar
 - 8. Smt. Mangla Vaman Ketkar

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1332/80/ Bombay and as registered on 1.7-1980 with the Sub-Registrar, Bombay.

> SUDHAKAR VARMA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay.

Date::13-2-1981

cal':

N(111CL UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th March 1981

Ref. No. Amritsar/80-81/465.—Whereas, I, ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-aud bearing No.

Agricultural Land situated at Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer a*

at S.R. Ajnala on July, 1980

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;

Shri Labh Chand,
 Iqbal Chand
 Amir Chand
 Yo Vill. Madh Bhitowal, Teh. Ajnala.

(Transferor)

(2) Shri Pal Singh, Shri Harbhajan Singh,

Shri Upar Singh,

Shri Dilbagh Singh,

Shri Lakha Singh

Shri Jagir Singh

Shri Kashmir Singh

ss/o Shri Dalip Singh r/o Chak Misri Khan, Teh. Ajnala.

(Transferce)

(3) As at Sr. No. 60. 2 alove and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 80 K 3 marlas situated in chak Misri Khan Teh. Ajnala, as mentioned in the sale deed as mentioned in the sale deed No. 2688 date 24-7-1980 of the registering authority, Ajnala.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritaar.

Date: 6-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsay, the 6th March, 1981

Ref. No. Amritsat/80-81/466,--Whereas, I ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agricultural land situated at Kelarkalan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S.R. Gurdaspur on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income selsing from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Veena wd/o Raghbir Bahadur etc.
 r/o Kalerkalan now New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mitterbandhu s/o Shri Nihal Chand r/o Kalerkalan, P. O. Kelerkalan, Teh. Gurdaspur.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.

(Persons in occupation of the property)

(3) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquismon of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defiend in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 39 Kanals 9 Marlas situated in Village Kalerkalan, as mentioned in the sale deed No. 3137/dated 2-7-1980 of the registering authority, Gurdaspur.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date: 6-3-1981

FORM NO. I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th March, 1981

Ref. No. Amritsar/80-81/467.—Whereas, I ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatfter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding R₃. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Ghurala Teh, Gurdas-pur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at S.R. Gurdaspur on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Kuldip Singh
 Bo Balwant Singh
 Vill. Ghurala, Teh. Gurdaspur.

(Transferor)

(2) Shri Harbhajan Singh, Karam Singh, Jagtar Singh ss/o Gurdial Singh Village Ghurala, P. O. Gurdaspur,

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazettee.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 46 Kanal 1 Marlas situated in village Ghurala, Teh. Gurdaspur as mentioned in the sale deed No. 3291 dated 8-7-1980 of the registering authority, Gurdaspur.

ANAND SINGH, IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th March, 1981

Ref. No. Amritsar/80-81/468,—Whereas, I ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agricultural land situated at Village Chuhar Chak, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Gurdaspur on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair mark: t value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kundan Singh szo Mian Singh r/o Village Chuhar Chak near Nasushera Maja Singh Teh. Gurdaspur.

(Transferor)

(2) Shri Joginder Singh, Nashan Singh, Balwinder Singh ss/o Sawaran Singh, r/o Village Chuhar Chak near Nusehra Majja Singh Teh. Gurdaspur.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 18 Kanals 9 Marlas situated in Village Chuhar Chak, as mentioned in the sale deed No. 3295 dated 9-7-1980 of the registering authority, Gurdaspur.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rungs, Andrews

Date: 6-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th March, 1981

Ref. No. Amritsar/80-81/469.—Whereas, I ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No No. One house situated at Gali Dalalan, Amritsar more fully described in the schedule annexed hereto), has been

transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ghania Lal s/o Shri Kesho Ram r/o Katra Bhai Sant Singh, Gali Dalalan, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Kumar s/o Shri Atma Ram and Smt. Kavita Rani alias Krishna Kumari w/o Shri Vijay Kumar, r/o Katra Bhai Sant Singh, Gali Dalalan, Anuritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tonant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One residential House No. 660/10-4 situated in Gali Dalalan, Katra Bhai Sant Singh, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 1274 dated 22-7-1980 of the registering Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, American.

Date: 6-3-1981

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th March, 1981

Ref. No. Amritsar/80-81/470.—Whereas, [ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. One property situated at 30/C, Rani Ka Bagh, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at S.R. Amritsar on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Paramjit Singh minor s/o Shri Chanan Singh r/o Mal Mandi, Mohalla Nanaksar, Taran Taran, District Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Ram Parshads/o Shri Ram Chandr/o New Telephone Exchango, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 Share in one house No. 30/C, Rani Ka Bagh, Amritsar as mentioned in sale deed No. 1025/I dated 4-7-1980 of the registering authority, Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rauge, Amritsar.

Date: 6-3-1981

FORM I.T.N.S.~~

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th March, 1981

Ref. No. ASR/80-81/471—Whereas I, ANAND SINGH IRS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

No. 30/C One house situated at Rani Ka Bagh, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Amritsar on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market, value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jaswinder Singh minor son s/o Shri Chandan Singh r/o Mali Mandi, Mohalia Nanak Sar, Tara Taran, District Amritsar.

(Transferor)

- (2) Shri Ram Parshad s/o Shri Ram Chander r/o Near New Telephone Exchange, Amit; ar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 Share in one house No. 30/C situated in Rani Ka Bagh, Amritsar, as mentioned in the sale deed No. 1024/I dated 4-7-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH, IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6-3-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 6th March, 1981

Ref. No. Amritsar/80-81/464.--Whereas, I ANAND SINGH, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural Land situated at Village Chak Mishri Khan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfererd under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at S.R. Ajnala, on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

25-6 GI/81

Shri Labh Chand,
 Shri Iqbal Chand
 Amir Chand
 Mudh Bhilowal, Teh. Ajnala.

(Transferor)

(2) Shri Pal Singh,
Shri Harbhajan Singh,
Shri Uppar Singh,
Shri Dilbagh Singh,
Shri Lakha Singh,
Shri Jagir Singh,
Shri Kashmir Singh,
ss/o Shri Dalip Singh,

(Transferces)

(2) As at Sr. No. 2 and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

r/o Village Chak Misri Khan, Teh. Ajnala.

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 80 Kanals 3 Marlas situated in village Chak, Misri Khan, as mentioned in the sale ideed No. 2689 dated 24-7-1980 of the registering authority Ajnala.

ANAND SINGH, IRS.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 6-3-1981

Seal;

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 23rd February, 1981

C. R. No. 62/27707/89-81/Acq./B.—Whereas, I, R. THO-THATHRI

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5, situated at Kensington Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Shivajinagar, Bangalore Doc. No. 1406/80-81 on 21-7-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated, in the said instrument of transfer with the object of—

- (a.) facilitating the raduction or exasion of the liability of the transferog to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 ef. 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Millicont Gwendoline Charlotte Hewltt, represented by her Power of Attorney Holder Shri Lovojce Dadabhoy,
No. 5, Kensington Road, Bangaloge.

(Transferor)

(2) 1. T. P. B. Mathias,2. Mrs. T. P. B. Mathias,No. 5, Kensington Road, Bangalone.

(Transferce)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lates;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1406/80-81 dated 21-7-1980)
Premises bearing No. 5, situated at Kensington Road, Bangalore, measuring 738.02 sq. metres with building garage & outhouse thereon.

Bounded on: North by M.E.S. property

South by 201 wide road & private property

East by M.E.S. property. West by Kensington Road

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 23-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 3rd March, 1981

C. R. No. 62/27698/80-81/Acq./B.—Whereas, I R. THO-THATHRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 41 and 41-A, situated at Basappa Road, Shanthinagar, Bangalore-27

garh (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jayanagar, Bangalore, Doc. No. 2248/80-81 on 31-7-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri T. Kandaswamy, No. 4/10, Bommanalall, Bangalore-68.

(Transferor)

(2) Shri 1. Atheegur Rehman,
2. Tanfeequr Rehman
both minors Rep. by their Guardian Mother
Mrs. Farbath Hayath,
No. 8, II Cross, Laxmi Road, Shenthinagar,
Bangalore-27.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2248/80-81, dated 31-7-1980)

Property bearing Nos. 41 & 41-A, situated at Basappa Road, Division No. 62, Shanthinagar, Bangalore-27. Measuring 372 00 Square Metres with building having, Ground floor, Garage, Portico, First Floor, Sit-out and second floor.

Bounded on: North by Basappa cross Road.
South by Sri Ranganath Achar's property
East by Private property.
West by Sri S. Ranganathachar's property.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 3-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 23rd February, 1981

C. R. No. 62/2775/80-81/Acq./B.—Whereas, I, R. T O-THATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6/23/1 situated at 9th Cross, K. R. Compound, Chamarajpet, Bangalore-18,

(and ! more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1508 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala at Basavangudi, Bangalore, Document No. 1216/80-81 on 2-7-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati K. Shakunthala Bai, No. 6/8, 9th Cross, 4th Main Road, Chamarajpet, Bangalore-18.

(Transferor)

(2) Shrimati P. N. Niranjini, D/o Shri B. D. Narasimhan, No. 6/1, 9th Cross, 4th Main Road, Chamrajpet, Bangalore-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1216/80-81 dated 2-7-1980)

Vacant site bearing No. 6/23/1 situated at 9th Cross, K. R. compound Chamarajpete, Bangalore-18, measuring 301 square Metres.

Bounded on: East by portion of site No. 6/22

West by Azadnagar Road,

North by 4th Main Road,

South by Site No. 6/23.

R. THOTHATHRI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 23-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 23rd February, 1981

C. R. No. 62/27554/80-81/Acq./B.—Whereas, I, R. THO-THATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

No. 243, situated at Binnamangala Layout, Indiranagar, Bangalore-38

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Shivajinagar, Bangalore-Doc. No. 1172/80-81 on 31-7-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquision of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Col. Rajashekhar Wodeyar
 2. Mr. Sh. shiraj Wodeyar residing at No. 387, :
 West of Chord Road, Rajajinagar, Bangalorc-10.

(Transferors)

(2) Shri S. Syed Hussain, residing at No. 18, Cunningham Road, Civil Station, Bangalore-52.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1172/80-81 dated 31-7-1980s

Site bearing No. 243, situated at Binnamangala Layout, Indiranagar, Bangalore-38, measuring 701·11 square metres. Bounded on: East by 80' Road

West by Site No. 232 North by 40' Road South by Site No. 242

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 23-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, OHT K

Rohtak, the 13th March, 1981

Ref. No. Panipat/18/80-81.—Whereas, I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House on plot No. 636 situated at Model Town, Panipa (and more fully described in the Schedule annoted hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Panipat in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Lachhman Dass Gulwani S/o Shri Thakar Datt Gulwani, House No. 96, New Colony, Gursson.

(Transferor)

(2) Shri K. C. Nagpal, S/o Shri Himat Rai Nagpal, R/o 232-R, Model Town, Panipat.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house built on plot No. 636 situted in Model Town, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2329 dated 10-7-1980 with the Sub Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 15-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTA K

Rohtak, dated the 13th March, 1981

Ref. No. Karnal/25/80-81.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 483 situated at Model Town, Karnal (and more fully described in the Schedule annexed herero), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Major Raghubir Singh s/o Shri Surjan Singh R/o Mangol Puri, Teh. and District Karnal.

(Transferor)

(2) Shri Sat Atam Parkash, Anil Kumar, Ramesh Kumar ss/o Shri Bhushan Lal, 355, Char Chaman, Karnal.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said:

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. 483, situated at Model Town, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No 2117 dated 2-7-1980 with the Sub-Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 12-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 25th February 1981

Ref. No. AMB/19/80-81.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 160 (AMC-230-B-IX) Model Town, Ambala City situated at Ambala City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ambala in August, 1980

market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Mukand Lal Sehgal, s/o Shri Parma Nand Sehgal, E 51, Moti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Balbir Singh, s/o Shri Harl Chand, r/o Village & P. O. Mustafabad, Teh. Jagadhari, Now House No. 160, Model Town, Ambala City.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 160 (AMC-230-B-IX) situated at Model Town, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1635 dated 12-8-1980 with the Sub-Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA
Competent Authortty
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 25-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK Rohtak, the 28th February 1981

Ref. No. AMB/73/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 2799-W-2 (266-B-III) Double storeyed situated at Ambala City

(and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Ambala in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
26—6GI/81

 Smt. Bimla Devi Mongia w/o Shri Harish Chander Mongia C/o Maha Laxmi Metal Works, Jagadhari.

(Transferor)

(2) 1. Krishan Lal Batra, 2. Shri Madan Lal Batra S/o Harnam Das, House No. 2799, Ward, 2, Sewa Samiti, Gali, Ambala City.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being double storeyed House No. 2799, ward No. 2, (266-B-III) Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at 3016 No. 25/9/1980 with the Sub Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Robtak.

Date: 28-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

ROHTAK, the 12th March 1981

Ref. No. Ballabgarh/38/80-81. —Whereas I, G. S. GOPALA being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 134, Block E, measuring 1166 sq., yards situated at Sector-11, Faridabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ballabgarh in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Trakru Housing Corporation, M-33, Greater Kailash-2, New Delhi.
 Office 105, Anand Bhawan, 71, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Surender Kumar Lamba & Narender Kumar Lamba ss/o Shri Sewa Ram Lamba, R/o S-46, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. 134 Block-E, measuring 1166-6 sq. yds. situated in Sector-11, Farldabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6251 dated 27-8-1980 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 12-3-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 6th March 1981

Ref. No. Jagadhari/25/80-81.—Whereas, I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 25 bigha 2 bishwa situated at Jagadhari (and more fully described in the Schedule annexed here-to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in July 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Soma Devi
 D/o Shri Krishan Chand
 w/o Shri Ved Parkash
 r/o Village Kambopura, Teh. & District, Karnal.
 (Transferor)
- (2) 1. Lachhman Dass S/o Nanu Mal
 - 2. Kamla Rani W/o Lachhman Dass,
 - 3. Jai Gopal s/o Tilak Raj
 - Tarseem Chand s/o Babu Ram R/o Marwana, Distt. Jind.
 - Raj Kumar s/o Ram Chand r/o Jagadhari.
 - Yash Paul Ramesh Kumar ss/o Shri Shiv Narain, r/o Jagadhari.
 - Bal Kishan s/o Raghbir K.
 Lalita Devi W/o Shri Ram Kishan,
 Pushpa Devi w/o Kulbhusan,
 Shanntra Devi w/o Ashok Kumar,
 r/o Jagadhari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 25 bigha 2 bishwas situated at Jagadhari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2592 dated 24-7-1980 with the Sub-Registrar, Jagadhari.

G. S. GOPALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 6-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 6th March, 1981

Ref. No. RTK/10/80-81.—Whereas, I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 495, Ward-31, Ram Nagar situated at Rohtak fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office at Rohtak in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Vod Parkash s/o Shri Ram Rattan C/o M/s. Harnam Dass Madan Gopal, Anaj Mandi, Rohtak.

(Transferce)

(2) Shri Roshan Lal s/o Shri Devi Sahai, R/o H. No. 495/W-31, Ram Nagar, Rohtak (Behind Vaish College compus)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 495, Ward No. 31, Ram Nagar, (near Kath Mandi) behind Vaish College compus, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2071 dated 22-7-80 with the Sub-Registrar, Rohtak.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 6-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 6th March 1981

Ref. No. SRS/27/80-81.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. 3713, Gali Bawri Wali, Sirsa situated at Sirsa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sirsa in July, 1980

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any thomeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Ram Kumar s/o Shri Jeth Mal, R/o Gali Bawari Wali, Sirsa.

(Transferor)

(2) Shri Banwari Lal, Shri Rameshwar Dass ss/o Shri Ganpat Ram, r/o H. No. 3717, Gali Bawei Wali, Siesa.

(fransferaa)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 3717, Gali Bawri Wali, Sirsa and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3229 dated 14-7-1980 with the Sub-Registrar, Sirsa.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 6-3-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 6th March 1981

Ref. No. HSR/13/80-81.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Industrial Plot measuring 108x180 square feet bearing No. 11 situated at Industrial Development Colony, Hissar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Shiv Kumar
 S/o Shri Chander
 R/o Mohalla Jainti Parshad,
 Hissar. C/o Allied Traders, Hissar.

(Transferor)

M/s. Technocrates' Enterprise,
 Industrial Development Colony, Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Industrial plot No. 11, Industrial Development Colony, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1915 dated 17-7-1980 with the Sub-Registrar, Hissar.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 6-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 6th March 1981

Ref. No. HSR/9/80-81.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 22/VI, Khazandi Bazar situated at Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer Hissar in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) familitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Jai Karan
 Mai Sukh
 Village Rawalwas, Teh. Hissar,
 - 2. Smt. Kitaho Devi D/o Shri Hira Singh, village Payal Teh. & Distt., Bhiwanl. (Transferor)
- (2) Shri Vipin Kumar, Shri Devinder Kumar C/o Sunder Lal Saraf, Gandhi Chowk, Hissar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.
 - whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 22/VI Khazanchi Bazar, Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 1816 dated 10-7-1980 with the Sub-Registrar, Hissar.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 6-3-1981

 Shri Dharam Singh S/o Shri Batan Singh, A-2/1140, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Gupta Construction Co., G-32, Depall, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 6th March 1981

Ref. No. BGR/25/80-81.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 32, D.L.F. Industrial Estate No. 1, Mewla Maharajpur, measuring 1533 sq. yards situated at Mewla Maharajpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfererd under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Ballabgarh in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fgir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenlth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gauette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. 32, D.L.F. Industrial Estate No. 1, Mowla Maharajpur (measuring 1533 sq. yards) and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5231 dated 24-7-80 with the Sub-Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date: 6-3-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 6th March 19811

Ref. No. BGR/24/80-81.—Whereas, I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 36-L, Block-I, measuring 606 sq. yards situated at D.L.F. Industrial Fstate No. 1, Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ballabgarh in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the conceanment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons. namely:—

27--6GI/81

Shri Jasvinder Singh
 S/o Shri Dharam Singh,
 2-A, 140, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Trausferor)

 M/s. Gupta Construction Company, Depalt, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1 APLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being plot No. 36, L-Block measuring 605 s.q. yards situated at D.L.F. Industrial Estate No. 1, Faridabid and as more mentioned in the sale deed registered at No. 5230 dated 24-7-1980 with the Sub-Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 6-3-1981

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE Pune, the 25th February 1981

Ref. No. I.A.C./C.A.-5/S.R. Thane/July, 80/507/80-81.--Whereas, I. A. C. CHANDRA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 24, H. No. 1, 2, 4, 5, 6, 7, 8, 9 situated at Mouje Yaver, Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Thane on 31-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Gonal Govind Joshi,
 - 2. Mangala Gopal Joshi,
 - Dilip Gopal Joshi, Burvewadi, Raghukul, Gokhale Road, Thane.

(Transferor)

(2) Shri Desharath Kashiram Mali, Mansukhlal Building, Thane Pokharan Road, No. I, Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the acretice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 24, Hissa No. 1, 2, 4, 5, 6, 7, 8, 9. Maule Yevar, Taluka Thane, District Thane.

(Property as described in the sale-deed under decounted No. 525, dt. 31-7-1980, registered in the office of the Sub-Registrar, Thane).

A. C. CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 25-2-1981

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th February, 1981

Ref. No. 874.- Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. A-6 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 7-7-1980

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of he ransferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) M/s. Shri Laxmi Traders Limited C/o Director Shri Vinay Kumar Podar, Registered Office Podar Park, Midue Cirole, Jaipur.

(Transferor)

(2) M/s. Podar Mills Limited, Podar Chamber, Sayyad Abduila, Belwi Road, Bornbay Fort,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

34460 Sq. yd. area of Plot No. A-6, at Podar Park, Statue Circle, Jaipur & morefully described in the stile deed Registered by S. R., Jaipur vide No. 1534 dated 7-7-80

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 10-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 12th March, 1981

Ref. No. Rej/I.A.C. (Acq.)/873.—Whereas, I, M. L. CHAU-HAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A-22 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaiput on 7-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Madan Lal Khetan
 Sho Shri Jamnadas Ji Khetan,
 Niwasi A-22, Bajaj Nagar, Jaipur.

(Transferor)_.

(2) Shrimati Vimla Devi w/o Hukamchand, Niwasi 13 Big Manikar Street, Chingalput, Tamilnadu (Madras), Hal Niwasi C-172, Bajaj Nagar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land at A-22, Bajaj Nagar, Jaipur & more fully described in the sale deed registereed by S. R. Jaipur vide his No. 1524 dated 7-7-1980,

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 12-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 4th March 1981

Rcf. No. Rci./I.A.C. (Acq.),—Whereas, I, M. L. CHAU-HAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Garrage and Open land situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jaipur on 30-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):—

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Shushila Devi W/o Shri Omkar Nath and Rajesh Kumar
 S/o Shri Onkar Nath,
 S-291, Greater Kailash,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Chander Paliwal, S/o Om Mukanlal Paliwal, B-206, Rajendra Marg, Bapunagar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land with one garrage situated at B-165, Gandhi Nagar Road, Bapu Nagar, Jaipur & morefully described in the sale deed registered by S. R., Jaipur vide his No. 1682 dated 30-7-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 4-3-1981

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 12th March, 1981

Ref. No. Rej./J.A.C. (Acq.)/881.— Whereas, I, M. L. CHAU-HAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot of land situated at Jaipur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been trans ferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jaipur on 28-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ramesh Kumar Arora S/o Shri Dewan Ulfat Rai, Tonk Phatak, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Dalamchand S/o Shri Jaichand Dugad C/o Dugad Medical Store, Chaurarasta, Jaipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovaable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land having one residential unit constructed at B-23, Janta Colony, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jaipur, vide his No. 2800 dated 28-10-80.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incom: Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 12-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI New Delhi, the 3rd March 1981

Ref. No. I.A.C./Acq. I/S.R.-III/7-80/717.—Whareas, I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 8 situated at D.L.F. Commercial Complex, G.K. II New Delh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Greater Kailash, New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of •—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri 1. S. Paul Nanda
 - 2. Satish Nanda,
 - 3. Ravi Nanda,
 - Ajit Nanda and Rajesh Nanda, all sons of Shri H. R. Nanda, r/o G/12, N.D.S.F. Pt.I. New Delhi-49.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Devkan,

w/o Late Shri S. D. Sethi

2. Smt. Kamlesh,

w/o Shri Rajpal Sethi and

3. Smt. Kailash,

w/o Shri S. K. Sethi

r/o 32/4, Hanuman Lines, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforegaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8, measuring, 512 · 10 sq. ft. at D.L.F. Commercial Complex. Greater Kallash-II. New Delhi-48.

R. B. L AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incompetax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 3-3-1981

Date:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd March 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S.R.-III/7-80/638.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 10 situated at Lady Harding Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Kanwar Sain Sahni s/o Shri R. B. Balmukand Sahni and others r/o C/o B-425, New Friends Colony, New Delhi through Prem Kumar Sahni.

(Transferor)

(2) M/s. Sagar Enterprises Pvt. Ltd., 10, Saheed Bhagat Singh Marg, New Delhi through V. S. Anand.

(Transferee)

- (3) 1. Canara Bank
 - 2. A. R. Wig & Onkar Nath
 - 3. O. P. Parti
 - 4. Shri Brljpati
 - 5. Shri Kewal Krishan Wadhera
 - 6. Shrl Batalia Ram
 - 7. Shri Batalia Ram
 - 8. Shri Om Parkash Sahni
 - 9. Shri Roshan Lal Subharwal
 - 10. Shri Jitinder Gupta.

(Persons in occupation of the property)

No 10 Lady Harding Road, New Delhi

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 10, Lady Harding Road, (Shaheed Bhagat Singh Marg), New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, New Delhi

Date: 3-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd March 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/7-80/812.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. HS-27, situated at Kailash Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
28—6GI/81

 Shri Durga Dass Arora and Shri Kuni Lal Arora, HS-27, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Narender Kumar Gupta and Shri Om Parkash Gupta, r/o N-99, Greater Kailash, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed house No. H.S.-27, Kailash Colony, New Delhi on 167 sq. meters.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, New Delhi

Date: 3-3-1981

Scal:

Form I.T.N.S.—

D. L. F. United Ltd.,
 21-22, Narindra Place, Parliament Street,
 New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Om Parkash Gupta s/o Shri Ratan Lal

 Smt. Gaytri Gupta w/o Shri J. L. Gupta, N/99, Groater Kailash-I, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd March 1981

Rof. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/7-80/815.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Portion No. 203 (2nd floor) D. L. F. (Front portion) situated at F-40, Connaught Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion No. 203 (2nd Floor) D. L. F. House (Front Portion), F-40, Connaught Place, New Delhi. (Area 493:50 sq. fts.).

R. B. L. AGGARWAL,
Compotent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-I, New Dolhi,

Date: 3-3-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd March 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-1/S. R.-III/7-80/854.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 15-A situated at Friends Colony, New Delhi

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Subhash Chander Sahni, Shri Sarran Kumar Sahni and Shri R. L. Sahni,
 r/o A-42, Frieuds Colony, New Delhi.

(Fransferor)

(2) 1. Shri Y. S. Manchanda,
3682, Mori Gate, Dolhi.
2. Braham Arenja,
H-21, Maharani Bagh, New Dolhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 15-A, Friends Colony, New Delhi.

R. B. L AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 3-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Dolhi, the 3rd March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-l/S. R.-III/7-80/802.-- Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. R-499, situated at New Rajinder Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Ramo Devi Talwar, E-129 Greater Kailash, Part-II, New Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. Mrs. Asha Bakhru w/o Mulchand Bakhru
 - 2. Mr. Amar Bakhru
 - 3. Mr. Suresh Bakhtu
 - 4. Mr. Ravi Bhakhru, all sons of Mulchand Bakhru,

R-199, New Rajinder Nagar, New Dolhi.

(Transferoe)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. R-499, New Rajinder Nagar, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 3-3-1981

Sela:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd March 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-t/S. R.-HI/7-80/801. - Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M-127, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

 Col. Rohtas Singh Deswal, A-1/9, Model Town, Delhi-9.

(Transferor)

(2) Kumari Anuradha Aggarwal, E-482, Greater Kailash-II, New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menaing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. M-127, measuring 300 sq. yds. at Greater Kailash-II, New Delhi-48.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 3-3-1981

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd March 1981

Rof. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/7-80/800.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. M-273 situated at Greater Kailssh-II, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Urvashi,
 w/o Shri Rakesh Jain,
 R/o E-482, Greater Kailash-II,
 New Dolhi-48.

(Transferor)

(2) Master Kulbhushan Loond, through his natural guardian & mother, Smt. Ishwar Loond, w/o Shri Vasdev Loond, C/o Shri S. P. Nanda, E-498, Greater Kailash-II, New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. M-273, Greater Kailash-II, New Delhi-48, Plot Area—400 square yards.

R. B. L. AGGARWAL
Compotent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 3-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd March 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/7-80/797.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agricultural Land situated at Revenue Estate of Villago Bijwasan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfererd under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeshaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

 Shri Maha Ram s/o Shri Nand Lal
 Shri Om Parkash s/o Shri Bhagat Singh, r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

(2) M/s. Delhi Towers & Estates (P) Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 17 Bighas and 11 Biswas comprised in Rect. No. 85, Khasra No. 26, Rect. No. 86, Khasra Nos. 4 East, 5, 6 7 East, 14 and 15 West, situated in the Revenue Estate of Village Bijwasan.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 3-3-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd March 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/7-80/787.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing

No. W-152, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in, pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri A. K. Roay, C-162, Defence Colony, New Delhi-24.

(Transferor)

(2) Smt. Kamini Devi Bhagat, Smt. Shakuntala Bhagat, Smt. Suman Bhagat, Shri Sanjay Bhagat, E-246, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

W-153, Greater Kailash-II, New Delhi-48 Plot of 1 ad aera 404 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 3-3-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd March 1981

Ref No IAC/Acq.I/SR-III/80/718.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

E-563 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Grace Maybell Sarwarn, B-4/144, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Man Mohan Singh s/o S. Avtar Singh, 8/28, W. Patel Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. E-563, Greater Kailash-II, Now Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 3-3-1981 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

29---6GI/81

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI New Delhi, the 12th March 1981

Ref. No. 1. A. C./Acq.-1/S. R.-111/7-80/783.--Whereas, $\ \ I,$ R. B. L. Aggarwal,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Kapashera, Tahsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Shri Narain Singh s/o Shri Ram Kishan r/o Village Kapashera, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Poddar Construction Co. (P) Ltd. F-3, Kailash Colony, New Delhi, through Shri Om Parkash.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas and 16 biswas Khasra No. 696/13 (3-12), 696/2 (1-4), Villago Kapashera, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, New Delhi.

Date: 12-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Narain Singh s/o Shri Ram Kishan r/o Village Kapashera, New Delhi.

(Transferor)

(2) Poddar Construction (P) Ltd., F-3, Kailash Colony, New Delhi through Om Parkash.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1981

Ref. No. 1. A. C./Acq.-1/S. R.-1II/7-80/782. \mid Whereas, \mid R. B. L. Aggarwal,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agricultural land situated at Village Kapashera, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas and 16 biswas, Khasra No. 697, Village Kapashera Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 13-3-1981

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1981

Ref. No. 1. A. C./Acq.-I/S. R.-III/7-80/781.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Kapashera, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason, to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

 Shrl Narain Singh s/o Ram Kishan r/o Village Kapashera, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Poddar Construction Co. (P) Ltd., F-3, Kailash Colony, New Delhi through Shri Om Parkash.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas and 16 bishwas Khasra No. 695, Village Kapashera, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 13-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

GOVERNMENT OF INDIA

H. BLOCK, VIKAS BHAVAN, NEW DELHI

New Delhi, the 12th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-1/S. R.-III/7-80/785.— Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agricultural land situated at Village Kapashera, New Delhi (and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; nad/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sri Ram (alias Saria) s/o Shri Sohan Lal r/o Village Kapashera, New Delhi.

(Transferor)

(2) Poddar Construction Co. (P) Ltd., through Om Parkash r/o F-3.Kailash Colony. New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas and 16 bishwas, Khasra No. 858, Village Kapashera, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 12-3-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Pyare Lal S/o Shri Molar s/o Shri Molar

(Transferor)

(2) M/s. Delhi Towers Estates (P) Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, H. BLOCK VIKAS BHAVAN NEW DELHI

New Delhi, the 12th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/7-80/649.—Whereas, I. R. B. L. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agricultural land situated at Village Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 5 bighas and 11 biswas, comprised in Rectangel No. 45, K. Nos. 16 (3-01) and 181 min (2-10) in Village Bijwasan.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Dato: 12-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 12th March 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-J/S. R.-ΠΙ/6-80/678.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agricultural land situated at Village Satbari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at New Delhi on June, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

Sri Ram Chander,
 Ram Singh and
 Shri Phul Singh
 s/o Shri Nathwa,
 r/o Villago Chattarpur, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Ansal Housing & Estates (P) Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 6 bighas and 1 biswa, comprised in Khasra No. 674 (4-16), and 702/2 (1-05) in Village Satbari, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range-I, New Dolhi.

Dato: 12-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/7-80/831.—Whereas, I R. B. L. AGGARWAL,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Satbari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Kishan
 s/o Shri Jai Singh
 r/o 165-4-A, Govindpuri,
 Kalkaji, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Ansal Housing & Estates (P) Ltd., 115-Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gaudhi Marg, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 7 bighas and 4 biswas comprised in Khasra Nos. 535 (4-16) and 536min (2-08) in Village Satbari.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 13-3-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Daya Kishan s/o Shri Ram Pat r/o Village Mitraoo.

(Transferor)

(2) M/s. Ansal Housing & Estates (P) Ltd. 115 Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg. New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-1/S. R.-III/7-80/832. -Wileselli, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1963 (43 of 1961) hereinafter referred to as the ('said Act'), have reason to believe that the immovable property having a foir market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Satbari

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under said Act, ir respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Welth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
30—6 GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 4 bighas and 16 biswas comprised in Khasra No. 538 (4-16) in Village Suthari.

R. B. L. AGGARWAL Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Incomptax, Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 13-3-1981

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 12th March 1981

Ref. No. J. A. C./Acq.-I/S. R.-III/6-80/677.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agricultural land situated at Village Satbari, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any inoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ram Chander, Shri Ram Singh and Shri Phul Singh s/o Shri Nathwa, r/o Village Chatterpur, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Ansal Housing & Estates (P) Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 4 bighas and 16 biswas comprised in Khasra No. 673 (4-16) in Village Satbari, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 12-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S.R.-III/7-80/643.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No: Agricultural land situated at Village Kapashera, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in this Office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jagram,
 - Shri Ram Kumar,
 - Shri Rohtas,
 - Shri Singh Ram, Shri Sultan.
 - Shri Bishamber and others
 - Village Kapashera, New Delhi.

(Transferor)

(2) Poddar Construction Co. (P) Ltd., F-3, Kailash Colony, New Delhi. through O. P. Poddar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 9 bighas and 19 biswas, Khasra Nos. 763/2 (2-4), 765/1 (2-19), 766 (4-16), Village Kapashera, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 13-3-1981

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/7-80/784.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agricultural land situated at Village Kapushera, Nev Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (u) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sri Ram (Alias) Saria s/o Sohan Lal, r/o Village Kapashera, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Poddar Construction Co. (P) Ltd., through Om Parkash, r/o F-3, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferse)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Agricultural land area 8 bighas and 7 b'swas K. No. 845/2 (3-11), 847 (4-16), situated in Village Kapashera, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, New Delhi

Date: 12-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, H- BLOCK VIKAS BHAWAN, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/7-80/644. — Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agricultural land situated at Village Kapashera, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagram,

Shri Ram Kumar,

Shrl Rohtas,

Shri Singh Ram,

Shri Sultan,

Shri Blshamber and others,

Village Kapashera, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Poddar Construction Co. (P) Ltd., F-3, Kailash Colony, New Delhi

through O. P. Poddar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 9 bighas and 7 biswas, Khasra No. 848 (4-16), 849/1 (1-3), 853/2 (3-8), Village Kapashera, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 13-3-1981

Scal:

FORMATTNEE.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, H-BLOCK VIKAS BHAWAN
NEW DELHI

New Delhi, the 13th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/7-80/719.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsiter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 6-B, 2nd Floor situated at D. L. F. Commercial Building, Greater Kailash-II, New Delhi-48

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of the income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Kishan Ohand Mehta, Family Trust,
 44-Ocean View, 4th floor, Dumayne Road, Colaba, Bombay.

(Transferor)

(2) Smt. Prem Lata Soni
w/o Shri Om Parkash Soni
2. Shri Rajitides Kumar Soni
s/o Om Parkash Soni
r/o III-H/14, Lajpat Nagar, New Dolhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6-B, 2nd Floor, D. L. F. Commercial Building, Greater Kailash-II, New Delhi-48.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 13-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/7-80/829.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural Land situated at Village Satbari (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Kishan Lal s/o Shri Jai Singh,
 r/o 1654-A, Govindpuri, Kalkaji, New Delhi.

 (Transferor)
- (2) M/s. Ansal Housing & Estates (P) Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undeprigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within appealed of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 6 bighas and 12 biswas comprised in K. Nos. 515/2 min. (1-04), 520/2 min. (2-08) and 534 min (3-00) in Village Satbari.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting, Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, New Delhi

Date: 13-3-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/7-80/830.---Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Satbari (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kishan Lal s/o Shri Jai Singh r/o 1654-A, Govindpuri, Kalkaji, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Ansal Housing & Estate (P) Ltd.115 Ansal Bhawan,16, Kasturba Gandhi Marg,New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by many of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 7 bighas and 4 biaswa comprised in K. No. 531 (4-16) and 536 min (2-08) in Village Satbari.

> R. B. L. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incompetax, Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 13-3-1981

į

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th March, 1981 Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/7-80/650.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agricultural land situated at Village Bijwasan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
31—6 GI/81

Shri Hukan Chand.
 Shri Inder Singh and
 Shri Harpal Singh,
 s/o Shri Sheo Chand.

(Transferor)

(2) M/s. Delhi Towers & Estates (P) Ltd.,115 Ansal Bhawan,16 Kasturba Gandhi Marg,New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 4 bights and 19 biswas in K. No. 181, min in Village Bijwasan.

R. B. L. AGGARWAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range-I, New Delhi.

Dqte: 12-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, H. BLOCK VIKAS BHAWAN NEW DELHI

New Delhi, the 12th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/77-80/651.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. K. No. 181 A8riland situated at Village Bijwasan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Juglal,
 Shri Pyarolal,
 s/o Shri Molar,
 r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

(2) M/s. Delhi Towers & Estates (P) Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 5 bighas in K. No. 181 min. in Village Bijwasan.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 12-3-1981

Scal:

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Naresh Kumar s/o Shri Sunder Lal attorney of Shri Sunder Lal r/o 77-F, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Ajay Kapoor s/o Shri Balwant Rai Kapoor, r/o 77-F, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, I, H. BLOCK VIKAS BHAWAN, NEW DELH

New Delhi, the 16th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-1/7-80/6773.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 77-F, situated at Kamla Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd undivided share in building bearing municipal No. 6269 built on plot No. 77-F, Kamla Nagar, Delhi area of the land underneath measuring 166 7 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 16-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/7-80/6774.--Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 77-F, situated at Kamla Nagar, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Naresh Kumar s/o Shri Sunder Lal, attorney of Shri Sunder Lal r/o 77-F, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Anil Kapoor and Ajay Kapoor, s/o Shri Balwant Rai Kapoor, r/o 77-F, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd undivided share in the building bearing municipal No. 6269 built on Plot No. 77-F Kamla Nagar, Dolhi area of the land underneath measuring 166-7 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 16-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/7-80/6720.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act').

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value erceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 17 situated at Khajoor Wali Building, Chandni Chowk, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (4) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:—

 Shri Mahavir Prasad Jaipuria, Charitable Trust,
 Janpath, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kishan Chand Jain s/o Shri Budh Singh Jain and Shri Anil Kumar Jain s/o Shri Kishan Chand Jain, r/o 21/27, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Private No. 17, Khajoor Wali Building Chandni Chowk, Delhi measuring area 16.78 sq. moters. Municipal No. 1664.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delbi

Date: 16-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

[New Delhi, the 16th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/7-80/3619.—Whereps I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Hulambi Khurd, Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer/Registrar/pt Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the cancealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Balwant Singh s/o Shri Man Chand, r/o Vill. & P. O. Hulambi Khurd, Delhi State, Delhi.
- (A) Shri Man Mohan Singh & Others, r/o B-1/17, Ashok Vihar, Phase-II, Delhi-52.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 43 bighas 6 biswas entered in Rect. No. 24 Killa No. 15/2 (2-0) Rect. No. 25 Killa No. 12 (4-10) Killa No. 11 (4-10), Killa No. B (2-10) Killa No. 17/2 (1-12) Killa No. 18 (4-10) Killa No. 19 (4-10) Killa No. 20/1 (4-1) Killa No. 22 (4-16) Killa No. 23 (4-10) Killa No. 27 (0-1) Rect. No. 28 Killa No. 2/1 (4-10) Situated in area of Village Hulambl Khurd, Delhi State, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 16-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th March, 1981

Ref. No. fl. A. C./Acq.-II/S. R.-I/7-80/6722:---Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 18 situated at Khajoor Wali Building, Chandni Chowk, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mahabir Prasad Jaipuria, Charitable Trust, 52, Janpath, New Delhi.

(Transferor) Khanna,

(A) Smt. Sharda Khanna w/o Shri Tilak Raj r/o H. No. A-2/27, Krishna Nagar, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Private No. 18 (Portion of shop No. 18), Khajoor Wali Building, Chandni Chowk, Delhi measuring area 16 78 sq. metres, Municipal No. 1663 behind private no. 13.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting fAssistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi,

Date: 16-3-1981

(1) Shri Sunil Kumar Gupta

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

E INCOME(2) Shri Madan Lal s,

(Transferor)

 Shri Madan Lal s/o Shri Kirpa Ram, C-141, Kirti Nagar, New Delhi.

s/o Shri Rabinder Nath Gupta, D-15, Model Town, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 17th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/7-80/3898,—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 10 on Rd. No. 12 situated at Punjabl Bagh, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on July, 1980

for en apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th portion of plot bearing No. 10 on Road No. 12, situpted in Punjabi Bagh, New Delhi measuring 561-66 sq. yd.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
sistion of the
under subto the follow
R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi New Delhi
Date - 17-3-1981

Date - 17-3-1981

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th March 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/7-80/6721.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baying a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 17 situated at Khajoor Wali Building, Chandni Chowk, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of in-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Weslth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
32—6 GI/81

(1) Shri Mahabir Prasad Jaipuria, Churitable Trust, 52, Janpath, New Delhi.

(Transferor)

Shri Jagan Lal Jain
 S/o Shri Hargulul Jain,
 Shri Purshoram Kumar Jain,
 Jagan Lal Jain,
 In Moral Market
 Jagan Lal Jain,
 John Market
 John Market
 John

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Private No. 17 (Portion of shop No. 17), Khajoor Wali Building, Chandni Chowk, Delhi, measuring area 16.78 sq. metres municipal No. 1664, behind private No. 12.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 16-3-1981

Soal;

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 17th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/7-80/3606.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. J-4/21, situated at Rejouri Garden, New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Asa Singh s/o Shri Suchet Singh R/o C/616, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferor)

 (g) 1. Shri Prahlad Singh s/o Shri Sarup Singh R/o J-4/21, Rajouri Garden, New Delhi.
 A. Smt. Dalip Kaur, w/o Shri Prahlad Singh,

r/o as above.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. J-4/21, Rajouri Garden, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-11, New Delhi.

Date: 17-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 17th March 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/7-80/3612.--Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a sair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-1/9, situated at Janak Puri, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Capt. M. L. Budhwar (Retd.), 8/0 Shri B. L. Budhwar, r/0 14-Poormi Marg, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Y. W. Kashyap, s/o Late Shri Mool Raj R/o 3-1/9, Janak Puri, New Delbi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acc, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. C-1/9, Janak Puri, New Delhi (351 sq. meter)

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, New Delhi

Date: 17-3-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 17th March 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/7-80/6711.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. A-1/2 situated at Rana Partap Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Kaushalya Devi w/o Late Shri Kundal Lal r/o A-193, Gujranwala Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Indra Devi w/o Shri Hukam Chand Gupta and Smt. Promila Gupta w/o Shri Suresh Chandra Gupta, r/o A-1/2, Rana Partap Bagh, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. A-1/2, Rana Partap Bagh, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, New Delhi.

Date: 17-3-1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 7th March 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/7-80/6209—Whereas, I, R.B.L. Aggarwal

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'seid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ra. 25,000/- and bearing No. 1632-33, situated at Kucha Jatmal Dariba Kalan, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 M/s. Siri Ram Hari Ram Jewellers, 1658, Dariba Kalan, Delhi. Partner of J. P. Gupta.

(Transferor)

(2) Shri Banwari Lal s/o Shri Jaggu Mal r/o 1170, Chatta Madan Gopal, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 1682-83, Kucha Jatmal Dariba Kalan, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 17-3-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Rabinder Nath Gupta s/o Shri Kishan Chand Gupta r/o D-15, Model Town, Delhi.

(Transferor)

 Shri Pran Nath s/o Shri Kirpa Ram, C-141, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 17th March 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-Π/S. R.-Π/7-80/3599.—Whereas, I. R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

10 on Rd. No. 12 situated at Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/4th Portion of plot bearing No. 10 on Road No. 13 situated in Punjabi Bagh, Delhi measuring 561 66 sq. yd.

R. B. L. AGGARWAL Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 17-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/7-80/6740.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 40, Block-A, situated at Wazirpur, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which in less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 169C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sukh Ram Dass Saluja s/o Shri Lachhman Das, r/o R-850, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Girish Kukreja & Others r/o C-118, Ashok Vihar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

9/10 share in Plot No. 40 Block A in the layout plan of Wazirpur Industrial Area, alongwith boundary wall, area of Village Wazirpur, Delhi.

R.B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Dethi

Date: 16-3-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 17th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/7-80/6742.—Whereas, I. R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-38 situated at Residential Colony, Rajouri Garden, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Rajinder Singh & Others.
 r/o F-125, Rajouri Garden,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Bimla Kumari w/o Shri Ganga Bishan and others, r/o E-38, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot/house built upon Plot No. E-38, situated in the residential Colony known as Rajouri Garden, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 17-3-1981

PORM TINS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 17th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/7-80/6753.— Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing:

No. Oberoi Cottage No. 6 situated at Oberoi Apartments, 2, Sham Nath Marg, Delhi-110054

more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (46 of 1908) in the office of the Registrating Officer

at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreet to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discilled by the transferre for the purposes of the Indian Income tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

33---6GI/81

 The East India Hotels Ltd., Registered Office—4 Mangoe Lane, Calcutta.

(Transferor)

(2) Mr. Krishan Lal Grover,Oberoi Cottage No. 6, Oberoi Apartments,2, Sham Nath Marg, Delfa-170034.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atterment persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of stotice on the respective persons winchover period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Cottage No. 6-Oberol Apartment, 2 Sham Nath Marg, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, New Delhi

Date: 1743-1981-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 17th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/7-80/6768,—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-11/8, situated at Model Town, Delhi. .

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Harbans Lal Sethi s/o Shri Gurditta Mal Sethi r/o 5/24, West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri V. K. Chaudhary s/o Shri S. K. Choudhary and Kumarl Darshan Dhingra d/o Shri Jiwan Dass Dhingra r/o D-11/8, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. D-11/8, Model Town, Delhi with the land measuring 282 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, New Delhl

Date: 17-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 17th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq. II/S. R.-II/7-80/6746.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 12, Block CA, situated at Model Town, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), was been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Vinod Motor Pvt. Ltd., 16, Ring Road, P. P. Estate, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmala Kumari, w/o Madan Gopal Vij, 74, Jeganti Nagar, Sundhi Colony, Indor (M. P.).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 12, Block C.A., Model Town, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 17-3-1981

BORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Sita Wanti Bali w/o Shri Ram Lal Bali, r/o 37/22, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kanibiya Lal Mehra s/o Shri Nanak Chand r/o 39/21, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 17th March 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-11/S. R.-II/7-80/3608.-- Whereas, J, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

22 Block J-4, situated at Rajouri Garden, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration flueration by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the asoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this horice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1-storey house No. 22, Block J-4, measuring 172 sq. yd. Rajouri Garden, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 17-3-1981

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

Now Delhi, the 17th March 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/7-80/6706.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C-33, situated at Rajouri Garden, New Delhi

(and more fully, described in the Schedule ennexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the coffice of the Registering Officer

at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any succeeds or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under, subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Niranjan Kumar s/o Shri Gulab Ajwani & others, r/o D-6/3, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Navmala Construction at J-164 Rajouri Garden, New Delhi through its partners.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (lb) by any other person interested in the said immsovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guestte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Plot No. C-33, mg. 1030 sq. yd. situated at Rajouri Garden, New Delhi area of Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 17-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI New Delhi, the 17th March 1981

Ref. No. I. A. C/Acq II/S. R.-I/7-80/6716.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 16-A, Block L, situated at Rajouri Garden, area of Vill. Bassai Darapur, Delhi, State Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ilability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sitaram V. Kanitkar s/o Shri Vithal G. Kanitkar and Smt. Prajakta Kanitkar w/o Shri Sitaram Kanitkar, S-49, Rajouri Garden, New Delhi

(Transferor)

(2) Shri S. Kirpal Singh Chawla s/o Shri Partap Singh and Smt. Surinder Kaur Chawla, w/o S. Tehal Singh, New Delhi.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the scrieve of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on Plot No. 16-A, Block L, mg. 568 6 sq. yd. at Rajouri Garden, area of Village Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 17-3-1981

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 17th March 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/7-80/3552,—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at Village Nangloi Jat Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Nand Lal Gancriwala s/o Rai Sahib Seth Ram Datt r/o Sarsa Hissar, Punjab.

(Transferor)*

(2) Shri Jagdish Pershad & Ram Babu and others, r/o Haryana Dall Mill, Nangloi, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 3 bighas 1 biswas Village Nangloi Jat Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 17-3-1981

PORM PINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX ACT, 1961 (43 OF 196#)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 17th March 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/7-80/3574.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No: Plot No. 75 Block situated

at Rajouri Garden, area of Village Tatarpur Delhi No. J-5 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not back truly stated in the said instrument of transfer with the objects of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1.1 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in: pursuance of Section 269°C of the said Ast. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Smt. Bimla Rani w/o Shri Ved Parkash r/o B-2/91, Janakpuri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Banarsi Lal s/o L. Karam Chand & Smt. Pushpa Devi w/o Shri Banarsi Lal r/o G-21/1-A, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transféret)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afarmand persons within a period of 45 days from the data of publication of this notice; in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on Plot No. 75, Block J-5, mg, 160 sq. yd. at Rajouri Garden area of Village Tätarpur, Delffi State, Delffi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 1743-1981-

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI New Delhi, the 17th March 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/7-80/6776.—Whereas, J. R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 21, Block 39, situated at Shakti Nagar, Delhi-7 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
34—6GI/81

(1) Shri Kanaya Lal Mehra s/o Shri Nanak Chand Mehra r/o 12504 Shakti Nagar, Delhi-7

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Kumar s/o Shri Rajinder Prasad Aggarwal, 2/57, Roop Nagar, Delhi-7.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property on Plot No. 21, Block No. 39, Municipal No. 12504, Shakti Nagar, Delhi-7.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date: 17-3-1981

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI New Delhi, the 17th March, 1981

Ref. No. 1. A. C./Acq.-II/S. R.-I/7-80/6700.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. Plot No. 246 situated at Raja Garden area of Village Bassai Darapur Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registration Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any inome arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sant. Nithan Cupta
w/o Shri Kishore Lal Gupta,
r/o 246, Raja Garden,
Now Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Surjit Kaur w/o S. Narinder Bir Singh, r/o DE/75, Tagore Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Crazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on Plot No. 246, mg. 166 · 2/3 sq. yd. situated at Raja Garden area of Village Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 17-3-1981

: Seal

FORM HINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(4) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 17th March, 1981

Ref. No. 1. A. C./Acq.-II/S. R.-I/7-80/6738.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. 7-E/12, situated at East Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Poshen, Lal Kher
 Shri Late Nathamal Kher,
 26/16, Old Rajinder Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jai Prakash Gupta s/o Late Shri Om Parkash r/o 7-E/12, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THEISCHEDULE

House No. 7-E/12, measuring 200 sq. yds. (double storey) situated at East Patel Nagar, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, New Delhi

Date: 17-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA-16

> ACQUISITION RANGE, NEW DELHI New Delhi, the 17th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/7-80/3575.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. Z/3-A, situated at Rajouri Garden, Vill. Tatarpur, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed harato, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Surinder Singh
 - Shri Gurcharan Singh
 Sho Shri Attar Singh
 r/o Z/3-A, Rajour i Garden, New Delhi.
 - 3. Smt. Harbans Kaur w/o Shri Pritam Singh

(Transferor)

(2) 1. Shri Kamal M. Fabiani
 s/o Shri Moti Ram
 2. Smt. Rajni Motiram
 w/o Shri Moti Ram

r/o J-12/6, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. Z-3-A measuring 526 sq. yd. situated in the Colony known as Rajouri Garden, Vill. Tatarpur, New Delhi one hall portion.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date: 17-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 17th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/7-80/6734.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 13, Rd. No. 9 situated at Punjabi Bagh, area of Village Bassai Darapur, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Smt. Phool Wati w/o Shri Ram Narain r/o Vill. Jesawar, Kheri District Rohtak. (Haryana).

(Transferor)

(2) Shri Onkar Chand Jain s/o Shri Mehtab Rai Jain, Ved Parkash Jain, Vijay Kumar Jain and Dharam Pal Jair. ss/o Shri Onkar Chand Jain r/o 18/26, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on Plot No. 13, Road No. 9, Class D, mg. 271-33 sq. yd. at Punjabi Bagh, area of Village Bassai Darapur, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Dqte: 17-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER ACQUISITION RANGE, NEW DELEMI

New Delhi, the 18th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/7-80/6703,---Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. XIII/1381-1382 situated at Faiz Ganj, Bahadur Garh Road Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 949C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sgnt., Redha Bai, Gansham Dass and Sewa Ram r/o 362 Sadar Bazar, Delhi-110006.

(Transferor)

(2) Shri Manick Chand, Deep Chand, Shanti Lal and Mohan Lal r/o H. No. XII/1381-1382 Faiz Ganj, Bahadur Garh Road, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. XIII/1381-1382, area approximately 135 sq. yds. situated at Faiz Ganj, Bahadur Gath Road, Delhi,

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 18-3-1981

FORM. ITNS,...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI New Deihi, the 18th March 1981

Ref. NoI I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/7-80/3576.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Qr. No. 2 Block 4-A situated at Tilak Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Indian Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on July, 1980

at New Delhi on July, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aferenced property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (14 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1). Ship Shipy Shipper: Mehta s/o Shri Tarlok Chand Mehta r/o J-11/69-A, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Bhupinder Kaur w/o Shri Amarjit Singh Jaggi, Qr. No. 4-A/2; Tilak Nagar, New Delhi-110018.

(Transferee)

Objections, if any, to the agquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Qr. No. 2, Block 4-A, situated in Tilak Nagar, New Delhi Area (200 sq. yd.).

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 18-3-1981

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 17th March 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/7-80/7618.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Halambi Khurd, Delhi State, Delhi

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi, on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaut property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrì Balwant Singh

a/o Shrì Mam Chand

r/o Village & P. O. Halambi Khurd,

Delhi State, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Lal s/o Shri Ram Lal r/o C/o Ratna Jwellers, 2704/16, Ajmal Khan Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 16 bighas and 15 biswas entered in Rect. No. 26 Killa No. 15/1 (4-5), Killa No. 5/1/2 (0-17), Killa No. 6/1 (3-17), Killa No. 14/1 (3-15), Rect. No. 26, Killa No. 10/2 (0-19), Killa No. 11/1 (3-1) situated in the Area of Vill. Halambi Khurd, Delhi State, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date: 17-3-1981

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TEX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI New Delhl, the 17th March 1981

Ref. No. I. A. C./Acg.-II/S. R.-II/3596/7-80.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7/12 situated at Tilak Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
35—6GI/81

 Shri Kishore Nath Anand s/o Shri Ramji Mal Anand r/o 7/12, Tilak Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Parkash Dev Singh s/o Sunder Sohan Singh r/o D-44, Fatch Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the days from the service of notice on the respective Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Quarter No. 7/12, Tilak Nagar, New Delhi built on land measuring 200 sq. yd.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 17-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 17th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/7-80/3564.—Whereas, I, R. E. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

B. L.-70 situated at 'L' Block, Hari Nagar, New Delhi (thid more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri M. M. L. Kapur s/o Shri Kundan Lal Kapur and Smt. Kamla Kapoor r/o J-38, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

Shri Ved Parkash and Shri Sat Narain Ss/o Shri Hari Ram r/o B-118, D. S. Qur. Motia Khan, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the arcresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 dilys from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. BL-70, situated at 'L' Block, Hari Nagar, New Delhi measuring 223-88 sq. yd.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, New Delhi.

Date: 17-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 17th March, 19-1

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-IJ/7-80/3551.—Whereas, I. R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

A/47, situated at New Multan Nagar, New Rohtak Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Harnam Singh Pahwa s/o Shri Bhag Singh Pahwa r/o 11270, Dori Walan, New Rohtak Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Parduman Kumar s/o Shri Mehar Chand, r/o H-811, Naraina Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improperate able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used have a are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A/47, New Multan Nagar, New Rohtek Road, New Delhi (Khasra No. 4/18).

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date: 17-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

Now Delhi, the 17th March 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/7-80/3558.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 2, Road No. 55 situated at Punjabi Bagh, area of Village Madipur, Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Shri Yograj Bali
 s/o Dr. Ganda Mal Bali,
 No. 19, Sector 11-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Ajit Kumar Gupta, S/o Shri V. R. Gupta and Smt. Uma Devi Gupta w/o Shri R. K. Gupta, r/o B-15, Lawrance Road, Delhi,

(Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Plot No. 2, on Road No. 55, mg. 660 64 sq. yd. at Punjabi Bagh, area of Village Madipur Dolhi State, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, New Delhi

Date: 17-3-1981

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Montgomery Co-op. Goods Transport Society Ltd., Roshan Ara Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Chaman Lal s/o Shri Panna Lal Jain and Others, r/o 132, Vir Nagar Colony, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th March 1981

Rcf. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/7-80/---Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 17, B-4, situated at Rana Partap Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto,) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 17, B-4, situated approved Residential Colony, known as Rana Partap Bagh, Delhi (420 3 sq. yds.).

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-3-1981

FORM TINE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Mahavir Prasad Jaipuria, Charitable Trust,
 Janpath, New Delhi.

(Transfenor)

(2) Smt. Nirmala Khanna w/o Shri Ram Parkash Khanna, r/o H. No. A-2/27, Krishna Nagar, Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th March 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-1/7-80/6723.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

the ing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

18 situated at Khajoor Wali Building, Chandri Chowk, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Private No. 18, Khajoor Wali Building Chandni Chowk, Delhi measuring area 16, 78 sq. metres. Municipal No. 1663, behind private No. 13.

> R. B. L. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 16-3-1981

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th March 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-11/S. R.-1/7-80/6724.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing '

No. Shop No. 10 to 13 situated at Khajoor Wali Building, Opp. State Bank of India, C. C., Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the conceaiment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Champa Devi Jaipuria w/o Shri C. L. Jaipuria r/o 8, Prithvi Raj Road, New Delhi through her attorney Shri K. Jaipuria s/o Shri C. L. Jaipuria.

(Transferor)

(2) Shri Vinod Kumar Kochar s/o Late Shri Durga Dass Kochar r/o 4, Mangal Building, Bhagirath Palace, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 10 to 13 (Private) measuring 89 06 sq. yd. situated at Khajoor Wali Building, Opp. State Bank of India, Chandni Chowk, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, New Delhi

Date: 16-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th March 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-1I/S. R.-1/7-80/67115—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereInafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

1 situated at Old Rohtak Road, near Kishan Ganj Railway Station, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Smt. Sunder Devi Jain w/o Parmodh Chand Jain r/o D-4, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kankesh Kumar Jain & Rakesh Kumar Jain ss/o Shri Jugal Kishore Jain r/o 1242/2, Jain Bhawan, Rang Malah, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 portion of property No. 1, measuring 803 sq. yd No. 471-472, Khewat No. 197, Khata No. 238, Ol Rohtak Road, near Kishanganj Railway Station, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 16-3-1981

FORM NO. LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,-II NEW DELHI

New Delhi, the 16th March, 1981

Ref. No. 1. A. C./Acq.-II/S. R.-I/7-80/6757.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 9-F, situated at Kamla Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

36-6 GI/81

(1) Shri Ved Prakam Dowan s/o Shri Dowan Badri Nath r/o F/9, Kamla Nagar, Delhi now at K-2/10 Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Indra Rani w/o Shri P. R. Gupta, τ/o 126-E, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat private No. 5 on F. F. property No. 9, Block-F, Municipal No. 6195, ward No. XII, Kamla Nagar, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date: 16-3-1981

FORM LT.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II NEW DELHI

New Delhi, the 16th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/7-80/6772.--Whereas, I. R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

77-F, situated at Kamla Nagar, Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Naresh Kumar s/o Shri Sunder Lal attorney of Shri Sunder Lal r/o 77-F, Kamla Nagar. Delhi.

(Transferor)

Shri Anil Kapoor
 Shri Balwant Rai Kapoor
 r/o 77-F, Kamla Nagar,
 Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd undivided share in building bearing Municipal No. 6259 built on Plot No. 77-F, Kamla Nagar, Delhi area of the land underneath measuring 166.7 sq. yd.

R. B. L. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, New Delhi.

Date: 16-3-1981

PORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 16th March, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/7-80/6775,---Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authoity under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 11 Block-A situated at Adarsh Nagar, Village Bharoula Delhi (Unbuilt)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the convealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gulshan Kumar Wadhwa s/o Shri Krishan Lal r/o 6672 Kothi Mem Bara Hindu Rao, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Balkishan Aggarwal s/o Shri Gopi Ram Aggarwal and Smt. Om Pati Aggarwal w/o Shri Hari Kishen Aggerwal r/o B-12 Mahatma Gandhi Road, Adarsh Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land No. 11 Block A measuring 226 sq. yd. in Adarsh Nagar Village Bharoula Delhi (Unbuilt).

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 16-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th March 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/7-80/6760.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. D-6/18 situated at Rana Partap Bagh, Subzimandi, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby, initiate proceedings for the administion of the aforganic property by the issue, of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Sunil Kumar Manchanda s/o Shri Krhhan Lal Manchanda r/o D-6/18, Rana Partap Bagh, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferor)

 M/s. Rajindra Electronics, Roshanara Road, Subzi Mandi, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined is Chapter XXA of the said Aqt. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed House bearing No. D-6/18, situated in Rana Partap Bagh, Subzi Mandi, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, New Delhi

Date: 16-3-1981

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITIOH RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 17th March 1981

Ref. No. 1 A C/Acq.-II/S. IR.-I/7-80/6731.—Whereas, I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

E-38, situated at Residential Colony, Rajouri Garden, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ac., I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rajinder Singh and others, r/o No. F-16, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Bimla Kumari w/o Ganga Bishan and others r/o E-38, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential house built upon Plot No. E-38, built upon a plot of land measuring 1200 sq. yd, situated in Resi. Colony, Rajouri Garden, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date: 17-3-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 12th March, 1981

Ref. No. III-465/Acq./80-81.—Whereas, I, H. N ARAIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Khasra No. 1142, Khata No. 62, Touzi No. 14-50, Thana No. 4 situated at Durja, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Patna on 7-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Dilip Kumar
 S/o Late Harideep Singh
 r/o Village Baudh Majhauna, P. S. Koelwar,
 District Bhojpur.

(Transferor)

(2) Shri Harihar Prasad S/o Late Shri Jagdambi Sahay R/o Village Shekhpura , P. O./District Vaishali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Homestead land measuring 2 Kathas 10 dhurs situated at Durja, P. S. Kotwali, District, Patna more fully described in deed No. 3136 dated 7-7-1980 registered with the D.S.R., Patna.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 12-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 12th March, 1981

Ref. No. III/466/Acq./80-81.—Whereas, I, H. NARAIN being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Touzi No. 5225, Thana No. 4, Khata No. 26, Plot No. 864 and 865, Ward No. 33, Circle No. 245 situated at Dujra, Patna. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Patna, on 17-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) 1. Smt. Saroj Devi
 W/o Shri Nath Prasad,
 R/o Village Pohati Bela, District Darbhanga.
 2. Smt. Shila Devi
 W/o Shri Gautam Singh
 R/o Chitranjan, District Burdwan.
 Both daughters of Shri Suraj Bihari Yadav
 R/o Mohalla Bakerganj, Patna.
- (2) Shri Ram Nath Prasad Yadav, S/o Late Bankey Bihari Rai Village and P. O. Kothia, P. S. Garkha, District Saran.

(Transferee)

(Transferor

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 5 Kathas 2 Dhurs with boundary wall at Durja P. S. Budha Colony, District Patna more fully described in deed No. 5491 dated 17-7-1980 registered with the D.S.R. Patna.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 12-3-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 11th March, 1981

Ref. No. III-467/Acq./80-81.—Whereas, I, H. NARAIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing.

No. Touzi No. 18224, Khata No. 38, Khesra No. 907 situated at Rajapur Hassan, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Patna on 18-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Raj Rajeshwari Prasad Sinha S/o Ramta Prasad Verma r/o Dehri-On-Sone, Neel Kothi, P. O. Dehri-on-Sone, District Rohtas.

(Transferor)

(2) Smt. Gayatri W/o Shri Arun Kumar r/o Chandmari Road, Nauratanpur, P. O. Kankarbagh, Patna.

(Trsansferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this fictive in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 Kathas 16 Dhurs situated at Mojuja Rajpur Hassan, Patna, P. S. Kotwali more fully described in deed No. 5537 dated 18-7-1980 registered with the D.S.R., Patna.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 11-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 14th January 1981

Ref. No. I.A.C. Acq./159/80-81.—Whereas, I, A. M. KHER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

House No. 91/2, N. P. No. 20, Sheet No. 20-A, C. No. 19-A, Ward No. 4, situated at Abhyankar Road, Dhantoll, Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Nagpur on 30th July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

37-6 GI/81

 Shri M. Bhaskarrao Niyogi, Opp. Dhantoli Post Office, Abhyankar Road, Dhantoli, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri A. M. Ogiral, Opp. Dhantoli Post Office, Abhyankar Road, Dhantoli, Nagpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 91/2, N. P. No. 20, Sheet No. 20-A, C. No. 19-A, Ward No. 4, Abhyankar Road, Dhantoli, Nagpur,

A. M. KHER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date: 14-1-1981

Seal ;

FORM LT.N.S.

NOTION UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s. Hans Cotton Pvt. Ltd., Bombay.

(Transferor)

(2) M/s. Manikchand Kapoorchand, Sancheti, Akola Bazar, Khamgaon, District Buldhana.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMAS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagnur, the 14th January 1981

F. No. I.A.C. Acq./160/80-81.—Whereas, I. A. M. KHER theing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Sharwey No. 588, 587, 6.81 Acres land, situated at Katol (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 28-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than latera per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to beween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which quant to be disclosed by the transferse tor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to be acquisitions of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6.81 Acres land bearing Survey No. 585 and 587, with building thereon situated at Katol.

A. M. KHER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur

Date: 14-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 14th January 1981

F. No. I.A.C./Acq./161/80-81.—Whereas I, A. M. KHER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 23-A of Shri Saibaba Co-op. Housing Society's layout Survey No. 3/5, situated Janta College, Chandrapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandrapur on 31-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Purshottam S/o Govindrao Mulukwar, Jalnagar, Chandrapur (M.S.)

(Transferor)

(2) Shri Vithalr ao Narayanrao Buradkar, Balaji Ward, Chandrapur (M.S.).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be state in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said interested able property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Concept.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Actishall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 23-A, Survey No. 3/5, situated in Shri Salbaba Cooperative Society's Layout, Nagpur Road, Near Janata College, Chandrapur (M.S.).

A. M. KHER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range, Nagone:

Date: 14-1-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 14th January 1981

F. No. I.A.C./Acq./162/80-81.—Whereas I, A. M. KHER, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

House No. 420, Ward No. 43, situated on Railway Godown Road, Near Jaistemb, Rallis Plot, Amravati

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amravati, on 21-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rameshchandra Maganlal Gaglani, resident of Tajnapeth, Amravati.

(Transferor)

(2) Smt. Lilawatibai Rameshkumar Agarwal, Smt. Pushpabati Subhashkumar Agarwal, both resident of Tajnepeth, Amrayati.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 420, Ward No. 43, situated on Rallway Godown Road, Near Jaistamb, Rallis Plot, Amravati.

A. M. KHER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date: 14-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 14th January 1981

F. No. I.A.C./Acq./163/80-81.—Whereas I, A. M. KHER, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

House No. 110, Ward No. 43 situated at Jawahar Gate, Amravati (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amravati on 9-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Vishnuprasad Chhakkilal Kharaiya, Sakkar Sath, Amravati.

(Transferor)

 Smt. Suganibal Kimatral Israni, Mondha Market Kanwar Nagar, Amrayati.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 110, Ward No. 43, Near Jawahar Gate, Amravati.

A. M. KHER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Nagpur,

Dato: 14-1-1981

FORM FINS

 Shri Ratansi Katsan Patel, r/o Bagadganj, Nagpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Narsi Jivraj Patel, Smt. Jamnaben Jivraj Patel, r/o Bagadganj, Nagpur.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 14th January 1981

F. No. I.A.C./Acq./164/80-81.—Whereas, I. A. M. KHER, beingt the Computern Authority under Section 2698 of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

50% undivided share in property bearing Municipal House No. 1154, N.I.T. Plot No. 258, Ward No. 23, situated in New Bagadgani. Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 10-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excesses the apparent consideration therefor by more than fifteent per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the soquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

50% undivided share in the property bearing Municipal House No. 1144, Ward No. 23, N. I. T. Plot No. 258, situated at New Bagadgani, Nagpur.

A. M. KHER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date: 14-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 14th January 1981

F. No. I.A.C./Acq./165/80-81.—Whereas I, A. M. KHER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 111, Survey No. 27, C.T.S. No. 451, Shivaji Nagar, Ward No. 72, situated at Shivaji Nagar, Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 4-7-2989

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under ambsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri V. Y. Kekre, M-68, Darpan Colony, Gwalfor (M. P.).

(Transferor)

Smt. Sushila Bafna,
 Mashruwala Marg,
 Nagpur.

BB(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of .30 days from the service of notice on the respective services, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used forcin to affect defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 111, Survey No. 27, T. T. S. No. 451, situated in Shivaji Nagar, Ward No. 73, Nagpur.

A. M. KHER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Date: 14-1-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 26th December 1980

No. 304/80-81,—Whereas I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. C. T. S. No. 247A (Part) situated at Hospet Road, Sirsi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Sirsi under document number 417/80-81 on 15-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Venkataraman Mahabaleshwar Hegade
 - 2. Shri Mahabaleshwar Vonkataraman Hegade
 - Shri Gopal Venkataraman Hegade.
 R/o Hulgol, Tal. Sirsi.

(Transferor)

(2) Shri B. Ramesh Shetty, S/o Shri Naganna Shetty, R/o Sahyadri Colony, Yellapur Road, Sirsi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 417/80-81 dated 15-7-1980) Land and building bearing C.T.S. No. 247A (Part) (Known as Hotel Ashwini) situated in Hospet Road, Sirsi, District Karwar.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incompetax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 26-12-1980

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 26th December 1980

No. 306/80-81.—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. Chalta No. 20 & 21 (Part) Matriz No. 329 situated at Teleigao, Tq. Tiswadi, District Goa.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ilhas under document number 154/80 on 10-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or pay moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedins for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely:—

38-6G1/80

- (1) 1. Shri Francisco Xavier Sergio Iuls,
 - 2. Smt. Alleluia Blanche Cremina D'silva Luis.
 - 3. Shri Jose Joao Francisco Andre Socorro Luis
 - 4. Master Sebastiao Jose Luis,
 - Miss Celia Maria Goretti Romualdina Luis. R/o Caranzalem, Goa.

(Transferor)

- (2) Carenzalem Beach Resorts Pvt. Ltd., Panaji, Represented by Directors
 - 1. Shri Naranadas Popatalal Kotecha
 - Shri Natwarlal Narandas Kotocha, Panaji.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 154/80 dated 10-7-1980) Open plot measuring 4860 sq. m. bearing chalta No. 20 & 21 (Part) and Matriz No. 329 situated at Teleigao Tq. Tiswad, Distt. Goa.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 26-12-1980

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE Bangalore, the 26th December 1980

No. 307/80-81,-Whereas I, R. THOTHATHRI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereInafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Rev. Office No. 115, situated at Corlim, Tal. Tiswadi, Ilhas, Goa

(and more fully described in the Scheduled annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ilhas under document number 176/80 on 15-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor as more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Fabrica da Igreja de Corlim, Ilhas, through President;
 Shri Rev. Father Jose Joao Romiro Mascarenhas, Attorney Shri Francisco Xavier Estela Teofilo Fernandes Treasurer: Shri Jose Piedade Rodrigues, R/o Corlim, Ilhas, Goa.

(Transferor)

(2) 1. Dr. Maria Edelweiss de sa2. Dr. Bailon Antonio Ehrlich de saR/o Corlim, Ilhas, Goa.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 176/80 dated 15-7-1180)
Open Plot measuring 3543 60 sq. m. knows as "Sam Tigo
Pintado" bearing Revenue Office No. 115 situated at Village
Corlim, Tal. Tiswad, Ilhas, Goa.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore,

Date: 26-12-1980

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 3rd February 1981

No. 315/80-81.—Wheres, 1, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Matriz No. 272, 273 and Plat-B situated at Ward Alto Porvorim, Serlla Village, Socorro, Bardez, Goa

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mapusa under document number 634/Vol. 149 on 2-7-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mr. Antonio Caetano Jose Agostinho Socorro de Souza also knows as Antony Socratex D'Souza.
 - Mrs. Maria Conceicao Palmira De Souza R/o Porvorim, village Socorro, Bardez, Goa. (Transferors)
- (2) 1. Shri Kailash Chander Bajaj
 - 2. Mrs. Shakuntala Kailash Chander Bajaj,
 - 3. Miss. Madhu Bajaj
 - 4. Miss Aarti Bajaj
 - 5. Master Ashok Bajaj

R'o No. 2, Pali Hill, Bandra, Bombay-50.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 634 Vol. 149, dated 2-7-1980)

Open plot measuring 1140 sq. m. (4/5 of whole plot) bearing plot No. B, Matriz No. 272 and 273 situated at Ward Alto Parvorim, Serlia Village, Socorro, Bardez, Goa.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rnge, Bangalore.

Date: 3-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 10th February 1981

C. R. No. 62/27704/80-81/Acq./B.—Whereas, I, R. THO-THATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 102, situated at Shankarmutt Road, Shankarapuram, Bangalore-4,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Basavanagudi Bangalore, Doc. No. 1268 80-81 on 4-7-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Abhinava Vidyateertha Maha Swamigal Sri Sharada Peetham, Sringeri, Rep. by P. A. Holder Sri P. V. Suryanarayana Sarma, Sringeri, Chickmagalur, District.

(Transferor)

(2) Shri A. R. Viswanathan, No. 102, Shankar Park, Shankarapuram, Bangalore-560004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1268 80-81 dated 4-7-1980) Property bearing No. 102, Situated at Shankar Park, Shankarmutt Road, Shankarapuram, Bangalore-4.

Measuring 690.71 Square Meters with a building there on having Garage Ground floor and First floor.

Bounded on ;

North: By Srl B. L. Suboraya Murthy's House.

South: By Bangalore High School
East: By Shankaramutt Road
West: By Sri Sheshadri Iyer's House.

R. THOTHATHRI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 10-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 10th February 1981

C. R. No. 62/27549/80-81/Acq./B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

8, situated at Cunningham Crescent Road, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore, Doc. No. 1113/80-81 on 2-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferer to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. The United Shippers & Dredgers Ltd., 26, II floor, 'Kasturba Marg', New Delhi-110001.

(Transferor)

- 1. M/s. Tiam House Services Ltd., No. 28, "Tiam House", Rajaji Salai, Madras-600001.
 - M/s. New Ambadi Estates Private Limited, "Tiam House", No. 28, Rajaji Salai, Madras-600001.
 - 3. M/s. Ashok Leyland Limited, Ennore, Madras-600057.
 - M/s. Shardlow India Limited, Huzur Gardens, Sembium, Madras-66 and M/s. Bimetal Bearings Limited, Huzur Gardens, Sembium, Madras-11.
 - M/s. Asian Cables Corporation Limited, 'Nirmal' 19th floor, 241/242, Backbay Reclamation, Nariman Point, Bombay-400021.
 - M/s. I. V. P. Limited, Forbes Buildings, Charanjit Rao Marg, Fort, Bombay-400001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1113/80-81 dated 2-7-1980)

Premises bearing No. 8, situated at Cunningham Crescent Road, Division No. 59, Bangalore.

Bounded on: North by Private property.

South by Cunningham Crescent Road.

East by Private property. West by Premises No. 8/A.

R. THOTHATHRI Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 10-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 10th February 1981

C. R. No. 62/27550/80-81/Acq./B.—Whereas, I, R. THO-THATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 8/1 situated at Cunningham Crescent Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Shivajinagar, Bangalore, Doc. No. 1115/80-81 on 2-7-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. The Engineering & Technical Services Ltd., 'Kailash', No. 26, 11nd floor, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-110001.

(Transferor)

- M/s. Tlam House Services Ltd., 'Tiam House', No. 28, Rajaji Salai, Madras-600001.
 - M/s. New Ambadi Estates Private Limited, 'Tiam House', No. 28, Rajaji Salai, Madras-600001.
 - 3. M/s. Ashok Leyland Limited, Ennore, Madras-600057.
 - M/s- Shardlow India Limited, Huzur Gardens, Sembium, Madras-11 and M/s. Bimetal Bearings Limited, Huzur Gardens, Sembium, Madras-600011.
 - M/s. Asian Cables Corporation Limited, 'Nirmal', 19th floor, 241/242, Backbay Reclamation, Nariman Point, Bombay-400021.
 - M/s. I. V. P. Limited, 'Forbes Building', Charanjit Rai Marg, Fort, Bombay-400001.

(Transferoes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1115/80-81 dated 2-7-1980)

Premises bearing No. 8/1 situated at Cunningham Crescent Road, Division No. 59, Bangalore.

Bounded on: North by Private Property

South by Cunningham Crescent Road East by Premises No. 8 and Cunningham Road West by Katcha Road.

R. THOTHATHRI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 10-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 12th February, 1981

C. R. No. 62/28075/80-81/Acq./B.--Whereas, I, R. THO-THATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing >

No. 73, situated at H. B. Samaja Road, Basavanagudi, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi Bangalore, Document No. 2172/80-81 on 27-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of :----

- (b) facilitating the concealment of any income or of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri A. B. Jaya Gowri Prasad, No. 25/3, 8th Main Road, R. B. S Colony, III Block East, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferor)

 Shri P. V. Ravindranath Gupta, No. 19, Upstairs, New High School Road, Visweshwarapuram, Bangalore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2172/80-81, dated 27-8-1980) Premises bearing No. 73, Situated at H. B. Samaja Road, Basavanagudi, Bangalore-4.

Bounded on: North by H. B. Samaja Road,

South by Conservancy.
East by Private property.
West by Private property.

R. THOTHATHRI
Competent Autyority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 12-2-1981

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 12th February, 1981

C. R. No. 62/27775/80-81/Acq./B.—Whereas, I, R. THO-THATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

9/1, 9/2 and 9/3 situated at Old Sewar Lane Bangalore-9 (Corporation Division No. 14)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Gandhinagar, Document No. 1734/80-81 on 29-7-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri V. Srinivas Murthy, 359, I Block, Rajajinagar, Bangalore-10.

(Transferor)

(2) Shri Shabir Ali, 3/4, Lady Curzon Road, Civil Station, Bangalore-9.

(Transferee)

(3) Purchaser.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1734/80-81 dated 29-7-1980)
All that property bearing No. 9/1, 9/2 and 9/3 situated at Old Sawar Lane, Bangalore-9.
(Corporation Division No. 14)

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 26th February, 1981

Ref. C. R. No. 62/27794/80-81/Acq./B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

T. S. No. 565-B, R. S. No. 923-B, and Door No. 17-9-560, situated at Attawar Village, Falnir Ward, Mangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore City, Document No. 516/80-81 on 28-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—
39 -6GI/80

 Miss. Rita Saldanha, D/o Late J. G. X. Saldanha, 'Beaulieu", Vas lane, Mangalore-2.

(Transferor)

(2) Mr. V. M. Pai, S/o M. P. Pai, S. L. Mathias Road, Falnir, Mangalore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 516/80-81 dated 28-7-1980)
All that property hearing T. S. No. 565-B, R. S. No. 923-B, containing a tiled residential Building bearing No. 17-9-560, situated at Attawar Village, Falnir Ward, Mangalore.

Bounded by: On North-T. S. No. 561 On South-Drain

On East—Remaining portion of the same S. No. On West—T. S. No. 565-A.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 26-2-1981

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 23rd February 1981

Ref. No. C. R. 62/27551/80-81/Acq. B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 90-9Z, situated at St. John's Church Road, Civil Station, Bangalore-5

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 or 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivajinagar, Bangalore, Doc. No. 1161/80-81 on 4-7-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this noticed under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Lilly Margaret,
 Mr. R. George,
 both residing at No. 91, St. John's Church Road, Cleveland Town,
 Bangalore-5.

(Transferor)

(2) Sri Jaffer Shareef, No. 20, Cockburn Road, Bangalore-51.

(Transferce)

(3) 1. M. S. Biaze & Co.,

2. Mr. Kannani,

3. Mr. Govindarajulu,

4. Mr. Ekambaram

(Persons(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 1161/80-81 dated 4-7-1980)
Portion of residential premises bearing Nos. 90-91, situated at St. John's Church Road, Civil Station, Division No. 47, Bangalore-5.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 23-2-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, CALCUTTA Calcutta, the 28th January, 1981

Ref. A.C.-67/R-II/Cal./80-81.—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

10/1/2, situated at Jagannath Sarkar Lane, Watganj, District 24-Parganas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S. R. Alipore, on 22-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the asid Act, to the following persons, namely :---

(1) Sri Gopal Das Bajai. 15. Pagya Patty Street. Calcutta.

(Transferor)

(2) Shri Lakshmi Narayan Gupta alias Shaw. 10/1/2, Jagannath Sarkar Lane, P. S. Watganj, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6-Cottahs only at premises No. 10/1/2, Jagannath Sarkar Lane, P. S. Watganj, District 24-Parganas, more particularly discribed as per Deed No. 3607 of 1980.

> K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 28-1-1981

Scal 1

(1) Smt. Medha Ghosh

(Transferor)

(2) Shri Ronen Mukherjee

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 16th February, 1981

Ref. No. 887/Acq.-R-III/80-81.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 70 situated at Broad Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 18-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ty-Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land property being premises at 70, Broad Street, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Date: 16-2-1981

Soal:

(1) Shri Brojendra Nath Dhar

(Transferor)

(2) Sri Anil Kumar Sen

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CALCUTTA

Calcutta, the 10th March, 1981

Ref. No. Sl. 889/Acq. R.-III/80-81.—Whereas, 1, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

11, situated at Crooked Lane, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer . at Calcutta on 9-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Partly one and partly two-storeyed building with land area of 11 Cottahs 12 ch. more or less being premises No. 11 Crooked Lane, Calcutta, registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 4081 dated 9-7-1980.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Date: 10-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Sarosh Dinshaji Jinvala;
Shri Sarosh Dinshaji Jinvala;
C/Ratanji Ferdunji & Sons;
Civil Lines, Broach.
:
(2) Shri Govindbhai F. Mistry:

(1) Shri Sarosh Dinshaji Jinyala; Shri Dinshaji Ferdunji Jinyala;

(Transferor)

Shri Govindbhai F. Mistry;
 Shri Dipakkumar Govindbhai Mistry;
 Shri Falshruti Coop. Housing Society;
 Broach.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 7th March 1981

Ref. No. P. R. No. 1081/Acq-23-11/80-81.—Whereas, I, S. C. SAXENA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 40, Paiki and Plot No. 1, 6, 8, 11, 18, 12 situated at Kanabiyasa. Broach

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EPXLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Kanbivasa, S. No. 40, Plot No. 1, 6, 8, 11, 18, 12, duly registered in the month of July, 1980.

S. C. SAXENA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date 7-3-1981 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 7th March, 1981

Ref. No. P. R. No. 1081/Acq.-23-II/80-81.—Whereas, I, S. C. SAXENA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Nondh No. 2083, Ward No. 6, situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 5-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this netice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Babubhai Mulchand Patel; Varachha Road, Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Savita ben Premjibhai Patel Charkhana Chakla, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property at Nondh No. 2083, Wd. No. 6, Charkhana Chakla, Surat duly registered on 5-7-1980.

S. C. SAXENA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 7-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 7th March, 1981

Ref. No. P. R. No. 1083/Acq.-23/Π/80-81.—Whereas, I, S. C. SAXENA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 25,000/- and bearing

R. S. No. 121/1, village Fulpada, Taluka Choryasi situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 1-7-80/5-7-81 s

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought of be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Welth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 268C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Shri Rambhai Ratanji;
 2. Shri Dhanjibhai Ratanji;
 3. Shri Ratanji Jivanji;
 Village Fulpada,
 Tal. Choryasi,
 Surat.

(Transferor)

(2) Shri Rameshbhai Devjibhai Patel;
 Shri Ravjibhai Naranbhai Patel;
 4, Sadhana Society, Varachha Road,
 Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property bearing R. S. No. 121/1, Village Fulpada, Galuka Choryasi, District Surat duly registered by 1-7-80 and 5-7-1980.

S. C. SAXENA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 7-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad,-380009 the 7th March 1981

Ref. No. P. R. No. 1084/Acq.23-II/80-81.—Whereas, I, S. C. SAXENA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Type A, Block No. 10, Plot No. 13, 14 situated at Udhna Udyognagar, Surat (and

more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Surat on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or oher assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

40—6GI/81

 Sureshchandra Bhulabhai Jirivala; Nareshchandra Bhulabhai Jarivala; Aswinkumar Bhulabhai Jarivala; Minor Mukeshchandra Bharatkumar, C/o M/s. Bhulabhai Nathabhai Jarivala; Ranipura, Main Road, Surat.

(Transferors)

(2) Smt. Hemaben Hemantkumar; Haripura, Masidiya Sheri, Surat

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Udhua Udyognagar, Surat duly registered in July, 1980.

S. C. SAXENA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 7-3-1981

Seal 1

FORM LTINIS.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-IL AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 7th March 1981

Ref. No. R. P. No. 1085/Acq.-23-II/80-81.—Whereas, I, S. C. SAXENA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

R. S. No. 19/A/1 (Paiki) Final Plot No. 137B situated at Village Navagam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 30-7-1980

for an apparent consideration which is less than, the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afoersaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the nurroses of the Indian Income fax. Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Windth Jan. Act. 1957 (27 of 1957);

Nove, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Amratbhai Dahyabhai;
 - Shri Dahyabhai Girdharbhai;
 Shri Mohanbhai Girdharbhai;
 - Shri Monanonai Girdharonai
 Shri Bansibhai Mohanbhai;

Matavadi, Varachha Road, Surat.

(Transferors)

- (2) 1. Shri Harshadbhai Babubhai Jarivala;
 - Shri Kakubhai Mavjibhai Patol;
 Shri Babubhai Rqvjibhai Patol;
 - Shri Babubhai Rqvjibhai Patel;
 Clo Mahakali Diamond Weight Centre,
 Varachha Road,
 Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said summovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The-land bearing R. S. No. 19/A/1 (Paiki) Final Plot No. 137-B, Village Navagram duly registered on 30-7-1980 vide No 4620, 4621, 4622 and 4623.

S. C. SAXENA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 7-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 9th March, 1981

Ref. No. P. R. No. 1087/Acq.-23-II/80-81,—Whereas, I, S. C. SAXENA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Survey No. 175 (Part), situated at Jetalpur, Baroda

(and more fully described in the Schedule armeted hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda in July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Narendra Desaibhai Patel; Kothi Pole, Baroda.
- (Transferor)
- Yogesh Zinabhai Desai; Shantiniketan Society, Baroda.
 - Shobha Yogesh Desai;
 Shantiniketan Society,
 Baroda.
 - Jyoti Ashok Mehta and Ashok N. Mehta, Walii Walii, Baroda.
 - 4. Kalpana Vithaibhai Choksi;
 - 5. Seema Subhas Mehta:
 - 6. Pratima Narayandas;
 - 7. Haresh Fulabhai Amin;
 - 8. Geeta N. Mehta and Cheri Amit Mehta;
 - 9. Lalitaben Desaibhai Patel.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective perions, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 175 (Part) at Jetalpur area of Baroda City and as fully described as per sale-d-ed No. 4595 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda in the month of July, 1980.

S. C. SAXENA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 9-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 9th March, 1981

Ref. No. P. R. No. 1088/Acq.-23-II/80-81.—Whereas, I, S. C. SAXENA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25-000/- and bearing No.

Survey No. 112 (Paiki), situated at Pratapnagar Village, Savli Taluka

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Savli on 9-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Patel Rajnikant Nanabhai;
- (2) Patel Rameshbhal Nanabhal;
 Pratappura,
 Savli Taluka;
 Baroda District.

(Transferor)

- (2) 1. Patel Nanubhai Laldas;
 - Patel Kantibhai Maganbhai;
 Pratappura,
 Savli Taluka,
 Baroda District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing S. No. 112 (Part) situated at village Pratapnagar on Savli Taluka and as fully described as per sale deed No. 433 registered in the office of the Sub-Registrar, Savli on 8-7-1980.

S. C. SAXENA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 9-3-1981

Senl:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 7th March 1981

Ref. No. P. R. No. 1089/Acq.-23-II/80-81,—Whereas, I, S. C. SAXENA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Athwa C. S. No. 2561—land situated at Athwa, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at

Surat on 10-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Arvind Lallubhai Shah; Suvidha Apartment, Timaliavad, Nanpura, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Abhay Vadilal Shah; Kajimedan, Gopipura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Athwa C. S. No. 2561, duly registered on 10-7-80.

S. C. SAXENA,
(Competent Authority),
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date: 7-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 9th March 1981

Ref. No. P. R. No. 1090/Acq.-23-II/80-81.—Whereas, I, S. C. SAXENA

being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Nondh No. 2035, Bhojabhai Sheri, situated at Mahidharpura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Surat on 19-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922. (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(Transferor)

(2) Shri Bhupatbhai Shamjibhai Patel; Rampura, Main Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Mahidharpura, Bhojabhai Sheri, Ward No. 6, Nondh No. 2035 duly registered at Surat.

S. C. SAXENA)
(Competent Authority),
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 9-3-1981

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 12th March, 1981

Ref. No. P. R. No. 1094 Acq, 23-11/80 81--Whereas, I, MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and, bearing

No. S. No. 114, Plot No. 32A of Srcenagar Society situated at Baroda City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 1-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair more value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sureshkumar Ramsharan;
 32-B, Anandnagar,
 Jetalpur Road,
 Baroda.

(Transferor)

(2) Smt. Tarlikaben Kiritbhai Gandhi; 32-A, Sreenagar Society, Near Urmi Colony, Baroda,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and 2 storeyed building thereon bearing Plot No. 32-A of Scenagar Society and as fully described as per sale-deed bearing registration No. 3821 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda on 1-7-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad,

Date: 12-3-1981

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, AHMEDABAD Ahmedabad, the 12th March 1981

Ref. No. P. R. No. 1093/Acq.-23-II/80-81.—Whereas, I, MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 280, Village Udhna situated at Udhna, Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 11-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motion under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Jayantilal Maganlal Desai;
 Patel Falia, Udhna, Taluka Choryasi,
 District Surat.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Ramanlal Maganlal Desai; Postal Society Road, Udhna.
 - Shri Thakorbhai Nanubhai Masuria; Udhna Main Road, Udhna.
 - Shri Ranchhoddas Babaldas Patel;
 Patel Colony,
 Udhna.
 C/o Gayatri Coop. Housing Society,
 Udhna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used hereix as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 280, 281 situated at Udhna, duly registered on 11-7-1980.

MANGI LAL

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad,

Date: 12-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th March 1981

Ref. No. P.R. No. 1326 Acq. 23-I/80-81—Whereas, I S. C. SAXENA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

and bearing TPS. No. 4—F.P. No. 102, Sub-Plot No. 3-5 situated at Opp. L.G. Hospital, Maninagar, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ahmedabad on 15-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—41—6GI/81

Shri Rajendrakumar Ramniklal;
 Bhaj Govind's Khadki, Sarangpur,
 Ahmedabad.

Transferor(s)

(2) Dilip Apartments Coop. Housing Society Ltd. (Proposed), through promoters: Smt. Ramaben Manubhai Patel, 4-C, Audichanagar Apartments, Near Old Pilot Dairy; Kankaria, Ahmedabad-8.

Transferec(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 815 sq. yds. with plinth level constructin bearing T.P.S. 4—F. P. No. 102, sub-plot No. 3-5, situated Opp. L.G. Hospital, Maninagar, Almedabad duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 10370/-15-7-80 i.e. property as fully described therein.

S.C. SAXENA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 9th March, 1981.

Sea:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th March 1981

Ref. No. P.R. No. 1327 Acq. 23-1/80-81, --Whereas, U.S. C. SAXENA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

XXF. P. No. 187-2 Paiki Sub-Plot No. 7 situated at Ship No. 7, National Chambers, Ashram Road, Ahmedabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Neptune; through partners: Shri Jaswantlal Popatlal Shah; Ahmedabad.

(Transferor (s)

(2) Shri Jayantilal Prabhudas Zaveri; Karta of H.U.F. Shri Jayantilal Prabhudas Zaveri; Khadia, Sevkani Wadi, Ahmedabad.

Transferee (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7 at National Chambers, Ashram Road, Ahmedabad bearing F. P. No. 187-2 paiki Sub-plot No. 7, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 10026/ 9-7-1980 i.e. property as fully described therein.

S.C. SAXENA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 9th March, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th March 1981

Ref. No. P.R. No. 1328 Acq. 23-I/80-81 —Whereas, I S. C. SAXENA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C.S. No. 3605 to 3612 & Sub-Plot No. 2, 3613A & 3620A situated Arab Gally, Nr. State Bank of India, Relief Rd. Patharkuva, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Kanchanben Shantilal Nanavati; "Gunjan", Opp. Niyojannagar, Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Bhagwatiben Luchhaundas Gokalanı; 11, Tilaknagar Society, Wadaj, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 100 sq. mts. bearing C.S. No. 3605 to 3612, 3613A & 3620A Sub-plot No. 2, Kalupur Wd. III, situated at Arabgally, Nr. State Bank of India, Pithhar Kuva, Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 10846-30-7-1980 i.e. property as fully described therein.

S. C. SAXENA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 9th March, 1981

FORM NO. 1.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th March 1981

Ref. No. P. R. No. 1329 Acq. 23-I/80-81.—Whoreas, I S.C. SAXENA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe tha the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. C.S. No. 3605 to 3612 & Sub-plot No. 2, 3613A & 3620A situated at Arab Gally, Nr. State Bank of India, Relief Rd. Pathharkuva, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trasferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trasferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Kanchanben Shantilal Nanawaty; "Gunjan", Opp. Niyojannagar, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Lilabon Mohanlal Patel; A-6, Urmi Apartments, Nr. Parimal Railway Crossing, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land adm. 106 sq. mts. bearing C.S. No. 3605 to 3612 3613A & 3620A sub-plot No. 3, Kalupur Wd. III, situated at Arabgally, Nr. State Bank of India, Pathrkuva, Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide saleded No. 10866/July, 1980 i.e. property as fully described therein.

S.C. SAXENA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 9th March, 1981.

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD Ahmedabad-380 009, the 9th March 1981

SIONER OF INCOME-TAX,

Ref. No. P.R. No. 1330 Acq. 23-1/80-81. --Whereas, 1, S.C. SAXENA,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 2-6-1 Paiki estern side of Narol sim situated at Narol Vatva Road, Ahmedabad.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 14-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Arvindkumar Harjiyandas; Naranpura, Near Jain Derasar, Ahmedabad.

(Transferor)

 Noorjehan Mohadhanif Nagori; Jamalpur, Panchpipli, Sutharwada, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building bearing S. No. 2-6-1 standing on land admeasuring 975 situated at Narol-Vatwa Road, Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad vide sale-deed No. 10323/80 dated 14-7-80 i.e. property as fully described therein.

S. C. SAXENA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 9th March, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th March, 1981

Rcf. No. P.R. No. 1331 Acq. 23-1/80-81—Whereas, I, S. C. SAXENA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F. P. No. 187-2, TP S. 3, Sub-Plot No. 7—6-1 paiki situated at National Chambers Shop No. 16, Ashram Road, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax (1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Harshad Shivabhai Patel; Manina gar Char Rasta, Ahmedabad.

(Transferor)

Smt. Raxminiben Jumrumal Rochwani;
 Smt. Monicaben Arjundas Rochwani;
 both at: 1, Lokmanya Tilak Nagar Society,
 Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 16 of National Chambers, Ashram Road, Ahmedabad—bearing F. P. No. 187-2, T. P. S. 3., Sub-plot No. 7-6-1 palki, duly registered by Registering Officor, Ahmedabad vide sale-deed No. 11812/Juy, 1980 i.e. property as fully described therein.

S. C. SAXENA
Compotent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 9th March, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th March 1981

Ref. No. P.R. 1332 Acq. 23-I/80-81—Whereas, I S. C. SAXENA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. building known as Akbari Manzil situated at

Ramnathpara, Main Road, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Rajkot on 25-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hasmatral Fegunmal; Hathikhana, Rajkot,

Transferor (s)

(2) Raziabai Ibrahimbhai; Ramnathpara, Rajkot.

Transferee (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land 400 sq. yds. known as Aakbari Manzil, situated at Ramnathpara, Main Road, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Registration No. 3714 dated 28-7-80.

S. C. SAXENA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 9th March, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 9th March 1981

Ref. No. P.R. No. 1333 Acq. 23-I/80-81—Whereas, I S.C. SAXENA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. New Jagnath Sheri No. 30, situated at Jagnath Street No. 36, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 28-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Diwaliben Narsibhai; Prahalad Plot, Rajkot.

Transferor (s)

- 1. Patel Ambaram Khimabhai Savasani; Rohishala, Morbi.
 - Patol Mohan Jiwabhai Bhalodiya Khegarada, Taluka Dhrol, Dist. Jamnagar.

Transferce (s)

(3) Arvindbhai N. Mehta; Rajhans Society, (Matruchaya), Raya Road, Rajkot.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A residential building standing on land admeasuring 206-2-0 sq. yds. situated at New Jagnath Street No. 36, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 3616 dated 28-7-80.

S.C. SAXENA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 9th March, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD Ahmedabad-380 009, the 13th March 1981

Ref. No. P.R. No. 1095 Acq. 23-II/80-81—Whoreas, I MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Matar sim Survey No. 1343/1 and 1521/1 situated at Matar, Kaira District.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kaira on 3-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
42—6GI/81

- (1) Shree Arbuda Paper & Board Mills; through: Partners:
 - 1. Manubhai Vallabhji Popat;
 - Mrs. Narmadaben Vallabhji Popat;
 Hill View Flat No. 115,
 Ritz Road, Malabar Hills, Bombay.

Transferor (s)

(2) M/s. Khothawala Industries; Through partner Ishwarlal Nathalal Patel; 3117, Khothawala Estate, Charwad, Dariapur, Ahmedabad.

Transferee (s)

Objections, if any, to the asquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from hte service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EPXLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and constructions thereon, bearing Matar sim S. No. 1393/1, and 1521/1, and as fully described as per sale deed Nos. 943 and 944 registered in the office of Sub-Registrar, Kaira on 3-7-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 13th March, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 12th March 1981

Ref. No. P.R. No. 1334 Acq. 23-I/80-81—Whereas, 1 MANGI LAL

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Lekh No. 125, Plot No. 4 situated at Manhar Plot, Mangla Road, Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 24-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shrimati Savitriben Muljibhai;
 1-B, Napeansoa Road, Bombay.

Transferor (s)

(2) 1. Shri Mahendrakumar Babulal Bagdai;
 2. Shri Jayeshkumar Babulal Bagdai;
 Opp. Kanya Chhatralaya, Rajkot.

Transferco (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Lekh No. 125,—adm. 211-7-126 sq. yrs. situated at Mangala Road, Manhsr Plot, Rajkot, duly registered by Registering Officer, Rajkot, vide sale deed No. 4558/24-7-80 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 12th March, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD Ahmedabad-380 009, the 12th March, 1981

Ref. No. P.R. No. 1335 Acq. 23-I/80-81—Wheras, I MANG1 LAL

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and hearing

No. Building situated at Bhaktinagar Society Street, No. 5, Rajkot.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Raikot on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

therefore, in pursuance of Section 269C of the said hereby initiate proceedings for the acquisition of the property by the issue of this notice under subjection 269D of the said Act, to the following mely:—

(1) Shri Dalsukhbhai Keshavjibhni; Bhaktinagar Society, Rajkot.

Transferor (s)

(2) Shri Maneklal Ambalal Shah; Soni Bazar, Rajot.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential building standing on land adm. 280 sq. yds. situated at Street No. 6, Bhaktinagar Society, Rajkot, duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale-deed No. 2752/July, 1980 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Inxome-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 12th March, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 13th March, 1981

Ref. No. P.R. No. 1336 Acq. 23-1/80-81—Whereas, I, MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. C.D.E.F. PART situated at Shroff Road, Rajkot. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 25-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Kumari Rohini Gopal Masurker;
 Ellis Court, Mogul Lane, Mahim;
 Bombay-400016.

Transferor (s)

(2) Smt. Bharati Navnitbhai Raythatha; 44. Sardar Patel Society, Nehru Road, Near Military Camp, Shanta Cruz (East) Bombay-400029.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land, admeasuring 500 sq. yds. bearing C.D.E.F. Part situated at Shroffvad, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 4584 dated 25-7-1980.

MANGI L
Competent Author
Inspecting Assistant Commissioner of IncomeAcquisition Range-I, Ahmed

Date: 13th March, 1981.

FORM ITNS----

YOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAY, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE IMSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 13th March 1981

Ref. No. P.R. No. 1337 Acq. 23-I/80-81 — Whereas, I MANGI LAL

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A.B.C.D. Part, situated at Shroff Road, Rajkot.

(and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi at Rajkot on 25-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Kumari Rohini Gopal Masurker; Ellis Court, Mogal Lane, Hahim, Bombay-400016.

(Transferor(s)

(2) Shri Jitendra Pranlal Raythatha; 44, Sardar Patel Society, Nehru Road, Near Military Camp, Shantakruze, (East), Bombay-400029.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 500 sq. yds. bearing A.B.C. D. Part, situated at Shroff Road, Rajkot and as fully described in the sale deed registered vide No. 583 dated 25-7-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad-380009.

Date: 13th March, 1981

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 13th March 1981 Ref. No. P.R. No. 1338 Acq. 23-I/80-81—Whereas, I MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

S. No. 386, S. P. No. 3 & 6 Ranip, Dist. Ahmedabad. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1980) in the Office of the Registering Officer, at Ahmedabad on July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percera of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the 'said Act' in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Hargovindas Laxmichand through: Shri Indravadan Amratlal & fithes, Ellisbridge, Ahmedabad.

Tansferor 15

(2) M/s. Punit Sabarmati Co-op. Housing Society Ltd., C/o. Shri Maheshkumar G. Gandhi, No. 46, Sahadri Flats, Opp. Stadium Ahmedabad.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 8710 sq. yds. with plinth bearing S. P. No. 326—S. No. 386 situated at Ranip, Dist. Ahmedabad, duly registered by Registering Officer, Ahmedabad, vide sale-deed No. 5232/July, 1980 i.e. property as fully described therein.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 13th March, 1981.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 10th March 1981

Ref. No. P.R. No. 1091 Acq. 23-II/80-81—Whereas, I S. C. SAXENA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. R.S. No. 73, Majura village situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 15-7-180

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Gangaben Dahyabhai;
 Parvatiben Kanchanlal;
 Sagrampura, Shetrapal,
 Mali Falia, Surat.

Transferor (s)

(2) Shri Manharlal Kashiram;
 C/o. Sweety Coop. Housing Society Ltd.,
 33/1, Plot No. 4,:
 Behind Jail,;
 Khatodara, Surat.

Transferee (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R.S. No. 73, Majura, duly registered at Surat on 15-7-1980.

S. C. SAXENA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Abmedabad.

Da tc: 16 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 10th March 1981

Ref. No. P.R. No. 1092 Acq. 23-II/80-81---Whereas, I S. C. SAXENA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 945/B-2, Athugor Mahollo, Wd. No. 1, situated at Nanpura, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat on 4-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

- (1) Valiben widow of Balabhai Bhanabhai Patel;
 Village Abhava; Taluka: Choryasi, Dist. Surat.
 Transferor (s)
- (2) Smt. Narmadaben Natvarlal Gandhi;Athugara Mahollo,Nanpura, Surat.

Transferee (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

The property at Nondh No. 945-B-2, Athugara Mahollo, Nanpura, Surat duly registered on 4-7-80.

S. C. SAXENA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 10th March, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE ERNAKULAM

Ernakulam, the 10th March 1981

Ref. L.C. 483/80-81—Whereas, I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, haiving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Purakkadi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calicut on 15th July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

43-6GI/81

 Dr. Nigel Patrick Rodricks, Represented by Power of Attorney holder Dr. C.W. Rodricks, West Silk Street, Calicut

(Transferor)

(2) Smt. K. M. Zubaida, D/o Koyappathody Ahamedkutty Hajce, Chevayoor, Calicut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCREDULE

11.25 acres of Coffee and Pepper Estate in Sy. No. 754/1B of Purakkadi Desom vide document No. 1064/80 dated 15th July, 1980.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 10-3-1981

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 10th March, 1981

Ref. L.C. 481/80-81—Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calicut on 15th July, 1980

No. as per Schedule situated at Purakkadi

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Mrs. Rose Mary Rodericks, Represented by Power of Attorney holder, Dr. C.W. Rodricks, Beach Road, Calicut

(Transferor)

Shri P.S. Mani,
 4/272,E. Jayanti Nagar Colony,
 Near Beach Hospital,
 Calicut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

22.75 acres of Coffee and Pepper Estate in Sy. No. 754/IA of Purakkadi Village vide Document No. 1063/80 dated 15th July, 1980

V. MOHANLAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam,

Date: 10th March, 1981.

Scal:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 10th March, 1981

Ref. L.C. 480/80-81 Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per Schedule and situated at Purakkadi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calicut on 15th July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Dr. Nigel Patrick Rodricks, Represented by Power of Attorney holder Dr. C.W. Rodricks, West Silk Street, Calicut.

(Transferors)

(2) Shri K.V. Kunhammed, South Beach Road, Calicut-1.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

11 acres of Coffee and Pepper Estate in Sy. No. 754/1B of Purakkadi Village vide document No. 1065/80 dated 15th July, 1980.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 5th March, 1980.

FORM ITNS------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER, OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 10th March, 1981

Ref. L.C. 487/80-81 Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per Schedule situated at Trichur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Trichur on 25th July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rajan Panampunna, S/o Shri Sacaria, Ollur.

(Transferor)

(2) Shri Chackunny, S/o Shri Chalkkappan, Thalakkottukara House, Venkitangu

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

28.73 cents of land with a building in Sy. No. 391/12/9 of Ollur Village vide document No. 3998/80 dated 25-7-80.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 10-3-1981

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 10th March, 1981

Ref. L.C. 484/80-81—Whereas, 1 V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ernakulam on 20th July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri K. Sreedharan, Mundakkal Cheriyil Shanmughavilas, Quilon.

(Transferor)

(2) Mrs. Maureen Antonito, H. No. 42/758, Choolakkaparambil Road, Cochin-682018.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4 cents of land with building in Sy. No. 294/1 of Ernakulam Village vide document no. 2539/80 dated 26-7-1980.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-3-1981

 Shri Appunny, Manager, South Indian Bank, Shertallay.

(Transferor)

(2) Mrs. Mercy Bastion, w/o Dr. Bastion D. Vallanikkaran, House No. X/621, Rice Bazar, Trichur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act-shall have the same meaning as given in that Chapter.

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 11th March 1981

Ref. No. L.C. 485/80-81—Whereas I, V. MOHANLAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Trichur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Trichur on 16th July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

8 cents of land with building in Sy. No. 796/3, 796/4, 796/5
 2157/2 of Trichur Village vide Document No. 3834/80 dated 16-7-80.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 11-3-1981.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 10th March 1981

Ref. No. L.C. 488/80-81 Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per Schedule situated at Beypore:

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chalappuram on 17th July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Vazhayil Mohammed, s/o Shri Abu Haji, Merchant, Panniankara

(Transferors)

(2) Srnt. M. K. Sathiamma, D/o Shri K. Krishnan Nair, Krishnamandi ram, Pengambili Desom, South Wynad Taluk

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

9/10 right over 8 · 30 acres of coconut garden as per schedule attached to document No. 2552 80

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 10-3-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZRAAR, COCHIN-682016,

Ernakulam, the 12th March, 1981

Ref. L.C. 486/80-81 Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Cochin (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Cochin on 14th July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri K. R. Sadananda Shenoy, Kannadiparambu, Mattancherry (Cochin Medical Stores, New Road, Cochin-2) (Transferors)
- (2) M/s. Abdu Brothers, Dealers in Emptly Drums, Star Junction, Palluruthy Road, Cochin-2.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

21.43 cents of land with a building in Sy. No. 121/1 of Mattancherry Village Vide document No. 2317 dated 14th July, 1980.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam,

Date: 12th March, 1981.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS"
ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016,
Ernakulam, the 12th March, 1981

Ref. L.C. 489/80-81 Whereas I, V. MOHANLAL being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No as per Scheduled situated at Tripunithura
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Tripunithura on 11th July, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) Iacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 268C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ponnappan alias Benedict, S/o Kalloor Varghese, Kottuvallikkara

(Transferors)

(2) Smt. Lakshmikutty Amma, 'Lakshmi Sree', Irumpanam (O)

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

7 1/2 cents of land with a building in Sy. No. 518/2 of Tiruvankulam village Vide document No. 2639/80 dated 11th July, 1980.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 11th March, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE ERNAKULAM

Ernakulam, the 12th March, 1981

Ref. L.C. 490/80-81—Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 1549/1 situated at Trichur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Trichur on 31-7-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Raman Panicker, Ret. Dist. Indegenious Medical Officer, Shoranur Road, Trichur-1.

(Transferor)

(2) Smt. Chandramathi Nair, Represented by Smt. C. Lakahmikutty Amma, 'Karuna', Vellat Lane, Trichur.

(Transfere e)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3.5 cents of land with a building in Sy. No. 1549/1 of Trichur Village

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assisant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 12th March, 1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1691 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 12th March 1981

Ref. L.C. 491/80-81—Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the 'unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy No. 1549/1 situated at Trichur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 16th August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

 Shri Raman Panicker, Retd. Dist. Indegenious Medical Officer, Shoranur Road, Trichur-1.

(Transferor)

(2) Kum. Hematair, Represented by Smt. C. Lakshmikutty Amma, 'Karuna', Vellat Lane, Trichur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

7.899 cents of land in Sy. No. 1549/1 of Trichur Village.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 12th March, 1981.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, MADRAS

Madras, the 23rd February, 1981

Ref. No. 30/July/80.—Whereas, I, T. E. S. R. LAKSHMI NARASIMHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7/209, Sattrur Road, Ezhaitampannai, situated at Ezhairam-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Sattur on 9-7-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri R. Sreenivasagam, S/o Sri Ramia Nadar, C/o Jayaprakash Match Works, New Road, Kovilpatti.

(Transferor)

(2) Sri T. S. Jayaprabakaran, S/o Sri J. Soundararajan, Jayaraj Nagar, Madurai.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building (Cinema Theatre) at Ezhairampannai (Survey No. 123/3-A and 123/3) Door No. 7/209, Sattur Road, Ezhairampannai.

T. E. S. R. LAKSHMI NARASIMHAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rang-I, Madras.

Date: 23-2-1981